भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

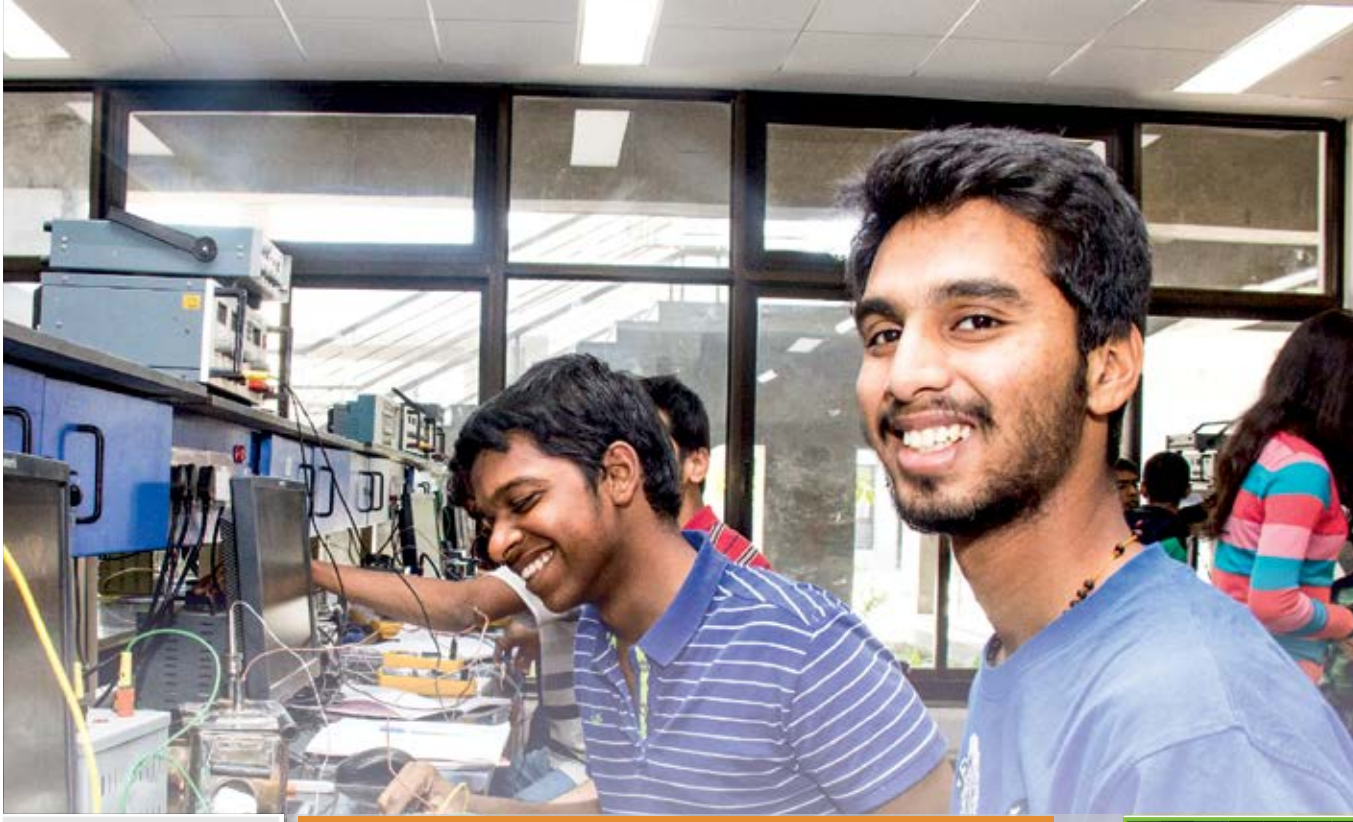

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर
वार्षिक प्रतिवेदन
2015 - 2016

वार्षिक प्रतिवेदन

2015 - 2016

विषय–सूचि

निदेशक की कलम से 8

शैक्षणिक 10

प्रदत्त कार्यक्रम 10

- अवर स्नातक/अधिस्नातक
- डाक्टरल

केंद्र 11

- पुरातत्व विज्ञान केंद्र
- जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र
- संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र
- डिजाइन एवं नवीनता केंद्र (डी.आई.सी.)
- सुरक्षा केंद्र
- दीर्घकालिक विकास के लिए (सी.एस.डी)

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में विकास 14

- वर्ष का विश्वविद्यालय
- हुडको डिजाइन पुरस्कार 2015
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिसर को 5* रेटिंग
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शासकीय मण्डल का पुनर्गठन
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में शैक्षिक नेटवर्क की वैश्विक पहल की शुरुआत (ग्यान)
- गुरुत्वाकर्षण तरंगों की अभूतपूर्व खोज में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का योगदान

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में गतिविधियां 16

- चतुर्थ दीक्षांत समारोह
- फाउंडेशन कार्यक्रम 2015
- वैश्विक स्वास्थ्य और विकास का ग्रीष्मकालीन संस्थान
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर खोजकर्ता अध्येतावृत्ति 2015
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की पहली पूर्व छात्र बैठक
- स्थाई परिसर में प्रथम मुख्य घटनाएं
- 5वीं शैक्षिक सलाहकार समिति बैठक
- 6वीं निर्वाचिका सभा
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का नया मोनोग्राफ प्रकाशन
- यू.एल. चुनौती 2014
- एस.आर.आई.पी. 2015
- रेफको 15
- बुनियादी अभियांत्रिकी विषयों पर ग्रीष्मकालीन विद्यालय
- संज्ञान, मस्तिष्क तथा आकलन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- एफ.एफ.ई. विद्वानों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- प्रथम भारत–चीन युवा अभियंता नेता कॉनक्लेव
- भारत की खोज
- कचरे से खिलौने
- विज्ञान–दिवस
- केनरा बैंक की शाखा का उद्घाटन
- अवर स्नातक शोध पर चर्चा
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक दिन के लिए 150 बालिकाओं की मेजबानी किया
- वार्षिक पिकनिक

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां
भा.प्रौ.सं. गांधीनगर नवाचार व उद्यमिता केंद्र
सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/विचार–गोष्ठी
दीर्घकालिक विकास पर कार्यशाला
वैज्ञानिक व गणितीय संकल्पना की कार्यशाला

सी.ओ.सी.ओ.ए. 2016
संक्षिप्त पाठ्यक्रम
संवेदन के लिए ट्यून करने योग्य डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर ग्यान पाठ्यक्रम
आमंत्रित व्याख्यान
टी.ई.क्यू.आई.पी.
आगंतुक
विशिष्ट मानद प्रोफेसर
गेस्ट प्रोफेसर

आधारभूत ढांचा और सुविधाएं 44
स्थाई परिसर विकास
सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी सुविधा

अनुसंधान गतिविधियां 47
- कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला
- शुष्क प्रक्रिया प्रौद्योगिकी (ड्राई प्रो टेक) प्रयोगशाला
- घर्षण स्टर वेल्डिंग - फ्रिक्शन स्टर
- ग्लोबल नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली (जी.एन.एस.एस.) प्रयोगशाला
- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- उपशिष्ट जल उपचार प्रयोगशाला

प्रयोगशाला सुविधाएं 49
- जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- रासायनिक अभियांत्रिकी
- रसायन विज्ञान
- सिविल अभियांत्रिकी
- संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र
- विद्युत अभियांत्रिकी
- पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- भौतिकी

पुस्तकालय
चिकित्सा केंद्र
फिजियोथेरेपी केंद्र
डे केयर केंद्र

आउटरीच गतिविधियां 60
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की सामाजिक पहुंच के लिए प्रतिबद्धता
- नीवः भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का सामाजिक पहुंच कार्यक्रम

संकाय गतिविधियां 62
प्रायोजित परियोजनाएं 62
- 2015–16 तक पारित परियोजनाएं
- जारी प्रायोजित परियोजनाएं

परामर्शदाता परियोजनाएं 65
- 2015–16 तक पारित परियोजनाएं
- जारी प्रायोजित परियोजनाएं

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार
पुरस्कार एवं मान्यताएं
मानद कार्य
संकाय द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान
अन्य संकाय गतिविधियां
दाखलि किए गए एकस्व अधिकार

प्रकाशन 80
- पुस्तकें
- संपादित पुस्तकें
- पुस्तकों के अध्याय
- रिपोर्ट
- पत्रिका पत्र

» संपादन
» ई–प्रिंट आर्काइव
» सभाओं में प्रदर्शित पत्र
» कार्यकारी पत्र
» प्रदर्शित पोस्टर
» एकस्व अधिकार
» समीक्षाएं
» पत्रिका/समाचार पत्र लेख
» अन्य

छात्र गतिविधियां 94

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियां 94
» परिसर नियुक्तियां 2015
» ग्रीष्मकाल अंतःशिक्षुता 2015

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियां 95
» अमल्थिया
» जश्न
» उड़ानः विदाई रात्रि–भोज
» संजीवनी
» अंतरविद्यालय तात्कालिक प्रतियोगिता
» इगनाइट 2.0
» ब्लिथक्रॉन 2016
» शीतकाल लाली
» काइमेरा

विशेष अवसर 97
» 69वां स्वतंत्रता दिवस समारोह
» हिंदी दिवस 2015
» सद्भावना दिवस
» अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
» संविधान दिवस समारोह
» भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने मातृभाषा दिवस मनाया
» गणतंत्र दिवस उत्सव

पुरस्कार 98
» पुरस्कार एवं मान्यताएं
» स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार
» अनुसंधान के लिए नकद पुरस्कार

खेल समाचार 100
» फुटबॉल खिलाड़ियों का लीग
» क्रिकेट कॉमबेट लीग
» खेल महाकुंभ
» जस्टिस लीग
» दिशा कप 2016
» अन्य खेल समाचार
» अंतर–छात्रावास खेल टूर्नामेंट

बाह्य संबंध 102
ड्यूक विश्वविद्यालय ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के साथ अनुसंधान के लिए गठबंधन किया
वाइब्रैंट सौराष्ट्र में सहभागिता
बाहरी पहुंच

सहमति ज्ञापन 104
» अंतर्राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन
» राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

ग्रीष्मकाल एवं शीतकाल 2015 में अंतःशिक्षुता 105
» विदेशी संस्थान
» स्वदेशी संस्थान

2015 के स्नातक जो विदेशों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं
2015 के स्नातक जो भारत में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

संस्थान के लिए सहयोग 114
नए मुख्य दानदाता
दानदाता सूचि

संगठन 120
शासकीय मण्डल
वित्तीय समिति
भवन व निर्माण समिति
अभिषद सभा

अभिषद सभा की स्थाई समितियां 122
- अभिषद सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)
- अभिषद सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)
- अभिषद सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)
- अभिषद सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)
- अभिषद सभा पुस्तकालय समिति (एसएलसी)
- अभिषद सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)
- अभिषद सभा पुस्तकालय समिति (एसएलसी)

शैक्षिक पदाधिकारी
छात्र नेतृत्व

संकाय 124
- विशिष्ट मानद प्राध्यापक
- अतिथि प्राध्यापक
- फुलब्राइट विशेषज्ञ
- गेस्ट प्रोफेसर

गैर शैक्षणिक स्टाफ
पी.एचडी. विद्वान
भा.प्रौ.सं. गांधीनगर–पी.आर.एल. के मध्य सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत पीएच.डी. विद्वान

एम.टेक. छात्र 141
- 2015 बैच
- 2014 बैच
- 2013 बैच

एम.एससी. छात्र 145
- 2015 बैच
- 2014 बैच

समाज एवं संस्कृति में एम.ए. 146
- 2015 बैच
- 2014 बैच

पी.जी.डी.आई.आई.टी. छात्र 146
- 2015 बैच
- 2014 बैच
- 2013 बैच

बी.टेक. छात्र 147
- 2015 बैच
- 2014 बैच
- 2013 बैच
- 2012 बैच
- 2011 बैच
- 2010 बैच

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य 157
मूल गुण
सिद्धान्त
मूल्य
ध्येय
दृष्टि
लक्ष्य

निदेशक की कलम से

प्रो सुधीर कु जैन

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के आठ वर्षों के इतिहास में वर्ष 2015–16 सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहा। हम जुलाई 2015 में छात्रावासों और कक्षाओं के साथ अपने स्थाई परिसर पालज में आ गए। अधिकतर प्रयोगशालाएं, संकाय कार्यालय तथा निवास मार्च 2016 तक स्थानांतरित हो गए। यह वाकई में संस्थान की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि है कि निर्माण कार्य शुरू होने के दो वर्षों के भीतर यह स्थाई परिसर में स्थानांतरित हो गया।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर देश का पहला संस्थान है जिसे विशाल विकास के लिए आंतरिक हैबिटैट आकलन के ग्रीन मूल्यांकन (ग्रिहा एलडी) से 5–सितारा रेटिंग प्राप्त है। यह मूल्यांकन प्रणाली किसी भी विकास का उसके आस–पास के वातावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को आंकता है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को संपूर्ण रूप से 25. 9% अंक (कम अंकों का अर्थ है अधिक संधारणीयता) प्राप्त हुए, 5–सितारा रेटिंग के लिए 35% से कम अंकों की आवश्यकता होती है।

इस वर्ष, हमने संकाय परामर्श और आंकलन के साथ–साथ संचार कौशल और छवि निर्माण के लिए अनुसंधान तथा तकनीकी सहयोग में विश्वस्तरीय ड्यूक विश्वविद्यालय के साथ एक शक्तिशाली गठबंधन किया। इस साझेदारी को यू.एस.ए.आई.डी. (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से अनुबंधित) तथा आर.टी.आई. अंतर्राष्ट्रीय से सहयोग प्राप्त है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को राष्ट्रीय संस्थागत मूल्यांकन ढांचे द्वारा आठवां स्थान प्राप्त हुआ। हमें शिक्षण, सीखने तथा संसाधन में चौथा एवं बाहरी पहुंच और समग्रता में पांचवा स्थान मिला है।

संस्थान को और भी कई सम्मान प्राप्त हुए हैं:

- इसको भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2015 द्वारा 10 वर्षों से कम समय में स्थापित हुए संस्थानों की श्रेणी में वर्ष का विश्वविद्यालय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- कम लागत के ग्रामीण/शहरी आवास तथा विपदा रोधी आवास श्रेणी में हमारे नवीन परिसर के कार्मिक निवास और छात्रावासों को हुडको डिजाइन पुरस्कार 2015 का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा शुरू की गई दो नई पहलें, सहकर्मी सहयोगात्मक सीख (पाल) और पांच दिवसीय फाउण्डेशन कार्यक्रम को देश भर में सराहा गया और कई संस्थान और विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाया भी गया है।

संस्थान छात्रों के लिए निरंतर पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में नवीनता ला रहा है। इसने एक खोजी अध्येतावृत्ति शुरू की है जो विद्यार्थियों को भारत के विभिन्न राज्यों में यात्रा करने को प्रोत्साहित करती है जिससे उन्हें देश की अद्भुत सांस्कृतिक और भौगोलिक भिन्नता का पता चल सके। गर्मियों में छः सप्ताह के समय और बहुत ही सीमित बजट में छात्रों को देश के छः या अधिक राज्य, जिसमें देश के दक्षिण, उत्तर और उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों में से कोई एक राज्य शामिल है, की यात्रा करनी होती है।

संस्थान ने पिछले आठ वर्षों में कुछ अतिविशिष्ट सफलताएं प्राप्त की हैं। यहां आने वाले यात्री बार–बार इसकी जीवंतता, शैक्षिक और सांस्कृतिक लोकाचार, संकाय, कार्मिक और छात्रों की ऊर्जा, तथा पाठ्यक्रम और प्रशासनिक नवीनता पर टिप्पणी करते हैं।

यह सब कुछ हमारे कर्तव्यनिष्ठ और परिश्रमी संकाय, छात्र और कार्मिकों, तथा हमारे शुभचिंतकों के गहरे आत्मविश्वास के बिना सम्भव नहीं होता। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के सहकर्मियों ने संस्थान निर्माण में बहुत मेहनत की है। समुदाय के मित्रों द्वारा दिए गए समय और उदार निधि से भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को सर्वश्रेष्ठ कौशल वाले संकाय, कार्मिक और विद्यार्थियों को चुनने और उन्हें अवसर प्रदान करने में सहायता मिलती है। संस्थान बहुत ही मददगार शासकीय मण्डल, राज्य और केंद्रीय सरकारों का सहयोग पाने में भाग्यशाली रहा है। हमें वी.जी.ई.सी. चांदखेड़ा के प्रधानाचार्य, संकाय और विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण सहयोग और सहायता भी प्राप्त हुई जो गत 8 वर्षों तक हमारा मेजबान था, इसके लिए हम बहुत ही आभारी हैं।

हम उस विश्वास को पूर्ण करने में सदा कार्यरत रहेंगे जो देश और समाज ने संस्थान पर अपने संसाधनों के माध्यम से निवेश किया है।

हम अब तक के हमारे विशाल विकास से प्रोत्साहित हैं किंतु हम अपने आगे की यात्रा के लिए भी बहुत सचेत हैं जो पालज, गांधीनगर में एक वैश्विक विश्वविद्यालय निर्माण के हमारे प्रयासों के लिए है।

प्रोफेसर सुधीर कु जैन
निदेशक

शैक्षणिक

प्रदत्त कार्यक्रम

अवर स्नातक/अधिस्नातक
रसायन अभियांत्रिकी
सिविल अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
यांत्रिक अभियांत्रिकी

एम.एससी.
रसायन विज्ञान
संज्ञानात्मक विज्ञान
गणित
भौतिकी

एम.ए.
समाज एवं संस्कृति

डाक्टरल
प्राचीन व मध्यकालीन भारत
जैविक अभियांत्रिकी
रसायन अभियांत्रिकी
रसायन विज्ञान
सिविल अभियांत्रिकी
संज्ञानात्मक विज्ञान
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
भू विज्ञान
विद्युत अभियांत्रिकी
इतिहास
भाषा व साहित्य
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
गणित
यांत्रिक अभियांत्रिकी
दर्शन विज्ञान
भौतिकी
राजनीति विज्ञान
मनोविज्ञान
सामाजिक महामारी विज्ञान
समाज विज्ञान
दक्षिण एशिया अध्ययन

www.iitgn.ac.in/aca-programm.htm

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में केंद्र

पुरातत्व विज्ञान केंद्र

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर पुरातत्व विज्ञान केंद्र की स्थापना दिसम्बर 2012 में औपचारिक रूप से निम्न प्रमुख उद्देश्यों के साथ हुई थी:

- स्टेट–ऑफ–दि–आर्ट सुविधाओं को बनाना जो पुरात्तव समुदाय की सेवा में रहें।
- विश्व भर में पुरातत्व सर्वेक्षणों में उपयोग होने वाली वैज्ञानिक विधाओं में नवीनतम अनुसंधान करना तथा बढ़ावा देना।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा अन्य संस्थाओं/विश्वविद्यालयों से संपर्क बना कर नए शोधों को शुरू करना तथा पुरातत्व विज्ञान में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- मानविकी तथा वैज्ञानिक विधाओं के बीच समानताएं विकसित करना जिसके लिए पुरातत्व विज्ञान आदर्श रूप में स्थित है।

ए.एस.सी. को भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद; टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई; तथा भा.प्रौ.सं. कानपुर का पुरातत्व पदार्थों के विशेषीकरण के लिए सहयोग प्राप्त है। ए.एस.सी. भागत्रव (दक्षिणी गुजरात) में गुजरात राजकीय पुरातत्व विभाग तथा सरदार पटेल विवि, वल्लभ विद्या नगर के लिए पुरातत्व सर्वेक्षणों में कार्यरत है। महाराज सयाजीराव विवि, बड़ोदा; तथा डेक्कन विद्यालय, पुणे के साथ नियमित शैक्षणिक वार्ताओं से परस्पर लाभ पहुंचता है। भा.पु.सं. विभिन्न संस्थानों से भी पुरातत्व में सामान्य अनुसंधान करने के लिए सहयोग प्राप्त कर रहा है। अगस्त 2015 में "भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में स्थित पुरातत्व विज्ञान केंद्र को मजबूती तथा सहयोग प्रदान करना" नामक एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने ए.एस.आई. को वडनगर के पुरातत्व स्थान पर जी.पी.आर. सर्वेक्षण करने में सहायता की जहां गुजरात राजकीय पुरातत्व विभाग पहले तथा ए.एस.आई. वर्तमान में उत्खनन कर चुका है।
ए.एस.आई. तथा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के मध्य सहमति ज्ञापन के अनुसार, ए.एस.सी. धोलावीरा (कक्ष का रण) में उत्खनन किए गए स्थान की विविध जांचों से संबंधित पहलुओं में सहायता कर रहा है। जब से ए.एस.आई. तथा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के मध्य सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए तब से ए.एस.सी. अपने प्रयासों में लगा हुआ है।

पुरातत्व विज्ञान केंद्र ने अगस्त 10–14, 2015 के दौरान ***पत्थर के मनकों का इतिहास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी*** पर एक 5 दिवसीय कार्यशाला–पाठ्यक्रम का आयोजन किया। भारत के अतिरिक्त 10 देशों जैसे सं.रा.अ., यू.के., फ्रांस, जापान, ईरान, थाईलैंड, बांगलादेश, नेपाल एवं श्रीलंका, के विशेषज्ञ और प्रतिभागियों ने इस विषय में हिस्सा लिया। इस कार्याशाला में भारत के सभी राज्यों के संस्थानों, विश्विविद्यालयों तथा संग्रहालयों से 80 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रा. जोनाथन मार्क केनोयर, नृविज्ञान विभाग, विसकॉनसिन–मैडिसन विश्वविद्यालय को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के पहले इंदिरा प्रतिष्ठान विशिष्ट व्याख्यान श्रंखला में व्याख्यान देने हेतु तथा पुरातत्व विज्ञान केंद्र से वार्ता करने के लिए निमंत्रण दिया गया था। प्रा. केनोयर दिसम्बर 16, 2015 से जनवरी 16, 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में आए तथा निम्नलिखित गतिविधियां शुरू कीं:

- अंबाजी, गुजरात में तांबे की खदानों में गए और उसे पिघलाने के प्रयोग हेतु नमूने इकट्ठे किए।
- कच्चे जस्ते के नमूने जमा करने जवर, राजस्थान की खदानों में गए।
- खंबट में परंपरागत पत्थर के मनकों के कारीगरों के साथ काम करने गए।
- अंबाजी की खदानों से इकट्ठा किए गए कच्चे तांबे को पिघलाकर प्रयोग किए।

प्रा. केनोयर के पुरातत्व विज्ञान तथा खासकर हडप्पन पुरातत्व विधा में विशेषज्ञता और अनुभव को ध्यान में रखते हुए पुरातत्व पर एक व्याख्यान श्रंखला आयोजित की गई। प्रा. केनोयर ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए:

- जनवरी 4, 2016: पुरातत्वीय पद्धति और सिद्धांत
- जनवरी 5, 2016: पुरातत्व की क्षेत्र तकनीकें
- जनवरी 6, 2016: प्रयोगात्मक पुरातत्व - सिंधु सभ्यता
- जनवरी 13, 2016: ओमान और मेसोपोटामिया में सिंधु प्रौद्योगिकी

ए.एस.सी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के अंदर अन्य संकाय सदस्यों/विभागों से लगातार सहयोग बना रहा है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के संकाय सदस्यों के संयुक्त अभ्यासों से कई पहलें हुई हैं जैसे जी.पी.आर., रिमोट सेंसिंग, 3डी लेजर स्केनिंग, मिट्टी का विशेषीकरण, पत्थर और चिकनी मिट्टी, रसायन निरूपण, इत्यादि। ए.एस.सी. पदार्थ विज्ञान के संकाय सदस्यों के साथ भविष्य में धोलावीरा से तांबे का धातु–उद्योग संबंधी अध्ययन शुरू करने की योजना में है। ***प्रा. वी एन प्रभाकर*** इसके प्रमुख संयोजक रहेंगे।

जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में स्थित जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र का ध्यान केंद्रित है जैविचिकित्सा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान करने के लिए केन्द्रित है। इस केंद्र का लक्ष्य ऐसे शोध को उत्पन्न करना है जो भारत के साथ–साथ विश्व के लिए भी समाजिक प्रासंगिकता रखता हो।

इस केंद्र के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- जैविक चिकित्सा प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान विकसित करना।
- स्वास्थ्य केयर संबंधी कम लागत, आसानी से उपलब्ध प्रौद्योगिकी का विकास जो ग्रामीण इलाकों के लोगों की मदद कर सके।
- विदेशी विश्वविद्यालयों तथा प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहभागिता स्थापित करना जिससे तीन मुख्य क्षेत्रों में अनुसंधान किया जा सके।

इस केंद्र के तीन प्रमुख शोध क्षेत्र हैं: डायगनोस्टिक/थिरेपिटिक टूल्स एवं तकनीकेंय ऑटोमेटेड पुनर्स्थापन एवं प्रोस्थेटिक तकनीकें एवं जन स्वास्थ्य तकनीकें।

29 सितम्बर, 2015 को केंद्र द्वारा एक अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर गुजरात सरकार के उद्योग कमिसरेट को एक प्रस्तुति दी गई। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शासकीय मण्डल के समक्ष जुलाई 29, 2015 को जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र द्वारा उनकी प्रगति पर एक प्रस्तुति दी गई। जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र द्वारा की गई शोध प्रगति की प्रशंसा हुई है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में जनवरी 29, 2016 को एक दिवसीय बैठक की गई जहाँ विशेषज्ञ जैसे, ***प्रा. दिनेश कांत कुमार*** (प्राध्यापक, जैविक चिकित्सा अभियांत्रिकी, आर.एम.आई.टी. ऑस्ट्रेलिया) एवं ***प्रा. सुरेश देवसहयम*** (प्राध्यापक, जैविचिकित्सा अभियांत्रिकी, सी.एम.सी. वेल्लोर, भारत) ने केंद्र के अंतर्गत किए गए अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की है। इसके अतिरिक्त, गुजरात सरकार के प्रतिनिधि, ***श्री डी आर परमार*** (उद्योग के उप आयुक्त) भी मौजूद थे।

प्रा. उत्तमा लाहिड़ी केंद्र की संयोजक तथा ***प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण*** सह–संयोजक हैं।

संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र

संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के जरिए संज्ञानात्मक विज्ञान के क्षेत्र में छात्रवृत्ति बढ़ाने के लिए लक्षित है। संस्थान संज्ञानात्मक विज्ञान में पी.एचडी, एम.एससी. एवं संक्षिप्त कार्यक्रम प्रदान करता है। इस संस्थान का यह भी लक्ष्य है कि देश में ज्ञान फैले और संज्ञानात्मक विज्ञान में वह नेतृत्व करे।

संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र का मुख्य उद्देश्य अंतरविषयक अनुसंधान के माध्यम से संज्ञानात्मकता, बुद्धि एवं व्यवहार का अध्ययन करना है। यह केंद्र देश में संज्ञानात्मक विज्ञान के क्षेत्र में गतिविधियों में संलग्न रहने तथा इस विधा का प्रचार करने को भी प्रस्तावित करता है। इस केंद्र की अग्रणी प्राथमिकता संज्ञानात्मक विज्ञान में आधारभूत अनुसंधान तथा क्षमता का विकास करना है। केंद्र की अनुसंधान गतिविधियों से अनुमान है कि शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, समाजिक व्यवहार तथा प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में लाभ पहुंचेगा। संस्थान की अंतरविषयक परस्पर वार्ता की अपनी प्राथमिकता के चलते भा.प्रौ.सं. गांधीनगर इन उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए एक अनोखी स्थिति में है।

संज्ञानात्मक विज्ञान भारतीय शिक्षा में अपेक्षाकृत रूप से एक नयी विधा है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर संज्ञानात्मक विज्ञान के विकास और पोषण करने में अग्रणी रहा है, बल्कि यह ऐसा पहला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान है। यह कार्यक्रम तब प्रारंभ हुआ जब संस्थान में 2010 को संज्ञानात्मक विज्ञान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन किया गया। यह सम्मेलन एक मोड़ बन गया जब देश विदेश के शोधकर्ताओं को आभास हुआ कि भा.प्रौ.सं. गांधीनगर संज्ञानात्मक विज्ञान के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान के मजबूत सहयोग के कारण यहां एक संकाय सदस्य व दो छात्रों के साथ 2010 में संज्ञानात्मक विज्ञान में पी.एचडी. स्थापित हुआ। यह समूह अब बढ़ कर 6 पूर्णकालीन संकाय सदस्यों, 15 से अधिक पी.एचडी. विद्वानों, 20 एम.एससी. छात्रों तथा विश्व के कई अभ्यागत विद्वानों और शिक्षाविदों का हो चुका है। औपचारिक रूप से भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र की स्थापना दिसम्बर 02, 2014 को शासकीय मण्डल के अनुमोदन द्वारा हुई। केंद्र में संपन्न हुए कुछ ताजा सम्मेलन इस प्रकार हैं: संज्ञानात्मकता, बुद्धि एवं गणना पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी, 2015; एवं संज्ञानात्मक विज्ञान संगठन, भारत की वार्षिक बैठक, 2016। ***प्रा. जयसन मंजली*** इस केंद्र के संयोजक तथा ***प्रा. पतीक मूथा*** सह–संयोजक हैं।

डिजाइन एवं नवीनता केंद्र (डी.आई.सी.)

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का डिजाइन एवं नवीनता केंद्र डिजाइन एवं नवीनता में संयुक्त परियोजनाएं, अनुसंधान एवं शैक्षणिक पहलों को प्रोत्साहित करता है। डी.आई.सी. पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों और संकाय सदस्यों की पहलों से नवीनतम उत्पादों और साधनों के विकास का पोषण करता है।

डी.आई.सी. का मुख्य उद्देश्य नवीनतम विकास करना

है जो विशेषकर भारतीय तथा सामान्यतः वैश्विक समाज की जीवन गुणवत्ता पर प्रमुख प्रभाव छोड़ सके। केंद्र एक बहुविषयक पद्धति अपनाते हुए नवीन परियोजनाओं को सहयोग करता है तथा विश्वस्तरीय संस्थानों से सहयोग स्थापित करता है। डी.आई.सी. परियोजनाओं का उद्योग तथा समाज पर गहरा ध्यान है तथा यह मानव–केंद्रित डिजाइनों जैसे समाजिक नवीनता, पर्यावरण अनुकूल डिजाइन, फ्रूगल अभियांत्रिकी, इत्यादि का अनुसरण करता है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर से तीन छात्र दिसम्बर 2015 को रीको, जापान गए। उन्होंने रीको सुविधाओं को देखा तथा भविष्य की प्रिंटर डिजाइन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

डा. निखिल बलराम, रीको इन्नोवेशन–सं.रा.अ. के अध्यक्ष और प्र.का.अ., ने सितम्बर 10, 2015 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की यात्रा की। डा. निखिल ने प्रकाश क्षेत्र का चित्रण एवं प्रदर्शन पर चर्चा की।

श्री मनोज कुमार, रीको इंडिया के प्रबंध निदेशक और प्रमुख कार्यकारी अधिकारी ने दिसम्बर 12, 2015 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की यात्रा की तथा रीको और भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के बीच भविष्य की सहयोगात्मक साझेदारी पर चर्चा की।

श्री टोमोहीरो हराडा फरवरी 16, 2016 को पालज परिसर आए। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर और श्री हराडा के बीच एक बैठक आयोजित की गई जिससे भविष्य की परियोजनाओं पर बातचीत हो सके। डी.आई.सी. के प्रमुख उद्देश्यों में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के पाठ्यक्रम में उन्नत डिजाइन तथा नवीनीकरण को सम्मिलित करना है। संस्थान ने द्वितीय वर्ष के अवरस्नातकों के लिए एक डिजाइन पाठ्यक्रम को अनिवार्य किया है। डी.आई.सी. संकाय सदस्यों ने केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान तथा नार्थम्पटन विवि कला विद्यालय, यू.के. के साथ उन्नत वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी और संयुक्त पाठ्यक्रमों को शुरू किया है। डी.आई.सी. भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के साथ वार्ताओं, सम्मेलनों, परिसंवादों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से एक डिजाइन वातावरण को बनाने का प्रयत्न करता है। यह नियमित रूप से क्रियाशील परियोजनाएं एवं डिजाइन प्रतियोगिताएं लेता रहता है तथा छात्र और संकाय के लिए डिजाइन व नवाचार परियोजनाएं सरलता से उपलब्ध कराता है।

संस्थान के समुदाय के लिए डी.आई.सी. आंतरिक सेवाएं प्रदान करता है जैसे, पोस्टरों, फ्लाइर, पत्रिकाएं, रिपोर्ट, गोष्ठी सामग्री, पुस्तक के बाहरी पृष्ठ, मोबाइल ऐप, इत्यादि के डिजाइन का निर्माण करना। ***प्रा. हरीष पी एम*** डी.आई.सी. के समन्वयक हैं।

सुरक्षा केंद्र

सुरक्षा केंद्र का लक्ष्य है सुरक्षित भारत में जनता और प्राइवेट क्षेत्र में सुरक्षा का प्रसार करना और ज्ञान की रचना एवं प्रचार के माध्यम से देश में अग्रणी रहना। सुरक्षा केंद्र निम्न गतिविधियों के माध्यम से इन उद्देश्यों को प्राप्त कर रहा है:

- शोधः अनुसंधान परियोजना, परामर्श एवं परियोजना का क्रियान्वयन। जन सुरक्षा का जिम्मा लेते हुए उसकी जागरुकता फैलाना।
- शिक्षाः भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के अवरस्नातक और स्नातक पाठ्यक्रम में औद्योगिक सुरक्षा पाठ्यक्रम को प्रारंभ करना।
- बाहरी पहुँचः वैश्विक सुरक्षा कार्मिकों के लिए सुरक्षा सम्मेलन और संगोष्ठियां करना जिससे वे आपसी सामंजस्य स्थापित कर सकें और नवीन सुरक्षा प्रौद्योगिकी को जांच सकें; इसके अतिरिक्त सुरक्षा कार्मिकों के लिए प्रिशिक्षण कार्यक्रम करना।
- अभ्यासः कर्मचारियों और छात्रों को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की प्रयोगशालाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से सुरक्षित कार्यप्रणाली के तौरतरीकों में प्रशिक्षण प्रदान करना।

सुरक्षा केंद्र भूकंप अभियांत्रिकी, अग्नि सुरक्षा, रसायन प्रक्रिया सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा को सुधारने के उद्देश्य से नवीनतम शोध करने के लिए एकाग्रचित्त है।
केंद्र की वार्षिक गतिविधियों में शामिल है:

- हैनरी मेरिल सुरक्षा अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का निर्माण।
- अग्नि सुरक्षाः आग एक ऐसा संकट है जो सर्वव्यापी है तथा उपयुक्त सुरक्षा कार्यवाही के अभाव में वह विनाशकारी हो सकता है। यह केंद्र अग्नि के खतरों का अवलोकन करने तथा अग्नि रोधी निर्माण प्रणाली को बढ़ाने पर कार्य कर रहा है।
  - भारतीय इमारतों में अग्नि वक्रों का विकास
  - आर.सी.सी. से रचना की गई इमारतों की अग्नि ढाचों की समीक्षा करने के बेहतर तरीकों का विकास।
  - चिनाई भरे पेनल्स के इन–प्लेन और आउट–प्लेन बर्ताव का विशेषीकरण
  - विद्युत आगः यू.एल. सुरक्षा विज्ञान चुनौती 2014 के अंतर्गत छात्र विद्युत आग की समस्या को समझने पर कार्य कर रहे हैं।
- रसायन प्रक्रिया सुरक्षा पर शोधः
  - क्रिया सुरक्षा में मानव त्रुटि पर संज्ञानात्मक अभियांत्रिकी का क्रियान्वयन।
  - जयपुर आई.ओ.सी.एल. टर्मिनल अग्नि का एनीमेशन
- भूकंप सुरक्षा में अनुसंधान
  - गुजरात का भूकंप सम्बन्धी विश्लेषण (भूमि गति विशेषीकरण)

- ढांचे रहित घटकों का भूकंप सुरक्षा अवलोकन

» सड़क सुरक्षा में अनुसंधान

इस केंद्र के समन्वयक ***प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन*** तथा सह–संयोजक ***प्रा. चिण्मय घोरोई*** हैं।

दीर्घकालिक विकास केंद्र

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का दीर्घकालिक विकास के लिए डा किरन पटेल क्रेंद्र अंत:विषयक गतिविधियों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए केंद्रित है जिसमें कई गतिविधियां होती हैं जैसे समस्या निर्धारण, अनुसंधान, तथा संपूर्ण विकास में तब्दीली, साथ ही मौजूदा संसाधनों का प्रभावी और नियोजित उपयोग। एक वैज्ञानिक सवाल जिसको केंद्र संबोधित करता है वह है।

जलवायु बदलाव और बढ़ते शहरीकरण से जुड़ा संपूर्ण दीर्घकालिक विकास संयुक्त रूप से पारंपरिक ज्ञान, उन्नत अनुसंधान और एक क्रियाशील पहुंच पर किस सीमा तक आधारित है। अधिक समाजिक निहितार्थ वाली समस्याओं के कम–लागत वाले दीर्घकालिक समाधानों के लिए केंद्र कार्यरत रहता है। यह केंद्र पांच मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देता है (क) जल संसाधन एवं जलवायु बदलाव (ख) ऊर्जा (ग) प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण (घ) जन स्वास्थ्य तथा (ड) मानव से जुडा विकास।

केंद्र के द्वारा 2015–16 के दौरान विभिन्न प्रकार की अनुसंधान गतिविधियां की गई हैं। गंगा नदी प्रणाली की सहायक नदियों के गतिशील व्यवहार और सम्बन्धित बाढ़ के खतरों को समझने के लिए विभिन्न जल तथा नदी सम्बन्धित अध्ययन किये गए। भारत सरकार के लिए मध्य प्रदेश और मेघालय के जलवायु बदलाव के प्रभावों के मॉडल निर्मित किये गए। तत्काल– (2010–2039), भविष्य– (2040–2069) और सुदूर भविष्य– (2070–2099) भारत की सभी प्रमुख नदियों में होने वाले जल संबंधी बर्ताव का अनुमान लगाया गया। एक दीर्घकालिक प्रबंधन योजना का विकास गुजरात सरकार के लिए किया गया। इसके अतरिक्त, भारत के पश्चिम में क्रिटिकल जोन वेधशाला को स्थापित करना और अंत:विषयक पद्धति के द्वारा नदियों के प्रबंधन की योजना से सम्बन्धित नई परियोजनाएं प्रस्तुत की गई हैं। दीर्घकालिक विकास पर मई, 2015 में एक कार्यशाला के माध्यम से बाहरी पहुंच की गतिविधियां संपन्न की गई हैं। इस कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्ता शामिल हुए जैसे जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण, वन प्रबंधन तथा समाजिक महामारी। यह कार्यशाला भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के कम, मध्यम और अधिक समयावधि के दीर्घकालिक उद्देश्य को दर्शाता है। प्रा. विक्रांत जैन इस केंद्र के सम्नवयक हैं।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में विकास

वर्ष का विश्वविद्यालय

भारतीय वाणिज्य व उद्योग चौम्बर्स संघ (एफ.आई.सी.सी.आई.) ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को ***वर्ष के विश्वविद्यालय*** के तौर पर मान्यता प्रदान की है जो "10 वर्षों से कम के अस्तित्व" की श्रेणी के संस्थानों में 2015 उच्चतर शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार है।

हुडको डिजाइन पुरस्कार 2015

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का पालज गांधीनगर में नव निर्मित स्थाई परिसर के स्टाफ आवास व विद्यार्थी छात्रावास ने आपदा प्रितरोधी आवास के साथ लागत प्रभावी ग्रामीण/शहरी आवास श्रेणी के अन्तर्गत ***हुडको डिजाइन पुरस्कार 2015 में प्रथम पुरस्कार*** हासिल किया है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिसर को 5* रेटिंग

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने (गृहा एल डी) ***ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट एसेसमेंट फॉर लार्ज डेवलपमेंट्स द्वारा 5* रेटिंग*** हासिल किया है। उन्होंने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के विभिन्न पर्यावरण उन्मुख पहलों जैसे कम ऊर्जा का मल जल उपचार, जल रिसाइकलिंग, बारिश के पानी का संग्रहण, छत पर सौर फोटोवोल्टिक पौधों, सौर जल तापक, निष्क्रिय वातायन, पैदल यांत्रियों के अनुकूल परिसर, कार्यस्थल पर पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों का उपयोग (जैसे कॉंक्रीट सड़क, फ्लाई एश ईंट), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, बॉयो गैस प्लांट इत्यादि के साथ एक हरे–भरे परिसर को विकसित करने के प्रयत्नों को मान्यता प्रदान की है।

www.iitgn.ac.in/admin-bog.htm

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शासकीय मण्डल का पुनर्गठन

संस्थान के शासकीय मण्डल में भा.प्रौ.सं. परिषद के उम्मीदवार के तौर पर 4 नए सदस्य शामिल हुए हैं। ***डा. चन्द्रिमा शाहा***, निदेशक, राष्ट्रीय रोग क्षमता संस्थान, नई दिल्ली; ***प्रा. शोभना नरसिंहन***, डीन, शैक्षणिक मामले, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक शोध केन्द्र, बेंगलोर; ***प्रा. मैथिली रामास्वामी***, प्राध्यापिका, टाटा मौलिक शोध संस्थान, बेंगलोर; ***श्री आर सुब्रमणयम***, भा.प्र.से., अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा), उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। ***प्रा. आर. शरण***, अभ्यागत प्राध्यापक, तथा ***प्रा. अमित प्रशांत***, प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर अभिषद सभा के सदस्यों के तौर पर संस्थान के शासकीय मण्डल में शामिल हुए। इस मण्डल में कुल 11 सदस्य होते हैं।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में शैक्षणिक नेटवर्क (जी.आई.ए.एन.) के वैश्विक पहल का अद्घाटन

30 नवम्बर, 2015 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री, ***श्रीमति स्मृति ईरानी*** ने नए मा.सं.वि.मं. की योजना ***वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क*** पहल (जी.आई.ए.एन.) का उद्घाटन किया। अन्य गणमान्य व्यक्ति जो मौजूद थे, उनमें ***श्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा***, शिक्षा मंत्री, गुजरात सरकार, ***श्री वी. एस. ओबेरॉय***, मा.सं.वि.मं. में उच्चतर शिक्षा के सचिव तथा ***प्रा. पी.पी. चक्रवर्ती***, निदेशक, भा.प्रौ. सं. खड़गपुर शामिल हैं। जी.आई.ए.एन पहल दो 10 दिवसीय पाठ्यक्रमों के साथ आरम्भ की गई है। प्रथम पाठ्यक्रम, ***सांस्कृतिक धरोहर का 3डी डिजीटीईजेशन*** शीर्षक से भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में संपन्न हुआ जो ***डा. मार्को कैलेरी*** सूचना के विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, पीसा, इटली ने आयोजित किया। द्वितीय पाठ्यक्रम जो भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में आयोजित हुआ उसका शीर्षक था ***ऑर्थोपेडिक बायोमेकेनिक्स. इंप्लांट्स व बायोमेटेरियल्स***। अपनी यात्रा के दौरान श्रीमति ईरानी के विद्यार्थियों के साथ कई अनौपचारिक वार्तालाप भी हुए तथा वे विद्यार्थी छात्रावास भोजनालय में भी गयीं।

गुरुत्वाकर्षण तरंगों की लैंडमार्क खोज में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का योगदान

कोलाइडिंग ब्लैक होल्स से आती हुई गुरुत्वाकर्षण तरंगो की लैंडमार्क वैज्ञानिक खोज में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर एक वैश्विक साझेदार है। अलबर्ट आइन्सटाइन ने 100 वर्ष पहले 1915 में अपने सामान्य सापेक्षता सिद्धांत में गुरुत्वाकर्षण लहरों के बारे में भविष्यवाणी की थी। गुरुत्वाकर्षण लहरों की खोज लेजर इन्टरफेरोमीटर, गुरुत्वाकर्षण लहर वेधशाला (एल.आई.जी.ओ.) संसूचक जो लिविंगस्टन, लूसियाना तथा हैनफोर्ड, वॉशिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है, द्वारा 14 सितम्बर, 2015 को की गई।

प्रा. आनन्द सेनगुप्ता के नेतृत्व में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के एक शोध समूह ने इस खोज में अपनी भूमिका निभाई। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में इस शोध समूह ने उनमें से कुछ को विकसित करने तथा उन्हें सुपर कम्प्यूटर्स पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिछले 4 वर्षों में, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर लौकिक संसूचक का प्रयोग कर संवेदनात्मक खोज एलगोरिदम के विकास में तथा उच्च–प्रवाहक्षमता संगणक प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर स्वचालित डाटा विश्लेषण कार्य प्रवाह पर उन्हें स्थापित करने तथा गुरुत्वाकर्षण लहरों का पता लगाने के लिए वैश्विक प्रयासों में एक साझेदार बन गया है।

एल.आई.जी.ओ. वैज्ञानिक सहयोगात्मक (एल.एस.सी) संयुक्त राज्य अमेरिका, तथा 14 अन्य देशों के विश्वविद्यालयों के एक हजार से अधिक वैज्ञानिकों का एक समूह है। प्रा. सेनगुप्ता भारतीय गुरुत्वाकर्षण–तरंग, पर्यवेक्षण (इंड.आई.जी.ओ.) के संरक्षण के अन्तर्गत एल.एस.सी. में शिरकत कर रहे हैं– यह भारत के 9 शोध संस्थानों तथा विश्वविद्यालय के 100 वैज्ञानिकों का एक संघ है, जिन्होंने इस खोज में योगदान दिया है। इंड. आई.जी.ओ. से कुल 37 वैज्ञानिकों ने इस खोज–पत्र में योगदान दिया है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में गतिविधियां

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह

संस्थान का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 01 अगस्त, 2015 को इसके स्थाई परिसर में संपन्न हुआ जिसमें 173 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 105 बी.टेक., 31 एम.टेक., 6 पी.एचडी., 25 एम.एससी. तथा 6 पी.जी.डी.आई.आई.टी. विद्यार्थी शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ***श्री बाबा एन कल्याणी***, अध्यक्ष तथा एम.डी. भारत फोर्ज लि.,

तथा अध्यक्ष कल्याणी ग्रूप ऑफ कंपनीज थे। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर शासकीय मण्डल के अध्यक्ष ***डा. बलदेव राज*** ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की है। संस्थान ने शैक्षणिक, खेलकूद, नेतृत्व तथा समुदाय–सेवा में उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए 40 मेडल प्रदान किए। इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं–

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बी.टेक. (***प्रीत शाह***), राष्ट्रपति स्वर्ण पदक एम.टेक. (***गुणदीप कौर सूडन***), राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, एम.एससी. (***विशाखा***), संस्थान स्वर्ण पदक, बी.टेक. (***प्रथमेष गणेश भाट, सुदीक्षा श्रीधर, प्रीत शाह***) संस्थान स्वर्ण पदक, एम.टेक. (गुणदीप ***कौर सूडन, प्रीती राठी, गनेरीवाला मोहित दिनेशकुमार, कृष्ण कुमार सक्सेना***), संस्थान स्वर्ण पदक, एम.एससी. (***अमरज्योति दास महापात्र, विशाखा, पमनानी उज्जवल अशोककुमार***), संस्थान रजत पदक, बी.टेक. (***आयुश चौधरी, तुष्टि शाह, मिशिता जयसवाल***), निदेशक स्वर्ण पदक, बी.टेक. (***हर्ष गुप्ता***), निदेशक स्वर्ण पदक एम.टेक. (***तरुणा यादव***), निदेशक स्वर्ण पदक, एम.एससी. (***गोल्डी यादव***), निदेशक रजत पदक, बी.टेक. (***सोहम हर्षे, मोनीश भांगले, राज शाह***), उत्कृष्ट नवाचार (***ध्येय शाह***), उत्कृष्ट समाज सेवा (***आकाश केशव सिंह***), सत्यनिष्ठा व अनुकरणीय मानवीय गुण (***इप्सित तिवारी***), उत्कृष्ट शोध, बी.टेक. (***रोहन पाटीदार***), उत्कृष्ट शोध, एम.टेक. (***गनेरीवाला मोहित दिनेशकुमार***), उत्कृष्ट शोध, एम.एससी. (***विशाखा***), खेलकूद में समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन (***पार्थ साणे***), तैराकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***पार्थ साणे***), इनडोर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***मोनीष भांगले***), आउटडोर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***चेतन पाटिल***), ऐथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***तरुणा यादव***), कला व संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***इप्सित तिवारी***), उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए अग्रणी बैच पुरस्कार (***आकाश केशव सिंह***), अभियांत्रिकी ग्राफिक्स व निर्माण और कार्यशाला अभ्यास के मूल पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***प्रथमेष गणेश भट***), गणित के मूल पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***मिशिता जयसवाल***), भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान के मूल पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***प्रीत शाह***), मानविकी तथा समाज विज्ञान के मूल पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन (***निशांत राव***), मानविकी तथा समाज विज्ञान विषयों में समग्र सर्वोत्तम प्रदर्शन (***सुकृति गाखर***)।

फाउन्डेशन कार्यक्रम 2015

23 जुलाई से 28 अगस्त, 2015 के दौरान संपन्न 5 सप्ताह तक चलने वाले ***फाउन्डेशन कार्यक्रम*** के दौरान अवर–स्नातक के नव प्रवेशित छात्रों के लिए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने, साहसिक खेलकूद से खजाने की खोज तक, अभिनय पद्धति के व्यूह का प्रयोग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ***प्रा. उर्जित याजनिक***, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे के प्राध्यापक तथा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शैक्षणिक व विद्यार्थी मामलों के प्रथम डीन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ***प्रा. एस. पी. मेहरोत्रा*** द्वारा किया, फिर डीन तथा विषयों के शैक्षणिक समन्वयकों के साथ इन्टरएक्टिव बैठकें हुईं। इन 5 सप्ताह के दौरान कहानी सुनाना, फोटोग्राफी, रेखाचित्रण, संगीत, चित्रकारी, हास्य पुस्तकें बनाना, मूर्तिकला, योग, खेलकूद विरासत की सैर, थियेटर गतिविधियां, सड़क की सफाई, वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों के स्वतंत्र विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए नेतृत्व, लिंग–संवेदनशीलता, नीति शास्त्र तथा मूल्य–शिक्षा पर कई आकर्षक वार्ताएं आयोजित की गईं। शहर के सर्वोत्तम नृत्य व थियेटर समूह, दर्पण एकेडमी, ने कलारिपयत्तु तथा लोकनृत्य पर कार्यशाला आयोजित किया। इसके बाद सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुश्री मल्लिका साराभाई द्वारा व्याख्यान व प्रदर्शन हुए। कार्यक्रम का समन्वय ***प्रा. अभय राज सिंह गौतम, प्रा. मधुमिता सेनगुप्ता, प्रा. भारद्वाज कोलप्पा*** तथा ***प्रा. सौरिन्द्र चौधरी*** ने किया।

वैश्विक स्वास्थ्य व विकास पर ग्रीष्मकाल संस्थान

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने 15 मई से 15 जून, 2015 तक ***वैश्विक स्वास्थ्य व विकास*** पर सस्काचवान विश्वविद्यालय, कनाडा के सहयोग से एक ***ग्रीष्मकाल संस्थान*** का आयोजन किया। भारत के अग्रणी शैक्षणिक व शोध संस्थानों से कुल 42 प्रतिभागियों का चयन किया गया। इस कार्यक्रम को गुजरात अलकालिज व केमिकल्स लि. (जी.ए.सी.एल.), बड़ोदरा ने समर्थन दिया तथा एक स्वस्थ, साम्यिक तथा सतत विश्व के लक्ष्य के लिए युवा शोधकर्ताओं को संलग्न करने तथा तैयार करने के लिए शिक्षा–विज्ञान व शोध का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। महत्वपूर्ण संसाधन व्यक्तियों में, ***प्रा. तन्निष्ठा सामन्त*** (संयोजक), ***प्रा. मालविका सुब्रमण्यम*** तथा ***प्रा. शिवकुमार जोलाड***, सभी भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, ***प्रा. लीजा वर्गो***, ***प्रा कालोवाटी देवनन्दन***, ***प्रा डेविड जे पर्किंसन***, ***डा. लाचलान मैक विलियम्स***, ***डा. रॉबर्ट एलेक्जेन्डर ईन्स***, ***श्री जयसन डिसानो*** और ***सुश्री सुगन्धी डेल कैंटो***, सभी कला व विज्ञान महाविद्यालय सास्काचवानय तथा ***डा. रेवत देवनन्दन***, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा शामिल थे। ग्रीष्म संस्थान ने आमंत्रित वक्ताओं की भी मेजबानी की जिसमें ***प्रा. दिलीप मावलांकर***, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान, गांधीनगर महत्वपूर्ण वक्ता; ***प्रा. ईरुदया राजन***, विकास अध्ययन केन्द्र, केरल, ***डा. सुभारती घोष***, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टी.आई.एस.एस.), बॉम्बे; ***प्रा. तारा नायर***, गुजरात शोध विकास संस्थान, अहमदाबाद; तथा ***श्री गौतम पटेल***, जे.–पी.ए.एल. दक्षिण एशिया शामिल हुए।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर अन्वेषक अध्येतावृत्ति 2015

2015 के ग्रीष्मकाल के लिए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के 22 विद्यार्थियों ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर अन्वेषक अध्येतावृत्ति प्राप्त की। विद्यार्थियों को 8 टीमों में विभाजित किया गया और प्रत्येक टीम को मई–जून, 2015 के दौरान 6 सप्ताह के लिए भारत के विभिन्न राज्यों में यात्रा करने के लिए 45 हजार रुपए दिए गए। इन अध्येतावृत्तियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के अद्भुत सांस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधता से परिचय करवाना है। इसके अंतर्गत छात्रों को 6 या अधिक राज्यों का अन्वेषण करने की आवश्यकता है जिसमें देश के दक्षिणी, उत्तरी तथा उत्तर–पूर्वी प्रदेशों से कम से कम एक राज्य शामिल होना चाहिए। छात्रों को रेल के शयनयान श्रेणी या राज्य सरकार की बसों से सेवा करनी होती है तथा किफायती आवासों में ठहरना होता है।

प्रथम भा.प्रौ.सं. गांधीनगर पूर्व विद्यार्थी बैठक

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के पूर्व विद्यार्थी संस्था द्वारा 1 अगस्त, 2015 को प्रथम वार्षिक पूर्व विद्यार्थी बैठक आयोजित की गयी, जिसमें 50 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। एक पूर्व विद्यार्थी इन्टरएक्सन संगठन में काम कर रहे पूर्व विद्यार्थियों से मिलने जुलने तथा उनके साथ विचार विनिमय करने के अवसर प्रदान किए गए। पूर्व विद्यार्थियों के लिए स्थाई परिसर के लिए संचालित दौरे का भी आयोजन किया गया। पूर्व विद्यार्थी संघ के कार्यकारिणी परिषद के सदस्य ***श्री प्रत्युल कपूर*** ने सदस्यों को संबोधित किया तथा आगे की गतिविधियों के लिए विभिन्न विषयों तथा संघ की योजनाओं के बारे में चर्चा की, इसके बाद विद्यार्थी मामलों के डीन ***प्रा. जयसन मंजली*** ने भी संबोधिन किया। ***श्री अंशुल गुप्ता*** ने 2015 की कक्षा द्वारा जमा किए 6 लाख रुपए का उपहार निदेशक प्रा जैन को पेश किया। इस सम्मेलन का समापन रात्रि–भोज पर विद्यार्थी–संकाय की परस्पर बातचीत से हुआ। कार्यक्रम का संयोजन ***मुजम्मिल रावत, सूर्य निलय ठाकोर, दर्शिल चौहान*** तथा ***अनिकेश कामथ***, विद्यार्थी संयोजन, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर पूर्व छात्र प्रकोष्ठय तथा ***प्रा. सुपर्ब मिश्रा***, संकाय सलाहकार, पूर्व छात्र मामले, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने किया है।

स्थाई परिसर में प्रथम महत्वपूर्ण कार्यक्रम

02 मई, 2015 को पालज में स्थाई परिसर के एक नए छात्रावास का उद्घाटन किया गया इसके बाद भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय के सभी सदस्यों के लिए एक ***बड़ा खाना*** का आयोजन किया गया जिसमें निर्माण मजदूर, निर्माण ठेकेदार, परियोजना प्रबंधन टीम, संस्थान के कर्मचारी तथा अन्य शुभ चिंतक शामिल हुए। नए निर्मित हॉस्टल में पूर्व बैच के 100 से भी अधिक छात्रों ने रात बिताई।

www.iitgn.ac.in/administration_aac.htm

www.iitgn.ac.in/administration_leadership.html

पांचवी शैक्षणिक सलाहकार परिषद बैठक

पंचम शैक्षणिक सलाहकार परिषद की बैठक 28 दिसम्बर, 2015 को हुई जिसमें संकाय के लिए कार्यकाल प्रणाली से संबंधित विषयों, समान पदस्थ द्वारा समीक्षा व संकाय के लिए मार्गदर्शन, तथा संकाय उत्पादकता और विद्यार्थी सहायता दोनों के लिए फंड के कुशल उपयोग पर चर्चा की गई। एक वार्षिक बैठक के रूप में, शैक्षणिक सलाहकार परिषद संस्थान के विकास के महत्वपूर्ण विषयों पर रणनीतिक व बाह्य इनपुट प्रदान करती है।

छठा नेतृत्व कॉनक्लेव

29 दिसम्बर, 2015 को संपन्न ***छठा नेतृत्व कॉनक्लेव*** में, संस्थान में एक उद्यमिता संस्कृति को मजबूत करने के लिए, समुदाय–संलग्नता को मुख्य धारा एजेन्डा का हिस्सा बनाने, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के लिए ढांचा, तथा बाह्य हित धारकों को संलग्न करने के उपक्रमों के बारे में चर्चा की गई। संस्थान के अल्प–कालीन, मध्य–कालीन, तथा दीर्घकालीन अवधि के रणनीतिक विषयों से सम्बन्धित मार्ग दर्शन के लिए इस वार्षिक कॉनक्लेव का आयोजन किया जाता है। इस कॉन्क्लेव में पूरे विश्व तथा भारत से प्रसिद्ध शिक्षाविदों के साथ ही साथ उद्योग व सरकार से प्रतिभागी शामिल हुए।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का मोनोग्राफ प्रकाशन

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने '***साबरमती पर परिसर***' श्रंखला के अंतर्गत आवासीय निर्माण के लिए प्रथम मोनोग्राफ "***सीमित चिनाई***" हाल ही में प्रकाशित किया। इस प्रकाशन में 30 भवनों से ज्यादा (छात्रावास तथा संकाय व स्टाफ आवास) के लिए सीमित चिनाई प्रौद्योगिकी के उपयोग की चर्चा की है। इस मोनोग्राफ से सीमित चिनाई की उत्कृष्ट विशेषताओं के बारे में भारत तथा अन्यत्र निर्माण पेशेवर लोगों को संवेदनशील बनाने व शिक्षित करने में सहायता की अपेक्षा की जाती है। सम्पर्क करने के लिए पूर्ण विवरण निम्नलिखित है। श्रंखलाओं का उद्देश्य भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिसर के विकास की चर्चा करना है।

Monograph | www.iitgn.ac.in/sites/default/files/ConfinedMasonry.pdf

अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला चुनौती 2014

अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला (यू.एल.) 2009 से हर वर्ष भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के अवर–स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक अभियांत्रिकी चुनौती जारी करता है। इस वर्ष इस प्रतियोगिता ने ***विद्युत अग्नि*** पर ध्यान केन्द्रित किया। ***श्री निवासन डेसिकन वी.***, निदेशक, ऑपरेशन ऑफ यू.एल. दक्षिण एशिया ने 23 अप्रैल, 2015 को विजेता टीम की, उद्घोषणा की। 8 विद्यार्थी (***सूरज कुमार भोसले, मयंक खेवरिया, अक्षय वर्मा, अमित यादव, सूर्य कुमार माणे, प्रथम गोयल, कपिल पाठक*** तथा ***दीपेन सोमानी***) यू.एल. चैलेंज, 2014 के विजेता चुने गए। फेज 2 के दौरान अधिक गहराई में कम वोल्टेज अनुप्रयोगों में विद्युत अग्नि के कारणों का अध्ययन करने के लिए टीम ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में प्रयोगों व विश्लेषण की प्रतिकल्पना पर काम को शिकागो में अंडर्राइटर्स प्रयोगशालाओं में प्रयोगशाला सुविधाओं का प्रयोग करते हुए बढ़ाया। 7 विद्यार्थियों ने यू.एल. शिकागो तथा राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा प्रयोगशाला डेनवर कोलोराडो, (एन.आर.ई.एल.) प्रयोगशाला का दौरा किया। यह टीम वर्तमान में अपने काम पर आधारित एक तकनीकी पत्र तथा सुरक्षित विद्युत पात्रों पर एक डिजाइन परयोजना पर कार्य कर रही है।

एस.आर.आई.पी. 2015

देश की प्रमुख संस्थाएं भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, भा.प्रौ.सं. मद्रास, भा.प्रौ.सं. बीएचयू, आई.एस.एम. धनबाद, आई.आई.एस.टी. त्रिवेन्द्रम तथा एस.वी.एन.आई.टी. सूरत, से 74 विद्यार्थियों ने 2015 के ***ग्रीष्मकालीन शोध अंतःशिक्षुता कार्यक्रम*** (एस.आर.आई.पी.) में भाग लिया। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के 126 विद्यार्थियों के साथ–साथ सास्काचवान विश्वविद्यालय से भी एक विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। एस.आर.आई.पी. 2015 एक मई से दस जुलाई, 2015 के दौरान आयोजित किया गया। ***प्रा. चेतन पहलजानी*** तथा ***प्रा. शन्मुगनाथन रमण*** ने ***प्रा. भास्कर दत्ता*** के मार्ग दर्शन में इस कार्यक्रम का संयोजन किया।

आर.ई.एफ.ई.सी.ओ.'15

रिसर्च फेरेट कॉनफैब 2015 (आर.ई.एफ.ई.सी.ओ.'15) भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के पीएच.डी. विद्यार्थियों की एक पहल है जिसके द्वारा वे समाज को प्रभावित करने वाले विज्ञान व प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त विचारों व चुनौतियों के सहभाजन के साथ सहचर्य में शोध के अन्तरविषयक प्रकृति की खोजबीन करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन 11–12 अप्रैल, 2015 के दौरान हुआ। शिरकत करने वालों में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के विद्यार्थियों के साथ, आई.आई.एस.ई.आर., मोहाली, भा.प्रौ.सं. दिल्ली, आई.आई.एस.ई.आर., पुणे, निरमा विश्वविद्यालय, वी.जी.ई.सी., एल.डी. महाविद्यालय, पी.डी.पी.यू., तथा एम.एस. विश्वविद्यालय वडोदरा के विद्यार्थी शामिल हैं। कार्यक्रम में 55 मौखिक प्रस्तुतीकरण तथा 18 पोस्टर प्रस्तुतीकरण पेश हुए। आमंत्रित वक्ताओं में ***प्रा. अनिल के गुप्ता***, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद; ***डा. तारा नायर***, जी.आई.डी.आर; तथा ***प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन***, भा.प्रौसं गांधीनगर शामिल थे।

बुनियादी अभियांत्रिकी विषयों पर ग्रीष्मकालीन विद्यालय

जून 8 – जुलाई 4, 2015 के दौरान अभियांत्रिकी के शुरुआती दो वर्षों में सामान्य रुप से सिखाये जाने वाले बुनियादी अभियांत्रिकी विषयों को पढ़ाने की पद्धति को बेहतर बनाने हेतु एक चार–सप्ताह का ग्रीष्मकालीन विद्यालय आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों से करीब 120 संकाय सदस्य तथा 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संज्ञान, मस्तिष्क तथा आकलन पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के संज्ञानात्मक विज्ञान केन्द्र ने 5–7 दिसम्बर, 2015 के दौरान ***तृतीय संज्ञान, मस्तिष्क तथा आकलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन*** की मेजबानी की। यह सम्मेलन संज्ञान के अध्ययन में स्नायु विज्ञान तथा कम्प्यूटेशनल पहुंच के मध्य एक अन्तरविषयक संवाद को साथ लाया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से 150 सदस्यों ने शिरकत की ***प्रा. कृष्ण पी मियापुरम***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने सम्मेलन का संयोजन किया।

एफ.एफ.ई. विद्वानों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने 15 जून से 4 जुलाई 2015 के दौरान एफ.एफ.ई. विद्वानों के लिए एक ***ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम*** की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में पूरे देश से कुल 58 अभियांत्रिकी विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी प्रशिक्षण, संचार कला तथा अंग्रेजी बोलना–सीखना था। इस कार्यक्रम का संयोजन ***सुश्री सुषमा अब्बूरी***, मु.का.अ., फाउण्डेशन फॉर एक्सिलेंस इंडिया ट्रस्ट तथा ***प्रा. जयसन मंजली*** ने किया।

प्रथम भारत–चीन युवा अभियंता नेता कॉनक्लेव

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने अक्टूबर 7–9, 2015 को भारतीय राष्ट्रीय अभियंता एकेडमी (आई.एन.ए.ई.) तथा चीन अभियंता एकेडमी के सहचर्य से प्रथम ***भारत–चीन युवा अभियंता नेता कॉनक्लेव*** की मेजबानी की। इस कॉनक्लेव के 4 थीम में: सुरक्षा प्रौद्योगिकी तथा संस्कृति; स्वास्थ्य देखभाल उपकरण; विशाल डाटा, तथा स्वच्छ जल शामिल हैं। ***डा. के. कस्तूरीरंगन***, भारतीय परमाणु सुरक्षा केंद्र के पूर्व अध्यक्ष, इसके मुख्य अतिथि थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ***डा. बलदेव राज*** भा.प्रौ.सं. गांधीनगर शासकीय मण्डल के अध्यक्ष, ***श्री एम. बी. कोतवाल***, लार्सन व टुब्रोय ***डा. झोंग झिउहा***, चीन अभियंता एकेडमी के महासचिव शामिल थे। इस कार्यक्रम में 15 चीनी व 25 भारतीय प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन ***प्रा प्रणब महापात्र***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने किया था।

कचरे से खिलौने

अपने ***स्कूल आउटरीच गतिविधियों*** के एक भाग के रूप में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने 12 अक्टूबर 2015 को 2 केन्द्रीय विद्यालय स्कूलों के 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए ***कचरे से खिलौने*** बनाने का आयोजन किया। ***श्री मनीष जैन***, भा.प्रौ.सं. कानपुर स्नातक जो अब विज्ञान व गणित को स्कूलों में लोकप्रिय बनाने के लिए पूरा समय कार्य करते हैं ने रोजमर्रा की चीजों से बने खिलौनों के द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान की अद्‌भुत अनुभूति प्रदान की।

विज्ञान–दिवस

12 मार्च, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में विज्ञान के विभिन्न रहस्यों को प्रदर्शित किया गया जिन्हें लाइफ हैक्स या मनोरंजन के तौर पर उपयोग किया जा सकता है। यह प्रदर्शन संस्थान का विज्ञान दिवस मनाने का हिस्सा था जिसका उद्देश्य विज्ञान की शक्ति के बारे में जनता में ज्यादा जागरुकता लाना है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रदर्शनों के साथ करीब 50 स्टॉल थे। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा प्रदर्शित प्रयोगों के अलावा कार्यक्रम में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी. आर.एल.), विक्रम साराभाई समुदाय विज्ञान केन्द्र द्वारा कई दिलचस्प प्रदर्शन तथा कार्यशालाओं की मेजबानी की गई। इस कार्यक्रम ने हजारों स्कूल–विद्यार्थियों तथा अन्य आगन्तुकों की मेजबानी की। भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान प्रश्नोत्तरी, जादू का खेल, रॉकेटरी कार्यशालाओं के साथ प्रयोगों के अलावा अन्य गतिविधियां भी आगन्तुकों के लिए प्रदर्शित की गईं। यह कार्यक्रम भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की राष्ट्रीय आविष्कार अभियान (आर.ए.ए.) गतिविधियों का एक हिस्सा है जो सर्व

भारत की खोज

14–23 दिसम्बर, 2015 के दौरान आयोजित ***भारत की खोज*** के चतुर्थ संस्करण में जापान उन्नत विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान (जे.ए.आई.एस.टी.) के 3 सदस्यों की एक टीम के साथ केलटेक के 12 विद्यार्थी तथा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के 16 विद्यार्थी शामिल हुए। प्रमुख वक्ताओं में ***प्रा. रोवेना रॉबिनसन*** भा.प्रौ.सं. बॉम्बेय ***डा. लिंन्डा हेंस***, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयय ***प्रा. सुरिन्द्र जोद्याका***, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालयय ***सुश्री अमृता शाह***, स्तम्भकार, गैर कक्षा लेखक, शामिल थे। भारत की खोज की धारणा पहली बार विदेशी विद्यार्थियों के लिए भारत में एक सांस्कृतिक दर्शन की

मेजबानी करने के लिए 2011 में बनाई गई। कार्यक्रम का संयोजन ***प्रा. जयसन ए. मंजली*** तथा ***प्रा. रीता कोठारी*** ने किया।

शिक्षा अभियान (एस.एस.ए) तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एसए.) द्वारा समर्पित है। इस कार्यक्रम का संयोजन ***प्रा. श्रीराम कन्वाह*** तथा ***प्रा. शिवकुमार जोलाड*** ने किया।

केनरा बैंक की शाखा का उद्घाटन

संस्थान के स्थाई परिसर में 19 नवम्बर, 2015 को निदेशक, ***प्रा. सुधीर कु जैन*** ने केनरा बैंक की एक शाखा का उद्घाटन किया। यह बैंक उसी दिन से विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के साथ संचालित हो गया जिसमें 24 घंटे ए.टी.एम. सेवा भी शामिल हैं।

अवर स्नातक शोध पर चर्चा

केलटेक के विद्यार्थी–संकाय कार्यक्रम की निदेशक ***सुश्री कैन्डेक रिपिजी*** ने 17 दिसम्बर, 2015 को संकाय तथा शोध विद्यार्थियों से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य विषय, केलटेक के अत्यधिक प्रशंसनीय एस.यू.आर.एफ. कार्यक्रम के संदर्भ में "अवर–स्नातक अनुसंधान में उत्कृष्टता की विशेषता" तथा अवर–स्नातक स्तर से ही शोध को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की दृष्टि के बारे में चर्चा करना था।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक दिन के लिए 150 बालिकाओं की मेजबानी किया

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक दिन के लिए 11 फरवरी, 2016 को 150 विद्यार्थियों के एक समूह की मेजबानी की। एम.बी.आई.सी.टी. न्यू वल्लभ विद्यानगर के बी.टेक. विद्यार्थियों के साथ 9 संकाय सदस्यों का परिसर में उपलब्ध सुविधाओं से परिचय कराया गया जिसमें इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला, संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस प्रयोगशाला, तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, छात्रावास, इत्यादि शामिल हैं। दिन के बचे हुए भाग में भा.प्रौ. सं. गांधीनगर संकाय के द्वारा परस्पर संवादात्मक बैठक ने महिलाओं के उपलब्ध अवसरों को पहेलियों तथा खेलों के जरिए कम्प्यूटर विज्ञान की कुछ रोचक सूचना प्रदान की गईं। ***प्रा. बिरेस्वर दास*** ने इस मेजबानी का संयोजन किया।

वार्षिक पिकनिक

14 फरवरी, 2016 को गुजरात वन्य शोध व प्रशिक्षण संस्थान, गांधीनगर में वार्षिक पिकनिक का आयोजन हुआ। 200 से अधिक व्यक्ति पूरे दिन के कार्यक्रम का हिस्सा रहे जिसमें संकाय, स्टाफ तथा उनके परिवार के सदस्य शामिल थे। खेल और हाइक्स के अलावा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिवार ने मंच पर अंताक्षरी कार्यक्रम का आनंद लिया जिसे ***प्रा. मालविका सुब्रमणयम*** तथा ***सुश्री सौम्या हरीश*** ने संचालित किया। प्रा. अतुल दीक्षित तथा अन्य ने कई सांस्कृतिक प्रदर्शन दिए। इस भ्रमण का संयोजन ***प्रा. नीलधारा मिश्रा*** ने किया।

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां

योग्यता सह–साधन छात्रवृत्तियां

2015–16 के दौरान सामान्य और अन्य पिछड़े वर्ग के 87 अवर–स्नातक तथा 11 अधिस्नातक विद्यार्थियों को योग्यता सह–साधन छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। यह योग्य छात्रों को (प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उच्च जे.ई.ई./जे.ए.एम. श्रेणी तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों के लिए 6.5 से ऊपर सी.पी.आई.) प्रदान की जाती है, जिनके मातापिता की आय सीमित है (4.5 लाख प्रति वर्ष तक)। एक एम.सी.एम. छात्रवृत्ति में शिक्षण शुल्क छूट (वर्तमान वैल्यू 90,000 प्रति वर्ष) तथा 10 महीने के लिए प्रति माह एक हजार रुपए दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षण शुल्क छूट 14 अवर–स्नातक विद्यार्थियों को प्रदान की गई जो एम.सी.एम. में नहीं आते लेकिन जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के सभी विद्यार्थियों को शिक्षण–शुल्क छूट है। इसके अतिरिक्त, 15 अवर–स्नातक तथा 7 अधिस्नातक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन तथा 10 महीने के लिए प्रति माह रु 250/– दिए जाते हैं जिनके माता–पिता की आय एम.सी.एम. छात्रवृत्ति के लिए दी गई राशि के अंतर्गत आती है।

गीता और पृथ्वीश गोस्वामी छात्रवृत्ति

गीता और पृथ्वीश गोस्वामी पुरस्कार प्रथम वर्ष के एक छात्र को दी जाती है। इसमें प्रति माह 10 महीने के लिए रु 1500 दिए जाते हैं। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति मापदण्ड के साथ चयनित छात्र इस छात्रवृति के लिए योग्य हैं। 2015–16 वर्ष के लिए यह छात्रवृत्ति ***हरदीप*** को दी गई है।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एस. सी. मेहरोत्रा छात्रवृत्ति द्वितीय वर्ष के सिविल अभियांत्रिकी में अवर–स्नातक छात्र को अगले 6 सत्रों के लिए दी जाती है। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति मापदण्ड के साथ चयनित छात्र इस छात्रवृत्ति के लिए योग्य हैं। इसमें प्रति माह रु 1500 दिए जाते हैं। ***वाड्डीनेनी सृजा*** तथा ***बी. प्रणव चक्रवर्ती*** 2015–16 वर्ष के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

नितिन पी संत छात्रवृत्ति

नितिन पी संत छात्रवृत्ति अगले 6 सत्रों के लिए सिविल अभियांत्रिकी तथा पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के द्वितीय वर्ष के छात्रों को दी जाती है। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति मापदण्ड के साथ चयनित छात्र इस छात्रवृत्ति के लिए योग्य हैं। इस छात्रवृत्ति में रु 20 हजार प्रति वर्ष के साथ शिक्षण शुल्क की छूट दी जाती है। सिविल अभियांत्रिकी की ***प्रेरणा सिंह*** तथा पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के ***दीपक धरीवाल*** 2015–16 वर्ष के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता रहे।

प्रा. एम. एच. दीवेकर छात्रवृत्ति

प्रा. एम. एच. दीवेकर छात्रवृत्ति तृतीय वर्ष बी.टेक. (रसायन अभियांत्रिकी) के उस छात्र को दी जाती है जिसने तृतीय वर्ष के अंत में रसायन अभियांत्रिकी में उच्चतम ग्रेड प्राप्त किए हैं। इस छात्रवृत्ति में रु 2 हजार प्रति माह 10 माह के लिए दिए जाते हैं। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति मापदण्ड के साथ चयनित छात्र इस छात्रवृत्ति के लिए योग्य हैं। ***निशीत शेट्टी*** 2015–16 वर्ष के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने शैक्षणिक, खेलकूद, कला तथा संस्कृति, व सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई योग्यता छात्रवृत्तियां स्थापित की हैं। यह छात्रवृत्तियां योग्यता–सह–साधन छात्रवृत्तियों से भिन्न हैं तथा मात्र संबंधित क्षेत्रों में उत्तकृष्ट उपलब्धियों के आधार पर ही दी जाती हैं। इस छात्रवृत्ति में 10 महीने के लिए प्रति माह दो हजार रुपए की छात्रवृत्ति मिलती है। 2015–16 के शैक्षणिक वर्ष के लिए उत्कृष्टता छात्रवृत्तियां निम्नलिखित मापदण्डों पर दी गई हैं:

शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

निशीत शेट्टी (सी.पी.आई. 8.82), *जतिनदीप सिंह* (सी.पी.आई. 9.48) तथा राधिका पाटिल (सी.पी.आई. 9.69), तृतीय बैच के 2015–16 वर्ष के लिए शैक्षणिक क्षेत्र में छात्रवृत्ति के नए प्राप्तकर्ता हैं:

अनुराग सिंघानिया (सी.पी.आई. 9.35), *ऋषभ आनंद* (सी.पी.आई10.00), *भार्गव चौहान* (सी.पी.आई. 9.68) तथा *श्रीनिवासन ए* (सी.पी.आई 9.33) द्वितीय बैच के 2015–16 वर्ष के शैक्षणिक क्षेत्र में छात्रवृत्ति के नए प्राप्तकर्ता हैं। *वासुदेव गोहिल* (सी.पी.आई. 9.02) *क्षितिज सेठ* (सी.पी.आई. 9.50), *विनोद रामकृष्णन* (सी.पी.आई 9.65), *वरुण अग्रवाल* (सी.पी.आई. 9.22) तथा *आयुष्मान त्रिपाठी* (सी.पी.आई 9.48) प्रथम बैच के 2015–16 वर्ष के शैक्षणिक क्षेत्र में छात्रवृत्ति के नए प्राप्तकर्ता हैं।

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति अंतर– भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेलकूद स्पर्धा या समकक्ष राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रदर्शित उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकतम 6 विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। *प्रदीप दिवाकर, अनिमेश सिंह कुमावत* तथा *निशा रावत* को 2015–16 वर्ष के लिए यह छात्रवृत्ति दी गई।

कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

दो छात्रों को सांस्कृतिक तथा अन्य कला महोत्सवों में अंतर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सांस्कृतिक मिलन समारोह या समकक्ष राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रदर्शित उत्कृष्ट प्रदर्शनों के लिए दी जाती है। *ऋषभ जैन* को यह छात्रवृत्ति वर्ष 2015–16 के लिए दी गई।

सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति दो विद्यार्थियों तक को संस्थागत मामले (कार्यक्रमों के आयोजन तथा विद्यार्थी–मामलों में जिम्मेवारियां निभाना शामिल हैं) या सामाजिक कार्य में प्रदर्शित उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए दी जाती है। *पलक सदानी* व *कुशल सलेचा* को 2015–16 के लिए यह छात्रवृत्ति दी गई।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर नवाचार व उद्यमिता केंद्र

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने ***नवाचार तथा उद्यमिता, उद्भवन***, आइ.पी. प्रबंधन तथा व्यवसायिकता को बढ़ावा देने के लिए संपूर्ण रणनीति लागू करने के लिए एक पृथक सेक्शन 8 कंपनी "भा.प्रौ.सं. गांधीनगर नवाचार व उद्यमिता केन्द्र" (आई.आई.ई.सी.) को निगमित किया है। इस कंपनी को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की सेवा भुजा माना गया है जो उद्यमी मनोवृत्ति तथा सफल स्पिनआउट्स को बढ़वा देने के लिए एक सतत् पारिस्थितिक तंत्र बनाने की तरफ कार्य करेगा।

स्टार्टअप शीतकालीन अंतःशिक्षुता कार्यक्रम (एस.डब्लू.आई.पी.)

अपने विद्यार्थियों को विभिन्न काम के माहौल से रूबरू कराने की प्रतिबद्धता, साथ ही अपने पूर्व छात्र तथा विद्यार्थियों द्वारा आरम्भ किए स्टार्टअप में सहायता करने व पोषण करने के लिए, संस्थान ने एक अंतःशिक्षुता कार्यक्रम शुरू किया है जहां जूनियर अवर स्नातकों को सत्रों के बीच के अंतराल के दौरान अपने विद्यार्थियों द्वारा स्थापित स्टार्टअप कंपनियों में प्रशिक्षु के तौर पर काम करने के लिए प्रायोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अत्यधिक विकसित व गतिशील स्टार्टअप माहौल में काम करने का अनुभव प्राप्त करने में सहायता करता है। ***स्टार्टअप शीतकालीन अंतःशिक्षुता कार्यक्रम*** में चयनित छात्रों को प्रति सप्ताह लगभग 3 हजार रुपए अंतःशिक्षुता प्रदान किया गया। इसी तरह 2016 के ग्रीष्मकाल में इस कार्यक्रम को जारी रखने की योजना है।

वर्तमान इनक्यूबेटीज

क्रेटिफ की स्थापना सड़क की सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य के साथ, 2015 कक्षा के ***आकाश केशव सिंह, हर्ष गुप्ता*** तथा ***सुशील कुमार शिसोदे*** ने किया। क्रेटिफ ने एक एप्लिकेशन बनाई है जो वाहन चालकों को उनकी ड्राइविंग का आकलन करने तथा उसे बेहतर बनाने के लिए वाहनों से डाटा इकट्ठा करती है। इसे राइस विश्वविद्यालय के सहयोग द्वारा आयोजित अहमदाबाद चैप्टर ऑफ इन्टरनेशनल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता के लिए विजेता घोषित किया गया है। इस सम्बन्ध में अतिरिक्त जानकारी http://www.cratif.com/ पर उपलब्ध है।

2015 कक्षा के ***ध्येय शाह, इप्सित तिवारी, प्रीत शाह*** तथा ***अंकित पंडोले*** ने ***4 डी.ई.ए.*** आरम्भ किया है, यह आभासी वास्तविकता तथा इन्टरेक्टिव मीडिया के क्षेत्र में तकनीकी रूप से संचालित स्टार्टअप है। यह 360 डिग्री गोलाकार नयनाभिराम चित्र लेकर वास्तविक स्थानों तथा वास्तविक कार्यक्रमों का आभासी भ्रमण का सृजन करता है। यह एक सूचना–लेयर भी प्रदान करता है जिसे फोटो, वीडियो तथा टेक्स्ट को लगाने/ट्वीट करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है, इसे 3डी स्पेस में विशिष्ट सुविधाओं को उजागर करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी http://www.4dea.com/ पर उपलब्ध है।

अरबन हंट एक गैम्बिफायड, माइक्रो–रिवार्ड आधारित संलग्नात्मक मंच जहां ब्रांड्स उपभोक्ता–अंतदृर्ष्टि को खोलने व प्रत्येक टच–प्वाएंट पर खरीदारी की पसंद तथा मुख्य डाटा को जमा करके व्यापक विश्लेषण का प्रयोग करके सहकर्मी–संचालित मार्केटिंग को खोलने के लिए प्रोत्साहन अभियान चला सकते हैं। 2014 कक्षा के ***जितेश शाह*** तथा ***सुमित देशमुख*** ने अरबन हंट को प्रवर्तित किया है। इस सम्बन्ध में अतिरिक्त जानकारी http://www.urbanhunt.in/ पर उपलब्ध है।

जीयो–कार्ट राडार प्रौद्योगिकी प्राइवेट लि. यह ग्राउंड पेनेट्रेटिंग राडार (जी.पी.आर.) का प्रयोग कर उपसतह–जांच के लिए नवाचार पहुंच देने के उद्देश्य से गैर विनाशकारी भूभौतिकीय अन्वेषण के क्षेत्र में काम कर रहा है। इसे ***सिल्की अग्रवाल*** ने स्थापित किया है।

बौद्धिक संपदा

2015–16 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा कुल 9 आविष्कार किये गये जिनमें से 5 को भारतीय पेटेंट कार्यालय में पेटेंट दाखिल करने की अनुमित दी गई। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के ***प्रा. उत्तमा लहिड़ी*** द्वारा ***डा. अनिरबन दत्ता,*** आई.एन.आर.आई.ए. तथा कोलकता के वरिष्ठ स्नायु विशेषज्ञ सलाहकार, ***डा. अभिजीत दास*** के सहयोग से विकसित एक अन्वेषण के लिए भी एक पी.सी.टी. आवेदन दाखिल किया है।

वाइब्रैंट सौराष्ट्र में भागेदारी

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने राजकोट में गुजरात सरकार द्वारा जनवरी 8–10, 2016 के दौरान आयोजित ***वाइब्रैंट सौराष्ट्र एक्सपो तथा समिट 2016*** में भाग लिया। वाइब्रेंट सौराष्ट्र 2016 का मुख्य जोर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सम्मिलत विकास था जैसेः नवाचार निरंतरता, उद्योग, प्रौद्योगिकी, युवा व कौशल विकास, जानकारी साझेदारी तथा नेटवर्किंग। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक्सपो में तकनीक, नवाचार तथा उद्यमिता पहल का प्रदर्शन किया जो आगन्तुकों द्वारा सराहा गया।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में शोध पार्क की स्थापना

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक नवाचार–समूह के निर्माण करने के उद्देश्य से, अपने परिसर के नजदीक एक शोध–पार्क की स्थापना का प्रस्ताव पेश किया जो भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शोधकर्ताओं, स्थानीय उद्योगों, वैश्विक अनुसंधान एवं विकास फर्मों को केन्द्र, स्टार्टअप्स तथा उद्भवन की अनवरत संलग्नता को कामयाब बनाता है। इस प्रस्ताव का मा.सं.वि.मं. तथा डी.एस.टी की संयुक्त समिति ने मूल्यांकन किया तथा इसने 70 करोड़ रुपए की सहायता के साथ भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में शोध पार्क की स्थापना का अनुमोदन किया है।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/ विचार–गोष्ठी

महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां हैं जो विषयों के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा प्रोत्साहित करने में सहायता करती हैं। इनमें से कई गतिविधियां अन्य संगठनों से भागीदारी आमंत्रित करती हैं तथा बाह्य विश्व में संस्थान की दृश्यता में वृद्धि करती हैं। 2015–16 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं

- ***उद्यमिता विकास कार्यशाला***, 2–6 अप्रैल 2015 तथा जून 8–12, 2015 के दौरान, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय आउटरीच कार्यक्रम नीव/एन. ई.ई.बी., ***सुश्री श्रद्धा जैन, सुश्री स्वाति वर्मा, सुश्री सौम्या हरीश, श्री बी. आर. वेण्कटेश*** तथा ***श्री जोसफ पियुस*** के द्वारा।
- ***अन्तःस्थापित प्रणाली तथा सामग्रियों के इंटरनेट*** (आई.ओ.टी.), ***प्रा. जॉयसी मेकी***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा, 30 अप्रैल–2 मई, 2015 के द्वारा।
- ***इन्टेल गैलीलियो प्रयोग करते हुए डिजाइनिंग अन्तः स्थापित प्रणाली तथा सामग्रियों के इन्टरनेट*** (आई.ओ.टी.) पर, हैंड्स–ऑन कार्यशाला, ***प्रा. जॉयसी मेकी***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, 4–5 मई, 2015 के द्वारा।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ ***इतिहास, स्टोन बीड्स का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी***, पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम–सह–कार्यशाला, 10–14 अगस्त, 2015 संसाधन व्यक्तियों में, ***प्रा. जे. एम. केनोयर, डा. रानडाल लॉ***, विस्कॉनसीन–मेडिसन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, ***प्रा. मैस्सीमो विडाले***, पाडोवा विश्वविद्यालय, इटली; ***डा. बेरेनीस बेलिना***, राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध केंद्र, फ्रांसय ***डा. बुंचर पोंगपैनिक***, बुद्धादासा इंडापैन्नो आर्काइव–बी.आई.ए., थाईलैंडय ***डा. एल. डुस्सूबियुक्स***, दि फिल्ड म्यूजियम, शिकागो; ***प्रा. मनाबू कोइसो***, कोबे यामाटे विश्वविद्यालय, जापान; शामिल हैं।
- ***आपदा के बाद आवास और पुनःशहरीकरण के लिए पात्रों*** पर कार्यशाला 19–21, अगस्त, 2015। इसमें बहुविषयक टीमें शामिल हुईं जिसमें अभियंता आर्किटेक्ट तथा ई.पी.एफ.एल. लौसेन्ने, यू.टी.एम. मलेशिया से समाजिक मानवविज्ञानी, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर तथा अन्य शामिल थे।
- टी.ई.क्यू.आई.पी–2 के अंतर्गत ***शैक्षणिक नेतृत्व तथा सर्वोत्तम अभ्यास*** पर एक दिवसीय कार्यशाला 19 सितम्बर, 2015 गुजरात में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संसाधन व्यक्ति थे ***प्रा. सुधीर कु जैन*** तथा ***प्रा. अमित प्रशांत***।
- ***डाटा के साथ प्रतिकल्पना*** पर एक कार्यशाला, 27 अक्टूबर, 2015 को ***सुश्री हर्षदा पाटिल***, डिजाइनर, ग्लोबल नोमाद।
- ***शोध प्रणाली विज्ञान*** पर एक कार्यशाला, भा.प्रौ. सं. गांधीनगर में 27 अक्टूबर, 2015 को टी.ई. क्यू.आई.पी–2 के संरक्षण में, ***प्रा. अमित प्रशांत*** ने समन्वय किया।
- ***सृजनात्मक कार्य*** पर कार्यशाला, 27 जनवरी, 2016 को ब्रिटिश कांउसिल के साथ सहयोग से बरमिंघम विश्वविद्यालय के ***श्री ल्यूक केन्नाई***।
- ***लिंग और लैंगिकता*** पर ***एक कार्यशाला. भारत में सिद्धांत और राजनीति***, 4 फरवरी, 2016, ***प्रा. स्वाति शाह*** मैसेशुसेट्स विश्वविद्यालय, एमहर्स्ट।

- ***वैश्वीकरण तथा हाशिए*** पर एक कार्यशाला 9 फरवरी, 2016 को आयोजित की गयी। ***प्रा. जैन ब्रेमैन***, एम्सटरडैम विद्यालय ने प्रमुख व्याख्यान दिया। इसमें ***प्रा. घनश्याम शाह***, पहले जेएनयू में थे, ***प्रा. इंदिरा हिरवे***, वैकल्पिक विकास केन्द्र, अहमदाबाद तथा ***प्रा. तारा नायर***, गुजरात शोध विकास संस्थान, अहमदाबाद शामिल हुए।
- ***विधाओं पर चर्चाएं. शिक्षण और अधिगम*** पर ***एक विचार–गोष्ठी*** 13 फरवरी, 2016 को आयोजित की गयी। ***प्रा. रमेश गाँवकर***, तथा ***प्रा. सुधीर कु जैन***, निदेशक, इस कार्यक्रम के सभापति थे। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के अलावा इस कार्यक्रम में ***प्रा. सहाना मूर्ति***, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे तथा ***प्रा. श्रीपद करमारकर***, भा.प्रौ.सं. मद्रास शामिल हुए।
- ***शिक्षक कार्यशाला–2, श्री मनीष जैन, डा. प्रोचेता मल्लिक, श्री अरविंद गुप्ता*** द्वारा ली गई। Arvindguptatoys.com ने 9–12 कक्षा के शिक्षकों को लक्षित किया, यह कार्यक्रम 25–26 फरवरी, 2016 को संपन्न हुआ।

दीर्घकालिक विकास पर कार्यशाला

01 मई, 2015 को रणनीतियां, अहम जरूरतों तथा अवसरों की पहचान, साथ ही क्षमतावान भागीदार संस्थाओं, संगठनों तथा व्यक्ति जो ***दीर्घकालीक विकास कार्य*** में संलग्न हैं, उनका पता लगाने के लिए दीर्घकालिक विकास पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा प्रस्तावित, दीर्घकालिक केन्द्र (सी.एस.डी.) के लिए इसकी योजनाओं को मजबूत करने में सहायता करने के लिए, सरकार, शैक्षणिक संस्थानों तथा सिविल समाज के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के एक चयनित समूह को एक साथ लाया गया है। शिरकित करने वालों में ***श्री राज मशूरूवाला***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर प्रतिष्ठान, पालो अल्टो, केलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका, ***श्री श्रीकर डोले***, आई.एल.एंड.एफ.एस एकेडमी ऑफ एप्लायड डेवलेपमेंट (आई.ए.ए.डी.), ***श्री अखिलेश मगाल***, गुजरात ऊर्जा शोध व प्रबंधन संस्थान (जी.ई.आर.एम.आई.), गांधीनगर, ***सुश्री निधि पासी***, वाटर एड, नई दिल्ली, ***श्री भरत पाठक***, जी.ई.ई.आर. प्रतिष्ठान, गांधीनगर, ***प्रा. मिलन्द सोहोनी***, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, ***श्री अजय गज्जर***, एस.एफ.सी. पर्यावरणीय टेक, मुंबई, ***सुश्री जीनत नियाजी***, विकल्प–विकास, नई दिल्ली, ***डा. शंबू प्रसाद***, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (आई.आर.एम.ए.), ***प्रा. अमित गर्ग***, भा.प्र.सं. अहमदाबाद, ***प्रा. अजय कतूरी***, सेप्ट विश्वविद्यालय; तथा ***प्रा. विजय राघवन चैरिआर***, भा.प्रौ.सं. दिल्ली। ***प्रा. अचल मेहरा*** तथा ***प्रा. विमल मिश्रा*** ने इस कार्यशाला का संयोजन किया।

वैज्ञानिक व गणितीय संकल्पना की कार्यशाला

फरवरी 5–6, 2016 के दौरान सर्व शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित विज्ञान–शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला संस्थान में आयोजित की गई। गांधीनगर तथा अहमदाबाद जिले के 6–8 कक्षा के करीब 100 विज्ञान शिक्षकों ने इसमें भाग लिया। भा.प्रौ.सं. कानपुर के पूर्व छात्र ***श्री मनीष जैन*** तथा भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व छात्र ***श्री विशाल भट्ट*** द्वारा आयोजित तथा ***प्रा. श्रीराम कन्वाह***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा संयोजित यह कार्यक्रम राष्ट्रीय आविष्कार अभियान का एक हिस्सा है, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आरम्भ की गई एक पहल है।

सी.ओ.सी.ओ.ए. 2016

कम्प्यूटेशनल विनिमय बीजगणित के लिए एक सॉफ्टवेयर प्रणाली पर आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय, जिसे सी.ओ.सी.ओ.ए कहा जाता है, का आयोजन 22–26 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित किया गया। कम्प्यूटेशनल विनिमय बीजगणित में समकालीन शोध की एक प्रदर्शनी को शोधकर्ताओं को अर्पित करने के उद्देश्य से 1999 से सी.ओ.सी.ओ.ए. स्कूल्स का आयोजन होता रहता है। पहली बार यह विद्यालय भारत में आयोजित किया गया है। प्रतिभागियों में इटली व जर्मनी के विद्यार्थी व संकाय के साथ–साथ भारत के कई संस्थान जैसे टी.आई.एफ.आर., भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, आई.एम.एस.सी., सी.एम.आई., आई.आई.एस.ई.आर., डी.आर.डी.ओ., आई.आई.एस.एस.टी. तथा कई अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी व संकाय शामिल हैं। इस विद्यालय का संयोजन ***प्रा. इन्द्रनाथ सेनगुप्ता*** ने किया।

संक्षिप्त पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम–पेशकश के चुनाव व लचीलेपन को बढ़ाने के लिए तथा विभिन्न पृष्ठभूमि के अभ्यागत संकाय जो कम समय के लिए परिसर में आते हैं की विशेषज्ञता से लाभ उठाने के लिए, यहाँ वर्ष पर्यन्त विभिन्न तरह के पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अपने–अपने क्षेत्र के मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा 2015–16 के दौरान निम्नलिखित संक्षिप्त पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- ***श्री रमन भूषण*** तथा ***श्री संजय ओझा***, एकसेंचर (भारत) द्वारा ***वाणिज्य विश्लेषण*** पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम, अप्रैल 11–12, 2015।
- ***प्रा. अमित अरोड़ा***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगरः ***प्रा. पार्थ सारथी***, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर तथा ***प्रा .सतीश वासु कैलास***, भा.वि.सं. बेंगलोर, द्वारा ***घर्षण स्टर वेल्डिंग व प्रोसेसिंग*** पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम, 26–28 जून, 2015।

- ***इतिहास, विज्ञान व पत्थर के मनकों*** की तकनीक पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से अल्प–काल पाठ्यक्रम–सह–कार्यशाला, 10–14 अगस्त, 2015। संसाधन व्यक्तियों में ***प्रा. जे एम केनोयर, डा. रनडाल लॉ***, विस्कॉनसिन–मैडिसन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, ***प्रा. मैस्सिमो विडाले***, पाडोवा विश्वविद्यालय, इटली; ***डा. बेरेनीस बेल्लिना***, राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध केंद्र, फ्रांस; ***डा. बुंचर पोंगपेनिक***, बुद्धादास इंडपन्नो आर्काइव–बी आइ.ए., थाइलैंड, ***डा. एल डुसुबीक्स***, दि फील्ड म्यूजियम, शिकागो, ***प्रा. मानाबू कोईसो***, कोबे यामाते विश्वविद्याल, जापान, शामिल थे।
- ***ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी*** पर अल्प पाठ्यक्रम, ***प्रा. टी रामाचंद्रन***, ऐलुफ्लोराइडा लि., 10–14 अगस्त तथा 17–21 अगस्त, 2015।
- ***कॉनफिगरिंग डिजिटल ह्यूमेनिटीज*** पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम, ***प्रा. निशांत शाह***, इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर एंड एस्थेटिक्स ऑफ डिजीटल मीडिया, लियूफाना विश्वविद्यालय, द्वारा 22–23 अगस्त, 2015।
- ***ई–बिजनेस व ई–कॉमर्स के परिचय*** पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम, ***श्री सुनील गुप्ता***, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आइ.टी.सी. इन्फोटेक, 5–6 सितम्बर, 2015।
- ***भूकंप, भूकंप विज्ञान व आर्किटेक्चर***, ***डा. जे आर कयाल***, भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण के पूर्व सदस्य, कोलकाता, 15–16 सितम्बर, 2015।
- ***उडी ज्यामिति व संरचनाएं: हैंड्स–ऑन विज्ञान व गणित***, ***श्री मनीष जैन*** द्वारा, आई.यू.सी.ए.ए, पुणे, 10–11 अक्टूबर, 2015।
- ***अभियांत्रिकी तथा मूल्य सृजन***, ***श्री गौतम महाजन***, अध्यक्ष, उपभोक्ता मूल्य प्रतिष्ठान, 10, 16 व 17 अक्टूबर, 2015।
- संरचनात्मक अभियांत्रिकी के लिए ***जैव तकनीक अन्वेषण*** पर अल्प पाठ्यक्रम, ***प्रा. वी.एस. राजू***, प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक, ***प्रा. अजंता सचान***, 15–17, अक्टूबर, 2015।
- ***एक्स–रे विवर्तन*** पर अल्प पाठ्यक्रम, ***प्रा. टी. रामचन्द्रन***, पूर्व प्राध्यापक भा.प्रौ.सं. कानपुर, 26 अक्टूबर से 17 नवम्बर, 2015
- ***भूमि सुधार*** पर संक्षिप्त कार्यक्रम, ***डा. जी वेण्कटप्पा राव***, पूर्व में भा.प्रौ.सं. दिल्ली में कार्यरत, नवम्बर 7,8,14 व 15, 2015।
- ***विकास अध्ययन*** पर संक्षिप्त कार्यक्रम, ***डा. संदीप पाण्डे***, सह–संस्थापक, शिक्षा के लिए आशा, 8–10 नवम्बर, 2015।
- ***राजनीतिक अर्थव्यवस्था*** पर अल्प पाठ्यक्रम, ***श्री अतुल सिंह***, संस्थापक, प्र.का.अ. तथा मुख्य संपादक, फेयर ऑबजर्वर, 12–16 नवम्बर, 2015।
- ***समय–श्रृंखला विश्लेषण*** & ***ए.आर.एम.ए.*** पर एक अल्प पाठ्यक्रम, ***डा. ऐश पहवा***, शिक्षाविद् , लेखक, उद्यमी, तथा प्रौद्योगिकी दूरदर्शी, 21–26 दिसम्बर, 2015।
- ***टेराकोटा डिजाइन*** पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम, निकुंज वकानी, क्ले क्लब इनोवेशन्स ***प्रा. लि.***, 23–24 जनवरी, 2016।
- ***संगीत के द्वारा समाजिक परिवर्तन की खोज*** पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम, ***डा. सुसना सरडो***, एवेरियो विश्वविद्यालय, 27 व 28 जनवरी, 2016।
- ***दक्षिणी संचालन*** पर अल्प पाट्यक्रम: ***ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में एशिया व अफ्रीका कइयो सिमोज डे अराउजो***, अंतर्राष्ट्रीय व विकास अध्ययन का ग्रेजुएट संस्थान, जेनेवा, 30–31 जनवरी, 2016।
- ***नवाचार व उद्यमिता वित्त का अर्थशास्त्र***, ***डा. हैरी युकलीया***, प्रबंधन सलाहकार, 21–28 मार्च, 2016।

संवेदन के लिए ट्यून करने योग्य डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर ग्यान पाठ्यक्रम

इसके सिद्धांत व अनुप्रयोगों पर एक पाठ्यक्रम 1–5, फरवरी 2016 के दौरान भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में आयोजित किया गया। ***प्रा. वाल्टर जॉनस्टोन***, स्ट्राथक्लाइड ग्लासगो, यू.के., तथा ***प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने अपने व्याख्यान दिए। कई व्यवसायिओं, सरकारी प्रयोगशालाओं के शोधवैज्ञानिकों, स्थानीय तथा राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थाओं से शिक्षाशास्त्रियों तथा विद्यार्थियों में से कुल 21 प्रतिभागियों का चयन किया गया। प्रतिभागी विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए थे, जैसे डी.ई.बी.ई.एल – डी.आर.डी.ओ. बेंगलोर, भा.प्रौ. सं. मद्रास, एम.एस. विश्वविद्याल, वडोदरा, एस.आर. एम. विश्वविद्यालय, चेन्नई, सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्याल, गांधीनगर, अभियांत्रिकी और प्रबंधन विश्वविद्यालय, कोलकाता, अभियांत्रिकी कॉलेज, ग्यूइन्डी–अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, अभियांत्रिकी और प्रबंधन विश्वविद्यालय, जयपुर। पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण था प्रयोगशाला सत्र जो फोटोनिक संवेदक प्रयोगशाला में आयोजित हुआ जिसने पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक पहलू पूरित किया।

आमंत्रित व्याख्यान

विविध श्रेणी के विषयों में विद्वतापूर्ण अभिरुचि जगाने के लिए आमंत्रित विशेषज्ञों को अपने क्षेत्र में अपनी अंतरदृष्टि को साझा करने के लिए दिए गए व्याख्यान निम्नलिखित हैं।

- *टूवर्ड्स ए साइन्स ऑफ सेक्युरिटी गेम्स की अलगोरिदमिक प्रिन्सिपल्स, डिप्लॉयड एप्लिकेशन्स एंड रिसर्च चैलेन्जेज - प्रा. मिलिन्द ताम्बे*, हेलेन एन एंड एम्मेट एच जोन्स अभियांत्रिकी में प्राध्यापक, दक्षिणी केलिफोर्निया विश्वविद्यालयय ***रोड्डाम नरसिंहा लेक्चर सीरीज*** के अंतर्गत, 10 अगस्त, 2015।
- *उच्च–प्रदर्शन कम्प्यूटिंग की चुनौतियां, डा. सुनील शेरलेकर*, इंटेल प्रयोगशाला, बेंगलोर द्वारा, अप्रैल 2, 2015।
- *गरीबी से लड़ने के लिए विज्ञान का प्रयोग – श्री गौतम पटेल* द्वारा, इन्टेल लैब्स, बेंगलोर, 2 अप्रैल, 2015।
- *ऊर्जा लैंडस्केप को समझने के लिए रूपात्मक विश्लेषण तथा एक विकसित भारत पाने के लिए पंचायत स्तर पर सहयोगात्मक रणनीतिक प्लानिंग* जरूरी है – *डा. सोम कर्माचेट्टी* पूर्व में संयुक्त राज्य सेना शोध प्रयोगशाला, ऐडेल्फी, मैरीलैंड, 9–10 अप्रैल, 2015।
- *ऑन लोकली लिप्सकीट्ज फंक्शंस यूनीफार्म कंटीन्यूटी ऑफ दि प्रोडक्ट ऑफ रियल फंक्शंस, डा. गेराल्ड बीयर*, इमेरीटस प्राध्यापक, केलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय, 9–10 अप्रैल, 2015।
- *एशिया में आहार–सुरक्षा तथा उर्वरक–प्रयोग नीतियां, मार्केट, तथा फार्म–स्तर का परिणामः डा. बालू बंब*, बी.एल.वी. एसोसिएट्स फ्लोरेंस, एलबामा, सं.रा.अ., 13 अप्रैल, 2015।
- *पुरातत्व अन्वेषण में वैज्ञानिक तकनीक तथा पुरातत्व विज्ञान में वैज्ञानिक अनुप्रयोगों* पर कुछ केस–स्टडीज– *डा. रानडाल लॉ* द्वारा विस्कॉनसिन–मैडिसन विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., 17–21, 2015 क्रमशः।
- *ऑनलाइन मीडिया व मार्केटिंग* (ई–कॉमर्स पर फोकस के साथ) *श्री भानु मिधा*, इन्फीबीम, अहमदाबाद द्वारा, 2 अप्रैल, 2015।
- *भारत में विलय–ऊर्जा शोध, प्रा. प्रेधिमान कृष्णन* कॉ, प्लाज्मा शोध संस्थान, अहमदाबाद, द्वारा, 27 अप्रैल, 2015।
- *निष्क्रिय–2–फेज ताप–स्थानांतर प्रौद्योगिकी – प्रा. समीर खान्डेकर*, भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा 12 मई, 2015।
- *जेनेरेशन एंड एप्लिकेशन ऑफ हाई ब्राइटनेस सब–माइक्रोन सॉफ्ट एंड हाई एक्स–रे बीम्स, डा. ज्ञानेन्द्र लोधा*, राजा रमन्ना उन्नत तकनीक केंद्र द्वारा, 10 जून, 2015।
- *लोथल व सिन्धु सरस्वती सभ्यता, प्रा. नलिनी राव* द्वारा सोका विश्वविद्यालय अमेरिका, 13 जुलाई, 2015।
- *क्वान्टम सूचना प्रसंस्करण इन मेनी–बॉडी सिस्टम, डा. देवराज रक्षित*। हरीष चन्द्र शोध संस्थान, इलाहाबाद, 14 जुलाई, 2015।
- *नेव टी सेल इम्यून रेसपोन्सेज में कोरोनीन–मेडिएटेड सिगनलिंग के लिए भूमिका, डा. राजेश जयचन्द्रन*, बेसल विश्वविद्यालय, 30 जुलाई, 2015।
- *शोध का क्या और क्यूं क्यूं और कैसे* प्रकाशित करें; सुपरवाइजर और सुपरवाइज्ड *डा. दिनेश कांत कुमार*, रॉयल मेलबर्न प्रौद्योगिकी संस्थान ऑस्ट्रेलिया, 17–18 अगस्त, 2015।
- *भारत में कॉमनवेल्थ, श्री टेलर रॉचील*, वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सियाटल, 18 अगस्त, 2015।
- *आदर्शों का निर्माण. मुगल–ए–आजम एवं शोले, प्रा. उमेश गर्ग*, नाट्रेडम विश्वविद्यालय द्वारा नेहरू–फुलब्राइट विशेषज्ञ, अगस्त 19, 2015।

प्रथम इंदिरा प्रतिष्ठान विशिष्ट व्याख्यान

सिन्धु सभ्यता का वैज्ञानिक व प्रौद्योकीय योगदान. वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता – प्रा. जोनाथन मार्क केनोयर, विस्कॉनसिन – मैडिसन विश्वविद्यालयय ***इंदिरा प्रतिष्ठान विशिष्ट व्याख्यान*** श्रृंखला, 12 जनवरी, 2016। ***श्री अविनाश मनुधाने***, संस्थान के एक शुभचिंतक ने अपनी मां की याद में इस श्रृंखला की शुरुआत की है। यह व्याख्यान कई विषयों तथा नवीनतम शोधों पर दर्शकों की अभिरुचि के क्षेत्र में हर वर्ष आयोजित होती है। अविनाश ने अपना बी.टेक. भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, एम एस साईराक्रूज विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क तथा एम.बी.ए. पूर्वपश्चिमी विश्वविद्यालय, शिकागो से किया है। वे 1987 में गोल्डमैन सैक्स से जुड़े, 1989 में वे उपाध्यक्ष के पद पर पहुँचते हुए 1996 में एम.डी. बने। 1998 में उनका चयन पार्टनर ऑफ दि फर्म के लिए किया गया।

- *ऊष्म प्रवैगिकी प्रणाली के तौर पर अंतरिक्ष–समय, श्री सुमान्ता चक्रवर्ती* द्वारा, आई. यू.सी.ए.ए, पुणे, 2 सितम्बर, 2015।
- *सामाजिक उद्यमिता, श्री उल्लास मरार,* विल्लग्रो प्रतिष्ठान, चेन्नई, 7 सितम्बर, 2015 द्वारा।
- *लाइट फील्ड इमेजिंग एंड डिसप्ले – एक सिस्टम पर्सपेक्टिव, डा. निखिल बलराम,* अध्यक्ष व मु.का.अ., रीको नवाचार निगम, द्वारा 10 सितम्बर, 2015।
- *क्वांटम गुरुत्वाकर्षण में रीनॉर्मलाइजेशन समूह पहुंच – डा. गौरव नारायण,* के.आई.टी.पी.सी., बीजिंग, 16 सितम्बर, 2015।
- *इनक्यूबेटीज व स्टार्ट–अप्स के लिए व्यक्तिगत योग्यता* कार्यक्रम पर बैठक, *डा. मीनाक्षी किर्तने,* मानस की संस्थापक सदस्य तथा मनोचिकित्सक, 30 सितम्बर, 2015।
- *सिलीकॉन नैनोडिवाइसेज – कुछ शोध प्रवृत्तियां तथा चुनौतियां, डा. एम. के. राधाकृष्णन,* संस्थापक निदेशक, नैनोरेल, तकनीकी सलाहकार सिंगापुर द्वारा, 5 अक्टूबर, 2015।
- *ग्राफ सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य से नदी के नेटवर्क का निरीक्षण करने पर– प्रा. आर.एन सिंह,* पूर्व निदेशक, सी.एस.आई.आर– राष्ट्रीय पर्यावरणीय शोध संस्थान, द्वारा 16 अक्टूबर, 2015।
- *भवन निर्माण में संरचनात्मक प्रैक्टिस – सुश्री संगीता ब्रिज,* तकनीकी निदेशक (संरचना), बिल्डिंग इंजीनियरिंग, इंडिया, ए.ई.सी.ओ.एम. द्वारा, 16 अक्टूबर, 2015।
- *भारतीय अभियंताओं के लिए चुनौतियां व अवसर – प्रा. वी.एस. राजू,* पूर्व निदेशक, भा.प्रौ.सं दिल्ली, 26 अक्टूबर, 2015।
- *गुरुत्वाकर्षण में समरूपता, प्रा. आलोक लद्धा,* चेन्नई गणितीय संस्थान द्वारा, 27 अक्टूबर, 2015।
- *एस.सी.आई. फाइन्डर डेटाबेस – आपके शोध के लिए एक आवश्यक उपकरण, श्री प्रथमेश कुलकर्णी,* साई – एज इनफोर्मेशन, सं.रा.अ. द्व ारा, 29 अगस्त, 2015।
- *भारत में ऊर्जा विभाजन. मुद्दे–* श्री मुरली रंगनाथन, पूर्व निदेशक, टोरेन्ट ऊर्जा लि., 30 अक्टूबर, 2015।
- *स्ट्रिंग सिद्धांत में ब्लैक होल – प्रा. अमिताभ वीरमणि,* भौतिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, द्वारा, 4 नवम्बर, 2015।
- *विकीपीडिया से संस्थाओं के लिए खनन रुचिकर सामान्य ज्ञान – डा. धवल पटेल,* भा.प्रौ.सं. रुड़की द्वारा, 13 नबम्बर, 2015।
- *कम्प्यूटेशनल व उपयोग विधि. उद्योग व विलक्षण मूल्य अपघटन से जोड़ने वाला गणित तथा इसके प्रयोग, प्रा. बिस्वनाथ दत्ता,* उत्तरी इलीनॉइस विश्वविद्यालय, द्वारा 17–18 नवम्बर, 2015।
- *नवाचार, अन्वेषण तथा उद्यमी सोच, प्रा. मीर इमरान,* चेयरमैन इन्क्यूब, लैब्स, 30 नवम्बर, 2015।
- *एक्सेंचर संचालन नवाचार नेटवर्क तथा शोध कार्यक्रम, श्री कौशल मोदी,* एक्सेंचर, 11 दिसम्बर, 2015।
- *मेरुदंड–चोट के इलाज के लिए संयोजन उपचार जैव अभियांत्रिकी रणनीतयों का प्रयोग करना. सुश्री अनीता सिंह,* वाइडनर विश्वविद्यालय, सं. रा.अ. द्वारा, 16 दिसम्बर, 2015।
- *महाविद्यालय के दौरान कैरियर की शुरुआत, श्री सार्थक जैन,* सह–संस्थापक व प्र.का.अ., क्यूबेट, व भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, पूर्व छात्र, द्वारा 30 दिसम्बर, 2015।
- *सहायक व पुनर्वास रोबोटिक्स, प्रा. प्रशांत जामवाल* – नजरबायेव विश्वविद्यालय, अस्ताना द्व ारा, 30 दिसम्बर, 2015।
- *एक सफल व्यवसाय तथा ब्रांड के निर्माण की यात्रा. श्री राहुल गौतम,* प्रबंध निदेशक, शीला फोम प्रा. लि., गाजियाबाद, द्वारा, 30 दिसम्बर, 2015। श्री गौतम ने उद्यमशीलता में रुचि रखने वाले स्टार्ट–अप्स, विद्यार्थियों तथा न्यासा के सदस्यों से भी बातचीत की जहाँ उन्होंने प्रतिभागियों को बहुमूल्य सुझाव दिए।
- *ऑन–चिप उपकरण तथा सर्किट्स. अनिवार्य, चीजें तथा शोध अवसर, प्रा. मयंक श्रीवास्तव* भा. वि.सं. बेंगलोर द्वारा, 31 दिसम्बर, 2015।
- *रामानुजन विस्तार तथा ट्विन टाइम्स,* द्वारा *प्रा. राम मूर्ति,* क्वीन्स विश्वविद्यालय, किंग्सटन, कनाडा, 1 जनवरी, 2016।
- *भौतिक गणित क्या है? तथा 100 पर आइंसटाइन जी.आर.टी. – प्रा. किशोर मराठे,* ब्रुकलिन विद्यालय तथा सिटी विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क, 4–5 जनवरी, 2016।
- *डिराक फरमिओन्स व मैजोराना मोड़स के डिटेक्टर के तौर पर अतिचालक जंक्शन, डा. भोएत्री मैईती,* बोगोलियूबोव सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान संस्थान, जे.आई.एन.आर., ब्राजील, द्वारा, 5 जनवरी, 2016।
- *इन्टरनेट युग में नेटवर्क अलगोरिदम– प्रा. देवमाल्या पाणिग्रही,* ड्यूक विश्वविद्यालय, 6 जनवरी, 2016।
- *अंतरिक्ष – समय की क्वांटम प्रकृति के बारे में ब्लैक होल्स कैसे हमें सिखाते हैं, प्रा. समीर मूर्ति,* किंग कॉलेज, लंदन, 6 जून, 2016।
- *मॉडलिंग समुदाय (भूकंपीय) लचीलापन, प्रा. बोजिदार स्टोजाडीनोविक,* स्विस संघीय प्रौद्योगिकी संस्थान (ई.टी.एच.) ज्यूरिख, स्विटजरलैंड, जनवरी 7, 2016।
- *ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए श्रेणीबद्ध झरझरा बहुपरत मिट्टी का विश्लेषण तथा साइमलेशन*

निर्देशित प्रसंस्करण – प्रा. राजेन्द्र बोर्डिया, क्लेम्सन विश्वविद्यालय, 7 जनवरी, 2016।

- *क्वेरी विवरण के साथ टेमिंग दि बिग डाटा एलिफैंट – प्रा. सुदीपा रॉय*, ड्यूक विश्वविद्यालय, 7 जनवरी, 2016
- *सार्वजनिक सेवा वितरण में लेवरेजिंग प्रौद्योगिकी द्वारा परिवर्तन प्रबंधन – श्री जयघम अली खान*, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, अहमदाबाद, 9 जनवरी, 2016।
- *वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी – श्री मिनेश किंखाबवाला*, संयुक्त राज्य में कोलफाइड पावर प्लान्ट्स के लिए आधुनिकतम वायु प्रदूषण नियंत्रण तकनीक प्रणाली के डिजाइन व निर्माण पर अग्रणी विशेषज्ञ, 12 जनवरी, 2016।
- *स्थिर न्यूट्रोन व एक्सदृरे स्कैटरिंग का प्रयोग कर परमाणु कंपन व जांच – डा. दीपांशु बंसल*, ओकरिज राष्ट्रीय प्रयोगशाला, 13 जनवरी, 2016।
- *बिना कारण के इस युग में विज्ञान व कारण तथा न्यूट्रोन्सरू आउटर स्पेस से रहस्यमयी संदेशकर्ता – प्रा. परवेज हुडभॉय*, एफ.सी. विद्यालय, लाहौर, 13–14 जनवरी, 2016।
- *प्रौद्योगिकी उद्यमिता – सुश्री इलेना डोनेट्स*, स्टारताउ, तेल–अवीव विश्वविद्यालय नवाचार व उद्यमिता इनक्यूबेटरय व *श्री डैनी हडर*, वी.सी. पेरेग्रीन, 1 फरवरी, 2016।
- *ग्लोबल वॉर्मिंग की गणना के लिए कथा डिजाइन बाढ़ आकलन के दिशा निर्देशों को परिवर्तित करना चाहिए? – प्रा. आशीष शर्मा*, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, 3 फरवरी, 2016।
- *दृष्टि यथार्थवादी प्रतिपादन* – प्रा. ब्रायन बर्सकी, यू.सी.बर्कले, 3 फरवरी, 2016।
- *सतत्धटिकाउ प्राकृतिक व निर्मित पर्यावरण के लिए डेटा संचालित समाधान की ओर – डा. सांतनू गोस्वामी*, न्यू यॉर्क विवि, 3 फरवरी, 2016।
- *महान परिवर्तन के समय सेवा का प्रबंध करना: एक व्यक्तिगत यात्रा – डा. राहुल जिंदल*, फुलब्राइट नेहरू विशिष्ट चेयर, किडनी संस्थान, अहमदाबाद सिविल अस्पताल, 4 फरवरी, 2016।
- *भारतीय उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना. चुनौतियां व अवसर, प्रा. सचिदानंद मोहन्ती*, उड़ीसा केन्द्रीय विवि, कोरापुट, 5 फरवरी, 2016।
- *भारत में नदी व तटीय अनुप्रयोगों के लिए जियोसिन्थेटिक प्रोड्क्ट के विकास उपयोग तथा अनुभव – श्री एम. वेंकटारमण*, गारवारे – वाल रोप्स लि. (सेवानिवृत्त), 6 फरवरी, 2016।
- *नदियां व नदी–संरचनाय तथा बाग्लिहार डैम तथा सिंधुजल संधि – प्रा. के जी रंगाराजू*, पूर्व में भा.प्रौ.सं. रूड़की के साथ, 10–11 फरवरी, 2016।
- *विषम संश्लेषण में अनुकृति एनदृसल्फीनाइल इमीन्स के प्रयोग में हाल की प्रगति, प्रा. मिग्यूल यूस*, अलीकेंट विश्वविद्यालय, 11 फरवरी, 2016।
- *बाई फंक्शनल चीरल औरगानोकेटालिस्ट्स डिराइव्ड फ्रोम ट्रांस– साईक्लोहेक्सेने-1,2–डायामीन्स, प्रा. कारमेन नजेरा*, अलीकेन्टे विवि, 12 फरवरी, 2016।
- *डिवाईस मॉडलिंग – दि आर्ट ऑफ मेकिंग एप्रोक्सीमेशन, प्रा. एस कारमाल्कर*, भा.प्रौ.सं. मद्रास, 12 फरवरी, 2016।
- *कम उत्सर्जन विद्युत उत्पादन के लिए ठोस ईंधन ऊष्म रसायनिक रूपान्तर प्रक्रियाएं: डा. कल्पित शाह*, न्यूकेसल विवि, 16 फरवरी, 2016।
- *सौंदर्यात्मक अनुभवों का तंत्रिका जीवविज्ञान. प्रा. सेमीर जेकी*, लंदन कालेज विवि, यू.के., 18 फरवरी, 2016।
- *दि बोईंग ड्रीमलाइनर 787 व लीथियम आयन बैटरी इन्सीडेंट* – एक विषय का अध्ययन – *डा. जे थॉमस चापिन*, अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला, 26 फरवरी, 2016।
- *क्वान्टम मेकानिक्स बाई पाथ इंटीग्रल – प्रा. सौमित्र सेनगुप्ता*, इंडियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता, 2–5 मार्च, 2016।
- *दिल्ली मेट्रो की अनूठी अभियांत्रिकी विशेषताएं शीर्षक से प्रथम डा. ए एन खोसला* व्याख्यान *– श्री मंगू सिंह*, एम.डी., डी.एम.आर.सी. 5 मार्च, 2016।
- *भारतीय संदर्भ में चिनाईय व भूकंप प्रतिरोधी चिनाई – प्रा. के एस जगदीश*, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर (सेवानिवृत्त) 10 मार्च, 2016।
- *स्मार्ट डिस्ट्रीब्यूशन ग्रिडदृए साइबर फिजीकल सिस्टम पर्सपेक्टीव – प्रा. बाला नटराजन*, कान्सास राजकीय विवि, 14 मार्च, 2016।
- *हमारे पिछले आंगन में घूमते परमाणु – प्रा. देशदीप सहदेव*, क्वाजर प्रौद्योगिकी, 15 मार्च, 2016।
- *ब्लैक होल्स व गुरुत्वाकर्षण तंरगें – प्रा. सी बी विश्वेष्वर*, पूर्व में भारतीय एस्ट्रोफिजिक्स संस्थान के साथ, बेंगलोर, 17 मार्च, 2016।
- *एक स्वर्णिम भारत का निर्माण – श्री शैल कुमार*, सह–संस्थापक, अखिल भारतीय भा.प्रौ.सं. आंदोलन, 19 मार्च, 2016।
- *वित्त व निवेश बैंकिंग – श्री सैम टुल्ली*, क्रेडिट सुइसे ग्रूप, 25 मार्च, 2016।
- *जी.टी.एस. की अविस्मरणीय कथा (महान त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण, भारत – श्री जी.सी. टल्लूर* पूर्व सचिव, लोक निर्माण विभाग, कर्नाटक सरकार, 26 मार्च, 2016।
- *भारत पुर्तगाल कला. धारणा, कला वस्तुएं तथा वर्तमान संरक्षण के मुद्दे, डा. मोनिका इस्टेवेज राइज*, साओ पॉलो विवि, 31 मार्च, 2016।

www.iitgn.ac.in/kn/

टी.ई.क्यू.आई.पी.

किसी भी अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम के प्रथम 2 वर्ष में फाउन्डेशन पाठ्यक्रम को पढ़ाना एक बड़ी चुनौती है। इसे प्रभावशाली तरीके से करने की जरूरत है क्योंकि ये शैक्षिक व व्यवहार के अनुसार एक सफल व्यावसायिक जिन्दगी के लिए विद्यार्थियों को उत्साहित करता है। इसको एक उद्देश्य बनाकर भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने एक महत्वपूर्ण पहल की तथा एक ग्रीष्मकाल विद्यालय का आयोजन किया। इस 4 सप्ताह के ग्रीष्म–स्कूल कार्यक्रम में 10 मूल अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया जिसमें, विद्युत मशीन व पावर इलेक्ट्रॉनिक, अभियांत्रिकी गणित, तरल मेकेनिक्स, प्रयोगात्मक तरल मेकेनिक्स, भू–तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, थर्मोडायनामिक्स इत्यादि थे, तथा इसे खासतौर पर शिक्षण विधि को बेहतर बनाने तथा प्रभावशाली शिक्षा देने के लिए डिजाइन किया गया था। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में टी.ई.क्यू.आई.पी. – की एक बहुत बड़ी सफलता रही है जिसमें पूरे भारत से टी.ई.क्यू.आई.पी. महाविद्यालयों से 200 प्रतिभागी (संकाय तथा विद्यार्थी) शामिल थे। इस पर ग्रीष्म स्कूल के अलावा, टी.ई.क्यू.आई.पी. के अंतर्गत भाग लेने वाले महाविद्यालयों में विभिन्न स्तर पर गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से वर्ष पर्यन्त कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

इन गतिविधियों में, विभिन्न विषयों पर संकाय तथा विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाने के लिए आला क्षेत्रों में कार्यशालाएं/संक्षिप्त पाठ्यक्रम शामिल हैं जैसे, कम्प्यूटर एकीकृत विनिर्माण प्रणाली, डिजाइनिंग, इम्बेडेड प्रणाली, अप्लायड डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, शोध कार्यप्रणाली, संरचना अभियांत्रिकी इत्यादि के लिए भू तकनीकी जांच।

विभिन्न विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित हुई जैसे शैक्षणिक नेतृत्व तथा सर्वोत्तम व्यवहार/प्रैक्टिस खासकर महाविद्यालयों के प्रशासकों के लिए। एक दिन शोध व यू.जी. शिक्षा, सिर्फ संयोजकों के लिए, महाविद्यालयों के विभाग के प्रधान तथा वरिष्ठ संकाय के लिए। यह संकाय सदस्यों को शोध कार्यक्रमों से रूबरू कराने तथा अपने संस्थान में शोध की संस्कृति को आत्मसात कराने के लिए लक्षित था।

यह कार्यशालाएं अपने उद्देशयों को समझाने में काफी सफल रहीं जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागी थे जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष विभिन्न संस्थानों के संयोजक तथा वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने 25 से अधिक गतिविधियों, तथा वर्ष पर्यन्त भारत के विभिन्न टी.ई.क्यू.आई.पी. महाविद्यालयों से पंजीकृत 500 से अधिक प्रतिभागियों की मेजबानी की, इसमें भविष्य में इस तरह के विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम की ज्यादा मांग रखी गई।

आगंतुक

- ***डा. अलबर्ट स्क्राम*** ने कुलपति ***डा. एस गोपालकृष्णन*** के साथ पी.एन.जी. प्रौद्योगिकी विवि. न्यू गिनिया ने 17 दिसम्बर, 2015 को दोनों संस्थानों के मध्य संबंध बनाने के लिए दौरा किया।
- ***प्रा. सतीश त्रिपाठी***, अध्यक्ष सन्नी, बुफेलोय व ***प्रा. स्टीफन डुन्नेट*** उप–प्रोवोस्ट, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा ने 27–28 अक्टूबर, 2015 को संस्थान का दौरा किया और कुछ संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थी उद्यमियों से बातचीत की।

- भा.प्रौ.सं. रूड़की पूर्व छात्र संघ, अहमदाबाद अध्याय के साथ संयुक्त रूप से, ***दिल्ली मेट्रो की अनोखी अभियांत्रिकी विशेषताएं*** नामक प्रथम डा. ए. एन. खोसला व्याख्यान मार्च 5, 2015 को ***श्री मंगू सिंह***, प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल निगम लि. (डी.एम.आर.सी.) द्वारा दिया गया।

विशिष्ट मानद प्रोफेसर

प्रो. जे. बी. जोशी

प्रो. जे. बी. जोशी रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.सी.टी.), मुंबई के जे. सी. बोस राष्ट्रीय फेलो तथा रसायन अभियांत्रिकी के प्रसिद्ध प्रोफेसर, साथ ही होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई के डी.ए.ई.–होमी भाभा विशिष्ट चेयर प्रोफेसर भी हैं। वे एक रसायन प्रसंस्करण उद्योग के विशाल खंडों के सक्रिय सलाहकार हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त हैं जैसे महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी फेलो (1987), भारतीय विज्ञान अकादमी फेलो (1991), अभियांत्रिकी विज्ञान के लिए शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार (1991), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के फेलो (1995), तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा वर्ष 2004 के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार। उनको 2007 में अमेरिकन रसायन सोसाइटी (ए.सी.एस.) द्वारा 40 वर्षों के अंतराल में औद्योगिक एवं अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान में अतिप्रभावशाली प्रकाशनों के आधार पर सर्वोच्च 100 अनुसंधान वैज्ञानिकों में चुना गया।

प्रो. हरिनारायण कोटा

प्रो. हरिनारायण कोटा ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक, एयरो–अभियांत्रिकी में भा.वि.सं. बेंगलोर से अधिस्नातक तथा भा.प्रौ.सं. मुंबई से पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त की है। वे भारतीय एयरोनॉटिकल सोसाइटी (पूर्व में सोसाइटी के अध्यक्ष), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं।

उन्हें भारतीय विज्ञान संस्थान तथा भा.प्रौ.सं. मुंबई से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त है। वर्ष 1996 में उन्हें राष्ट्रीय एयरोनॉटिक्स पुरस्कार तथा एफ.आई.ई प्रतिष्ठान पुरस्कार मिला है। उनको 2001 में एस.बी. आई.–प्रग्ना पुरस्कारय डा. वाई नयदुम्मा स्मारक पुरस्कार 2001; तथा डी.आर.डी.ओ. प्रौद्योगिकी लीडरशिप पुरस्कार 2001 प्राप्त हुआ है। उनको भारत सरकार द्वारा वर्ष 2002 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी ने उनको 2006 में अभियांत्रिकी में आजीवन योगदान पुरस्कार से नवाजा। उनको वर्ष 2007 के लिए अभियांत्रिकी के क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ ऊर्जा ओर एयरोस्पेस में श्री ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार दिया गया। उनको डी.आर.डी.ओ. द्वारा 2008 में आजीवन योगदान पुरस्कार मिला। वे अनुसंधान समिति, वायु ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र, चेन्नई के सभापति; एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. मुंबई के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर; भारत–ट्रेंटो/इटली एस एवं टी कार्यक्रम के भारतीय तकनीकी संयोजक, हैदराबाद विवि के प्राट एवं व्हिटनी चेयर प्रोफेसर; तथा बेंगलोर स्थित ए.डी.ए. में डा. डी एस कोठारी डी.आर.डी.ओ. चेयर हैं।

प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद

प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद ने अपनी शिक्षा भा.प्रौ.सं. खड़गपुर तथा भा.प्रौ.सं. दिल्ली से प्राप्त की है। उन्होंने भा.प्रौ.सं. दिल्ली में चार दशकों से भी अधिक रहकर, शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों के साथ निदेशक पद पर अपनी सेवा प्रदान की है। उनको शैक्षणिक तथा अनुसंधान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन के लिए विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार (1988), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार में शोध के लिए ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार (1994), सूचना प्रौद्योगिकी के लिए वसिक पुरस्कार (2006), भारतीय प्रणाली सोसाइटी का आजीवन उपलब्धि सम्मान (2011), और भा.प्रौ.सं. खड़गपुर का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार शामिल हैं। उनको 2007 में लूगबोरो विवि, यू.के. द्वारा माननीय डाक्टरेट से भी सम्मानित किया गया है। वे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी तथा राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो हैं और सी.एस.आई.आर एवं सी.एस.आई.आर. सोसाईटी के शासी निकाय के सदस्य होने के साथ–साथ कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य अभियांत्रिकी संस्थानों के शासी मण्डल के सदस्य हैं।

प्रो. वी राजारमण

प्रो. वी राजारमण ने दिल्ली विश्वविद्यालय से भौतिकी में बी.एससी. (ऑनर्स), मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (सं.रा.अ.) से विद्युत अभियांत्रिकी में एस.एम. तथा विसकॉनसिन विवि, सं.रा.अ. से पी.एचडी. किया है। वे कई महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं जैसे सूचना प्रौद्योगिकी के आई.बी.एम.

अनुसंधान प्रोफेसर, उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए जवाहरलाल नेहरू केंद्र, बेंगलोर; प्रोफेसर एवं सभापति, सुपरकम्प्यूटर शिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर; एवं वरिष्ठ प्रोफेसर एवं कम्प्यूटर केंद्र के प्रमुख, भा.प्रौ.सं. कानपुर। वे कई कंपनियों के निदेशक रह चुके हैं जैसे सी.एम.सी. लि., नई दिल्ली; कैनबैंक कम्प्यूटर सर्विसेज लि., बेंगलोर; तथा एनरो सॉफ्टवेयर लि., बेंगलोर। उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा 1998 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। वे अभियांत्रिकी में शोध का जहीर पदक, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमीय शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (सी.एस.आई.आर.)य यू.जी.सी. के होमी भाभा पुरस्कार, तथा डाटाक्वेस्टय भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी; भारतीय कम्प्यूटर सोसाइटी, एवं भारतीय प्रणाली सोसाइटी से आजीवन योगदान पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं।

प्रो. वी एस राजू

प्रो. वी एस राजू, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व निदेशक (1995–2000) ने अभियांत्रिकी में आंध्रा विवि से स्नातक की उपाधि, भा.वि.सं. बेंगलोर से अधिस्नातक की उपाधि तथा कार्लश्रू प्रौद्योगिकी विवि. जर्मनी से डाक्टरेट की उपाधि हासिल की है। अपने 42 वर्ष के शैक्षणिक करियर के दौरान वे भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टी.आर.ए.आई.) के अंशकालीन सदस्य रहे तथा भा. प्रौ.सं. मद्रास में कई पदों पर कार्य किया। वे नौसेना अनुसंधान मण्डल, डी.आर.डी.ओ. के सभापति भी थे तथा कई मण्डलों और समितियों के सदस्य रहे जो भारत में तकनीकी शिक्षा एवं अनुसंधान से संबंधित हैं। वे भारतीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं एवं उसके माननीय सचिव रह चुके हैं। जर्मनी का संघीय गणराज्य द्वारा किसी भी विदेशी को दिया जाने वाला सर्वोत्कृष्ट सम्मान, कमान्डर्स क्रॉस से उन्हें शोभित किया जा चुका है।

प्रो. सुहास पी सुखात्मे

प्रो. सुहास पी सुखात्मे, भा.प्रौ.सं. मुंबई के प्रोफेसर एमेरिटस 1964 में मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान से एस.डी. की उपाधि प्राप्तकर्ता हैं तथा शिक्षण और शोध में अपने उत्कृष्ट योगदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे ऊष्मा स्थानांतरण तथा सौर ऊर्जा पर लिखी गई दो बहु चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं। वे कई पुरस्कारों तथा सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का प्रिंस ऑफ वेल्स स्वर्ण पदक 1958, 1983 का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार तथा अभियांत्रिकी के लिए ओम प्रकाश भसीन प्रतिष्ठान पुरस्कार 2001। वे 2001 में भा.प्रौ.सं. मुंबई के आजीवन योगदान पुरस्कार के प्रथम प्राप्तकर्ता थे। उनको बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्व ारा 2001 में विज्ञान में माननीय डाक्टर की उपाधि दी गई है। 2001 में ही उनको भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार दिया गया है।

प्रो. नितीश ठाकोर

प्रो. नितीश ठाकोर जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, विद्युत एवं कम्प्यूटर अभियांत्रिकी, तथा न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर हैं तथा न्यूरोअभियांत्रिकी प्रयोगशाला का नेतृत्व करते हैं। वे राष्ट्रीय विवि सिंगापुर में सिंगापुर न्यूरोप्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक भी हैं। उन्होंने 1974 में भा.प्रौ.सं. मुंबई से अपनी स्नातक तथा विसकॉनसिन विवि, मैडिसन से 1981 में पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त की है। प्रो. ठाकोर राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से अनुसंधान करियर विकास पुरस्कार तथा राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान के अध्यक्षीय युवा खोजकर्ता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। वे अमेरिकन चिकित्सा एवं जैविकी अभियांत्रिकी संस्थान, आई.ई.ई.ई. के फेलो, जैविचिकित्सा अभियांत्रिकी सोसाइटी के संस्थापक फेलो, तथा अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा फेडरेशन व जैविकी अभियांत्रिकी के फेलो हैं। उन्हें अभियांत्रिकी विद्यालय, विसकॉनसिन विवि (2008) का सेंटेनियल पदक, तथा अल्फा एटा मू बीटा जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी छात्र की मानद सोसाइटी की माननीय सदस्यता प्राप्त है। उनको औषधि एवं जैविकी सोसाइटी आई.ई.ई. ई. अभियांत्रिकी से न्यूरोअभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार तथा भा.प्रौ.सं. मुंबई द्वारा 2012 में विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिला एवं 2012 में मैडिसन अभियांत्रिकी विद्यालय, विसकॉनसिन विवि का सेंटेनियल पदक प्राप्त हुआ है।

गेस्ट प्रोफेसर

प्रा. अनिलकुमार अमुरतुर

प्रा. अनिलकुमार अमुरतुर वॉन्डरबिल्ट विवि में एक एयरोस्पेस अभियंता हैं। वे अंतरिक्ष शटल उड़ानों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सूक्ष्मगुरुत्व तरल बहाव के नासा जांचकर्ता हैं। उनके शोध प्रयोगात्मक तरल आयाम, रॉकेट की उड़ान, बूंद और

बुलबुले के आयाम, जैविक–कैप्सूलीकरणय ऊर्जा रूपांतरण, वायु, थर्मोइलेक्ट्रिक, जैविकईंधनय पदार्थ प्रसंस्करणरू फ्लोट–जोन, दिशानिर्देशित स्थिरता पर केंद्रित हैं।

डा. निखिल बलराम

डा. निखिल बलराम रीको इनोवेशंस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और प्रमुख कार्यकारी अधिकारी हैं, एक सिलीकॉन घाटी की कंपनी जो रीको कंपनी लि. के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी और नए व्यापार का विकास करती है। उनको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है जिसमें 9वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पुरस्कार की इलेक्ट्रॉनिक श्रेणी का 2012 स्वर्ण स्टीवी एक्जक्यूटिव पुरस्कार, सूचना एवं प्रदर्शन संस्था(एस.आई.डी.) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार एवं कार्नेजी मेलन विवि द्वारा 2011 पूर्व छात्र सफलता पुरस्कार शामिल है। डा. बलराम कार्नेजी मेलन विवि में विद्युत अभियांत्रिकी के सहायक प्राध्यापक, केलिफोर्निया विवि में दृष्टि विज्ञान के अभ्यागत प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीगनर में डिजाइन एवं नवीनीकरण के अभ्यागत प्राध्यापक हैं, तथा संत क्लेरा विवि के अभियांत्रिकी विद्यालय में उद्योग सलाहकार मंडल में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

डा. अचिंत्य के भौमिक

डा. अचिंत्य के भौमिक इंटल कॉर्पोरेशन में पर्सेप्चुअल कम्प्यूटिंग समूह के संस्थापक महाप्रबंधक और प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी हैं। जहाँ वे अनुसंधान व विकास, अभियांत्रिकी, तथा प्राकृतिक संवेदन और परस्पर वार्ता प्रौद्योगिकी, सहजज्ञान संबंधी इंटरफेज, इमर्सिव ऐप्लीकेशन और उपयोगकर्ता अनुभव जिनकी ब्रांडिंग "इंटलोरीयलसेंस टेक्नोलॉजी" है, पर आधारित उच्च कम्प्यूटिंग उत्पादों और साधनों की मार्केटिंग का नेतृत्व करते हैं। एक सहायक और गेस्ट प्रोफेसर के तौर पर वे केलिफोर्निया विवि, बर्कलेय क्यूंग ही विवि, सियोल, कोरियाय केलिफोर्निया विवि, सांता क्रूज एक्सटेंशनय तथा केंट राजकीय विवि के तरल क्रिस्टल संस्थान के अवरस्नातकों को शोध–निबंध और उन्नत संवेदन एवं मानव–कम्प्यूटर परस्पर क्रिया, कम्प्यूटर दृष्टि, डिजिटल चित्र प्रसंस्करण, प्रदर्शन प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स में पाठ्यक्रम लेते हैं।

डा आर एस बिश्ट

डा आर एस बिश्ट, संयुक्त महानिदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षणय को राष्ट्रीय सम्मारकों में पुरातत्व अनुसंधान, संरक्षण तथा वातावरण और प्रशासन में 35 से भी अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने लखनऊ विवि से प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति में एम.ए.; पुरातत्व विद्यालय से पी. जी.डी.सी.ए.य और कुमाऊं विवि से पी.एचडी. किया है। वे हरियाणा संग्रहालय और पुरातत्व विभागय एवं पंजाब संग्रहालय और पुरातत्व विभाग से भी जुड़े हुए हैं। वर्तमान में डा. बिश्ट भारतीय सरकार में संस्कृति मंत्रालय द्वारा नामित राष्ट्रीय स्क्रीनिंग और विकास समिति के सभापतिय तथा समुद्री पुरातत्व संस्था के अध्यक्ष हैं। वे पद्म श्री और आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार 2013 के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रा. राजेन्द्र बोर्डिया

प्रा. राजेन्द्र बोर्डिया अभी क्लेमसन विवि में पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के चेयर और प्राध्यापक हैं। उनको कई सम्मान प्राप्त हुए हैं जिसमें एलेक्जेडर वॉन हमबोल्ट प्रतिष्ठान का हमबोल्ट वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक पुरस्कार, जर्मनी (2007); राष्ट्रीय युवा जांचकर्ता पुरस्कार (1992–1997); डुपोंट युवा प्राध्यापक पुरस्कार (1993–1996); हेमबर्ग तकनीकी विवि का अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ पुरस्कार, हेमबर्ग, जर्मनी (1996, 2001 और 2002), शामिल हैं। वे वॉशिंगटन विवि के मार्शा लेंडोल्ट विशिष्ट स्नातक मेंटर पुरस्कार (2007) और अमेरिकन सेरामिक संस्था (2012) की सेरामिक शैक्षणिक परिषद के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार (2012) के एक मात्र प्राप्तकर्ता हैं।

प्रा. बिजय एच बोरुआ

प्रा. बिजॉय बोरुआ, वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से जुड़े हैं, उन्होंने डिबरूगढ़ विवि, भारत से दर्शन में बी. ए. (ऑनर्स), बनारस हिंदू विवि से एम.ए.य ऑक्सफोर्ड विवि, यू.के. से एम.लिट.य तथा गुएल्फ विवि, कनाडा से पी.एचडी. किया है। वे भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषदय शोध एवं प्रकाशन समिति, आई.सी.पी.आर.य दर्शन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विवि के बाह्य सलाहकार समिति, बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानीय संस्थान नीति समिति, फोर्टिस स्मारक अनुसंधान संस्थान, गुड़गांव के सदस्य रह चुके हैं। वे नॉर्थ ईस्टर्न हिल विवि में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के नामित अभ्यागत संकाय भी हैं।

प्रा. स्वेतलाना ब्रेज्व

प्रा. स्वेतलाना ब्रेज्व ब्रिटिश कोलम्बिया प्रौद्योगिकी संस्थान, वेनकूवर, कनाडा में प्राध्यापक हैं। उन्होंने भा.प्रौ.सं. रुड़की से भूकंप अभियांत्रिकी में अपनी पी.एचडी. पूर्ण की है। प्रा. ब्रेज्व 2001–2003 के दौरान भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, ऑकलैंड, केलिफोर्निया, सं.रा.अ. में निदेशक और उपाध्यक्ष पद पर भी रह चुकी हैं। वे कई अनुसंधान परियोजनाओं और कार्यक्रमों की सदस्य भी थीं जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान समीक्षा पैनल, एन.ई.ई.एस. कार्यक्रमय अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और शिक्षण का एन.एस.एफ. सहभागिता की समीक्षक और एन.एस.ई.आर.सी. अनुसंधान प्रस्ताव शामिल हैं। वे एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजना विश्व आवास एनसाइक्लोपीडिया की संस्थापक मुख्य संपादक हैं। विश्व बैंक और भारत सरकार, भारत की भूकंप अभियांत्रिकी सलाहकार के रूप में उन्होंने सितम्बर 30, 1993 को लातूर भूकंप में क्षतिग्रस्त हुए 200,000 आवासों के नवनिर्माण और मरम्मत के लिए प्रबंधन योजना और तकनीकी दिशानिर्देश तैयार किये थे।

प्रा. आर पी छाबरा

प्रा. आर पी छाबरा ने रूड़की विवि से रसायन अभियांत्रिकी में अपनी बी.ई., भा.वि.सं. बेंगलोर से एम.ई. तथा मोनाश विवि, ऑस्ट्रेलिया से पी.एचडी. प्राप्त की है। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुरय न्यू साउथ वेल्स विवि, सिडनीय स्वासना विद्यालय विविय मोनाश विवि, क्लेटनय एवं सिडनी विवि से जुड़े हुए हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं। प्रा. छाबरा को रसायन अभियांत्रिकी में सर्वोत्कृष्ट मूलभूत अनुसंधान के लिए भारतीय रसायन अभियंता संस्थान का हर्डीलिया पुरस्कार तथा भारतीय रसायन अभियंता संस्थान का 35 वर्षों से कम आयु में रसायन अभियंता के विकास एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अमर डाई–केम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

श्री मिशैल डैनीनो

श्री मिशैल डैनीनो जब 1977 में भारत आए तक से भारतीय सभ्यता के एक स्वतंत्र छात्र रहे हैं। उन्होंने फ्रेंच और अग्रेजी में पुस्तकों और पत्रों का संपादन किया है। उनकी नवीनतम कृतियां है दि लॉस्ट रिवरः ऑन दि ट्रेल ऑफ दि सरस्वति (पेंगुइन ईंडिया, 2010) व भारतीय संस्कृति एवं भारत का भविष्य (डी के प्रिंटवर्ल्ड, 2011)। वे 2011 में भा.प्रौ.सं. कानपुर के अभ्यागत संकाय रह चुके हैं तथा वर्तमान में भा.प्रं.सं. रांची के अभ्यागत संकाय हैं।

डा. प्रवीणराय डी गांधी

डा. प्रवीणराय डी गांधी यू.एल. में कॉरपोरेट अनुसंधान के निदेशक हैं। उन्हें भा.प्रौ.सं. दिल्ली से बी.टेक. तथा नॉट्रेडेम विवि से पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त है। उनका ध्यान आग के खतरों को कम करना व नियंत्रित करना और नए प्रयोगों और सिद्धांतों के निर्माण में है। वे वर्तमान में विश्वविद्यालयों में अग्नि विज्ञान शिक्षा और अग्नि सुरक्षा पर कार्य कर रहे हैं।

प्रा. दीपन के घोष

प्रा. दीपन के घोष अभी भा.प्रौ. सं. मुंबई में भौतिकी के एमेरिटस प्रोफेसर हैं। उन्होंने यांत्रिक एवं थर्मोडायनामिक्स पर एक पुस्तक तथा कई वेब पुस्तकें लिखी हैं। प्रा. घोष भा.प्रौ.सं. मुंबई के डीन और सह–निदेशक रह चुके हैं। उनको भा.प्रौ.सं. मुंबई ने 2000 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिया था। उनको 2011 में संस्थान निर्माण में सहयोग के लिए भा.पौ. सं. मुंबई द्वारा जीवनकाल सफलता पुरस्कार दिया। वे भारतीय भौतिकी संगठन के (2005–07) में अध्यक्ष थे तथा अभी भौतिकी समाचार के प्रमुख संपादक हैं। वे होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान की शैक्षणिक समिति, मुंबई विवि के डी.ए.ई. के मूलभूत विज्ञान केंद्र और आई. आई.एस. विवि, जयपुर के सदस्य हैं। प्रा. घोष 2012 में नवरचना विवि वडोदरा के प्रोवोस्ट रहे जहाँ उन्होंने अभियांत्रिकी कार्यक्रम स्थापित किये।

डा. बिपिन इंदुरख्या

डा. बिपिन इंदुरख्या संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला, भा.सू.प्रौ.सं. हैदराबाद के प्रमुख तथा कम्प्यूटर विज्ञान के प्राध्यापक हैं। उनको मेसेशुसेट्स विवि से पी.एचडी., तथा फिलिप्स अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अध्ययन संस्थान, आइंडहोवेन, दि नीदरलैंड्स से ऐमहर्स्ट एवं अधिस्नातक की उपाधि प्राप्त है। उनकी बहुआयामी अनुसंधान गतिविधियों को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय निधिकरण संस्थाओं का सहयोग प्राप्त है जैसे राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान, नीदरलैंड्स वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन, जापान विज्ञान प्रसार संस्था, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

मंत्रालय, भारत, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, इंटल कॉर्पोरेशन, रेडिफ्फ.कॉम, सैमसंग वैश्विक अनुसंधान बाहरी पहुंच कार्यक्रम तथा जीरॉक्स ओपन नवीनता परियोजना। उन्होंने पुरातत्व विज्ञान में क्षेत्रीय रिमोट सेंसिंग ऐप्लीकेशन में नई गतिविधियां शुरू की हैं तथा उन्हें काफी अनुदान भी प्राप्त हो रहा है।

श्री सुबोध कुमार जैन

श्री सुबोध कुमार जैन ने अपनी बी. ई. की उपाधि सिविल अभियांत्रिकी में रूड़की विवि (अब भा.प्रौ.सं. रूड़की) से 1974 में प्राप्त की है। उन्होंने रेल मंत्रालय में कार्य किया है तथा रेल मंत्रालय के रेल मंडल के अभियांत्रिकी सदस्य जो भारत सरकार के सचिव का एक पद है, के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। वे वर्तमान में हैदराबाद मेट्रो रेल में सिविल अभियांत्रिकी के विशिष्ट विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके भारतीय रेल को दिए गए असीम योगदान के लिए उन्हें बहुत से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उनको रेल मंडल ने उच्च–वेग के डायमण्ड जिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ नवीनता के लिए वार्षिक पुरस्कार 2006–07 दिया और मध्य प्रदेश विधान सभा द्वारा सभापति का औहदा प्राप्त हुआ है तथा राज्य की रेल सेवाओं में उनके बृहत योगदान के लिए उन्हें एक चांदी का फलक देकर सम्मानित किया गया। उनको भारतीय इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप संस्था द्वारा जुलाई 2012 में जीवनकाल सफलता पुरस्कार दिया गया, भारतीय धातु संस्थान द्वारा उनके एल्युमीनियम उद्योग में किये गए योगदान के लिए 2006 में नाल्को स्वर्ण पदक दिया गया, 1994 में नॉनफेरस मेटालर्जिकल उद्योग में उनके असीम योगदान के लिए भारतीय धातु संस्थान द्वारा हिन्दुस्तान जिंक स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ, तथा ए.आई.एम.ई. द्वारा 1987 में प्रशंसा पत्र दिया गया। उनको 1965 में अमेरिकन धातु संस्था द्वारा आयोजित मेटेलोग्राफिक प्रतियोगिता में भी एक पुरस्कार मिला है।

डा राजेन जसवा

डा राजेन जसवा एक कुशल श्रंखलावार प्रौद्योगिकी उद्यमी हैं। वर्ष 2009–2012 के दौरान वे डाइनो का प्र.का.अ. और सभापति पद पर रहे। उन्होंने वर्ष 2003–2008 तक टी. आई.ई सिलिकॉन वेली में स्वेच्छा से पूरा समय दिया, अध्यक्ष के रूप में 2005–2008 तक तथा 2003–2004 तक निदेशक के तौर पर रहे। डा जसवा सेलेक्टिका के सह–संस्थापक, सभापति और 1996–2002 तक प्र.का.अ. रहे हैं। उनके कार्यकाल के दौरान सेलेक्टिका एक अग्रणी सॉफ्टवेयर कॉन्फीगरेशन विक्रेता बन गई जिस समय जनरल इलेक्ट्रिक, बी.एम.डब्लू, सिस्को, सैमसंग और डैल जैसे उपभोक्ता बने। सेलेक्टिका 2000 में पांच बिलियन डॉलर के सर्वोच्च बाजार मूल्य पर सार्वजनिक हो गई, तथा फोर्ब्स 500, डेलॉइट एवं टूश प्रौद्योगिकी फास्ट 500, सॉफ्टवेयर 500, इंक 500, एवं इंटरेक्टिव वीक 500 द्वारा नामित हुई। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक, टोरोन्टो विवि से विद्युत अभियांत्रिकी में अधिस्नातक तथा स्टेटसन विवि से एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त की है।

डा. कुमार नीरज झा

डा. कुमार नीरज झा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल अभियांत्रिकी विभाग के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होने अपने करियर की शुरुआत लारसन एंड टुबरो के साथ की तथा कुछ राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सफलता में भागीदार रहे। उनके द्वारा निर्माण परियोजना प्रबंधन पर लिखी तथा पीयरसन ऐजुकेशन द्वारा प्रकाशित की गई एवं कांक्रीट संरचनाओं का फोर्मवर्क नामक लिखी गई तथा टाटा मेकग्रा हिल द्वारा प्रकाशित की गई टेक्स्ट पुस्तक कई विश्वविद्यालयों में अपनाई गई है। वे निर्माण प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन पर कई पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं।

प्रा. लीलावती कृष्णन

प्रा. लीलावती कृष्णन 2014 में भा.प्रौ.सं. कानपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त हुई हैं। उनको विभिन्न पदों पर 45 वर्षों के कार्य का अनुभव है। प्रा. कृष्णन ने अपनी पी.एचडी. मेकमास्टर विवि, हेमिल्टन, ओंटेरियो, कनाडा से जून 1978 में प्राप्त की है। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में शामिल हैं मनोविज्ञान (सामाजिक मनोविज्ञान, व्यक्तित्वय मिलीजुली संस्कृति का मनोविज्ञान)। उनको सितम्बर 5, 2003 को भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वे राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी की अध्यक्ष (1998–99) रहीं।

प्रा. दिनेश कांत कुमार

प्रा. दिनेश कांत कुमार आर.एम. आई.टी. विवि, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के प्राध्यापक और जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी के कार्यक्रम निदेशक रहे। उन्होंने भा.प्रौ.सं. दिल्ली से बायोइलेक्ट्रॉनिक्स में अपनी पी. एचडी. तथा भा.प्रौ.सं. मद्रास से विद्युत अभियांत्रिकी में बी.ई. की उपाधि हासिल की है। प्रा. कांत को कई

पुरस्कार मिले हैं जैसे यूरोपियन संघ का इरेसमस मुंडुस शिक्षा पुरस्कार (2009–2010), केप्स का वरिष्ठ व्यावसायिक अध्येतावृत्ति पुरस्कार (2012–2013) एवं ऑस्ट्रेलियन विज्ञान अकादमी (ऑस्ट्रेलिया–भारत अनुसंधान साझेदारी) का वरिष्ठ व्यावसायिक अध्येतावृत्ति पुरस्कार। प्रा. कांत न्यूरल प्रणाली और पुनर्स्थापन अभियांत्रिकी के आई.ई.ई.ई. रिपोर्ट के सहयोगी संपादक हैं। वे चिकित्सा जर्नल और जैविकी अभियांत्रिकी जर्नल के संपादक, तथा पिछले पांच वर्ष से आई.ई.ई.ई. जैविकसिग्नल और जैविकरोबोटिक्स अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संस्थापक हैं।

डा. के चेलवा कुमार

डा. के चेलवा कुमार ने पेराडेनिया विवि, श्रीलंका के यांत्रिक अभियांत्रिकी से बी.एस., तथा केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान से एम.एस. एवं पी.एचडी. और केलिफोर्निया विवि, इर्विन से एम. बी.ए. की उपाधि प्राप्त की है। वे ई.पी.आई.आर. प्रौद्योगिकी, इंक, बोलिंगब्रूक, आई. एल. के अध्यक्ष हैं। डा. चेलवा कुमार विभिन्न संस्थानों में कई प्रशासनिक पदों पर भी रह चुके हैं जैसे सेंट लुई क्षेत्रीय अस्पताल, गिलरोय, सी.ए., केरिटस व्यापार सेवाएं, रेडवुड शहर, सी.ए. सेंट फ्रांसिस चिकित्सा केंद्र, लिनवुड, सी.ए. रेप्रोनेट, लॉस एंजिलेस, सी. ए.। इसके पहले वे केलिफोर्निया राजकीय विवि, लॉस एंजिलस एवं फुलरटन परिसरों, सी.ए. कार्नेजी मेलन विवि और पेराडेनिया विवि, श्रीलंका, में संकाय सदस्य रह चुके हैं। वे 1979 और 1980 में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियन भी थे।

प्रा. सुचित्रा माथुर

प्रा. सुचित्रा माथुर, भा.प्रौ.सं. कानपुर में अंग्रेजी की सह–प्राध्यापक, तथा भारतीय अंग्रेजी साहित्य, नारीवादी और उत्तरऔपनिवेशक सिद्धांत, तथा प्रसिद्ध सांस्कृतिक अध्ययन की विद्व ान हैं। इन क्षेत्रों में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन के अतिरिक्त, वे इन क्षेत्रों में कार्यशालाएं आयोजित करने और विभिन्न संचार कुशलताओं पर देश भर के बहुत से संस्थानों में पाठ सिखाने में संलग्न रहती हैं। उनके नए कार्य में अंतःविषय क्षेत्र को विज्ञान अध्ययन के तौर पर उनकी रुचि को एक सार्थक संवाद के रूप में एस एंड टी फोकस में लिंग और संचार पर स्थापित करता है। 2011 में, उनको भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा गोपाल दास भंडारी उत्कृष्टता अध्यापन पुरस्कार दिया गया।

प्रा. अचल मेहरा

प्रा. अचल मेहरा को दक्षिणी इलीनॉइस विश्वविद्यालय, कार्बोनडेल से पत्रकारिता में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि (1985) प्राप्त है। उन्होंने यांत्रिक अभियांत्रिकी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (1980) से प्रौद्योगिकी में स्नातक की उपाधि ली है। वे लिटिल इंडिया पत्रिका के संपादक और प्रकाशक हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वाधिक बिकने वाली एशियाई शीर्षक, तथा विश्व में सबसे बड़ा विदेशी भारतीय प्रकाशन है। पिछले तीन सालों में, इस पत्रिका को स्वतंत्र प्रेस संघ द्वारा 20 इप्पी पुरस्कार, छः न्यू अमेरिकन मीडिया पुरस्कार तथा उटने–आई.पी.ए. पुरस्कार और जी.एल.ए.ए.डी. मीडिया पुरस्कारों में नामांकन मिला है। प्रा. मेहरा ने बिगरइंडिया डॉट कॉम पत्रिका का वेब प्लेटफॉर्म भी विकसित किया है। वे यू.के. की कला रॉयल संस्था के फेलो हैं।

प्रा. अशोक मित्तल

प्रा. अशोक मित्तल ने भा.प्रौ. सं. खड़गपुर से बी.टेक. (ऑनर्स) एवं एम.टेक., तथा एम.एस. और पी.एचडी. केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय से प्राप्त किया है। वे भा.प्रौ.सं. कानपुर और केल्लोग प्रबंधन विद्यालय, उत्तरपश्चिमी विवि, सं.रा.अ. से जुड़े हुए हैं। प्रा. मित्तल अभियंता संस्थान, भारत के फेलो, सं.रा.अ. की ऑपरेशंस अनुसंधान संस्था के सदस्य, भारतीय ऑपरेशनल अनुसंधान संस्था के अध्यक्ष तथा आइ.एस.टी.ई. के जीवनकाल सदस्य हैं।

प्रा. एस एल नारायणमूर्ति

प्रा. एस एल नारायणमूर्ति ने ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से 1971 में कॉमनवेल्थ विद्वान के तौर पर पी. एचडी. की उपाधि प्राप्त की है। वे भा.प्रौ.सं. मुंबई में चार दशकों तक एक संकाय सदस्य, विभागाध्यक्ष और डीन के पद पर सेवा कर चुके हैं। प्रा. नारायण मूर्ति को भा.प्रौ.सं. मुंबई में 2004 में उनके संस्थान को एक शिक्षक, टीम लीडर, आर एवं डी सहायक, संसाधन संग्रहण और पूर्व छात्र नेटवर्किंग जैसे व्यापक कार्यों के लिए जीवनकाल सफलता पुरस्कार दिया गया। उनको सहयोगियों के साथ प्रसंस्करण/ प्रौद्योगिकी में विकास के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनकी नवीनतम रुचि अभियांत्रिकी शिक्षण, भोजन प्रसंस्करण अभियांत्रिकी तथा मेंटरिंग में है।

डा. संदीप पाण्डे

डा. संदीप पाण्डे ने 1992 में यांत्रिक अभियांत्रिकी में अपनी पी.एचडी. की उपाधि केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से अर्जित की तथा वर्तमान में वे लखनऊ में एक समाज सेवक हैं। वे अपने कार्य में गहराई से संलग्न हैं जिसमें शिक्षा का अधिकार, कार्य, भोजन, सूचना, मानवाधिकार, हाशिये पर संप्रदायों का सशक्तिकरण, जमीनी स्तर का लोकतंत्र, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन, जमीनी सुधार, सांप्रदायिक सौहाद्र, परमाणु निरस्त्रीकरण एवं शांति, भारत पाकिस्तान के बीच शांति और मित्रता, कॉर्पोरेट जवाबदेही और सामाजिक राजनीति शामिल हैं। उनकी संस्था के माध्यम से लोगों को भ्रष्टाचार से लड़ते हुए विभिन्न सरकारी सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। वे बहुत तल्लीनता से संलग्न हैं ताकि भ्रष्टाचार से ग्रसित मुख्य राजनीति की जगह एक सच्ची राजनीति का विकास हो सके।

प्रा. दुर्गेश सी राय

प्रा. दुर्गेश सी राय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक हैं। भा.प्रौ.सं. कानपुर से जुड़ने से पहले, वे मिशिगन विवि में एक अनुसंधान फेलो (1996–1997) तथा भा.प्रौ.सं. रुड़की में भूकंप अभियांत्रिकी विभाग के संकाय थे (1997–2001)। उनको भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सं.रा.अ.) द्वारा 2000 शाह परिवार नवीनता पुरस्कार तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा युवा अभियंता पुरस्कार (1999) प्राप्त हुआ है। वे 2010 में भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी फेलो चुने गए थे। वे राष्ट्रीय सूचना भूकंप अभियांत्रिकी केंद्र (एन.आई.सी.ई.ई) के भा.प्रौ. सं. कानपुर में संयोजक हैं तथा अतंर्राष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी संस्था के विश्व भूकंप सुरक्षा पहलों के मण्डल के सदस्य हैं।

प्रा. एम बी रजनी

प्रा. एम बी रजनी ने अपना डॉक्टरल अनुसंधान पुरातत्व जांच पर आधारित क्षेत्र में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थान, बेंगलोर से तथा पी.एचडी. 2011 में मैसूर विवि से की है। उनको इस कार्य के लिए रचपुडी कामाक्षी स्मारक युवा जियोस्पेसियल पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने एक वर्ष तक एन.आई.ए.एस. में डॉक्टरल के बाद अनुसंधान किया तथा तत्पश्चात एन.आई.आई.टी विवि, नीमराना में 2011–1013 के बीच एम.टेक. जी.आई.एस. कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक का पद प्राप्त किया। नालंदा विवि के फेलो के रूप में उनका वर्तमान कार्य नालंदा में पुरातत्व संबंधी सबूतों का अध्ययन करना है (2013–2014)। उनको रिमोट सेंसिंग पर नियमावली लिखने तथा पुरातत्व पर जी.आई.एस. ऐप्लीकेशन लिखने के लिए होमी भाभा अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई है।

प्रा. टी आर रामचंद्रन

प्रा. टी आर रामचंद्रन ने भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर से 1960 में धातुकर्म में बी.ई., एम.एससी की उपाधी 1965 में मेकमास्टर विवि कनाडा से तथा पी.एचडी 1969 में वेल्स विवि यू.के. से प्राप्त की है। वे दो दशकों तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में संकाय सदस्य रहे, 1969–89। वे 1989–99 के दौरान जवाहरलाल नेहरू अल्यूमीनियम अनुसंधान एवं डिजाइन विकास केंद्र नागपुर के संस्थापक निदेशक रहे। जवाहरलाल नेहरू अल्यूमीनियम अनुसंधान एवं डिजाइन विकास केंद्र की स्थापना के समय (1989–96) वे यू.एन.डी.पी. परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना के निदेशक भी रहे। वे हैदराबाद की नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के एमेरिटस वैज्ञानिक थे। वे भारतीय अल्यूमीनियम उद्योग राष्ट्रीय अल्यूमीनियम कंपनी (1991–93), भारत अल्यूमीनियम कंपनी (1994–97), पारादीप कार्बन्स (2002–2006) के साथ मजबूती से जुड़े हुए थे तथा वर्तमान में अलूफ्लोराइड के कार्यकारी निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके नॉनफेरस धातु के क्षेत्र में अतिविशिष्ट योगदान के लिए उन्हें 1994 में हिंदुस्तान जिंक स्वर्ण पदक, तथा 2006 में भारतीय धातु संस्थान की स्थापना वर्ष में नालको स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रा. ए रामनाथन

प्रा. ए रामनाथन ने मुंबई विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पी.एचडी. किया है। वे मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के भा.प्रौ. सं. मुंबई में वरिष्ठ प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष हैं। उन्हें मात्रात्मक अर्थशास्त्र, खासकर उन्हें सामाजिक विज्ञान में शिक्षण और अनुसंधान पद्धतियों के लिए शौहरत हासिल है। वे प्रबंधन अर्थशास्त्र, व्यावहारिक अर्थमिति और सामान्य लागत–लाभ की समीक्षा के विशेषज्ञ हैं। प्रा. रामनाथन ने कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेख लिखे हैं।

प्रा. मैथिली रामस्वामी

प्रा. मैथिली रामस्वामी एक प्राध्यापक तथा वर्तमान में टाटा मूलभूत अनुसंधान केंद्र संस्थान बेंगलोर में

व्यावहारिक गणित की डीन हैं। वे देश की पार्शियल डिफ्रैंशियल समीकरण के क्षेत्र की अग्रणी व्यक्ति हैं खासकर समीक्षा और नियंत्रण समस्याओं में लागू करने के लिए। उन्होंने अपनी बी.एससी. और एम.एससी. की उपाधि मुंबई विवि तथा पी.एचडी. पेरिस विवि, फ्रांस से प्राप्त की है।

डा. जी वेण्कटपा राव

डा. जी वी वेण्कटपा राव का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में तीन दशकों (1975–2007) का विशिष्ट करियर रहा है जिसके दौरान वे सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख तथा छात्र मामलों के डीन रहे। उन्होंने जियोसिंथेटिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का निर्माण किया, पूरे देश में एकमात्र ऐसी सुविधा। उनके अमूल्यवान योगदानों को 25 प्रतिष्ठित पुरस्कारों द्वारा सराहा गया है, जिसमें जल संसाधन में अतिविशिष्ट योगदान के लिए सी.बी.आई. पी. जवाहरलाल नेहरू जन्म शताप्दी पुरस्कार (1994), अंतर्राष्ट्रीय जियोसिंथेटिक संस्था–नेतृत्व तथा मान्यता पुरस्कार (2008) उनमें से कुछ के नाम हैं। वे भारतीय जियोतकनीकी संस्था के माननीय फेलो, भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी और संस्थान अभियंता (भारत) के फेलो हैं। वे दो सत्रों तक अंतर्राष्ट्रीय जियोसिंथेसिस संस्था के भारतीय चेप्टर के अध्यक्ष रहे तथा आई.जी.एस. परिषद के सदस्य थे। वे भारतीय जियोकनीकी संस्था के 5 वर्षों तक माननीय सचिव तथा भारतीय जियोतकनीकी पत्रिका के संपादक के रूप में भी रहे। वे 2010–2013 के दौरान भारत सरकार के सार्वजिनिक क्षेत्र का उपक्रम, इरकॉन अंतर्राष्ट्रीय लि. के स्वतंत्र निदेशक भी थे।

प्रा. धीरज सांघी

प्रा. धीरज सांघी वर्तमान में कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में अभ्यागत संकाय हैं। उनके ऊपर भा.सू.प्रौ. संस्थान दिल्ली में शैक्षणिक मामले तथा बाह्य संबंध के डीन होने का दायित्व है। वे 2008–2010 तक एल.एन. एम. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर विवि की एक सरकारी–निजी भागीदारी, के निदेशक पद पर रहे। वे भा.प्रौ.सं. कानपुर में शैक्षणिक मामले के 2011 से 2014 तक डीन थे। उनकी शोध रुचि कम्प्यूटर नेटवर्क्स के क्षेत्र में है खासकर विभिन्न परतों के प्रोटोकॉल, आईपीवी6, गतिशीलता और सुरक्षा पर। वे भारत में तकनीकी शिक्षण के लिए उत्साही रहते हैं और नियमित रूप से पत्रिकाओं और ब्लॉग्स में उसके लिए लिखते हैं। उनको भा.प्रौ.सं. कानपुर से बी.टेक., तथा मैरीलैंड विवि, कॉलेज पार्क से एम.एस. और पी. एचडी. की उपाधि प्राप्त है।

डा. शिलादित्य सेनगुप्ता

डा. शिलादित्य सेनगुप्ता वर्तमान में हार्वड ब्रिघम चिकित्सा विद्यालय एवं महिला अस्पताल में औषधि और चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सहायक प्राध्यापक हैं। उन्होंने भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान से बी.एस. और एम.एस., तथा कैम्ब्रिज विवि (ट्रिनिटी महाविद्यालय) से पी.एचडी. किया है। वे अमेरिकन फार्माकोलॉजी और प्रयोगात्मक थेरापिटिक्स एवं अमेरिकन केंसर अनुसंधान संगठन के सदस्य हैं। डा. सेनगुप्ता डीओडी स्तन केंसर अनुसंधान कार्यक्रम सहयोगात्मक अन्वेषक पुरस्कार, मैरी के ऐश प्रतिष्ठान करियर पुरस्कार, होप विद्वान डीओडी पुरस्कार, इंडस टेक्नोवेटर पुरस्कार एवं जैविकअभियांत्रिकी का कोल्टर प्रतिष्ठान युवा जांचकर्ता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रा. कोशी थारकन

प्रा. कोशी थारकन गोवा विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में प्राध्यापक हैं। उन्होंने हैदराबाद विवि से दर्शनशास्त्र तथा सामाजिक विज्ञान में पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त की है। उनकी रुचि सामाजिक विज्ञान और घटनाओं के दर्शन में है, जिसमें उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पर्यावरण नीतियों के क्षेत्र में भी योगदान दिया है तथा इस क्षेत्र में छात्रों को पी.एचडी. कराया है।

डा. हैरी यूक्लिया

डा. हैरी यूक्लिया टेक्नियन इजरायल में शोध प्राध्यापकय ओ.आर.टी. उरूगे विवि और सेन एंड्रियास विवि अर्जेंटीना में अभ्यागत प्रध्यापकय तथा एक स्वतंत्र प्रबंध सलाहकार हैं। उन्होंने ईशाई, रोमानिया के तकनीकी विवि "घ असाची" से विद्युत अभियांत्रिकी में एम.एस., बॉस्टन विवि से प्रबंधन में एम.एस.य तथा हिब्रू विवि - जेरुसलेम, इजरायल से व्यापार प्रबंधन में पी.एचडी. किया है। वे उद्यमिता एवं नवीनता (2010–वर्तमान तक) के लिए इजरायल पुरस्कार के प्रधान मंत्री समिति के सदस्य; तथा आईक्रिएट, भारत के सलाहकार मण्डल के सदस्य (2012–वर्तमान तक) हैं। वे नवीनता एवं उद्यमिता अंतर्राष्ट्रीय वित्त के लिए रोजनफेल्ड पुरस्कार, 2004 के प्राप्तकर्ता हैं।

आधारभूत ढांचा व सुविधाएं

स्थाई परिसर विकास

पालज गांव के नजदीक स्थाई परिसर का फेज–1ए का विकास समापन के नजदीक है तथा जुलाई, 2015 में करीब 1000 विद्यार्थी नव–निर्मित छात्रावास में आ चुके हैं। जुलाई 2015 में शुरू हुई शैक्षणिक गतिविधियां अब पूर्ण पैमाने पर चल रही हैं। 2 वर्ष से कम समय में नए परिसर में आने की प्रक्रिया विभिन्न इकाइयों की उच्च स्तरीय दलगत कार्य को दर्शाता है। कुल 270 संकाय व स्टाफ आवासीय इकाई तथा अन्य शैक्षणिक इमारतें भी पूर्ण है तथा संस्थान का पूर्ण संचालन अब नए परिसर से होना आरम्भ हो गया है।

परिसर का माहौल शैक्षणिक प्रयासों के अनुकूल है तथा ऐसी जगह स्थित है जो अच्छी तरह से शहरों से जुड़ा हुआ है तथा तेजी से विकसित हो रहा है। स्थाई परिसर के नजदीक गिफ्ट सिटी अपने संचालन की तैयारी कर रहा है, सड़क तथा सेवा नेटवर्क काफी आगे बढ़ा है, अन्य राष्ट्रीय संस्थान परिसर के इर्द गिर्द तैयार हो रहे हैं तथा पिरसर के आस–पास कई सुरक्षा प्रतिष्ठान और वन का विशाल क्षेत्र स्थित है।

बुनियादी खेलकूद सुविधाएं जिसमें एक क्रिकेट मैदान, अभ्यास पिच सहित, एक फुटबॉल मैदान, वॉलीबॉल कोर्ट तथा बास्केटबॉल कोर्ट विकसित किए गए हैं। जमीन के अविकसित पॉकेट (भविष्य निर्माण के लिए चिन्हित) को वर्तमान में फूलों वाले पौधे, कुछ सब्जियां तथा कुछ उपयोगी पौधों के मिश्रित रूप में वृक्षारोपण के उद्देश्य से प्रयोग की जा रही है। इस क्षेत्र में आधुनिकतम खेलकूद सुविधाओं की प्लानिंग मास्टर प्लान में निर्धारित है और उनकी शुरुआत हो गई है। समानांतर में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने जैव विविधता को बढ़ावा देने और उन्हें स्थिर करने के लिए परिसर में कुछ नाले विकसित करना शुरू कर दिया है।

छात्रावास तथा शैक्षणिक इमारतों की छत पर स्थापित 200 केडब्लूपी सौर ऊर्जा पीवी प्लांट नर्धारित माप पर अब पूरा हो गया है। यह प्रति दिन करीब 1000 के डब्लूएच की बिजली उत्पन्न करेगा तथा प्रति माह करीब 1 लाख रुपए की बचत करेगा।

जैविक अपशिष्ट को संसाधित करने के लिए 1 एमटी क्षमता का केंद्रीय बायोगैस संयत्र भी पूरा हो गया है। इससे उत्पन्न बिजली परिसर में रौशनी के उद्देश्य के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

इसके अलावा, 1200–1400 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, आतिथ्य गृह, स्थाई खेलकूद सुविधाएं तथा कुछ और आवास के निर्माण के दूसरे फेज की आर्किटेक्चरल प्लानिंग शुरू हो गई है।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर पालज परिसर देश का प्रथम परिसर है जिसे गृहा काउंसिल द्वारा 29 दिसम्बर, 2015 को "फाइव स्टार" गृहा एलडी वी2 मास्टर प्लान रेटिंग दी गई है। मूल्यांकन समिति ने कुल 35: जरूरतों के मुकाबले 25.9: प्रतिशत का एक फाइनल इंपैक्ट स्कोर प्रदान किया है।

सूचना प्रणाली व प्रौद्योगिकी सुविधा

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में आई.एस.टी.एफ. नए परिसर में आ गया है तथा संस्थान की स्थापना के बाद भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय को उपयोगकर्ता स्तर की सेवाएं देना जारी रखा है। आई.एस.टी.एफ. का अत्याधुनिक नेटवर्किंग आधारभूत ढ़ांचा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिसर के अन्दर–बाहर सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना प्रणाली तथा कम्प्यूटेशनल सुविधाओं के प्रावधान में समर्थ बनाता है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय में करीब 1200 उपयोगकर्ता हैं जिसमें संकाय, विद्यार्थी तथा स्टाफ शामिल हैं। पिछले वर्ष के दौरान आई.एस.टी.एफ. द्वारा ली गई महत्वपूर्ण गतिविधियों का सारांश निम्नलिखित है।

सूचना प्रणाली

परिचालन दक्षता प्राप्त करने तथा बुनियादी परिचालन गतिविधियों से परे सोचने में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को सक्षम बनाने के लिए, संस्थान ने एक कार्यालय स्वचालन प्रणाली को अपनाया है तथा सफलतापूर्वक लागू किया है। इसे संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आई.एम.एस) के नाम से भी जाना जाता है जिससे भा.प्रौ.सं. गांधीनगर कागज रहित कार्यालय बनने के लिए तैयार हो चुका है। आई.एम.एस. परियोजना जून, 2014 में आरम्भ की गई तथा सभी मॉडूल लागू होने में 13 महीने का रिकॉर्ड समय लगा। आई.एम.एस. विभिन्न प्रक्रियाओं के कार्यप्रवाह का गठन करता है जो विभिन्न अनुभागों जैसे, शैक्षणिक, सामान्य प्रशासन, सामग्री प्रबंधन, वित्त व लेखा, शोध व विकास, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा (आई.एस.टी.एफ.), निदेशक–कार्यालय इत्यादि को परस्पर जोड़ता है। इसके अतिरिक्त आई.एम.एस. संस्थान को, विद्यार्थी, जीवनचक्र, सामग्री (खरीदारी से भुगतान) ग्रीष्म अंतःशिक्षुता, संकायध्कार्मिक नियुक्ति, दाखिले, तथा पूर्व छात्र संबंध को केंद्रीय रूप से प्रबंधन की अनुमति देता है। आई.एम.एस. के सफल कार्यान्वयन ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को, एक सामान्य मंच के जरिए सभी प्रक्रियाओं से जोड़ते हुए एक व्यापक कार्यालय स्वचालन प्रणाली अपनाने वाला प्रथम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बना दिया है।

कम्प्यूटिंग व नेटवर्क आधारभूत संरचना

पालज में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का नया परिसर 10 जी.बी.पी.एस. उच्च गति प्रकाशीय फाइबर आंतरिक नेटवर्क के ऊपर 1 जी.बी.पी.एस. इन्टरनेट लिंक के साथ राष्ट्रीय नॉलेज नेटवर्क (एन.के.एन.) से जुड़ा है। शैक्षणिक भवन, आवासीय–स्थान तथा छात्रावास क्षेत्र एल.ए.एन. व वाई–फाई सक्षम हैं। आई.एस.टी.एफ. को एक नया फायर वॉल उपकरण मिलने वाला है जो सिंगल साइन ऑन (एस.एस.ओ.) का प्रयोग कर मल्टीपल लॉगिन की जरूरत को पूरा करेगा। सभी महत्वपूर्ण सेवाएं हाई–एवेलेबिलटी (एच.ए.) मोड में कार्य करेंगी।

सी.सी.टी.वी. कैमरा विभिन्न परिसर स्थानों में स्थापित हैं जो सुरक्षा कर्मियों को एक केन्द्रीय स्थान से प्रबंध व निगरानी रखने में सक्षम बनाता है। सभी सर्वर कक्ष तथा महत्वपूर्ण प्रयोगशालाएं, बायोमेट्रिक सेन्सर्स के प्रयोग से नियंत्रित होती हैं जो अधिकृत कार्मिकों के प्रवेश और प्रस्थान में सक्षम बनाता है। सभी कम्प्यूटर उपकरण जहां भी आवश्यक हो, रातदिन कूलिंग के साथ यू.पी.एस. से जुड़े हैं। पूरे परिसर में अग्नि–चेतावनी स्मोक डिटेक्टर स्थापित किए गए हैं। आई.एस.टी.एफ ने वॉयस–ओवर–आईपी (वी.ओ.आई.पी.) सेवाओं के लिए रिडंडेन्ट इन्टरनेट सेवाओं (पी.आर.आई. लाइसेन्स के साथ) के लिए एक अतिरिक्त इन्टरनेट लीज लाइन प्राप्त करने के लिए अपना प्रारम्भिक कार्य शुरू कर दिया है।

आई.एस.टी.एफ. विभिन्न विषयों की जरूरतों के लिए एक व्यापक सॉफ्टवेयर कोष संभालता है। सबसे अधिक लोकप्रिय सॉफ्टवेयर में हैं – ए.एन.एस.वाई.एस, स्टार सीसीएम, ऑटोडेस्क इन्वेन्टर, एस्पेनटेक, मैथमैटिका, पी.एस.सी.ए.डी 4.2, एस.टी.ए.टी.ए 11.1, ऑटोकैड, लैब–वियू, कैडेंस, टीकैड, मैटलैब, जिलिंक्स, आई.एस.ई. ओरिजिन, ईटैब, आर्क–जिस। संस्थान में वेगा, एक उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग क्लस्टर (एच.पी.सी.सी.) है जो प्रयोगकर्ताओं को अपनी शोध अभिरुचियों से संबंधित समानांतर व जी.पी.यू. कम्प्यूटिंग निष्पादन में सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त, एच.पी.सी.सी. के अलावा, संस्थान में एनवीडिया के 20 एक्सएम, शिक्षण केन्द्र के पार्ट के तौर पर एनवीडिया सी.यू.डी.ए. के 20 एक्सएम टेस्ला कार्ड्स के 2 हाई–एंड नोड्स द्वारा एक पृथक सेटअप है। यह नोड्स सी–डीएसी प्रदत्त पूरे देश के गरुड़, नेटवर्क से जुड़े हैं।

आई.एस.टी.एफ. गैर–भा.प्रौ.सं.गांधीनगर प्रयोगकर्ताओं के निवेदनों को पूरा करने तथा संभावित आंतरिक विद्वानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नवीनतम तकनीक के नए नोड्स में वृद्धि कर वर्तमान एच.पी.सी.सी. को बढ़ाने की योजना बना रहा है।

नई पहल

आई.एस.टी.एफ. टीम कौशल को बढ़ाने के लिए तथा आधुनिक तकनीक के साथ सामयिक रहने के लिए निरंतर विभिन्न आंतरिक योजनाओं का दायित्व लेती है। इस टीम ने सफलतापूर्वक निम्नलिखित योजनाओं को पूरा किया है–

- प्रयोगकर्ताओं को केन्द्रीकृत निर्देशिका सेवाओं तथा प्रमाणीकरण प्रदान करने के लिए एक लाइटवेट डाइरेक्टरी एक्सेस प्रोटोकॉल (एल.डी.ए.पी.) सर्वर लगाया गया है।
- रेडियस सर्वर लगाया जो एडूरोम सेवाओं के साथ होने वाला है। रेडियस सर्वर एल.डी.ए.पी. के साथ एकीकृत किया गया है ताकि भा.प्रौ.सं. गांधीनगर प्रयोगकर्ता अपने परिचय–पत्र के साथ, भारत व विदेशों के किसी भी संस्थान में लागिंन कर सके तथा अपने लैपटॉप, स्मार्ट फोन तथा अन्य पोर्टेबल उपकरणों का प्रयोग कर परिसर के बाहर वाई–फाई के द्वारा इन्टरनेट कनेक्टीविटी प्राप्त कर सके।

आउटरीच गतिविधियां

आइ.एस.टी.एफ. संस्थान को कई पहलों तथा कार्यक्रमों को एक सक्रिय योगदान देने वाला साझेदार रहा है। यह टीम विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के लिए व्यापक समर्थन देती है। इस वर्ष आई. एस.टी.एफ. ने टी.ई.क्यू.आई.पी. के भाग के रूप में 'क्लाउड कम्प्यूटिंग' पर 2 सप्ताह के ग्रीष्म स्कूल का आयोजन किया जिसमें व्याख्यान तथा व्यावहारिक सत्र हुए। इस स्कूल को, गुजरात तथा अन्य राज्यों के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों से कई प्रतिभागियों की तरफ से, जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है।

शोध सुविधाएं

कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला इमेजिंग, सेन्सिंग तथा ऊर्जा संचयन में अनुप्रयोगों को ध्यान में रखने के साथ नैनोसंरचित सामग्रियों के साथ प्रकाश इन्टरेक्शन के मौलिक भौतिक विज्ञान का अन्वेषण करता है। विशेषतयः, यह उच्च–रिफ्रेक्टिव इन्डेक्स सामग्रियोंरू नोबल धातुओं, से बना नैनोसंरचनाओं का अन्वेषण करता है जो प्लाजमोनिक व्यवहार तथा सेमीकंडक्टर्स को प्रदर्शित करता है जो बढ़े हुए चुम्बकीय प्रतिक्रिया को प्रदर्शित करता है। असंख्य अनुप्रयोगों, जिनकी यह प्रयोगशाला अन्वेषण करती है उसमें शामिल हैं– हाई रिजोल्यूशन व बहुत विस्तृत फील्ड ऑफ वियू माइक्रोस्कोप, मोनोलिथिक एकीकृत अल्ट्रा–मिनिएचर कैमरा, अल्ट्रा–संवेदनशील गैर–विध्वंसक आभासी माप तकनीक (चीजों की जांच के लिए) तथा नैनोस्केल पर गतिकी, जैवप्रेरित टिकाऊ ऊर्जा संचयन तथा भंडारण तकनीक। संस्थान प्रयोगशाला में कम्प्यूटेशनल संसाधनों पर काफी निर्भर है तथा आन्तरिक कोड के साथ–साथ व्यावसायिक सॉफ्टवेयर उपकरणों का प्रयोग करता है।

शुष्क प्रक्रिया प्रौद्योगिकी (ड्राई प्रो टेक) प्रयोगशाला

नव आर्दता निलंबित ग्लव बाक्स तथा फाराडे कप इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज माप सुविधा के साथ शुष्क प्रक्रिया प्रौद्योगिक (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला में स्थापित किया गया है। इस सुविधा का उपयोग नियंत्रित आर्दता (25% से 90% आर.एच.) करने तथा 65 डिग्री सेन्टीग्रेड के अंतर्गत कोई भी प्रयोग करने के लिए किया जाएगा। किसी भी सामग्री का इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज फाराडे कप तथा इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज माप उपकरण का प्रयोग कर मापा जा सकता है। सामग्रियों के इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज पर आर्दता के किसी प्रभाव से बचने के लिए यह ग्लव बॉक्स के अन्दर भी किया जा सकता है।

घर्षण स्टर वेल्डिंग फ्रिक्शन स्टर

वेल्डिंग (एफ.एस.डब्लू.) एक ठोस अवस्था में शामिल होने की प्रक्रिया है, जहाँ एक घूर्णन उपकरण तीव्र प्लास्टिक विरूपण के कारण जोड़ बनाता है। उच्च घूर्णीगति पर घूमने वाला उपकरण – वर्कपीस सम्पर्क सतह पर घर्षण के कारण ताप उत्पन्न करता है। घूमने वाला वेल्डलाइन के साथ घूमता है तथा सॉफ्टेन प्लास्टिसाइज्ड सामग्री का विरूपण करते हुए एक जोड़ बनाती है। एफ.एस.डब्लू. के दौरान विलय की कमी दरारों को ठोस करना, सरंध्रता, विरूपण तथा यांत्रिकी गुणों जैसे मुद्दों को टालता है। एफ.एस.डब्लू. मशीन ठोस स्थिति में विभिन्न सामग्रियों को जोड़ने में समर्थ है जैसे अल्यूमीनियम, तांबा, मैग्नेशियम, इस्पात इत्यादि। मशीन में उपकरण के घूमने के लिए 12.5एच.पी. विद्युतीय मोटर है तथा सख्त सामग्रियों को जोड़ने के लिए पर्याप्त टॉर्क है। मोटर को 3000 आर.पी.एम. तक घुमाया जा सकता है। यह मशीन घर्षण स्टर वेल्डिंग के दौरान विभिन्न प्रक्रिया – मापदंडों को मापने में समर्थ है। मुख्य मशीन के अलावा, विभिन्न सामग्रियों को जोड़ने के लिए विभिन्न उपकरण विकसित किए गए हैं। जिसमें पोलिमेयर्स, तथा वर्कपीस सामग्रियों के विभिन्न आकारों को जोड़ने वाले फिक्सर्स, शामिल हैं।

ग्लोबल नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली (जी.एन.एस.एस.) प्रयोगशाला

नेवीगेशन में प्रयोग–उन्मुख शोध करने के लिए जी.एन.एस.एस. प्रयोगशाला में आई.एस.आर.ओ.,

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद प्रदत्त उपग्रह प्राप्तकर्ता हैं। प्राप्तकर्ता भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (आई.आर.एन.एस.एस.) तथा ग्लोबल पोजीशनिंग प्रणाली (जी.पी.एस.) दोनों का प्रयोग करते हुए अपने स्थान, वेग तथा समय को निर्धारित करने में सक्षम हैं।

प्रणाली विवरण: यह प्राप्तकर्ता एल5 (1176.45 एमएचजेड) तथा एस1 (2492.028 एमएचजेड) का प्रयोग कर दोहरे आवृत्ति मोड में संचालित होता है। इसके अतिरिक्त, जी.पी.एस. से एल1 (1575.42 एमएचजेड) कोर्स/एक्वीजीशन सिग्नल संसाधित कर सकता है। यह प्रणाली 34 चैनलों को सहयोग देता हैः एल5 तथा एस बैंड प्रत्येक के लिए 11 चैनल, तथा एल1 बैंड के लिए 12 चैनल। विभिन्न मोड का प्रयोग कर रिसीवर नेविगेशन सोल्युशन उत्पन्न करता हैः सिर्फ एल5; सिर्फ एस; एल5एस; एल5एल1 एवं एल5एसएल1। रिसीवर द्वारा उत्पन्न नेविगेशन सॉल्यूशन में हैं – ई.सी.ई.एफ. कार्टेसिन कोऑर्डिनेट्स (एक्स, वाई, जेड) तथा जियोडेटिक कोऑर्डिनेट्स (अक्षांस, देशान्तर तथा ऊंचाई) दोनों में रिसीवर का स्थान, ई.सी.ई.एफ. कार्टेसियन कोऑर्डिनेट्स में वेग तथा रिसीवर क्लाक बायस। नेवीगेशन सोल्यूलेशन 1 या 5 एचजेड पर दिया जाता है। रिसीवर्स विभिन्न दर्शनीय जैसे शीउडो रेंज, डोप्लर, तथा करियर फेज प्रदान करते हैं ताकि शोधकर्ता अपना अल्गोरिदम प्रयोग कर सही नेविगेशन सोल्यूशन उत्पन्न करने के लिए इन्हें प्रयोग कर सकें। फिर, रिसीवर, अंतरिक्ष–आधारित, आवर्धन प्रणाली – गगन, (जिओस्टेशनरी आगुमेन्टेड जी.पी.एस. – एडेड नेविगेशन) से सुधार संदेश प्राप्त करने में सक्षम है – जो कि आगे नेविगेशन सोल्युशन, की शुद्धता को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। रिसीवर्स में बैटरी बैकअप तथा डाटा लॉगिंग सुविधा है, जो उन्हें मोबाइल प्लेटफार्म पर प्रयोग करने में समर्थ बनाता है। वे रिनेक्स 3.03 तथा एन.एम.ई.ए आउटपुट प्रदान करता है।

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला मुख्य रूप से, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एनालॉग तथा डिजिटल वी. एल.एस.आई. डिजाइन तथा सेमीकंडक्टर डिवाइस संबंधित शोध तथा अधिस्नातक प्रयोगशाला शिक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रयोग होता है। यह अपेक्षित हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। संस्थान ने यू.एम.सी. टी.एस.एम.सी के लिए आई.एम.ई.सी. के साथ एन.डी.ए.एस., तथा डिजाइन पुस्तकालय सहयोग तथा आई.सी. फेब्रिकेशन के लिए सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला – (एस.सी.ए.) भारत के साथ हस्ताक्षर किया है। चिप्स यू.एम.सी. 180 एनएम तथा यू.एम.सी 65 एनएम में निर्मित हुए हैं। प्रयोगशाला कैडेन्स मेंटर ग्राफिक्स, साइनोप्सिस, मिलिन्स आइ.एस.ई. उपकरणों के लिए मल्टीयूजर्स लाइसेंस के साथ सुसज्जित हैं। प्रयोगशाला कई एफ.पी.जी.ए. बोर्ड के साथ बेसीज बोर्ड, नेक्सस बोर्ड, स्पार्टन बोर्ड तथा अत्याधुनिक किनटेक्स & 7 बोर्ड तथा करीब 30 कम्प्यूटर तथा एक सर्वर मशीन से सुसज्जित है जिसमें सारे उपकरण हैं।

उपशिष्ट जल उपचार प्रयोगशाला

वर्तमान में उपशिष्ट जल उपचार प्रयोगशाला में निम्नलिखित अत्याधुनिक सुविधाएं हैं:

- ***सीओडी माप*** – यह उपकरण व्यर्थ पानी सैंपल के रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सी.ओ.डी.) को निर्धारित करने के लिए क्लोज्ड रिफ्लेक्स विधि प्रयोग करता है। यह 2 घंटे में 12 सैंपल का विश्लेषण कर सकता है।
- ***कुल जेल्डन नाइट्रोजन (टी.के.एन.) माप*** – इस अग्रणी उपकरण में हीटिंग डाईजेस्टर से जुड़ी इनबिल्ट स्वाचालित स्क्रबर तथा डिस्टीलेशन प्रणाली है जो वातावरण में किसी हानिकारक गैस के रिसाव को रोकता है।
- ***नाइट्रस व नाइट्रिक ऑक्साइड सेंसर्स*** – यह सेंसर्स (भारत में अपनी तरह का प्रथम) उपशिष्ट जल के एरोबिक उपचार के दौरान बने घुलनशील नाइट्रस और नाइट्रिक ऑक्साइड को मापने के लिए किया जाता है।
- ***पी.एच., डी.ओ., कंडक्टीविटी व टी.डी.एस. इलेक्ट्रोड्स*** – यह तहकीकात उपशिष्ट जल के नमूने में संबंधित मापदण्ड का सही इकाई देते हैं।
- ***एस.आई.एम.बी.ए. सिमुलेशन सॉफ्टवेयर*** – यह सॉफ्टवेयर एक महत्वपूर्ण स्तर तक पैमाने पर उपशिष्ट जल उपचार प्लान्ट्स की रूप रेखा प्रस्तुत कर देता है।

प्रयोगशाला सुविधाएं

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

प्रयोगशाला का आणविक जीव विज्ञान अनुभाग, एक प्लेट रीडर, ग्रेडिएंट थर्मोसाइक्लर, जेल डॉक्यूमेंटेशन प्रणाली, रियल टाईम पी.सी.आर., इन्वरटेड फ्लोरसेंस माइक्रोस्कोप, वॉटर प्यूरीफायर, लेमिनार फ्लो हुड, –80 डिग्री से. फ्रीजर्स, 20 डिग्री से., रेफ्रिजेरेटर्स, शेकर–इनक्यूबेटर्स, वाइब्रेशन–रहित क्रिस्टेलाइजेशन इनक्यूबेटर, रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूग (कम व मध्यम क्षमताएं), वेस्टर्न ब्लॉटिंग एप्रेटस, पी.एच. मीटर्स व वॉटरबाथ्स। नैनो ड्रॉप प्रणाली प्रोटीन व डी.एन.ए. की संकेदण नापता है। एफ.पी.एल.सी. प्रणाली (जी.ई.) विभिन्न कॉलम के साथ, प्रोटीन के शुद्धि करण के लिए प्रयोग में आता है। प्रयोगशाला में एक जैविक संश्लेषण मॉडूल के साथ एक माइक्रोवेव – आधारित पेप्टाइड सिन्थेसाइजर तथा छोटे अणुओं तथा पेप्टाइड्स को संस्लेषित करने के लिए 3 रोटर्स के साथ एक अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज है। सेल कल्चर सुविधा, मैमेलियन सेल कल्चर से संबंधित सभी गतिविधियों की सहायता के लिए, जैव सुरक्षा कैबिनेट, सी.ओ. इन्क्यूबेटर, उच्च गति सेन्ट्रीफ्यूज, स्वचालित सेल काउंटर तथा तरल एन2 क्रायो–प्रिजर्वर, के साथ सुसज्जित है। यह प्रयोगशाला, सेल्स में डी.एन.ए. नुकसान का अध्ययन करने के लिए एक यू.वी. क्रॉस लिंकर से भी सुसज्जित है।

रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी विषय की प्रयोगशाला सुविधा में आधुनिक प्रयोगात्मक व्यवस्था की विस्तृत श्रेणी है। तरल यांत्रिक प्रयोगात्मक व्यवस्था में रेनॉल्ड्स प्रयोग उपकरण, बर्नौलिस उपकरण, विभिन्न पाईप के जरिए घर्षण फैक्टर, पाईप फिटिंग की बराबर की लंबाई, ऑरीफीस व वेन्टुरीमीटर, तथा सेन्ट्रीफ्यूगल पंप विशेषताएं शामिल हैं। यूनिट ऑपरेशन/मास ट्रांसफर स्थानांतरण व्यवस्था में बॉलमिल, छननी सामान्य आसवन, पैक्ड बेड अवशोषण टावर, तथा ठोस–तरल/ठोस–गैसध्तरल–गैस मास ट्रांसफर शामिल हैं। ऊष्मा स्थानांतरण ऑपरेशन से संबंधित प्रयोगात्मक व्यवस्था में विभिन्न तरह के ताप एक्सचेंजर जैसे शेल व ट्यूब/डबल पाइप/कुंडलित प्लेट/ द्रवीकृतधफिन्ड ट्यूब तथा अन्य प्रयोग जैसे एजिटेटेड पात्र में ताप – स्थान्तरण लेमीनार/टर्बुलेंट प्रवाह, तथा विभिन्न पदार्थों की अवसोषण शामिल हैं। रासायनिक रिएक्टर्स अभियांत्रिकी व्यवस्था में बैच/पी.एफ.आर./ सी.एस.टी.आर. रिएक्टर्स शामिल हैं। प्रक्रिया नियंत्रण तथा डायनामिक्स व्यवस्था में सामान्य पेण्डुलम, बल्ब थर्मोमीटर, इन्टरएक्टिंग तथा नॉन–इन्टरएक्टिंग टैंक्स, ऑन–ऑफ नियंत्रक तथा पी.आई.डी. नियंत्रण शामिल हैं। इस सुविधा में विशेष निरूपण सुविधा जैसे यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एच.पी.एल.सी., जी.सी., तथा पार्टिकल साइज एनेलाइजर, तथा प्रक्रिया साइमलेशन शामिल है। साइमलेशन उपकरण जैसे, ए.एन.एस.वाई.एस., स्टार–सी. सी.एम., एस्पेनटेक सूट, मैटलेब तथा कोमसोल भी उपलब्ध है।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान विभाग में कई शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक 500 एम.एच.जेड. एसेन्ड एफ.टी. एन.एम.आर. (ब्रूकर), एक सिनप्त जी2एस ई.एस.आई.दृक्यू.टी.ओ.एफ. मास स्पेक्ट्रोमीटर (वाटर्स) तथा साइक्लिक वोल्टामीटर (सी.एच. उपकरण), एक चूर्ण एक्स आर.डी. (ब्रूकर), एक लाइफ स्पेक–11 टी.सी.एस.पी.सी. (एडिनबर्ग), एक

मल्टीमोड ४ परमाणु ऊर्जा माइक्रोस्कोप (ब्रूकर), एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (जे.ई.ओ.एल.), एक सर्कुलर डाइक्रोइज्म (सी.डी.) स्पेक्ट्रोमीटर (जे.ए.एस.सी.ओ.), ३ फ्लेक्स–बी.ई.टी. सतही क्षेत्र विश्लेषक (माइक्रोमेरिटिक्स, यू.एस.ए.), टी.जी.ए. – डी.एस.सी. तथा गैस क्रोमेटोग्राफी शामिल हैं। अन्य शोध उपकरण जैसे डिजिटल पोलेरीमीटर (एन्टॉन–पार), एक एफ.टी.आई.आर. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (ऊष्म वैज्ञानिक) डिजिटल मेल्टिंग प्वाइंट उपकरण (एम.आर. – वी.आई.एस.), एक फोटोकेमिकल उपकरण (लुजचेम), यू.वी.–विस उपकरण (शिमाड्जू व एनेलिटिक जेना), एक स्पेक्ट्रोफ्लूरीमीटर (होरिबा–जॉबिन युवोन), उच्च दाब तरल क्रोमेटोग्राफी प्रणाली (एजीलेंट) भी अध्यापक तथा शोध के लिए प्रयोग किए जाते हैं। वेटलैब फ्यूम हुड्स, रोटरी वाष्पक (बुची, आई.के.ए.) विश्लेषणात्मक संतुलन (शिमाड्जू, मेटलर) तथा सामान्य सुविधाएं जैसे श्लेंक रेखाएं, हीटिंग मेंटल्स, अवन, फ्रीजर्स, हॉट प्लेट तथा स्टरर्स के साथ सुसज्जित है।

सिविल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी विषय में संरचनात्मक अभियांत्रिकी, भूतकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी तथा सर्वेक्षण करना/जी.आई.एस. प्रयोगशालाएं संचालन में है।

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में अवर स्नातक विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित सामग्री–जांच सुविधाएं हैं: कंक्रीट की संघनन जांच; व्यवहार्यता के लिए कंक्रीट का स्लंप जाँच; कंक्रीट की सुदृढ़ता जाँच; कंक्रीट का विस्तृत घनत्व आकलन, विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण जाँच; सीमेंट की सेटिंग समय जाँच; एग्रेगेट्स की ग्रेडिंग; गारा की व्यापक मजबूती, ईंटों की व्यापक मजबूती, चिनाई के लिए प्रिज्म जाँच; ईंटों की जल अवशोषण–जाँच, तथा ईंटों के अवशोषण की आरम्भिक गति, इसके अतिरिक्त, अधिस्नातक विद्यार्थियों के लिए अन्य सुविधाओं में संरचनात्मक डयनामिक्स के कुछ मौलिक घटकों को प्रदर्शित करना है, जिसमें शामिल हैं इलेक्ट्रो–डायनामिक्स शेकर, स्लेज इंपल्स हैमर, सेन्सर्स तथा डाटा प्राप्ति प्रणाली, वेबफोर्म उत्पत्तिकर्ता व डायनामिक सिगनल एनेलाइजर जैसे उपकरण। सेन्सर्स में विभिन्न एक्सेलेरोमीटर्स, वेलोसिटी सिस्मोमीटर्स तथा प्रयोगों पर आधारित डिसप्लेसमेंट ट्रांसड्यूसर्स शामिल हैं। इनके अलावा, अधिस्नातक विद्यार्थियों को अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी माप तथा इंपैक्ट कॉनक्रीट हैमर के जरिए कुछ मूलभूत एक्सपोजर दिए जाते हैं।

भूतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मूल मृदा जांच उपकरणों तथा हाई–एंड शोध उपकरणों से सुसज्जित है। उपकरणों का प्रयोग मृदा के यांत्रिक गुणों को नापने के लिए किया जाता है, जिसमें इंडेक्स, पारगम्यता, दबाव, कतरनी ताकत तथा डाइनामिक गुण शामिल हैं।

अध्यापन के उद्देश्य के लिए **जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला** में निम्नलिखित उपकरण प्रयोग में लाए जाते हैं:
एक हाइड्रॉलिक बैंच, पिटोट ट्यूब, रेनॉल्ड्स उपकरण, शार्प क्रेस्टेड वेयर (नॉच), बरनॉली उपकरण, वेंचुरीमीटर और ऑरीफाइसमीटर, नॉजलमीटर, हाइड्रॉलिक टिलटिंग फ्लूम, बुनियादी हाइड्रोलॉजी उपकरण, मुक्त और दबाव वाले बहाव का उपकरण।

सर्वेक्षण तथा जी.आई.एस. प्रयोगशाला को विभिन्न हाई एंड सर्वे उपकरण तथा जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर की सहायता से विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरण में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है जो काइनेमेटिक जी.पी.एस., रोबोटिक्स टोटल स्टेशन, तथा सम्बन्धित क्षेत्र व कार्यालय सॉफ्टवेयर है। यह जी.पी.एस. तथा टोटल स्टेशन को एक कॉमन फाइल तथा उपयोगकर्ता इन्टरफेस प्रदान करता है जो एक दूसरे के पूरक हैं। एकीकृत सर्वेक्षण एक मंच प्रदान करता है जहां जी.पी.एस. तकनीक बिना व्यापक ट्रेवर्सिंग की जरूरत के एक टोटल स्टेशन सर्वे का विस्तार कर सकता है। इसके

अलावा, कई टोटल स्टेशन, ऑटोलेवल, डिजिटल लेवल तथा हैंड–हैल्ड जी.पी.एस. भी खरीदे गए हैं, जिन्हें उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट के साथ प्रयोग किया जाएगा। मल्टी–यूजर ए.आर.सी.जी.आई.एस. इनफो किट भी अध्यापन तथा शोध गतिविधियों में जी.आई.एस. विश्लेषण के लिए खरीदे गए हैं। आर्क जी.आई.एस. पैकेज उपग्रह जानकारी को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर में वृद्धि करेगा।

संज्ञानात्मक विज्ञान

चक्षु–मार्गन

चक्षु मार्गन सुविधा में एक टोबी टी.एक्स 300 चक्षु मार्ग शामिल है और इसमें टोबी स्टूडियो टीम चक्षु मार्गन सॉफ्टवेयर है। यह एक अति आधुनिक चक्षु मार्ग सुविधा है जिसे उपभोक्ता–व्यवहार शोध और विजन शोध के साथ विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है। इस सुविधा में, टोबी टूलबॉक्स शामिल है जो मैटलैब का प्रयोग करते हुए डाटा संग्रह में सहायता करता है, इस प्रकार प्रयोगात्मक डिजाइन के लिए टोबी स्टूडियो के प्रयोग को कम करता है। टोबी के विस्तार के द्वारा ई–प्राईम के लिए सहायता उपलब्ध है।

वायरलेस फिजियोलॉजी आधारित आंकड़े प्राप्ति प्रणाली

बायोपैक प्रणाली इंक द्वारा विकसित तथा निर्मित बेतार फिजियोलॉजी आधारित डाटा प्राप्ति प्रणाली फिजियोलॉजी संकेतों के आंकड़े प्राप्ति में समय की सुविधा प्रदान करती है। यह प्रणाली फिजियोलॉजी के संकेतों जैसे ई.सी.जी., ई.एम.जी., ई.डी.ए. के विस्तृत क्षेत्र को सम्मिलित करती है और 16 बिट्स के उच्च रीजोलूशन और 400 किलोहर्ट्ज जितनी ऊंची गति के साथ आंकिक प्रसारण के साथ उत्कृष्ट संकेत गुणवत्ता प्रदान करती है।

आभासी वास्तविकता पर आधारित उपकरण व प्रोग्रामिंग मंच

यह सॉफ्टवेयर–प्रोग्रामिंग मंच है जिसमें वर्ल्डविज इंक से विजार्ड नामक सॉफ्टवेयर हैं। विजार्ड उच्च निष्पादक ग्राफिक्स प्रयोगों के विकास के लिए एक उच्च स्तरीय ग्राफिक्स टूलकिट है जिसमें आभासी वास्तविकता (वी.आर.) वैज्ञानिक विजुलाइजेशन गेम्स तथा उड़ान साइमुलेशन शामिल हैं।

आभासी वास्तविकता गति कैप्चर प्रणाली

यह कस्टम–विकसित प्रणाली शैक्षणिक समक्षेत्र में बनी आर्म मूवमेंट को रिकॉर्ड करने के लिए इलेक्ट्रोचुम्बकीय सेंसर (एसेनसन ट्रैकस्टार, नार्थन डिजिटल) का प्रयोग करता है।

128 चैनल ई.ई.जी.

उच्च घनत्व ई.ई.जी. सुविधा 128–चैनल ई.ई.जी. सेन्सर्स एम्प्लीफायर, तथा सॉफ्टवेयर के साथ एक संपूर्ण प्रणाली है। जियोडेसिक सेन्सर नेट (जी. एस.एन.) सेन्सर्स के घने ऐरेज को तेजी से लागू करने की एक सरल विधि प्रदान करता है। आपके प्रतिभागियों के लिए परिणाम आरामदायक तथा कम दबाव का अनुभव कराते हैं, यहाँ तक कि शिशु, बच्चे, या व्यावराहिक चुनौतियों की जनसंख्या भी जी.एस. एन को आसानी से स्वीकार करती है। नेट स्टेशन सॉफ्टवेयर पूर्ण प्राप्ति, पुनरावलोकन, तथा विश्लेषण कार्य प्रदान करता है।

इमोटिव ई.पी.ओ.सी. 16 चैनल वायरलेस ई.ई.जी. प्रणाली अनुसंधान संस्करण

इमोटिव ई.पी.ओ.सी./ई.पी.ओ.सी. में 14 ई.ई.जी. चैनल्स तथा सटीक स्थानिक रेजोलेसन की उपयुक्त स्थिति के दो संकेत देता है।

मोशन कैप्चर प्रणाली

एसेन्सन ट्रैक स्टार में 6 इलेक्ट्रोचुंबकीय सेन्सर्स तथा एक इलेक्ट्रोचुंबकीय ट्रांसमीटर है। यह सेन्सर्स 140 एच.जेड. तक मांसपेशियों के जोड़ों की गति को रिकॉर्ड करने में बहुत लाभदायक है।

डिजिटाइजिंग टेबलेट

जी.टी.सी.ओ. कैलकॉम्प डिजिटाइजिंग टेबलेट हाथ के अंतिम बिंदु गति को रिकॉर्ड करता है। इसमें 36•24 से.मी. का कार्यात्मक क्षेत्र है। यह टेबलेट के सतह पर स्टाइलस की गति को रिकॉर्ड करता है। यह स्टाइलस की गति को 60 एच.जेड. के दर पर रिकॉर्ड कर सकता है।

व्यवहार कक्ष

वर्तमान में यहाँ 3 व्यवहारात्मक क्यूबिकल्स आवास कम्प्यूटर हैं जो व्यवहारात्मक डाटा संग्रह में सहायता करता है। यह कक्ष अनुकूलनीय प्रकाश के साथ ध्वनिरोधी और प्रकाशविहीन कमरे हैं। कम्प्यूटर में साइकोफिजिक्स उपकरण बॉक्स के साथ मैटलैब है। इन सुविधाओं का उपयोग निर्णय लेने, ध्यान एजेन्सी इत्यादि पर शोध के लिए अधिस्नातक विद्यार्थी तथा संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है।

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विषय वर्तमान में अपने अधिस्नातक विद्यार्थियों के लिए 6 प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों तथा अन्य अभियांत्रिकी विषयों के विद्यार्थियों के लिए एक मूलप्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है, यह प्रयोगशालाएं उन्नत प्रयोगों तथा शोध के लिए भी सुसज्जित हैं।

इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी प्रयोगशाला हाई एंड परीक्षण तथा मापन उपकरण के साथ पूरी तरह सुसज्जित है जिसमें 100 मेगाहर्ट्ज दो–चैनल

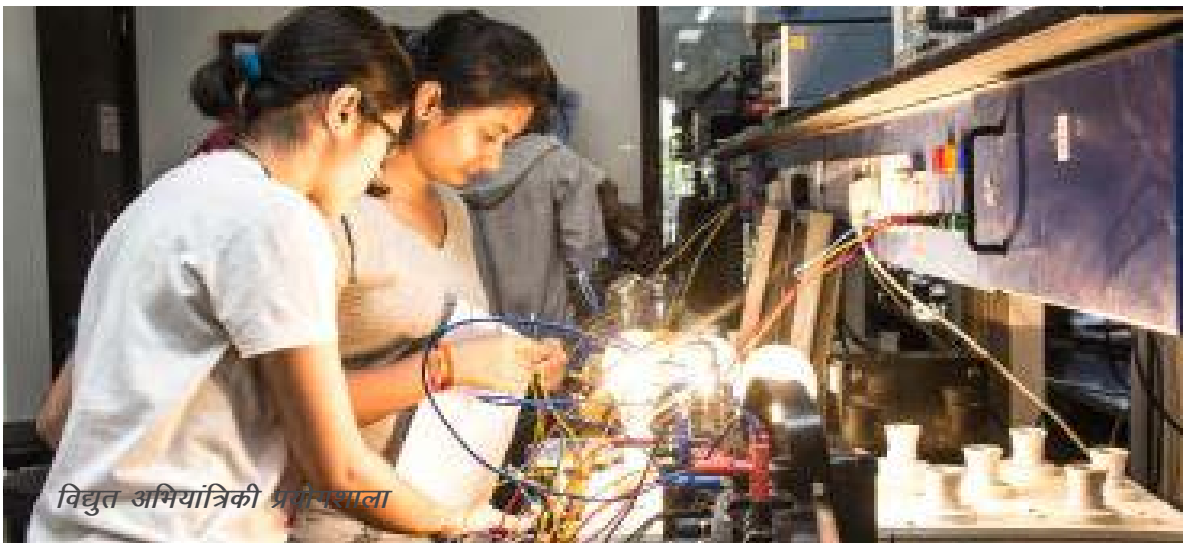

विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

डिजिटल स्टोरेज ऑस्किलोस्कोप्स (टेकट्रोनिक्स) तथा दो–चैनल फंक्शन जनरेटर्स (एजिलेंट) शामिल हैं। एंटेना तथा माइक्रोवेव सेक्शन में आर.एफ. विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए गुन्न डायोड–आधारित माइक्रोवेव टेस्ट बेंचेज तथा एन्टेना–ट्रेनर किट्स हैं। एक आर.एफ. स्पेक्ट्रम एनेलाइजर (एजिलेंट) प्रयोगशाला की स्पेक्ट्रल विश्लेषण क्षमता को बढ़ाता है। माइक्रोप्रोसेसर तथा माइक्रोकंट्रोलर–आधारित एमबेडेड प्रणाली ट्रेनर किट्स की विस्तृत श्रेणी प्रयोगशाला प्रयोगों तथा विभिन्न पाठ्यक्रम परियोजना करने के लिए विद्यार्थियों को उपलब्ध हैं। विद्युतीय मशीनरी प्रयोगशाला में 5 परीक्षण बेंच हैं, प्रत्येक सेट में निम्नलिखित मशीनरी तथा नियंत्रण मॉडल समाविष्ट है: एक डी.सी. मशीन, एक सिनक्रोनस मशीन तथा एक इंडक्शन मशीन। इस बैंच में पैनल मीटर्स, स्पीड टॉर्क माप के लिए सेन्सर्स, फील्ड व आर्मचेयर विद्युत आपूर्ति के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रक, इन्डक्शन मोटर्स के लिए परिवर्तनशील आवृत्ति ड्राइव तथा अल्टरनेटर्स के समानान्तर संचालन के लिए सिनक्रोनाइजर शामिल हैं।

पावर इलेक्ट्रोनिक्स एवं ड्राइव्स प्रयोगशाला में एफ.पी.जी.ए. आधारित (स्पार्टनधजिलिंक्स) डी.एस.पी. नियंत्रक तथा इंडक्शन मोटर्स, बी.एल.डी.सी. मोटर्स, पी.एम.ए.सी. मोटर्स, डी.सी. (शंट या पृथक रूप से उत्तेजित) मोटर्स तथा स्विच्ड पावर मॉडूल्स हैं। नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला में प्रक्रिया नियंत्रण प्रशिक्षक मोडूल्स हैं जिसमें विभिन्न तरह के फीडबैक नियंत्रण प्रणाली के सिमुलेटर शामिल हैं। पी.आई.डी. नियंत्रक तथा शीशा अतिपूरक भी अपने स्थान पर हैं। पेरामीटर जैसे ताप, स्तर स्थान, वेग तथा त्वरण को मापने के लिए प्रक्रिया नियंत्रक किट्स उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला में, लचीली संरचना में कंपन के अध्ययन के लिए एक बृहत 2 चैनल कंपन विश्लेषक है।

विषय की शोध सुविधाएं निम्नलिखित प्रयोगशालाओं में हैं:

फोटोनिक सेन्सर्स प्रयोगशाला मीथेन एसिटिलीन कार्बन डायऑक्साइड, अमोनिया तथा जल, वाष्प का पता लगाने के लिए कई नैरोलाइन विथ, नियर–इनफ्रारेड तथा मिड इनफ्रारेड लेजर डियोड्स से सुसज्जति है। प्रयोगशाला में मिडइनफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के लिए एक 100 एम.डब्लू., 4500 एन. एम. क्वान्टम कॉसकेड लेजर (डेलाइट सोल्यूसन्स) है।

एक अत्याधुनिक **वेफर विवरण प्रयोगशाला** में एक 6" वेफर प्रोब स्टेशन, एक सेमी कंडक्टर पारामेट्रिक विश्लेषक (4 एस.एम.यू., 1 एल.सी.आर. मीटर, 1 पल्स इकाई), एक डायनामिक सिगनल विश्लेषक, एक लो डायनामिक सिग्नल विश्लेषक, एक लो नॉयस करेंट प्री एम्प्लीफायर तथा आई.सी.सी.ए.पी. मॉडलिंग सॉफ्टवेयर है।

एक **इंटेलिजेंट पुनर्वास तथा प्रभावशाली कम्प्यूटिंग प्रणाली प्रयोगशाला** शोध के लिए फिजियोलॉजिकल सिगनल डाटा प्राप्ति प्रणाली, आभासी वास्तविकता प्रोग्रामिंग मंच, हैप्टिक उपकरण तथा चक्षु मार्गन, एडेप्टिव साइकोफिजियोलॉजी आधारित प्रणाली से सुसज्जित है जो स्ट्रोक पुनर्वास तथा आटिज्म शोध पर प्रत्युक्त किया जाता है। वी.एल.एस.आई. डिजाइन प्रयोगशाला सुविधाओं में अब करीब सभी आवश्यक सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर सहायता की उचित मात्रा के साथ वृद्धि की गई है।

रियल टाइम ऊर्जा अभियांत्रिकी सिमुलेशन (आर.टी.–पी.ई.एस.) परीक्षण बेड कस्टमाइज्ड मोडूलर आधारित हार्डवेयर प्रोटोटाइप के साथ एक सम्पूर्ण डिजिटल वास्तविक समय समुलेशन मंच है। इसकी स्थापना विद्युत प्रणाली के व्यवहार को एक "आभासी" प्रोटोटाइप के तौर पर अध्ययन करने के लिए की

गयी है। वास्तविक कम्प्यूटर नियंत्रित एच.आई.एल. तथा आर.सी.पी. सामर्थ्य, आर.टी.पी.ई.एस. परीक्षण बेड की वास्तविक वातावरण में लाने के पूर्व विभिन्न उपकरणों/नियंत्रकों के प्रदर्शन के परीक्षण के अवसर प्रदान करता है।

कम्प्यूटर विजन प्रयोगशाला में फारो फोकस 3डी एक्स330 लेजर स्कैनर है जिसका उद्देश्य बड़े ढांचें का अंकीकरण करना है जो कुछ मिलीमीटर के रेजोलूशन के साथ 330 मीटर दूर है। लेजर स्कैनर के अलावा यहाँ एक वर्क स्टेशन है जिसमें सॉफ्टवेयर हैं जैसे फारो सीन, मेशलैब, एवं जियोमैजिक स्टूडियो।

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में कई अत्याधुनिक उपकरण तथा सुविधाएं हैं जैसे एमबिएंट स्केनिंग प्रोब माइक्रोस्कोप (मल्टीमोड–8–एएम, ब्रूकर), एक एक्सरे डिफ्रैक्शन प्रणाली (डी 8 डिस्कवर, ब्रूकर) तथा फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग उपकरण।

थिन फिल्म प्रयोगशाला टारगेट से सह–डिसपोजीशन के लिए सुविधा के साथ एक आर.एफ. मैग्नेट्रॉन स्पट्टरिंग इकाई (मॉडलः टेबल टॉप स्पट्टर कोटर एम.एम.–237, प्रदानकताः एम/एस मिलमैन थिन फिल्म सिस्टम्स प्रा. लि.) का प्रयोग करते हुए फिल्म डिसपोजीशन करता है। यह प्रयोगशाला सेमीकंडक्टर थिन फिल्म की प्रतिरोधकता को नापने के लिए एक 4–प्वाइंट माप प्रणाली के साथ सुसज्जित है।

धातु विधा प्रयोगशाला– इस प्रयोगशाला में ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप तथा कठोरता परीक्षण के अंतर्गत, सैम्पल सेक्शनिंग, माउन्टिंग, ग्राइन्डिंग–पॉलिशिंग, इचिंग तथा आवलोकन के लिए सुविधा है।

पदार्थ निरुपण प्रयोगशाला में सामग्रियों का माइक्रो संरचनात्मकता, विद्युत, थर्मल, ट्राइबोलोजिकल, ऑप्टिकल, संरचनात्मक तथा संमिश्रित गुणों का मूल्यांकन होता है।

यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

यांत्रिक अभियांत्रिकी

यांत्रिक प्रणाली डिजाइन प्रयोगशाला यांत्रिक घटकों के प्रणाली व्यवहार पर संरचित प्रयोगों के कार्यान्वयन में सहायता करता है। इसमें परीक्षण रिंग्स हैं जैसे प्लानर लिंकेज, कैम्स, गियर बॉक्स, शॉफ्ट का घूर्णन, मशीनों का संतुलन तथा यांत्रिक कंपन। गियर बॉक्स परीक्षण रिंग त्रुटियों का पता लगाने की स्वीकृति देता है जैसे, कंपन निरूपण के तरीके से टूटे टूथ की पहचान।

ठोस व तरल यांत्रिक प्रयोगशाला– इसमें 2 एमटीएस सार्वभौमिक परीक्षण मशीन, 100 के.एन. तथा 200 के.एन. क्षमता के, चार्पी प्रभाव इंपैक्ट परीक्षण, 450 जे क्षमता (एम.टी.एस.) तथा रॉकवेल व वीकर्स हार्डनेस परीक्षण मशीन (ज्वीक रोएल) तथा एक फैटीग परीक्षण मशीन है। तरल मशीन प्रयोगशाला में तरल स्टेटिक्स तथा तरल डाइनामिक्स पर प्रयोग करने की व्यवस्था है। कई सामान्य टर्बो मशीन जैसे गियर पम्प, सेन्ट्रीफ्यूगल पंप, पेलटोन व्हील तथा विभिन्न बहाव मापक उपकरण तथा सहायक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं।

विनिर्माण प्रयोगशाला– इस प्रयोगशाला की सुविधाओं में लेथ, मिलिंग मशीन, वर्टिकल मशीनिंग केन्द्र, विद्युत डिसचार्ज मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग तथा टिन संबंधी उपकरण हैं। यह विनिर्माण व्यवहार

तथा प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रम में सहायता करता है तथा एकीकृत डिजाइन तथा विनिर्माण पाठ्यक्रम में विनिर्माण गतिविधियों में सहायता करता है। यह अवर–स्नातक विद्यार्थी परियोजना की संरचना के साथ ही शोध–संबंधित उपकरण तथा सहायक उपकरण के लिए कार्यशाला के तौर पर सेवा प्रदान करता है।

नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला कई विषयों के मध्य साझा किया जाता है तथा यह प्रयोगों की एक श्रेणी को कवर करता है जो विद्यार्थियों को नियंत्रण प्रणाली और सिद्धान्त तथा डिजाइन पहलुओं तथा कार्यान्वयन पहलुओं दोनों को समझने में सहायता करता है। परीक्षण रिंग्स, सेंसर्स के साथ वास्तविक अनुभव, डाटा प्राप्त, मापांकन स्थायित्व विश्लेषण, पी.आई.डी. नियंत्रक–ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक डाटा से मॉडलिंग, प्रदर्शन मानदंड को पूरा करने के लिए रूट–लोकस आधारित डिजाइन प्रदान करता है। यहाँ हॉट वाटर बाथ्स के तापमान नियंत्रण, तरल स्तर नियंत्रण, इन्वर्टेड पेन्डुलम नियंत्रण, सर्वो मोटर नियंत्रण, तथा नियंत्रण ट्रेनर किट्स हैं जो नियंत्रण प्रणालियों की एक प्रयोग उन्मुख विचार देने के लिए इस्तेमाल होता है।

भौतिकी

भौतिक विज्ञान अध्यापन प्रयोगशाला अवर स्नातक स्तर पर प्रयोग तथा प्रदर्शन करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों तथा सुविधाओं से सुसज्जित है। पिछले एक वर्ष के दौरान, इसे महत्वपूर्ण तरीके से एम.एस.सी. स्तर पर उन्नत प्रयोग करने के लिए विस्तृत किया गया है। एम.एस.सी. भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग होते हैं जो ऑप्टिक, ठोस स्थिति भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा आधुनिक भौतिक विज्ञान जैसे विषयों को कवर करता है। खरीदे गए अत्याधुनिक उपकरणों में शामिल हैं– सेमीकंडक्टर्स में ऊर्जा बैंड गैप की माप तथा हॉल प्रभाव के अध्ययन के लिए उपकरण, एक इलेक्ट्रोन स्पीन के साथ एक बाह्य चुंबकीय क्षेत्र के इन्टरेक्शन तथा इलेक्ट्रोन–स्पीन रेजोनेन्स द्वारा गाइरोमैग्नेटिक की माप का अध्ययन, तथा चुंबकीय क्षेत्र तथा चुंबकीय डी–पोल मोमेंट के मध्य इन्टरेक्शन का अध्ययन जो फैब्री–पेरोट तथा माच–जेहनडर जैसे जीमन इफैक्ट, इन्टरफेस मीटर्स द्वारा इलेक्ट्रॉन आरबिटल एंगुलर मोमेन्टम के साथ जुड़े है जो वेवलेंथ में अति सूक्ष्म परिवर्तनों दूरियों की माप में बृहत रूप से तथा विभिन्न पदार्थों के रिफ्रेक्टिव इन्टीसेज को मापने के लिए प्रयोग होता है। प्रयोगात्मक भौतिक विज्ञान में इलेक्ट्रोनिक यंत्रीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, यह प्रयोगशाला इलेक्ट्रोनिक घटकों पर विभिन्न आरम्भिक प्रयोग प्रदान करता है जैसे, एफ.ई.टी., एम.ओ.एस.एफ.ई.टी., लॉजिक गेट्स, परिचालन एमप्लिफायर्स, सिगनल मोडूलेशन, (ए.एम., एफ.एम., पी.डब्लू.एम.)। अन्य हाई–एंड उपकरण जो कतार में हैं, वे हैं एक्स–रे डिफ्राएक्टोमीटर, मौलिक विश्लेषण के लिए क्रिस्टल वृद्धि तथा क्रिस्टल घनत्व माप के लिए। स्टैंडर्ड प्रयोगों के अलावा विद्यार्थियों को, स्टैंडर्ड पाठ्यक्रम के एक पार्ट के रूप में नए प्रयोग लाने के लए प्रोत्साहित किया जाता है। भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में, विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए, तथा इस क्षेत्र में रुचि विकसित करने के लिए एक खगोलीय दूरबीन है। इसमें डॉब्सोनियन माउन्ट पर 1200 एम.एम. के फोकल लेंथ के 8 इंच शीशे के साथ एक प्रतिक्षेपक है जो लुनर साथ ही सोलर फिल्टर्स के साथ लगा है। कई विद्यार्थी नियमित रूप से ग्रहों, तारों का समूह तथा अन्य खगोलीय पिंडों को देखने के लिए इसे प्रयोग करते हैं।

पुस्तकालय

किसी भी शोध प्रमुख संस्थान में पुस्तकालय शैक्षणिक व शोध कार्य का एक अभिन्न अंग है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के केन्द्रीय पुस्तकालय ने मुद्रित व डिजिटल रूप में, तथा डिजाइन में अपना संग्रह बनाना व बढ़ाना जारी रखा है तथा परिसर में विद्वतापूर्ण गतिविधियों के सभी पहलुओं की सहायता के लिए नवाचार सेवाएं प्रदान करता है। पिछले वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियां तथा सेवाएं आरम्भ की है जो इस प्रकार हैं।

पुस्तकालय संग्रह

मुद्रित तथा दृश्य–श्रव्य संग्रह

संस्थान की शैक्षणिक तथा शोध अभिरुचि को पूरा करने वाले पुस्तकालय के शोध, मोनोग्राफ, मौलिक ग्रंथ, उल्लिखित पुस्तकें सम्मेलन की कार्यवाही, सी. डी., वी.सी.डी., डी.वी.डी., इत्यादि में तेजी से वृद्धि हो रही है। नीचे की तालिका 2015–16 वर्ष के दौरान संग्रह पेश करती है–

संग्रह का प्रकार	*वर्ष 2015–16 में की गई वृद्धि*	*कुल संग्रह*
पुस्तकें	2584	22910
बच्चों की पुस्तकें	13	886
हिंदी संग्रह	14	421
सी.डी.	82	904
वी.सी.डी./डी.वी.डी.	96	548
तकनीकी रिपोर्ट	0	456
थीसिस	57	104
कुल	2846	26229

पुस्तकों की ऑनलाइन खरीदारी

पुस्तकालय ऑनलाइन पुस्तक स्टोर से पुस्तकें खरीदता रहा है जिनकी संकाय को अपने अध्यापन कार्य के लिए तत्काल जरूरत होती है। इस अवधि में, पुस्तकालय ने विभिन्न ऑनलाइन पुस्तक स्टोर से 92 पुस्तकें खरीदी हैं, तथा संकाय को उनकी जरूरत के लिए तुरंत उपलब्ध कराया है।

मुद्रित पत्र व पत्रिकाएं

पुस्तकालय ने मुद्रित रूप में विद्वतापूर्ण जर्नल, पत्रिकाएं तथा समाचार पत्रों की बड़ी संख्या की सदस्यता ली है। इस वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 33 जर्नल बंद कर दिये हैं जिनका उपयोग कम था पर फिर भी उन्हें उपयोग मे लाया जा सकता है, वे अब ओपन एकसेस मोड में उपलब्ध हैं। इनकी जगह, 15 नए जर्नल जोड़े गए हैं जिसकी कुल जर्नल की संख्या 139 हो गई है। ये सदस्यता 12000 विद्वतापूर्ण जर्नल के अतिरिक्त है।

डिजिटल संसाधन

संस्थान में शैक्षणिक व शोध कार्य में सहायता के लिए पुस्तकालय ने ग्रंथसूची तथा पूर्णपाठ प्रपत्र दोनों में कई महत्वपूर्ण ई–संसाधन की सदस्यता ली है। कुछ की सदस्यता आई.एन.डी.ई.एस.टी. व आई.एन.एफ.एल. आई.बी.एन.ई.टी. ई–कॉन्सोर्टियम द्वारा तथा अन्य की सीधे है।

इस वर्ष के दौरान 36 संसाधनों के अतिरिक्त, निम्नलिखित 2 नए संसाधन जुड़ गए हैं और अब कुल 38 ई–संसाधन हो गए हैं।

- लाइट मेटल एज
- परीक्षण व पदार्थ की अमेरिकन संस्था

- सिविल अभियंता संस्था लंदन
- अंतर्राष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी तथा भूकंप विज्ञान संस्थान टेक्नो प्रेस

इसके साथ ही ई–शोध सिंधु कंसोर्टियम के एक सदस्य के तौर पर पुस्तकालय ने 11 ई–संसाधन की सदस्यता तथा 7 अतिरिक्त ई–संसाधन तक पहुंचने में सहायता प्राप्त की है जो पहले नहीं मिली थी।

संचालन (उधार देना) एवं सूचना सेवाएं

संचालन सेवाएं

पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त एक महत्वपूर्ण सेवा है प्रयोगकर्ताओं के मध्य पुस्तकों तथा अन्य पठन सामग्री का संचालन। प्रत्येक पंजीकृत सदस्य, पुस्तकालय में उपलब्ध पठन सामग्री लेने का हकदार है, वर्ष पर्यन्त डाक्यूमेंट लेने व लौटाने की कुल संख्या क्रमशः 21763 व 21688 है।

सूचना/संदर्भ सेवाएं

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को सक्रियता से संदर्भ तथा सूचना सेवाओं को (व्यक्तिगत या परिसर नेटवर्क में) बढ़ावा देता रहा है। 2015–16 में पुस्तकालय ने निम्नलिखित सेवाएं आरम्भ की हैं:

- प्रकाशक वेबसाइट पुस्तक आवरण के प्रदर्शन के लिंक के साथ पुस्तकों का नया संस्करण
- विभिन्न सेवाओं तथा दस्तावेजों के लिए क्यू.आर. कोड्स
- संस्थान प्रकाशन साप्ताहिक एलर्ट
- सप्ताह की पुस्तक
- एम.टेक. व पी.एचडी. शोध प्रबंध सूची का निर्माण किया।
- उद्धरण शैली, ई–प्रिंट लेखागार, संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर तथा अन्य के साथ आभासी संदर्भ संग्रह के निर्माण की शुरुआत
- विभिन्न विषयों पर 39 ग्रंथ सूचियों का निर्माण व अद्वैतीकरण
- पुस्तकों तथा अन्य संसाधनों का आभासी पिदर्शन का पुस्तकालय संग्रह में जुड़ना तथा अन्य संबंधित सेवाएं

आर.ई.एफ.ई.सी.ओ.'2015 में पुस्तकालय की भागेदारी

11–12, 2015 के दौरान संस्थान में पुस्तकालय विद्वानों द्वारा आयोजित चौथे शोधकर्ता फेरेट कॉनफैब में पुस्तकालय ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष डा. टी एस कुंबर ने दो विषयों पर वार्ता की।

- शोध गतिविधियों की सहायता में पुस्तकालय संसाधन तथा सेवाएं, 11 अप्रैल, 2015।
- इलेक्ट्रॉनिक थीसिस व निबंधः चयनित संसाधन, 12 अप्रैल, 2015।
- पुस्तकालय स्टाफ द्वारा निम्नलिखित पोस्टर प्रस्तुति बनाई गई:
- विद्वतापूर्ण संचार चक्र
- प्रकाशन सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया
- शोध के प्रकाशन के लिए जर्नल कैसे चुनें
- शोध के लिए ओपन एक्सेस संसाधन
- वैज्ञानिक मनोवृत्ति

संसाधन सहभाजन

आरंभ होने के साथ ही पुस्तकालय में अहमदाबाद तथा गांधीनगर के भा.प्रौ.सं., रा.प्रौ.सं., भा.प्रं.सं., आई.आई.एस.ई.आर., सी.एस.आई.आर. पुस्तकालय, एवं डेलनेट सदस्य पुस्कालयों के साथ संसाधन सहभाजन प्राप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। यह अन्तर–पुस्तकालय ऋण तथा डॉक्यूमेंट डिलीवरी सेवा के जरिए होता है।

अन्तर–पुस्तकालय ऋण

पुस्तकालय ने इस अवधि में अन्तर पुस्तकालय ऋण के जरिए 136 पुस्तकें उधार ली हैं तथा अन्य पुस्तकालयों से 34 पुस्तकें उधार ली हैं।

डॉक्यूमेंट डिलीवरी सेवा

डॉक्यूमेंट डिलीवरी सेवा के अंतर्गत अन्य पुस्तकालयों द्वारा निवेदित और प्राप्त की गई सामग्रियों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। यह इंगित करता है कि जर्नल्स के द्वारा शोध पत्रों की मांग बढ़ रही है। सभी में, अन्य पुस्तकालयों से 8401 सामग्रियां प्राप्त हुईं (पिछले वर्ष की 9519 की तुलना में) तथा संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों को दी गईं। संस्थान की जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य पुस्तकालयों से प्राप्त पत्रों के अलावा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने अन्य पुस्तकालयों की मांग पर 766 पत्र उन्हें दिए। उपयोगकर्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय ने राष्ट्रीय विज्ञान संचार संकाय तथा सूचना संसाधन (एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर.) सी.एस.आई.आर के, साथ एक डिपोजिट खाता खोला है। पुस्तकालय एस.यू.बी.आई.टी.ओ. की शुल्क आधारित सेवा का उपयोग भी शुरू किया है, जो गोएथ, इंस्टिट्यूट/मैक्स मुल्लेर भवन, नई दिल्ली द्वारा एक यूरोपियन आधारित डॉक्यूमेंट डिलीवरी सेवा है।

सदस्यता

संगठनात्मक सदस्यता

विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए, अन्य 10 पुस्तकालय तथा व्यवसायिक इकाइयों के साथ इनफ्लिबनेट ई–कॉन्सोर्टियम तथा विकास पुस्तकालय नेटवर्क की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त, 2015 वर्ष के लिए पहली बार अमेरिकन कांक्रीट संस्थान का संस्थागत सदस्य के तौर पर पुस्तकालय का नामांकन करवाया गया।

ई–शोध सिंधु कॉन्सोर्टियम (मा.सं.वि.मं.) सदस्यता

ई–शोध सिंधु मा.सं.वि.मं. द्वारा नवनिर्मित राष्ट्रीय संघ है जिसका उद्देश्य, कम दर पर शैक्षणिक संस्थानों की गुणात्मक इलेक्ट्रोनिक संसाधन तक पहुंचने की सदस्यता प्रदान करना है जिसमें फुल–टेक्सट, ग्रंथसूची तथा वास्तविक डाटा बेस शामिल है। भा.प्रौ.सं. पुस्तकालय इस संघ का एक सदस्य है तथा ई–संसाधन की सदस्यता से सम्बन्धित आयोजित सभी बैठकों में सक्रियता से योगदान दिया।

पुस्तकालय सदस्यता

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर संकाय, विद्यार्थी, व स्टाफ के साथ मजबूत संबंध तथा बातचीत के लिए संस्थान के प्रयत्नों को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय ने निम्नलिखित सदस्यता योजना आरंभ की है जो इन सदस्यों के निर्धारित शुल्क/निरूशुल्क के विरुद्ध, पुस्तकालय के संसाधन तथा सेवाएं उपयोग करने में सक्षम बनाता है। निम्नलिखित तालिका प्रत्येक श्रेणी में दर्ज सदस्यों की संख्या पेश करता है।

संगठनात्मक सदस्यता	*सदस्यता के प्रकार दर्ज किए सदस्यों की संख्या*
शैक्षणिक व शिक्षात्मक संस्थागत सदस्यता	4
निगमित सदस्यता	4
व्यक्तिगत सदस्यता	11
भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिवार सदस्यता	21
पूर्व छात्र सदस्यता	1

इन सदस्यताओं की शुरुआत के बाद कुल 41 सदस्य नामांकित किए गए हैं। यह वहाँ जाकर उपयोग करने वालों के अतिरिक्त हैं जो अल्प काल के लिए पुस्तकालय का उपयोग करने आते हैं।

पुस्तकालय उन्मुखीकरण व प्रशिक्षण

नए छात्रों के लिए पुस्तकालय उन्मुखीकरण पुस्तकालय प्रदत्त संसाधनों तथा सेवाओं के बारे में जागरुकता लाने तथा परिचित कराने के लिए आनेवाले विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आधारभूत संरचना

फिजीकल आधारभूत संरचना

इसके संसाधनों के उपयोग के प्रति आकर्षित करने तथा सुविधाजनक बनाने के लिए पुस्तकालय नई आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि करना जारी रखता है, इस वर्ष, पुस्तकालय ने विभिन्न स्थानों पर 31 नए पुस्तक रैक्स, 300 पुस्तक रेस्ट, 3 डिसप्ले स्टैंड, कई किक–एलोंग स्टेप स्टूल तथा सॉफ्ट बोर्ड्स जोड़े गए हैं।

ई–रिसोर्सेज की रिमोट पहुँच

ई–रिसोर्सेज के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, पुस्तकालय ने रोमोट एक्सेस सेवा का प्रयोग कर ऑफ–परिसर पहुंच की शुरुआत की है। इसे शुरू करने के लिए, संकाय सदस्यों तथा शोध विद्वानों को पहुंच दी गई है तथा इस सुविधा के सर्वोत्तम प्रयोग के लिए अपेक्षित मार्गदर्शन भी तैयार किया गया है।

कोहा के लिए माइग्रेशन, एक खुला स्त्रोत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली

पुस्तकालय सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए, तथा पुस्तकालय संसाधनों तक बेहतर पहुंच के लिए, पुस्तकालय ने सफलतापूर्वक कोहा को अपना लिया है, यह एक खुला स्त्रोत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली ऑनलाइन http://catalog-iitgn-ac-in/; संचालन लेन देन तथा पुस्तकालय के इन–हाउस संचालन इस नए मंच पर आगए हैं। इस नए सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, पुस्तकालय स्टाफ के लिए एक 3 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम मार्च के तीसरे सप्ताह, 2016 में आयोजित किया गया।

नए परिसर में पुस्तकालय–सेवाएं

पालज परिसर में छोटा पुस्तकालय

पहली बार, छात्रावास क्षेत्र में एक छोटा पुस्तकालय खोलकर पालज परिसर में 7 अक्टूबर, 2015 को पुस्तकालय ने अपना संचालन शुरू किया। इस पुस्तकालय में अपने मामूली बुनियादी ढ़ांचे तथा पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पुस्तकें, पत्रिकाएं समाचार पत्र इत्यादि व वी.जी.ई.सी. परिसर के पुस्तकालय से सम्पर्क और विस्तार के साथ अच्छी सेवा प्रदान की। यह पुस्तकालय तुरंत विद्यार्थी समुदाय के मध्य एक लोकप्रिय स्थान बन गया तथा 6 मार्च, 2016 तक समुदाय की सेवा करता रहा। इसके बाद पालज के मुख्य पुस्तकालय में इसका विलय हो गया।

पुस्तकालय का पालज परिसर में आना

वी.जी.ई.सी. के मुख्य पुस्तकालय की सेवाएं 27 फरवरी, 2016 को बंद कर दी गई तथा 9 दिनों के रिकॉर्ड समय में (27 फरवरी, 2016) पालज परिसर में

सफलतापूर्वक ले आया गया। नए परिसर में बेहतर इंतजाम तथा आकर्षित स्थान के साथ नव, स्थापित पुस्तकालय 7 मार्च, 2016 को संस्थान समुदाय के लिए खोल दिया गया। निदेशक प्रा. सुधीर कु जैन ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के विद्वतापूर्ण प्रकाशन का प्रबंधन

प्रकाशन सूची व उद्धरण विश्लेषण

पुस्तकालय विभिन्न स्त्रोतों का प्रयोग कर नियमित आधार पर भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के विद्वतापूर्ण प्रकाशन पर नजर रखता है। यह विवरण संबंधित संकाय व विद्यार्थियों से भी एकत्र किया जाता है। संस्थान में अनुगमन किए मानक उद्धरण शैली का प्रयोग कर सूचना को स्वरूपित किया जाता है तथा संस्थान के वेबसाईट पर अद्यतन किया जाता है। नए प्रकाशन के साथय एक साप्ताहिक सजगता, प्रत्येक सोमवार को समुदाय को, वेब साईट पर सूचित करने के लिए भेजा जाता है। एक संगठित तरीके से उद्धरणों की संख्या, प्रभाव कार्क, एच–इन्डेक्स इत्यादि के साथ इन प्रकाशनों का डेटा–विश्लेषण प्रदान किया जाता है।

डिजीटल कोष

पुस्तकालय ने व्यापक रूप से प्रयोग में आने वाले ओपन–सोर्स डीस्पेस सॉफ्टवेयर, इकट्ठा करने, प्रबंध करने तथा विद्वतापूर्ण प्रकाशन तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक डिजिटल कोष (http://repository-iitgn-ac-in/) का निर्माण किया है। शुरुआत के लिए, इस कोष में, मेटाडाटा तथा जर्नल लेखन का सार, सम्मेलन के कागज, पुस्तक के अध्याय, रिपोर्ट, थीसिस तथा निबंध, प्रस्तुतीकरण तथा भा.प्रौ. सं. गांधीनगर समुदाय द्वारा प्रकाशित व विद्वतापूर्ण डॉक्यूमेंट्स के अन्य रूप शामिल हैं। इस कोष के प्रारम्भ होने के साथ, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के संकाय, विद्यार्थी तथा स्टाफ के विद्वतापूर्ण प्रकाशन का ज्यादा प्रसार होगा। इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान, कुल 454 डॉक्यूमेंट इस कोष में जोड़े गए हैं।

पुस्तकालय प्रशिक्षण/अंतःशिक्षुता

पुस्तकालय प्रशिक्षु

पुस्तकालय, पुस्तकालय–प्रशिक्षु के तौर पर पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान में नवीन अधिस्नातक का चयन करता रहा है। यह चुनाव प्रतियोगी प्रक्रिया के जरिए किए जाते हैं। चयनित उम्मीदवारों को नौकरी पर सीखने के अवसर प्रदान किये जाते हैं। वे काफी हद तक पुस्तकालय सेवाओं की वृद्धि में योगदान देते हैं जब वे नौकरी पर प्रचुर अनुभव प्राप्त करते हैं।

पुस्तकालय स्टाफ गतिविधियां

पुस्तकालय स्टाफ का प्रौद्योगिकी पुस्तकालयों का दौरा:

संस्थान की स्टाफ विकास नीति का उद्देश्य अन्य पुस्तकालयों तथा पुस्तकालय पेशेवरों के साथ संबंध बनाना, तथा पुस्तकालय – संचालन का ज्ञान प्राप्त करना है। इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय स्टाफ तथा प्रशिक्षुओं ने निम्नलिखित पुस्तकालयों का दौरा किया–

- माइका पुस्तकालय, अहमदाबाद, 3 मई, 2015।
- निरमा विश्वविद्यालय पुस्तकालय, अहमदाबाद, 19 मई, 2015।
- टी.सी.एस. – सूचना संसाधन केंद्र, गांधीनगर, 23 दिसम्बर, 2015।

इन दौरों ने उन्हें स्थापित पुस्तकालयों द्वारा अपने संसाधनों तथा सेवाओं के प्रबंधन के तरीके से रूबरू कराया। यह दौरे विभिन्न संस्थानों के स्टाफ सदस्यों के मध्य दीर्घकालीन संबंध बनाने का कार्य करता है।

नई पहल

विषय संसाधन मार्गदर्शक

पुस्तकालय ने आरम्भ में जागरुकता लाने तथा पुस्तकालय संसाधनों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सब्जेक्ट प्लस प्रयोग करते हुए एक विषय संसाधन मार्गदर्शक बनाया है, इससे संबंधित जानकारी http://www-iitgn-ac-in/library_files/resource_guides-htm पर उपलब्ध है।

ई–संसाधन की यूनियन सूची

प्रमुख विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थानों, के मध्य संसाधन सहभाजन को बढ़ावा देने के लिए, पुस्तकालय ने ई संसाधन की एक यूनियन सूची का निर्माण किया है (http://library-iitgn-ac-in/unicat/) 22 पुस्तकालयों ने इसकी सदस्यता ली है जिसमें सभी भा.प्रौ.सं., भा.वि.सं. तथा आई.आई.एस.ई.आर. शामिल हैं। 1100 ई–संसाधनों से ज्यादा, के साथ यह श्रेणी ऑनलाइन पर उपलब्ध है। रा.प्रौ.सं. तथा राष्ट्रीय महत्ता के अन्य संस्थानों को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया जाएगा।

विषय सम्पर्क सेवा

पुस्तकालय तथा उपयोगकर्ता समुदाय के मध्य पारस्परिक संबंध बनाने के लिए, पुस्तकालय ने अभियांत्रिकी, विज्ञान तथा मानविकी व सामाजिक विज्ञान में विषय सम्पर्क सेवा बनाई है तथा इसको तीन विभिन्न स्टाफ सदस्यों द्वारा समन्वित किया जाता है।

ग्रीष्म शोध अंतःशिक्षुता (एस.आर.आई.पी.) 2015

थापर विवि, पटियाला, पंजाब के तनिष्क मोंगा तथा श्री जयचमराजेन्द्र अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बेंगलोर, कर्णाटक के प्रकृति आर. एम. ने मई 1 से जुलाई 10, 2015 तक एस.आर.आई.पी. कार्यक्रम के तहत पुस्तकालय के साथ कार्य किया।

चिकित्सा केंद्र

विद्यार्थियों, स्टाफ तथा संकाय को चिकित्सीय देखभाल तथा सलाह के लिए 9 बजे सुबह से 9.30 बजे रात तक कार्य दिवस में 3 योग्य चिकित्सक उपलब्ध रहते हैं। एक चिकित्सक आपात काल के लिए रात दिन उपलब्ध रहता हैं। अस्पताल में भर्ती होने पर सारे विद्यार्थियों का खर्च एक चिकित्सा बीमा के अंतर्गत वहन होता है। एक प्रशिक्षित पुरुष सेवक तथा एक सहायक पूरे समय के लिए प्राथमिक सहायता तथा दैनिक चिकित्सा सेवाओं में जैसे बुखार, रक्तदाब, मधुमेह तथा आक्सीजन स्तर नापने तथा चोट की मरहम–पट्टी करने की सेवा प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहते हैं। वे चिकित्सा–आपूर्ति, चिकित्सा रेकॉर्ड के रख–रखाव में सहायता भी करते हैं। अन्य सुविधाओं में इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) मशीन, अस्थमा, तथा क्रोनिक पलमोनरी रोग (सी.ओ. पी.डी.) के लिए ऑक्सीजन तथा नेबुलाइजर थेरेपी, ऑटोस्कोप तथा कान की जांच के लिए एक सक्शन मशीन, नेत्र जांच सुविधा, तथा आपातकालीन मामलों में रोगियों के लिए 24 घंटे वाहन सुविधा है। संस्थान में एक मामूली आंतरिक फार्मेसी हैं जिसमें सभी तरह की सामान्य इस्तेमाल की दवाएं हैं तथा एक रक्तसंग्रह केंद्र है। इनडोर रोगियों के लिए 54 बिस्तर दिए गए हैं। साल अस्पताल अहमदाबाद, इस संस्थान द्वारा अनुमोदित पैनल में है।

भौतिक चिकित्सा केंद्र

भौतिक चिकित्सा केंद्र में रविवार को छोड़कर प्रतिदिन 2 घंटे के लिए, 5.30 पी.एम. से 7.30 पी.एम. तक एक फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध है। भौतिक चिकित्सा विभाग सभी आधुनिक उपकरणों के साथ सुसज्जित है, जैसे इलेक्टोथेरेपी मशीन (शॉर्टवेब) डायथर्मी (एस.डब्लू.डी.), टेन्स (ट्रांस इलेक्ट्रिकल नर्व स्टीमुलेटर), आई.एफ.टी. (इन्टरफेरेनिमल थेरेपी), पाराफीन वैक्स बाथ (पी.डब्लू. बी.) मसल स्टीमुलेटर मशीन, सर्वाइकल व लुम्बर ड्रैक्शन मसीन, अल्ट्रासाउंड मशीन, हॉट एंड कोल्ड पैक्स।

व्यायाम चिकित्सा – यह भाग शोल्डर व्हील, वाल लैडर (फ्रोजेन कंधे के लिए), मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए थेराबैन्ड्स, कंधे के व्यायाम के लिए रस्सी व पुल्ले, स्प्रिंग्स, वेट कफ्स (सैड बैग), तथा फिजियोबॉल से सुसज्जित है। निम्नलिखित सुविधाएं शीघ्र ही उपलब्ध होंगी– क्वाड्रिसेप टेबल, फुल डम्बल–बेल सेट, ट्यूब थेराबेंड एक्सरसाइजर, बुडेन रॉकर वैलेन्स बोर्ड, रीस्ट ओपीनेटर – प्रोनेटर, स्किंग के साथ एंकलबोर्ड, बोल्सटर्स सेट, स्टेटिक व्यायाम बाइसाइकिल, लोअर लिंब रक्त संचालन के लिए वाइब्रेटर, हैंडी वाइब्रेटर।

यह केंद्र ऑर्थोपेडिक स्थितियों के लिए, जैसे आर्थराइटिस, टेनिस एल्बो तथा न्यूरोलॉजिकल स्थितियों जैसे – साईट्रीका, सरवाइकल स्पोन्डीलाइसिस, आपरेशन तथा फ्रैक्चर के बाद, फिजियोथेरेपी प्रबंधन, खेलकूद की चोटों के लिए उपचार, आसनीय समस्याओं में रीढ़ की हड्डी में पुर्वास जैसे कमर–दर्द, में भौतिक चिकित्सा प्रदान करता है। रोगियों को बुनियादी व्यायाम तथा भार प्रबंधन तथा सामान्य स्वास्थ्य के लिए सामान्य सलाहकार तथा दिशा निर्देश दिए जाते हैं।

डेकेयर केंद्र

भा.प्रौ.सं. डेकेयर केंद्र की शुरुआत मार्च, 2014 में एक समुदाय पहल के तौर पर, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिवारों को एक सुरक्षित, निरापद तथा पोषण वातावरण प्रदान करने के लिए किया गया। इस केंद्र ने अपना संचालन चांदखेड़ा के अस्थाई परिसर से शुरू किया, पर जनवरी, 2016 में इसे पालज के स्थाई परिसर में पुनःस्थापित किया गया। केंद्र बच्चों को वैसी गतिविधियों में व्यस्त रखकर, जिससे वे सबसे ज्यादा आनन्द उठाते हैं, उनके विकास में सहायता करने के सामान्य उद्देश्य से निर्देशित होता है। इस बात को ध्यान में रखकर केंद्र बच्चों को संगीत, नृत्य, नाटक तथा अन्वेषण के द्वारा अनूठी, गैर–पारम्परिक विकासात्मक कार्यक्रम प्रदान करता है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर डेकेयर केंद्र के आरम्भिक कार्यक्रम हैं:–

संगीत व गति – संगीत–आधारित गतिविधियां विकसित करने में सहायता करती हैं; सामान्य पर मस्ती वाले गाने गाना भाषा विकास में सहायता करता है।

कला व हस्तकला – ऐसी बैठकों में मुक्त हस्त–ड्रॉइंग, चित्रकारी, वेजिटेबल्स–चित्रकारी, फिंगर चित्रकारी, पेपर क्राफ्ट, कोलाज शामिल हैं।

टम्बल टाइम – यह अनूठा कार्यक्रम बच्चों को ज्यादा ऊर्जा वाली गतिविधियों में संलग्न रखती है। इन बैठकों में मूल गतिवाले कौशल, शुरुआती योग, जिमनास्टिक्स की बुनियादी बातें, संगीत–आधारित

एरोबिक्स गतिविधियां, रॉलिंग, टंबलिंग, हॉपिंग, बैलेन्सिंग, स्ट्रेचिंग तथा एक बाधा कोर्स सम्मिलित है।

कक्षा व कहानी – इन बैठकों में गेम व खेल के माध्यम से बच्चों को अल्फावेट, अंक, आकार इत्यादि के बारे में बताया जाता है। पढ़ने के समय में बच्चों को नए लेखकों तथा कहानियों से परिचित कराया जाता है, जो उनकी कल्पना को व्यापक बनाता है। एक साथ ये गतिविधियां उनके ध्यान, एकाग्रता, तथा समस्या–समाधान के कौशल में वृद्धि करता है।

रेत और जल क्रीड़ा – इन सुखदायक व मनोरंजक बैठकों में रेत व जल क्रीड़ा स्थान, पानी का पाइप, जल पहिया, पानी के डिब्बे, मिट्टी के खिलौने, साथ ही स्प्लैश पूल शामिल हैं।

केंद्र का अनूठा पाठ्यक्रम छोटे बच्चों से सर्वोत्तम बाहर लाने के लिए समग्र शिक्षा पर जोर देता है तथा यह उनकी प्रगति में वृद्धि करता है। इस तरह, यह गतिविधियां बच्चों में मुख्य शारीरिक, सामाजिक तथा बौद्धिक कौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण साधन की तरह कार्य करती हैं।

आउटरीच गतिविधियां

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की सामाजिक प्रतिबद्धताः न्यासा गतिविधियां (2015–2016)

न्यासा, जो कि 2011 में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के छात्रों तथा संकाय द्वारा शुरू की गई एक सामाजिक पहल है, के द्वारा संस्थान परिसर के पड़ोसी बच्चों, महिलाओं और परिसर में रहने वाले कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाने के अपने लक्ष्य को जारी रखा है। हमारी सामान्य गतिविधियों में छात्र और समाज के वंचित तबके को त्योहारों, जन्मदिवस समारोह, वस्त्र वितरण और संस्थागत समारोहों जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस या भा.प्रौ.सं. गांधीनगर छात्र पोर्टल और सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल किया जाता है। प्रवासी कर्मचारियों के बच्चों के लिए ग्रीष्मकाल कैंप भी आयोजित किया गया। पालज और बासन ग्रामवासियों और परिसर निर्माण कर्मचारियों, गृह–व्यवस्था स्टाफ तथा सुरक्षा कर्मचारियों के लिए, न्यासा ने एक स्वास्थ्य जागरुकता कैंप (संजीवनी मेला) आयोजित किया जिसमें लगभग 1400 लाभार्थियों ने भाग लिया। इसमें सामान्य चिकित्सा जांच, आँख तथा दांत की जांच की गयी। मुफ्त दवाइयां, सब्सिडी प्राप्त चश्मे तथा धुंए रहित चूल्हों का वितरण किया गया। खेलों तथा पोस्टर के माध्यम से स्वास्थ्य जागरुकता सत्रों का संचालन किया गया। इसके पश्चात पालज प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए एक दो–सप्ताह की कम्प्यूटर कक्षा का संचालन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को एमएस पेंट, एमएस वर्ड, पावर पॉइंट, एक्सेल तथा कुछ कम्प्यूटर खेलों से रूबरू होने का अवसर मिला। इसमें 32 छात्रों को लाभ मिला तथा 70 से अधिक स्वयंसेवकों ने इस अभ्यास में भाग लिया। हम मुख्यतः यह संकेत देना चाहते हैं कि भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय से स्वेच्छापूर्ण सहभागिता में बढ़ोत्तरी देखी गयी है। हम ऐसी गतिविधियों को अपने पड़ोस में बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

नीवः भा.प्रौ.सं. गांधीनगर समुदाय आउटरीच

नीव भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का एक समुदाय आउटरीच कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर उद्यमिता व आजीविका सृजन में सहायता व बढ़ावा देना है। स्थानीय समुदाय में विभिन्न छोटे स्तर की उद्यमिता, स्वरोजगार तथा अन्य आजीविका वाली गतिविधियों के लिए अपार क्षमता है मगर इस क्षमता का सीमित संसाधन व जागरुकता की कमी के कारण पूरी तरह एहसास नहीं है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की यह धारणा है कि यह इस अन्तर को दूर करने में सहायता कर सकता है तथा प्रशिक्षण, मेंटरिंग, तथा नेटवर्किंग अवसर प्रदान कर एक सार्थक प्रभाव ला सकता है। इस लक्ष्य के साथ नीव कार्यक्रम, इसके स्वयं के अंतर्गत तथा आसपास के समुदाय को संलग्न करने के लिए 2014 में स्थापित किया गया।

उद्यमिता विकास

नीव कार्यक्रम उद्यमिता विकास कार्यशाला आयोजित करता है इसमें इस तरह के विषय शामिल है, विचार–सृजन, मार्केट शोध, व्यापार गणित, व्यापार योजना नियम, मार्केटिंग तथा प्रोन्नति व मोलभाव कौशल। जमीनी स्तर के लाभार्थियों के लिए, शिक्षा–स्तर, निर्देश–माध्यम, सामाजिक–आर्थिक पहलू भी जिम्मेवार हैं, तथा रोल प्लेज, बातचीत बैठक, तथा अन्य ऐसी भागीदारी विधि के जरिए बैठक आयोजित होती हैं। पाठ्यक्रम–सामग्री तथा अध्यापन विज्ञान एक गैर–लाभकारी संस्था, आई क्रिएट इंडिया के सहयोग के साथ विकसित किए जाते हैं। 2015–16 में निम्नलिखित उद्यमिता विकास कार्यशालाएं आयोजित की गईं:

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में 2–6 अप्रैल, 2015 के दौरान एक 5 दिवसीय कार्यशाला 16 प्रतिभागी, प्रतिभागियों में, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर स्ठाफ सदस्य, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के आउटसोर्स किए कार्मिक (जैसे, सुरक्षा, गृह–व्यवस्था, मेस, परिवहन तथा उनके परिवार के कुछ सदस्य) अहमदाबादध्गांधीनगर क्षेत्र के महत्वांकाक्षी उद्यमी शामिल हैं।

- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में 8–12 जून, 2015 के दौरान एक 5 दिवसीय कार्यशाला, 32 प्रतिभागी, आई.टी.आई. चांदखेड़ा के विद्यार्थी।
- भगीनी समाज, खांभट, गुजरात में 2–4 सितम्बर, 2015 के दौरान एक दिवसीय कार्यशाला, 25 प्रतिभागी, प्रतिभागी वंचित महिलाओं के साथ खांभट में काम कर रहे एन.जी.ओ. के लाभार्थी थे।

प्रशिक्षकों के समूह में शामिल थे – ***सुश्री श्रद्धा जैन, सुश्री स्वाति वर्मा*** व ***सुश्री सौम्या हरीश*** (भा. प्रौ.सं. गांधीनगर), तथा ***श्री वी आर वेंकटेश, श्रीमती तेजस्विनी वेंकटेश*** तथा ***श्री जोसेफ पिउस*** (आई क्रिएट इंडिया)।

समय–समय पर उद्यमशीलता व संबंधित विषयों पर जागरुकता बैठकें भी आयोजित किए जाते हैं। इन एक दो या घंटों की बैठकों का उद्देश्य उद्यमशीलता के बारे में जागरुकता लाना है जो एक व्यवहार करियर पसन्द और/या जीविका उत्पन्न करने का एक सशक्त मार्ग है। यह बैठकें नीव कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में बताने के एक मंच की तरह भी कार्य करती हैं। 2015–16 में निम्नलिखित जागरुकता बैठकें आयोजित की गई:

- आई.टी.आई. चांदखेड़ा में 3 जून, 2015 को उद्यमशीलता पर एक जागरुकता बैठक, 55 प्रतिभागी, प्रतिभागी आई.टी.आई. चांदखेड़ा के विद्यार्थी।
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में प्रतिभागी, प्रतिभागी भा.प्रौ. सं. गांधीनगर के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी।
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में 6–7 फरवरी, 2016 को सेल्फ हेल्प ग्रुप (एस.एच.जी.) तथा उद्यमशीलता पर जागरुकता बैठक, 200 प्रतिभागी, प्रतिभागियों में पालज व बासन गांव की महिलाएं तथा निर्माण मजदूर शामिल हुए।
- लावरपुर गांव में 20 फरवरी, 2016 को उद्यमिता पर जागरुकता बैठक, 10 प्रतिभागी। प्रतिभागितयों में लावरपुर गांव के सेल्फ हेल्प ग्रुप के सदस्य।

प्रशिक्षकों में ***सुश्री श्रद्धा जैन, सुश्री स्वाति वर्मा*** तथा ***सुश्री सौम्या हरीष*** (भा.प्रौ.सं. गांधीनगर), तथा आईक्रिएट इंडिया के ***श्री जोसेफ पिउस*** शामिल थे।

विशेष रूप से नीव उद्यमी

नीव कार्यक्रम के कुछ विशेष प्रतिभागी जिन्होंने अपना स्वयं का उद्यम आरम्भ किया।

- ***सुश्री श्रद्धा जैन*** तथा ***सुश्री स्वाति वर्मा*** ने (उद्यमिता कार्यशाला, सितम्बर 2014) जुलाई 2015 में व्यावसायिक हाउस कीपिंग सेवा शुरू की है – 'क्लीन इन अप', तथा भा.प्रौ. सं. गांधीनगर परिसर क्षेत्र में एक छोटी कैंटीन चलाती हैं।
- ***श्री सुरेश संचानिया*** (उद्यमिता कार्यशाला, अप्रैल, 2015) ने सितम्बर 2015 में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के परिसर के हॉस्टल क्षेत्र में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एक स्टोर खोला।
- ***सुश्री राजलक्ष्मी शर्मा*** (उद्यमिता कार्यशाला, दिसम्बर, 2014), नवम्बर 2015 से भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिसर के हॉस्टल क्षेत्र में एक ब्यूटी सलून चलाती हैं।

कौशल विकास

नीव कार्यक्रम ने 2015–16 में वोकेशनल स्किल को शामिल करने के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई। 18 व 20 नवम्बर, 2015 को, महिलाओं के स्किल को नापने के लिए जैसे उद्यमिता कौशल, वोकेशनल स्किल, रोजगार स्किल, पालज गांव के क्षेत्र दौरे का आयोजन किया गया। पारस्परिकता बनाते हुए, 25 नवम्बर, 2015 को कार्यक्रम द्वारा आरम्भ किए एक फैक्ट्री दौरे के जरिए समूह की करीब 10 महिलाओं को एम/एस कॉटन सूट (गार्मेन्ट निर्माता, वस्त्रालय, अहमदाबाद) फैक्ट्री में एक दिन बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। एमध्एस कॉटन सूट (गार्मेन्ट निर्माता, वस्त्रालय अहमदाबाद) के साथ भागेदारी में नीव कार्यक्रम की मदद से 5 जनवरी से 12 मार्च, 2016 तक पालज गांव की 9 महिलाओं ने 45 दिनों के सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। करीब 2 हफ्ते के आरम्भिक प्रशिक्षण कार्यकाल के बाद, महिलाएं भा.प्रौ.सं. गांधीनगर हॉस्टल के 1000 पर्दे सिलने के लिए एक टीम में शामिल हो गईं।

संकाय गतिविधियां

प्रायोजित परियोजनाएं

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***एसिमेट्रिक डील्स–एल्डर प्रतिक्रियाओं के लिए नॉवल दोगुनी हाइड्रोजन उत्प्रेरक का विकास।*** प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. चंद्रकुमार अप्पायी***, रसायन विज्ञान

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***ग्रेन परिधि संरचना और बदलाव।*** प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. अभय राज सिंह गौतम***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

» सुरक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा प्रायोजित ***फ्लो एडिटिव्स के प्रयोग से सतही बदलावों के माध्यम से महीन और अति–महीन एपी चूर्ण का बहाव सुधार***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. चिण्मय घोरोई***, रसायन अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***जल घुलनशील ग्लाइकोसिलेटेड एम्फिफिलिक पोरफायरिन: संश्लेषण, फोटोफिजिकल, विद्युतरसायन अध्ययन और जैविक–चित्रण एप्लीकेशन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. इति गुप्ता***, रसायन विज्ञान

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***अलजाइमर रोग में टाउ प्रोटीन का जमाव अवरोधक के विकास हेतु स्काफोल्ड के डाईसल्फाइड–प्रचुर पेपटाइड्स***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. शरद गुप्ता***, जैविक अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***सर्व–डाइइलेक्ट्रिक उच्च–क्षमता ट्रांसमिसिव निरूपकसतहें: पॉलीक्रोमेटिक डिजाइन की जांच में किरण केंद्रीकरण का प्रदर्शन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. रवि हेगड़े***, विद्युत अभियांत्रिकी

» परमाणु विज्ञान अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***चित्रण उपकरणों की आंतरिक विशेषता का उपयोग कर छपे हुए डॉक्यूमेंट की सुरक्षा***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. नितिन खन्ना***, विद्युत अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***स्वर्ण नेनोरॉड्स के अंत से अंत तक के दोध्रुवीय एंटीनों के साथ बढ़ी हुयी एकल–अणु स्पेक्ट्रोस्कोपी***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. सौम्यकांति खटुआ***, रसायन विज्ञान

» वेलकम ट्रस्ट – जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***बोध एवं मोटर नियंत्रण के मध्य द्वि दिशाई पारस्परिक क्रिया***। प्रधान अन्वेषक: ***डा नीरज कुमार***, संज्ञानात्मक विज्ञान

» इलेक्ट्रोनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के लिए विश्वेश्वरैया पी.एचडी. योजना***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, विद्युत अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***चाल पुनर्स्थापना के लिए आभासी यथार्थ वाला एकीकृत रोबोटिक चाल प्रशिक्षण प्रणाली***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, विद्युत अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***कार्बोहाइड्रेट–जल परस्पर क्रिया की सैद्धांतिक जांच***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. साइराम स्वरूप मल्लाजोसयुला***, रसायन विज्ञान

» जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***यूकेरियोटिक मोबाइल जेनेटिक तत्वों/ट्रांसपोसोन की क्रमागत उन्नति***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार***, जैविक अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***सूक्ष्मसुरक्षा के लिए नकली वातावरण की श्रंखला में प्रौद्योगीकृत सूक्ष्मकणों के घुलने को जांचने के लिए बहु–पद्धति वाला दृष्टिकोण***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. सुपर्ब मिश्रा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

» पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित ***भारत में मिट्टी की आद्रता में अंतर पर भूमि आवरण/भूमि प्रयोग और मौसम बदलावों के प्रभाव***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***अवधारणात्मक और मूल्य–आधारित निर्णय लेने में एकीकरण: एक संज्ञानात्मक और गणनात्मक पद्धति***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. कृष्ण प्रसाद मियापुरम***, संज्ञानात्मक विज्ञान

» डी.ई.आई.टी.वाई–सी.ई.ई.आर.आई. – इलेक्ट्रोनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग–केंद्रीय इलेक्ट्रोनिक्स

अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित ***विशेष जन–शक्ति विकास परियोजना– चिप्स से प्रणाली डिजाइन (एस.एम.डी.पी.–सी2एस.डी.)***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. निहार रंजन मोहापात्र***, विद्युत अभियांत्रिकी

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग – वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित ***मोटर अधिगम का तंत्रिका आधार***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. प्रतीक मूथा***, जैविक अभियांत्रिकी
- ए.आई.एम.आई.एल. लि. द्वारा प्रायोजित ***कम लागत के स्वचालित तीन एक्सल वाले उपकरण का संयुक्त विकास***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. अमित प्रशांत***, सिविल अभियांत्रिकी
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित ***कोडेट कैमरा आर्किटेक्चर के प्रयोग से बढ़े हुए डेप्थ ऑफ फील्ड का चित्रण***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. शंनमुगनाथन रमण***, विद्युत अभियांत्रिकी
- अमेरिकन रसायन अभियंता संस्थान द्वारा प्रायोजित ***प्रसंस्करण सुरक्षा मानकों की एकसमानता***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन***, रसायन अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***कार्रवाई द्वार ध्यान खींचने में संभावित तकनीक की भूमिका***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. मीरा मैरी सनी***, सामाजिक विज्ञान

जारी प्रायोजित परियोजनाएं

- परमाणु विज्ञान अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***तांबे की घर्षण स्टर वेल्डिंग में ऊष्मा स्थानांतरण और विस्को–प्लास्टिक बहाव आधारित मॉडल– वाई.एस.आर.ए.(युवा शोध वैज्ञानिक पुरस्कार***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. अमित अरोड़ा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***घूमते हुए भूकंप के झटकों की विशेषता***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. धीमन बासु***, सिविल अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***ईथेनॉल स्वऊष्मा सुधारः डिजाइन अनुकूलन के माध्यम से प्रयोगात्मक और मॉडल का अध्ययन***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. अतुल भार्गव***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सागर ड्रग्स एवं फार्मेसियूटिकल्स प्रा. लि. द्वारा प्रायोजित ***प्राकृतिक भाप बनने के बरताव के लिए अनुसंधान में सहयोगात्मक अनुबंध*** प्रधान अन्वेषकः प्रा. अतुल भार्गव, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- नौसेना पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला, डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशाला द्वारा प्रायोजित ***डीजल–आधारित समुद्री ईंधन कोषिका प्रणाली में ऊष्मा रिफोर्मर की क्षमता और स्थिरता प्रसंसकरण***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. अतुल भार्गव***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***गैस संवेदन ऐप्लीकेशन के मात्रात्मक के करीब तथा मध्य–इन्फ्रारेड वेवलेंथ मॉडूलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***अल्ट्रासोनिकली चालित मिलाने के उपकरण के प्रयोग से औषधि सूक्ष्मअणुओं का शीघ्र अवक्षेपण और स्थिरता***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. समीर वी दलवी***, रसायन अभियांत्रिकी
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***एच.पी.सी. मंचों पर अभियांत्रिकी प्रणालियों का उच्च–निष्ठा गणनात्मक डिजाइन***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. मुरली दामोदरन***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***भोजन में उत्पन्न होने वाले जीवाणु के बहुतरीकों से जांच के लिए ऐप्टामीटर–चुंबकीय सूक्ष्मअणुओं वाला निर्माण***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. भास्कर दत्ता***, रसायन विज्ञान
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***सक्रिय पॉलीमर जेल के स्व–चालित रसायन–तकनीकी कंपन के आयाम***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. प्रत्युष दयाल***, रसायन अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के सामाजिक संवाद को बेहतर करने के लिए कम लागत के बुद्धिमान हेडफोन का विकास***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. नितिन वी जॉर्ज***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***ऊर्जावान सीमेंट क्लिंगराइजेशन के लिए सूखी परत वाले सूक्ष्म–ऐडिटिव्स***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. चिण्मय घोरोई***, रसायन अभियांत्रिकी
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित ***दानकर्ता–स्वीकारकर्ता का बदला हुआ एराइल एवं हेटेरोएराइल पॉलीन का फोटोकेमिकल और फोटोफिजिकल अध्ययन***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. श्रीराम कन्वाह गुंडीमेदा***, रसायन विज्ञान
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित ***एरीन मोइटी के अंदर का कार्बापोरफाइरिन. उनका संश्लेषण, विशेषीकरण और धातु संयोजन का अध्ययन***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. इति गुप्ता***, रसायन विज्ञान
- एकीकृत पर्वत विकास का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र द्वारा प्रायोजित ***कोसी घाटी में तलछट के आयाम और तलछट संयोजकताः नदी के खतरों पर असर***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. विक्रांत जैन***, भू विज्ञान (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.)
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***परतों वाले बोरोन–आधारित पदार्थों के लिए रसायनिक विभाजन रणनीतियों द्वारा ग्राफीन से एकल–परमाणु मोटा अजैवी नेनो शीट का संश्लेषण***। प्रधान अन्वेषकः ***प्रा. कबीर जसूजा***, रसायन अभियांत्रिकी

- आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित ***उम्र बढ़ने के समाज विज्ञान में जियोस्पेशियल समीक्षा में कैसे बूढ़ों का स्वास्थ्य जुड़ा है***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. तन्निष्ठा सामंत***, सामाजिक विज्ञान। सह–पी.आई.(***प्रा. शिवकुमार जोलाड***, भौतिकी
- विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल द्वारा प्रायोजित ***स्पेशियली पारस्परिक नेटवर्क के नजरिए से वेक्टर रोगों के शहरी इलाकों में फैलने का मॉडल***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. शिवकुमार जोलाड***, भौतिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग– एस.ई.ई.डी. द्वारा प्रायोजित ***वृद्धों के लिए आघात पुनर्स्थापना मंच आधारित बुद्धिमान आभासी यथार्थ एडेप्टिव***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, विद्युत अभियांत्रिकी
- आई.ई.ई.ई रीजन 10 मानवतावादी प्रौद्योगिकी (एच. टी.) द्वारा प्रायोजित ***वृद्धों के लिए बिना परेशान करने वाली स्वास्थ्य मापन उपकरण***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***ऑटिज्म विकार से ग्रसित बच्चों के लिए बुद्धि मान आभासी यथार्थ पर आधारित दृष्टि–संवेदक सामाजिक संचार प्रणाली***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, और सूचना एवं संचार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारत–फ्रेंच कार्यक्रम के अंतर्गत इंस्टिट्यूट नेशनल डि रिसर्चे एन इन्फोर्मेटिकीट एन ऑटोमेटीक (इनरिया) द्वारा पोषित ***एक इच्छाशक्ति से चालित ट्रांसक्यूटेनियस न्यूरो–मस्क्यूलर विद्युत उत्तेजन के भीतर एक ऑपरेंट परिस्थिति उदाहरण का प्रयोग वाला आघात के पश्चात टेली–न्यूरोहेबिलेशन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर एवं ***डा अनिर्बन दत्ता***, यूनिवर्सिटे मोंटपेलियर, फ्रांस
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***विभिन्न सिनक्रोनाइजर्स में मेटास्टेबिलिटी का प्रयोगात्मक अध्ययन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. जॉयसी मेकी***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***प्रोटीन–लिपिड प्रणाली में आणविक–पैमाने झिल्ली वक्रता का उत्पादन: इलेक्ट्रो– स्टेटिक्स एवं हाइपरफोबिसिटी।*** प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. अभिजीत मिश्रा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- मीडिया लैब एशिया, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित ***प्रबंधन का मापन (एम2एम). प्रयोगात्मक संवेदक नेटवर्क के माध्यम से जल उपयोग क्षमता और कृषि उत्पाद में सुधार***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी
- राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एन.आर.एस.सी.), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित ***वेरिएबल इनफिलट्रेशन क्षमता के प्रयोग से नदी के तलछट का हाइड्रोलॉजिकल मापन जाँच***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी
- पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ***गंगा नदी के तलक्षट का हाइड्रोलॉजिकल माडलिंग और मौसम बदलाव के प्रभाव का निरीक्षण***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल द्वारा प्रायोजित ***श्रेणीवार सूचना की आंकिक सीख: एक न्यूरोचित्रण जाँच***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. कृष्ण प्रसाद मियापुरम***, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- ***उपकरण वाले उच्च–केगेट डाइलेक्ट्रिक्स एवं धातु गेट्स के प्रदर्शन और विश्वसनीयता पर उपकरण ज्यामितिकी और डिजाइन नियमों का असर***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. निहार मोहापात्र***, विद्युत अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल एस.ई. आर.बी. द्वारा प्रायोजित ***पार्किंनसन रोग में मोटर के अनुरूप ढलना और कौशल सीखना***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. प्रतीक मूथा***, जैविक अभियांत्रिकी
- एयरोनॉटिक्स अनुसंधान विकास मण्डल द्वारा प्रायोजित ***स्पेशियली विकसित एक्सिमेट्रिक परिधि परतों की वैश्विक स्थिरता समीक्षा***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विनोद नारायण***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***डी.एन.ए. की विरूपता को समझने के लिए एक अनोखी प्रणाली–पहचान–आधारित दृष्टिकोण*** प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. हरीष पी एम***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***विभिन्न आयाम प्रणाली के अनजाने इनपुट्स का धीमी पुनःनिर्माण*** । प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. हरीष पी एम***, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद – सी.एस.आई.आर. द्वारा प्रायोजित ***जेडएनओ थिन फिल्म पर स्वःस्थापित सीयू (इन1एक्सजीएएक्स) एसई2 (सी.आई.जी.एस.) नेनोडॉट्स की सूक्ष्मढांचे का अध्ययन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. एमिला पाण्डा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***फोटोवोल्टाइक ऐप्लीकेशन के लिए जेडएनओ बफर परत के साथ फेब्रिकेशन और विस्तृत सूक्ष्मढांचे के फिल्म्स***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. एमिला पाण्डा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- डी.आर.डी.ओ. द्वारा प्रायोजित ***दुर्लभ चुंबकीय थिन फिल्म्स का ऑक्सीकरण बर्ताव***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. एमिला पाण्डा***, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***पुनःउपयोग हेतु ऊर्जा स्त्रोतों के अनिश्चितथा/ आंतरायिक विशेषता के अंतर्गत ऊर्जा प्रणाली में लघु–अवधि के लिए उत्पादन की समयसारणी***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. नारण पिंडोरिया***, विद्युत अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित गतिशील प्राकृतिक ***पृष्ठ और उनके ऐप्लीकेशन में वस्तु की गति की श्रेणियों की जाँच***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. शंनमुगनाथन रमण***, विद्युत अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***सूक्ष्मढांचों की डोप्ड ऑक्साइड और नैनोपोरस एल्यूमीनोसिलिकेट्स के प्रयोग से मीथेन निर्माण में सीओ2 की दोषनिवृत्ति***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. सुधांशु शर्मा***, रसायन विज्ञान

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***पॉलीमेराइजेशन–ग्रेड ऐथिलीन संश्लेषण की प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक जाँच***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. सुधांशु शर्मा***, रसायन विज्ञान

» कैलटेक और भा.प्रौ.सं. गांधीनगर तथा बिल एवं मेलिंडा गेट्स के साथ सह–अनुबंध द्वारा प्रायोजित। ***स्व–पूर्ण, पीवी–चालित घरेलू शौचालय और उपशिष्ट जल उपचार प्रणाली का विकास***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. बाबजी श्रीनिवासन***, रसायन अभियांत्रिकी

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा डाटा–***चालित नियंत्रण लूप प्रदर्शन निरीक्षण एवं निदान उपकरण. उपशिष्ट जल उपचार प्रणाली में उपयोगी***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. बाबजी श्रीनिवासन***, रसायन अभियांत्रिकी

» अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव आंकलन पहल (3आई.ई.) द्वारा प्रायोजित ***स्वास्थ्य, बिहार, भारत के अंतर्गत ग्राम वार्ता के लिए प्रभाव आंकलन का डिजाइन***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. मालविका सुब्रमणियम***, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

» विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ***तरल क्रिस्टल्स में कोलाइडल अणुओं की स्व–समूह***। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. पाची थरेजा***, रसायन अभियांत्रिकी

परामर्शदाता परियोजनाएं

» ***साबरमती नदी की अग्रभाग वाली परियोजना में एस.आर.एफ.डी.सी.एल. निवास की संरचनात्मक डिजाइन की प्रूफचेकिंग***, साबरमती नदी अग्रभाग विकासशील परियोजना द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. धीमन बासु***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***एक्वस नमूनों की फ्लूरोमेट्रिक जांच***, पर्यावरण संसाधन प्रबंधन (ई.आर.एम.) द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. श्रीराम कन्वाह गुंडीमेडा***, रसायन विज्ञान

» पी.ए.सी. – प्रेक्टिकल एक्शन कंसल्टिंग द्वारा प्रायोजित, ***घाघरा नदी के किनारे चिसापानी स्टेशन से आगे रहने वाले समुदायों के फ्लूवियल बाढ़ के खतरों की जांच***, प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***दक्षिणी एशिया के क्षेत्रीय बाढ़ की निगरानी और पूर्वानुमान लगाना***, आई.डब्लू.एम.आई. – अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***मेघालय में उच्च रेजोलूशन से मौसम का अनुमान लगा कर मौसम में खराबी के हॉट–स्पॉट को चिन्हित करना***, मेघालय तलहटी विकास प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***बिहार में बाढ़ के बीमा उत्पाद को बनाने के लिए बाढ़ के खतरों के मॉडल का विकास***, अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन विकास संस्थान द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. विमल मिश्रा***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***आई.आई.टी.आर.ए.एम. में विद्युत अभियांत्रिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला का विकास***, आई.आई.टी.आर.ए.एम. द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. नारण पिंडोरिया***, विद्युत अभियांत्रिकी

» ***गोमती नदी के चौनलाइजेशन के लिए डिजाइन और रेखाचित्रों के प्रूफ की जांच कर परामर्श देना***, गेम्मन भारत लि. द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. अमित प्रशांत***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***वाडनगर के दो स्थानों का जी.पी.आर. अध्ययन***, भारतीय पूरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. अमित प्रशांत***, सिविल अभियांत्रिकी

» ***आई.आई.टी.आर.ए.एम. में एक कार्यशाला का विकास***, आई.आई.टी.आर.ए.एम. – आधारभूत ढांचा प्राद्योगिकी अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. एन रामकृष्णन***, यांत्रिक अभियांत्रिकी

» ***बिना अभिलेख की शराब का सर्वेक्षण (एस.यू.आर.ए.–भारत)***, सैम हूस्टन राजकीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. मालविका सुब्रमणियम***, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

वर्तमान में जारी परामर्शदायी परियोजनाएं

» ***वॉकहार्ट के डी.पी.आई. एप्लीकेशन के लिए बारीक चूर्ण की सतही गुणों को समझना***, प्रधान अन्वेषक: ***प्रा. चिण्मय घोरोई***, रसायन अभियांत्रिकी

» ***गुजरात सरकार के नवनिर्मित आधारभूत ढांचा, प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं प्रबंध संस्थान के लिए सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करना***। ***प्रा. सुधीर कु जैन*** प्रधान अन्वेषक हैं तथा ***प्रा. एस पी मेहरोत्रा*** आइ.आई.टी.आर.ए.एम. प्रकोष्ठ के भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के लिए नोडल अधिकारी और संयोजक हैं।

» ***इंटेल लि. के लिए इंटेल (आर) गैलीलियो***

पाठ्यक्रम कार्य का विकास। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. जॉयसी मेकी*, विद्युत अभियांत्रिकी

» *इंटेल उच्च शिक्षा कार्यक्रम के लिए कम–ऊर्जा कम्प्यूटिंग प्रणाली और अंतर्निहित एप्लिकेशन में इंटेल एटम प्रोसेसर की उपयुक्तता*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. जॉयसी मेकी*, विद्युत अभियांत्रिकी

» उत्तर गुजरात विज कंपनी लि. (यू.जी.वी.सी.एल.), *गुजरात के लिए स्मार्ट ग्रिड पायलट परियोजना – यू.जी.वी.सी.एल.*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. नारण एम पिंडोरिया*, विद्युत अभियांत्रिकी

» *कंजुर– मार्ग ठोस अवशेष प्रबंधन प्रणाली के प्रकोष्ठ–1 के लिए जियोतकनीकी डिजाइन*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. अमित प्रशांत*, सिविल अभियांत्रिकी

» *आई.जी.टी.आर–आर.पी. के लिए एम.एम.एस. एस.डब्लू.आई.आर चुंबक वाला बड़ा*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. एन रामकृष्णन*, यांत्रिक अभियांत्रिकी

» *कोनार्क कंपनी समूह, मुंबई के लिए कम–लागत की ऑटोमेशन प्रणाली*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. एन रामकृष्णन*, यांत्रिक अभियांत्रिकी

» पियास औद्योगिक अभियांत्रिकी प्रा. लि. के लिए *वर्तमान हाइड्रॉलिक प्रणाली को बेहतर बनाना*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. एन रामकृष्णन*, यांत्रिक अभियांत्रिकी

» ए.सी.एम.ई. एयर इक्युपमेंट्स प्रा. लि., जी.आई.डी.सी. के लिए *उत्पादकता निर्धारण और बढ़ोत्तरी*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. एन रामकृष्णन*, यांत्रिक अभियांत्रिकी

» *गुजरात सामाजिक आधारभूत ढांचा विकास प्राधिकरण के लिए जिला मानव विकास रिपोर्ट* – अहमदाबाद। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. तन्निष्ठा सामंत*, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

» ए.बी.बी. ग्लोबल उद्योग एवं सेवाएं लि. के लिए *आंतरिक शिड्यूलिंग और उत्पादन की मूल्य–लाभ की समीक्षा*। प्रधान अन्वेषकः *प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन*, रसायन अभियांत्रिकी

पुरस्कार एवं मान्यताएं

निम्न संकाय सदस्यों को बाहरी निकायों से वर्ष 2015–16 के दौरान मिले विशेष पुरस्कार एवं मान्याएं इस प्रकार हैं:

» *प्रा. अमित अरोड़ा* को परमाणु प्रयोगों में सुरक्षा और पदार्थ की मॉडलिंग और सिमुलेशन के लिए भारत–यू.के. कार्यशाला में *सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार* प्राप्त हुआ, दिसम्बर 16–17, 2015।

» *प्रा. समीर दलवी* को वर्ष 2015 के लिए एन.ए.एस. आई. – *युवा वैज्ञानिक प्लैटिनम जयंती पुरस्कार* प्राप्त हुआ।

» *प्रा. अनिर्बन दासगुप्ता* को केविन लेंग, ली रोड्स और जस्टिन थालेर के साथ डाटाबेस सिद्धान्त 2016 में उनके पत्र "स्ट्रीम अभिव्यक्ति प्रमुखता के लिए एक ढांचा" के लिए *सर्वश्रेष्ठ नवागंतुक पुरस्कार* प्राप्त हुआ।

» *प्रा. अरनब दत्ता* को सितम्बर 30, 2015 को प्रकांड डॉक्टरल पश्चात सफलता के लिए *ई.एम.एस.एल. 2014 का एम.टी. थॉमस पुरस्कार* (पर्यावरण अणु विज्ञान प्रयोगशाला) मिला। उनको यह पुरस्कार जैविकी–प्रेरित अणु उत्प्रेरक में उनके वैज्ञानिक शोध के लिए दिया गया। प्रा. दत्ता को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा *रामानुजन अध्येतावृत्ति* भी प्राप्त हुई है।

» *प्रा. हरी बी हबलानी* को राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा फेलो चुना गया है।

» *प्रा. आलोक कुमार कानूनगो* को पुरदलपुर के मानचित्रणः विश्व की कुछ सबसे पहले की शीशे के मनकों के उद्योग का अंतिम चरण, के लिए *2016 आइ.एन.टी.ए.सी.एच. अनुसंधान अनुदान प्राप्त* हुआ है। उनको 2015–16 के लिए अंतर्राष्ट्रीय आयोग का ग्लास संपादन अनुदान भी मिला है।

» रसायन विज्ञान विभाग के *प्रा. सौम्यकांति खटुआ* और जैविक अभियांत्रिकी विभाग के *प्रा. वीरूपक्षी सोप्पीना* को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा *रामानुजन अध्येतावृत्ति* प्राप्त हुई है। इस रामानुजन अध्येतावृत्ति की अवधि 5 वर्षों तक है।

» *प्रा. निहार रंजन मोहापात्र* को संचार एवं आई. टी. मंत्रालय, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा *युवा संकाय शोध अध्येतावृत्ति* मिली है।

» *प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय* को मिश्र धातु निगम लि.,(मिधानि) रक्षा उत्पादन विभाग, भारत सरकार के मंडल के अंशकालिक निदेशक का कार्य सौंपा गया है।

» *प्रा. प्रतीक मूथा* एवं उनके विदेशी सहयोगियों को मोटर नियंत्रण उन्नति सम्मेलन, हंगरी, जुलाई 21–25, 2015 में "सैद्धांतिक मोटर नियंत्रण" श्रेणी में *सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार* प्राप्त हुआ। इस कार्य के सह–संपादक हैं हैना लेफुमट, आर क्रिस मियाल, जे एल वर्चर एवं फैब्रिस सरलेगना।

» *प्रा. डी वी पाई* को एक वर्ष के लिए भारतीय गणितीय संस्था (आई.एम.एस.) का अध्यक्ष चुना गया है।

» *प्रा. आनंद सेनगुप्ता* द्वारा नेतृत्व किये गए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के एक शोध समूह ने फरवरी 11, 2016 को आविष्कार की गई गुरुत्वाकर्षण तरंगों

में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह शोध समूह एल.आई.जी.ओ. वैज्ञानिक सहभागिता में भाग ले रहे हैं जो गुरुत्वाकर्षण–तरंगों के अवलोकन की भारतीय पहल– नौ भारतीय विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों का एक संघ, जिसने इस आविष्कार में योगदान दिया है, इसके अंतर्गत शुरू किया गया है।

- ***प्रा. वीरूपक्षी सोप्पीना*** को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), नई दिल्ली, द्वारा नवम्बर 23, 2015 को ***रामानुजन अध्येतावृत्ति*** मिली है।
- प्रा. विनीत वशिष्ठ को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंसपायर संकाय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- ***प्रा. सिद्धार्थ वाकणकर*** को महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनके संस्कृत शोध में योगदान के लिए ***महाकवि कालिदास संस्कृत साधना पुरस्कार*** प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार ऐसे संस्कृत विद्वानों को दिया जाता है जो महाराष्ट्र से बाहर रह कर कार्य करते हैं।

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

निम्नलिखित छः संकाय सदस्यों को वर्ष 2013–14 तथा 2014–15 में शिक्षण, अनुसंधान तथा संस्थान निर्माण में उनके सर्वोत्कृष्ट कार्यों के लिए संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- ***डा. के रागवन***, वर्ष 2013–14 के लिए शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार
- ***डा. चिण्मय घोरोई***, वर्ष 2013–14 के लिए संस्थान निर्माण में उत्कृष्टता पुरस्कार
- ***डा. कबीर जसूजा***, वर्ष 2014–15 के लिए शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार
- ***डा. विमल मिश्रा***, वर्ष 2014–15 के लिए अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार
- ***डा. प्रत्युष दयाल***, वर्ष 2014–15 के लिए संस्थान निर्माण में उत्कृष्टता पुरस्कार
- ***डा. अमित प्रशांत***, वर्ष 2014–15 के लिए आउटरीच में उत्कृष्टता पुरस्कार

मानद कार्य

प्रा. अमित अरोड़ा, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- समीक्षक, ए.एस.एम.ई. विज्ञान एवं अभियांत्रिकी उत्पादन सम्मेलन, 2016
- समीक्षक, उन्नत प्रौद्योगिकी उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- समीक्षक, भारतीय धातु संस्थान की रिपोर्ट
- समीक्षक, पदार्थ प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी पत्रिका
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री गौरांग जोशी, पी.डी.पी.यू.
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री राजेश एस, पी.डी.पी.यू.
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री अंकित दिलीपकुमार ओझा, पी.डी.पी.यू.
- बाह्य समीक्षक, छात्र अनुसंधान प्रस्ताव, पी.डी.पी.यू.

प्रा. रूपक बैनर्जी, भौतिकी
- वैधानिक सदस्य, मौखिक मण्डल, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, श्री उपेन्द्र कुमार के पी.एचडी. प्रतिवाद परीक्षा के लिए।

प्रा. विनोद चन्द्रा, भौतिकी
- समीक्षक: कैम्ब्रिज विवि प्रेस, सैद्धांतिक भौतिकी के पुस्तक पत्र; भारतीय विज्ञान अकादमी की कृति, भौतिक विज्ञान (स्प्रिंगर)
- तकनीकी समिति, आई.आई.आई.टी. वडोदरा, गांधीनगर
- बाह्य परीक्षक, एम.एससी. भौतिकी, निबंध, पी.डी. पी.यू., गांधीनगर

प्रा. समीर दलवी, रसायन अभियांत्रिकी
निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं:
- आर.एस.सी. ऐडवांसेस (रसायन विज्ञान की रॉयल संस्था द्वारा प्रकाशित); क्रिस्टल की बढ़ोत्तरी एवं डिजाइन (अमेरिकन रसायन संस्था द्वारा प्रकाशित); लेंगमुइर (अमेरिकन रसायन संस्था द्वारा प्रकाशित); जैविक प्रसंस्करण शोध और विकास (अमेरिकन रसायन संस्था द्वारा प्रकाशित); कोलोइड और इंटरफेस विज्ञान की पत्रिका (एल्जिवर द्वारा प्रकाशित); औषधि विकास एवं औद्योगिक फार्मेसी (टेलर और फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित)

प्रा अर्नब दत्ता, रसायन विज्ञान
- यू.जी.सी.–एन.ई.टी. 2015 (दिसम्बर) के समीक्षक

प्रा. नितिन वी जॉर्ज, विद्युत अभियांत्रिकी
- पत्रिकाओं के समीक्षक: एप्लाइड अकूस्टिक्स (एलजेवियर); एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग (एलजेवियर); बहुत विशाल इंटीग्रेशन प्रणाली पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट; सर्किट्स और प्रणाली पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट II; संक्षिप्त में व्यक्त किया; सिग्नल प्रसंस्करण पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट; सर्किट्स, प्रणाली और सिग्नल प्रसंस्करण (स्प्रिंगर); अनुकूलक नियंत्रण और सिग्नल प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (वाइली); विद्युत प्रणाली और विद्युत ऊर्जा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (एलजेवियर); शिक्षा की आई.ई.टी.ई पत्रिका; सिग्नल प्रसंस्करण (एलजेवियर); डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण (एलजेवियर); नॉयस नियंत्रण अभियांत्रिकी पत्रिका (नॉयस नियंत्रण अभियांत्रिकी संस्थान); चिकित्सा एवं जैविक अभियांत्रिकी पत्रिका (स्प्रिंगर); कम आवृत्ति ध्वनि की पत्रिका, कंपन और जीवंत नियंत्रण (एस.ए.जी.ई.); साधना – अभियांत्रिकी विज्ञान में अकादमी की कार्यवाही (आई.ए.एस.)
- सम्मेलनों में समीक्षक: सिग्नल प्रसंस्करण और संचार की अंतर्राष्ट्रीय सभा 2016, भा.वि.सं. बेंगलोर; संचार पर राष्ट्रीय 22वीं सभा 2016, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी; औद्योगिक प्रौद्योगिकी पर 2016 की आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सभा, ताइपी, तायवान; सर्किट्स और प्रणालियों पर आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मोंटरियल, केनेडा; बुद्धिमान कम्प्यूटेशनल प्रणालियों पर आई.ई.ई.ई. के नवीन प्रगति 2015, त्रिवेन्द्रम; माइक्रोवेव, ऑप्टिकल एवं संचार अभियांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सभा 2015, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर; सिग्नल प्रसंस्करण एवं बुद्धिमान पहचान प्रणाली पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा, त्रिवेन्द्रम; सिग्नल और चित्र प्रसंस्कण अनुप्रयोगों पर आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सभा 2015, कुआला लुंपुर, मलेशिया; नियंत्रण, मापन और उपकरण पर आई.ई.ई.ई. की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सभा 2016, कोलकता
- सदस्य, डॉक्टरल समिति (विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी), सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, थ्रिसूर, मार्च 28, 2016
- बाह्य समीक्षक, अधिस्नातक छात्रों और डॉक्टरल विद्वानों की प्रगति, गुजरात तकनीकी विवि, मार्च 23, 2016
- बाह्य परीक्षक (पी.एचडी. थीसिस): यूनिवर्सिटेट पॉलिटेकनिका डे वेलेंशिया, स्पेन, नवम्बर 2015
- सदस्य, तकनीकी समिति: नियंत्रण, मापन और उपकरण पर आई.ई.ई.ई की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सभा 2016, कोलकता; संचार पर राष्ट्रीय 22वीं सभा 2016, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी; सिग्नल प्रसंस्करण एवं बुद्धिमान पहचान प्रणाली पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा, त्रिवेन्द्रम; सिग्नल प्रसंस्करण एवं बुद्धिमान पहचान प्रणाली पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा, त्रिवेन्द्रम; कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्क संचार पर

अंतर्राष्ट्रीय सभा 2015, त्रिवेन्द्रम

प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती, विद्युत अभियांत्रिकी
- सत्र चेयर और तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य, फोटोनिक्स में प्रगति पर आई.ई.ई.ई की 2वी कार्यशाला, भा.वि.सं. बेंगलोर, 16–17 दिसम्बर, 2015
- आई.ई.ई.ई. सेंसर्स, ऑप्टिक्स पत्र, ऑप्टिक्स एक्सप्रेस, एप्लाइड ऑप्टिक्स के समीक्षक

प्रा. चिण्मय घोरोई, रसायन अभियांत्रिकी
- अतिथि संपादक, प्रसंस्करण उद्योगों में हानि से बचाव की पत्रिका (2014–15)
- पत्रिका पत्रों के समीक्षकः चूर्ण प्रौद्योगिकी (एलजेवियर); केलोरीमीटर और ऊष्मा जांच की पत्रिका (एलजेवियर); रसायन विज्ञान घोल की पत्रिका (स्प्रिंगर); प्रसंस्करण सुरक्षा और पर्यावरण का बचाव (एलजेवियर); भूभौतिकी एवं अभियांत्रिकी पत्रिका (आई.ओ.पी. विज्ञान); कोल्लोइड्स एवं इंटरफेज बी
- सदस्य, अध्ययन मण्डल, रसायन अभियांत्रिकी, निरमा विवि, अहमदाबाद

प्रा. हरी बी हबलानी, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एयरोस्पेस अभियांत्रिकी एवं अनुप्रयोग यांत्रिकी, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, पश्चिमी बंगाल में सह–संकाय के पद पर होते हुए उन्होंने एक एयरोस्पेस विभाग की स्थापना में सहायता की; अवरस्नातक और अधिस्नातक उपाधियों में विभिन्न विधाओं के पाठ्यक्रमों को विकसित कियाय उपग्रह–आधारित नौचालन में एक सप्ताह का पाठ्यक्रम पढ़ाया, दिसम्बर 3–9, 2016
- सहकर्मियों के तकनीकी पत्रों के समीक्षक जो प्रकाशन के लिए दिए गएः ए.आई.ए.ए. (अमेरिकन एयरोनॉटिक्स एवं एस्ट्रोनॉटिक्स संस्थान) मार्गदर्शन, नियंत्रण एवं आयामय एक्टा एस्ट्रोनॉटिकाय एवं रक्षा विज्ञान पत्रिका, एक भारतीय डी.आर.डी.ओ. प्रकाशन
- सहकर्मियों को मार्गदर्शन एवं समीक्षा प्रदान कीः एक्सिओम अनुसंधान प्रयोगशालाः इंडस टीम, गूगल लूनर एक्स पुरस्कार मिशन–विस्तृत डिजाइन समीक्षा

प्रा. रवि हेगड़े, विद्युत अभियांत्रिकी
- सदस्य, बाह्य समीक्षा समिति, "मोटे एवं असमान सतहों के 3डी चित्रण के लिए प्रतिबिंब बनाने वाले माइक्रोस्कोप का डिजाइन" की समीक्षा समिति, पी.आई. अतिन्द्रा शुक्ला, डी.डी. विवि., नडियाद
- डी.एस.टी. एस.ई.आर.बी. प्रस्तावों के विशेषज्ञ समीक्षक
- अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के बाह्य रेफ्रीः पी.आई.ई.आर. (विद्युतचुंबकीय अनुसंधान में प्रगति), ऑप्टिक्स एक्सप्रेस, स्प्रिंगर प्लासमोनिक्स, एप्लाइड ऑप्टिक्स

प्रा. सुधीर कु जैन, सिविल अभियांत्रिकी
- मंडल सदस्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल (एस.ई.आर.बी.)
- गुजरात राजकीय पेट्रोनेट लिमिटेड मंडल (जी.एस.पी.एल.) के स्वतंत्र निदेशक
- सदस्य, निर्माण स्थल चयन समिति, कर्नाटक सरकार द्वारा राज्य में एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए उपयुक्त जमीन की चयन समिति
- सदस्य, निदेशक मंडल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान वडोदरा (आई.आई.आई.टी. वडोदरा)
- अध्यक्ष, भूकंप अभियांत्रिकी का अंतर्राष्ट्रीय संघ (आई.ए.ई.ई.)
- सदस्य, निदेशक मंडल, गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त टेक सिटी (गिफ्ट)
- निदेशक मंडल, गिफ्ट एस.ई.जेड. लिमिटेड
- सदस्य, राजकीय ज्ञान सलाहकार मंडल, आन्ध्र प्रदेश सरकार
- सदस्य, शासकीय मंडल, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- सदस्य, शासकीय मंडल, पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा–भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, डिजाइन एवं विनिर्माण (पी.डी.पी.एम.–आई.आई.आई.टी.डी. व एम.), जबलपुर
- सदस्य, शासकीय मंडल, आधारभूत ढांचा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- सदस्य, न्यायालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- सदस्य, कार्यकारी समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- सदस्य, गुजरात शहरी विकास मिशन
- अध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. रूड़की पूर्व छात्र संघ, अहमदाबाद अध्याय
- सदस्य, गोवा सरकार द्वारा राज्य में एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए उपयुक्त जमीन की चयन समिति

प्रा. विक्रांत जैन, भू विज्ञान
- समीक्षक, प्राकृतिक खतरे, जून 2015
- समीक्षक, जियोमॉर्फोलॉजी, जून 2015
- समीक्षक, जियोविज्ञान की अरेबियन पत्रिका, जून 2015
- समीक्षक, केटेना, जुलाई 2015
- समीक्षक, भू प्रणाली विज्ञान पत्रिका, जुलाई 2015
- समीक्षक, भूविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, जुलाई 2015

» समीक्षक, केटेना, अक्टूबर 2015
» समीक्षक, वैश्विक एवं गृह परिवर्तन, मार्च 2016
» समीक्षक, वर्तमान विज्ञान, मार्च 2016
» मसूरी में डब्लू.डब्लू.एफ भारत द्वारा आयोजित वन्य नदी पर कार्यशाला में आमंत्रित, मार्च 2016

प्रा. कबीर जसूजा, रसायन अभियांत्रिकी
» वैज्ञानिक रिपोर्ट के समीक्षक (प्रकृति प्रकाशन समूह)

प्रा. मोहन सी जोशी, गणित
» विभिन्न वैज्ञानिक प्रकाशनों के समीक्षक
» डी.एस.टी की डिफ्रेंशियल समीकरण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम नामक परियोजना की वैज्ञानिक समिति के 2015–16 शैक्षणिक वर्ष के समीक्षक
» आई.आई.टी.आर.ए.एम. की समीक्षा समिति, अक्टूबर 29, 2015
» भा.प्रौ.सं. जोधपुर की समीक्षक समिति, जून 30, 2015, एवं मार्च 13, 2016

प्रा. आलोक कुमार कानूनगो, पुरातत्व विज्ञान
» 'पूर्व बंदूक के पाउडर, बंदूक और बंदूक की विद्या' में भाग लिया, जालेसर, उत्तर प्रदेश और जयपुर राजस्थान, फरवरी–मार्च 2016
» होमी भाभा फेलो को चुनने वाली परिषद के सदस्य, मार्च 16, 2016

प्रा. नितिन खन्ना, विद्युत अभियांत्रिकी
» डी.एस.टी. प्रस्तावों के समीक्षक
» पत्रिकाओं के समीक्षकः चित्र प्रसंस्करण पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट, डॉक्यूमेंट जांच और पहचान पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (स्प्रिंगर), सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोगों की पत्रिका (एलजेवियर)
» सम्मेलनों के समीक्षकः अकूस्टिक्स पर आई.ई.ई.ई.–आई.सी.ए.एस.एस.पी सम्मेलन, शंघाई, चाइना, 2016

प्रा. शिवप्रिया किरूबाकरण, रसायन विज्ञान एवं जैविक–प्रौद्योगिकी
» डी.एस.टी., भारत सरकार के अर्ली करियर अनुसंधान पुरस्कार की आमंत्रित समीक्षक हैं।
» अनुसंधान प्रगति समिति के आमंत्रित सदस्य, फार्मेसी संस्थान, निरमा विवि, 2014 से लेकर
» वैश्विक जैव तकनीकी सम्मेलन में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का नेतृत्व कियाः डी.बी.टी. के 30 वर्ष पूरे होने के खुशी में, फरवरी 4–5, 2016, दिल्ली

प्रा. शर्मिता लाहिड़ी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
» फुलब्राइट अनुप्रयोगों के न्यायाध्यक्ष, भारत में संयुक्त राज्य शैक्षणिक प्रतिष्ठान

प्रा. मोना जी मेहता, मानविकी एवं विज्ञान
» पी.एचडी. के बाह्य परीक्षक, नियोजन के संकाय, सी.ई.पी.टी. विद्यालय, जनवरी 2016
» लेख के संपादक, सेज ओपन पत्रिका, सेज प्रकाशन, 2016

प्रा. जॉयसी मेकी, विद्युत अभियांत्रिकी
» एसिनक्रोनस सर्किट और प्रणाली पर आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्टीयरिंग समिति के सदस्य, 2016
» आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय वी.एल.एस.आई. डिजाइन एवं परीक्षण संगोष्ठी वी.डी.ए.टी. 2016 के तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य
» समीक्षक, आई.ई.ई.ई. सेंसर्स पत्रिका, ए.एस.वाई. एन.सी. 2016, वी.डी.ए.टी. 2016, वी.एल.एस.आई. 2016

प्रा. नीलधारा मिश्रा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
» समीक्षक, एलगोरिदम की रिपोर्ट (टी.ए.एल.जी.)
» समीक्षक, एलगोरिदमिका
» समीक्षक, डिसक्रीट एप्लाइड गणित
» समीक्षक, बीजगणितीय प्रणालियों की पत्रिका
» समीक्षक, फंडामेंटिका इनफोर्मेटिके
» कृत्रिम बुद्धिमता पर अतंर्राष्ट्रीय संयुक्त सम्मेलन की कार्यक्रम समिति, 2016
» ग्राफ पर कार्यशाला के समीक्षक, 2016
» ऑटोमेटा, भाषा एवं प्रोग्रामिंग पर अंतर्राष्ट्रीय वार्तालाप के समीक्षक, 2016

प्रा. कृष्ण प्रसाद मियापुरम, संज्ञानात्मक विज्ञान (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के साथ)
» सॉफ्ट इंटेलिजेंस एवं मशीन इंटेलिजेंस पर तकनीकी कार्यक्रम समिति की 2री अंतर्राष्ट्रीय सभा, कम्प्यूटेशनल और उद्योग बुद्धिमता पर 4थी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय न्यूरल नेटवर्क संस्था द्वारा आयोजित, 2015
» यूरोपियन यूनियन–भारत फोकल केंद्र प्रशिक्षण नेटवर्क में भाग लिया, नई दिल्ली, दिसम्बर 2015
» एम.एससी. परीक्षक, व्यवहार एवं संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र, इलाहाबाद, दिसम्बर 2015
» समीक्षक, एन.यू.आइ.कोन 2015, डब्लू.सी.आई. 2015
» सह–संपादक के रूप में आमंत्रित, गतिशीलता विज्ञान और खेल मनोवृत्ति के फ्रंटियरय समीक्षक संपादक, निर्णय न्यूरोविज्ञान में फ्रंटियर
» अनुदान के समीक्षक, चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू.के.
» सदस्य, अध्ययन मण्डल, संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, निरमा विवि

प्रा. के वी वी मूर्ति, विद्युत अभियांत्रिकी
- सदस्य, शासी समिति परिषद एवं शैक्षणिक समिति परिषद, एन.एम.ए.एम. प्रौद्योगिकी संस्थान, निट्टे, उदूपी, कर्नाटक
- सदस्य, शैक्षणिक सलाहकार मण्डल बैठक, नवरचना विवि, वडोदरा
- बाह्य परीक्षक, पी.एचडी. थीसिसः अमृत विश्व विद्यापीठ, बेंगलोर; वी.टी.यू., बेंगलोर; एन.एम.आइ. एम.एस., मुंबई

प्रा. चेतन पहलजानी, गणित
- पत्रिका को जमा किए गए पत्र के समीक्षकः नियंत्रण, सिग्नल, और प्रणाली का गणित

प्रा. सौराद्युति पॉल, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- कार्यक्रम समितियां, सूचना सुरक्षा और क्रिप्टोलॉजी पर 18वीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सभा, सियोल, दक्षिण कोरिया
- बाह्य समीक्षक, 36वीं अंतर्राष्ट्रीय क्रिप्टोलॉजी सभा, सेंटा बारबरा, सं.रा.अ.

प्रा. रोजा मारिया पेरेज, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
- स्टीयरिंग समिति, दक्षिण एशियाई अध्ययन पर यूरोपियन पी.एचडी. कार्यशाला
- सलाहकार, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के लिए यूरोपीय–भारत मंच, यूरोपीय यूनियन
- विशेष मेहमान, लिंग समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र आयोग, सं.रा.
- परिषद, दक्षिण एशियाई अध्ययन का यूरोपियन संघ (ई.ए.एस.ए.एस.)
- सलाहकारों का मण्डल, दक्षिण एशियाई लोकतांत्रिक मंच (एस.ए.डी.एफ.), यूरोपियन यूनियन

प्रा. नारण एम पिंडोरिया, विद्युत अभियांत्रिकी
- आधारभूत ढांचा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और प्रबंधन (आई.आई.टी.आर.ए.एम.) के शैक्षणिक परिषद के जून 2013 से सदस्य
- अध्ययन मण्डल के सदस्य, पारुल विवि में विद्युत अभियांत्रिकी, वडोदरा अप्रैल 2015 से लेकर
- स्मार्ट ग्रिड पायलट परियोजना – उत्तर गुजरात विज कं. लि. (यू.जी.वी.सी.एल.), गुजरात के प्रसंस्करण और कार्यान्वयन रणनीति की समीक्षा करने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य
- पी.एचडी. छात्र की शोध प्रगति समिति (आर.पी.सी.) के सदस्य, प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विवि, अहमदाबाद
- स्मार्ट ग्रिड में संचार अनुप्रयोगों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (सी.ए.एस.जी. 2015) के कार्यक्रम समिति के सदस्य, ब्रेडफोर्ड, यूरोपियन यूनियन
- पी.एचडी. थीसिस मूल्यांकन के बाह्य परीक्षक, महाराज सयाजीराव विवि, वडोदरा

प्रा. वी एन प्रभाकर, पुरातत्व
- मा.सं.वि.मं. द्वारा शुरू की गई ईपीजी–पाठशाला में योगदान दिया जिसके संयोजक प्रा. रवि कोरिसेट्टर, वरिष्ठ फेलो, डा वी एस वाकणकर पुरातत्व अनुसंधान संस्थान, धारवड एवं प्रा. भास्कर रेड्डि, श्री वेण्कटेश्वर विवि, तिरुपति थे। हर मोड्यूल में ई–टेक्सट, आगे की सीख एवं पावरपॉइंट प्रदर्शन

प्रा. शंनमुगनाथन रमण, विद्युत अभियांत्रिकी
पत्रिकाओं के समीक्षकः
- चित्र प्रसंस्करण पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट
- कम्प्यूटेशनल चित्रण पर आई.ई.ई.ई. की रिपोर्ट
- पैटर्न पहचान पत्र
- बहुआयामी प्रणालियां और सिग्नल प्रसंस्करण
- साधना – प्रौद्योगिकी विज्ञान की शैक्षणिक प्रगति
- आई.ई.टी.ई. तकनीकी समीक्षा
- तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य, उन्नत नेटवर्क और दूरसंचार प्रणालियों पर 9वीं आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सभा, कोलकता, 2015
- तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य, संगणक दृष्टि, पैटर्न पहचान, चित्र प्रसंस्करण और ग्राफिक्स की 5वीं राष्ट्रीय सभा, भा.प्रौ.सं. पटना, 2015
- तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य, संचार पर 21वीं राष्ट्रीय सभा, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2016
- समीक्षक, गतिशील प्रणालियों के उन्नत नियंत्रण और रोक पर 4थी अंतर्राष्ट्रीय सभा, रा.प्रौ.सं. त्रिची, 2016
- समीक्षक, संगणक दृष्टि एवं चित्र प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, भा.प्रौ.सं. रूड़की, 2016

प्रा. तन्निष्ठा सामंत, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
- आमंत्रित सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय मण्डल, पुनर्स्थापन एवं विकास, रूटलेज, लंडन, 2015–17
- समीक्षक, जेरेन्टोलॉजी पत्रिकाः क्रम बी (सामाजिक विज्ञान), ऑक्सफोर्ड पत्रिकाः 2015–16
- समीक्षक, पारिवारिक अध्ययन पत्रिका, टेलर एवं फ्रांसिसः 2015–16
- संयोजक, वैश्विक स्वास्थ्य और विकास का ग्रीष्मकालीन संस्थान, मई–जून 2015, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में संपन्न, कला और विज्ञान महाविद्यालय, सास्काचवान विवि, कनाडा द्वारा सहयोग प्राप्त

प्रा. आनंद सेनगुप्ता, भौतिकी
- अभियांत्रिकी शिक्षा में बदलाव पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा के समीक्षक, 2016

» भौतिकी शिक्षा के समीक्षक, 2015
» ओरिएंटल खगोल विज्ञान पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा की एस.ओ.सी. और राष्ट्रीय आयोजनकर्ता समिति के सदस्य, नवम्बर 2016 को संपन्न होगी

प्रा. बाबजी श्रीनिवासन, रसायन अभियांत्रिकी (विद्युत अभियांत्रिकी के साथ)
» पत्रिका लेखों जैसे ए.आइ.सीएच.ई., आई.ई.ई.ई. टी.सी.एस.टी., औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं रसायन विज्ञान शोध, संगणक एवं रसायन अभियांत्रिकी, तथा आधारभूत ढांचा जटिलता के समीक्षक

प्रा. दिलीप श्रीनिवास सुंदरम, यांत्रिक अभियांत्रिकी
» पत्रिकाओं के समीक्षक: ज्वलनशीलता और लौ, तथा कम्प्यूटेशनल पदार्थ विज्ञान

प्रा. प्राची थरेजा, रसायन अभियांत्रिकी
» 89वीं ए.सी.एस. कोल्लॉइड संगोष्ठी 2015 में "अणुओं और कणों के स्वचालित और दिशा निर्देशित एसेम्बली – वितरण और निस्तारण, पिट्सबर्ग, सं.रा.अ.

प्रा. विजय थिरूवेण्कटम, जैविक अभियांत्रिकी (भौतिकी के साथ)
» अनुसंधान प्रगति समिति के आमंत्रित सदस्य, जैविकरसायन विज्ञान विभाग, चारुसत विवि, 2014 से लेकर
» अणुओं की सरंचना के समीक्षक, एलजेवियर प्रकाशन

प्रा. विनीत वशिष्ठ, यांत्रिक अभियांत्रिकी
» पत्रिकाओं के समीक्षकः आई.ई.ई.ई. रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन पत्र; यांत्रिक अभियांत्रिकी पत्रिका में प्रगति; रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन का आई.ई.ई.ई. अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संकाय द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान

एक उज्जवल शैक्षणिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने के अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, यह संस्थान अपने संकाय सदस्यों को भारत और बाहर नवीनतम अनुसंधान पर व्याख्यान देने के लिए बढ़ावा देता है। विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा दिये गए व्याख्यान इस प्रकार हैं:

» ***प्रा. संजयकुमार अमृत्य*** ने हरीष–चन्द्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद में ***वार्षिक स्थापना विद्यालय–2*** में ***बीजगणितीय टोपोलॉजी*** पर छः व्याख्यानों की श्रंखला दी है, जून29–जुलाई 25, 2015; म. स. विवि वडोदरा में जांच और टोपोलॉजी कार्यशाला में रीमेन सतहें और रीमेन–रोश ***सिद्धांत की प्रेलीमिनेरीस*** पर दो व्याख्यान दिए, अगस्त 1–3, 2015। उन्होंने विश्वैस्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित 81वीं अंतर्राष्ट्रीय भारतीय गणितीय संस्था सम्मेलन में मोड्यूलाई के क्विवर प्रतिनिधित्व और उनके अनुप्रयोग पर एक वार्ता की, नागपुर, दिसम्बर 27–30, 2015।

» ***प्रा. अमित अरोड़ा*** ने प्लाजमा अनुसंधान संस्थान, ***भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग शोध*** पर व्याख्यान दिए, मई 14, 2015(***फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग में उन्नति पर विशेषज्ञता*** वार्ता दी, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विवि, दिसम्बर 3, 2015(***ऊष्मा स्थानांतरण और प्रसंस्करण में जुड़ने के लिए पदार्थ बहाव मॉडलिंग***, "संवाद" प्रथम बहु–विधा राजकीय संगोष्ठी, सिल्वर ओक समूह संस्थान, अहमदाबाद, फरवरी 11, 2016। प्रा. अरोड़ा दूसरी बहुविधा शोध एवं अभ्यास की अंतर्राष्ट्रीय सभा में मुक्य वक्ता और माननीय अतिथि रहे, अहमदाबाद प्रबंधन संघ, अहमदाबाद, दिसम्बर 24, 2015।

» ***प्रा. रूपक बैनर्जी*** ने ***चूर्ण धातुकर्म और नए पदार्थों के अतंर्राष्ट्रीय उन्नत*** शोध केंद्र में उन्नत कार्यात्मक सूक्ष्मपदार्थों पर एक आमंत्रित वार्ता की, हैदराबाद, दिसम्बर 8, 2015।

» ***प्रा. अतुल भार्गव*** भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ईंधन कोशिका प्रयोगशाला में आयोजित प्रयोगात्मक अनुसंधान और हाइड्रोजन सुरक्षा उपायों पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, रिलायंस उद्योग लि., मुंबई, मार्च 11, 2016।

» ***प्रा. विनोद चंद्रा*** ने ***भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में आयोजित क्वार्क–ग्लूऑन–प्लाज्मा उत्पादित रिलेटिविस्टिक आयन भिड़ंतों की विशिष्टता*** पर वार्ता की, अहमदाबाद, सितम्बर 24, 2015(भा.प्रौ. सं. दिल्ली में आयोजित क्वार्क–ग्लूऑन–प्लाज्मा उत्पादित रिलेटिविस्टिक आयन भिड़ंतों की विशिष्टता पर वार्ता की, अक्टूबर 30, 2015(सी.एन.टी.–क्यू.जी.पी. बैठक 2015 के दौरान क्यू.जी.पी. माध्यम में ***मोमेंटम स्पेस एनिस्ट्रॉपी एवं भारी–क्वार्क आयामों*** पर वार्ता की, वी.ई.सी.सी. कोलकता, नवम्बर 16–20, 2015।

» ***प्रा. समीर दलवी*** ने गणपत विवि में आयोजित निबंध लेखन कार्यशाला में ***पत्र प्रकाशन*** पर एक व्याख्यान दिया, जनवरी 30, 2016।

» ***श्री मिशैल डैनीनो*** ने ***भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: एक ऐतिहासिक कहानी*** पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विवि, अगस्त 22, 2015(***प्राचीन भारत की बौद्धिक परम्पराएं*** पर संगोष्ठी में कुछ भारतीय बुद्धिमान प्रणाली में हड़प्पन जड़ें नामक व्याख्यान दिया, प्राचीन इतिहास और संस्कृति केंद्र, जैन विश्वविद्यालय, अगस्त 27, 2015(***प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: संस्कृत आधारित बुद्धि प्रणालियां***, भा.प्रौ.सं. रूड़की, अक्टूबर 16, 2016; ***हड़प्पन लीनियर उपायों की समस्या***, गणित के इतिहास की भारतीय संस्था, भा.प्रौ. सं. मुंबई, नवम्बर 14, 2015(***सरस्वती नदी की पहेली***, प्रा. यू पी शाह स्मारक व्याख्यान, ओरिएंटल संस्थान, वडोदरा, जनवरी 30, 2016।

» ***प्रा. अनिरबन दासगुप्ता*** ने ***नेटवर्क मापदंड के आंकलन से नमूनों पर व्याख्यान*** दिया, याहू लैब्स सनीवेल, जून 2015(और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में सहायक प्राध्यापक के रूप में व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, जनवरी 2016 से लेकर।

» ***प्रा. प्रत्युष दयाल*** ने केएमफेरेंस 2015 में ***स्व–घूर्णन पॉलीमेर जैल*** पर एक व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, दिसम्बर 5–6, 2015। प्रा. दयाल ने सॉफ्ट मैटर युवा जांचकर्ता बैठक 2015 में स्थिरता विश्लेषण की मदद से ***स्व–घूर्णन पॉलीमर जेल के गतिशील बर्ताव की भविष्यवाणी*** पर एक व्याख्यान दिया, पुदुचेरी, दिसम्बर 19, 2015।

» ***प्रा. अतुल दीक्षित*** ने अंतर्राष्ट्रीय विशेष कार्य और उनके अनुप्रयोगों की सभा में ***रामानुजन, वोरोनोई सम्मेशन सूत्र, गोला और भाजक समस्याएं एवं मॉडूलर परिवर्तन*** पर वार्ता की, एमिटी विवि, नॉयडा, सितम्बर 10–12, 2015; ***रामानुजन, वोरोनोई सम्मेशन सूत्र, गोला और भाजक समस्याएं एवं मॉडूलर परिवर्तन***, अंक सिद्धांत और ***श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों पर राष्ट्रीय कार्यशाला***, मैसूर विवि, फरवरी 26, 2016; ***रामानुजन/वॉटसन मॉक थीटा फंक्शन*** से जुड़े हुए विभाजन और उनकी ओवरपार्टिशन एनालॉग,

अंक सिद्धांत और श्रीनिवास रामानुजन के कार्य पर राष्ट्रीय कार्यशाला, मैसूर विवि, फरवरी 27, 2016; रामानुजन/वॉटसन मॉक थीटा फंक्शन से जुड़े ओवरपार्टिशन, अंतर्राष्ट्रीय अंक सिद्धांत सभा (कृष्णस्वामी अल्लाडी के 60वें जन्मदिन के सम्मान में), फ्लोरिडा विवि, गेंसविले, सं.रा.अ., मार्च 17–21, 2016; रामानुजन/वॉटसन मॉक थीटा फंक्शन से जुड़े ***ओवरपार्टिशन, बीजगणित ज्यामितीय एवं अंक सिद्धांत*** संगोष्ठी, राइस विवि, हूस्टन, सं.रा.अ., मार्च 22, 2016; जेगियर पॉलीनोमियल: उनके एसिम्पटोटिक्स एवं सूत्रः तथा रामानुजन/वॉटसन मॉक थीटा फंक्शन से जुड़े ओवरपार्टिशन, इलीनॉइस विवि, अरबाना शेमपेन, सं.रा.अ., मार्च 29 एवं 31, 2016।

» ***प्रा. नितिन वी जॉर्ज*** ने आमंत्रित व्याख्यान दिए; प्रकृति से प्रेरित कम्प्यूटिंग और अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में फजी इनफेरेंस का एक परिचय, अप्रैल 5, 2015 एवं एडेप्टिव सिग्नल प्रसंस्करण: सिद्धांत और अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में एडेप्टिव फिल्टर और शोर रद्द करना, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, फरवरी 29, 2016; एप्लाइड डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण पर लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडेप्टिव सिग्नल प्रसंस्करण का परिचय, मई 7, 2015, एवं हालही के चित्र प्रसंस्करण और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग के ट्रेंड पर सॉफ्ट कम्प्यूटिंग के परिचय पर कार्यशाला, बी.वी.एम. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, आनंद, सितम्बर 12, 2015(ऑटिजिम; प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण तथा पुनर्स्थापन कार्यक्रम में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम अवस्था वाले बच्चों में सुनने की अतिसंवेदनशीलता, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर और बी.एम. मानसिक चिकित्सा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, गुजरात बुद्धिमान संघ, अहमदाबाद, जून 6, 2015(डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण और उसके औद्योगिक अनुप्रयोगों में लघु काल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडेप्टिव सिग्नल प्रसंस्करण के मूल आधार, एन.वाई.एस.एस. राजीव गांधी अभियांत्रिकी एवं शोध महाविद्यालय, नागपुर, जून 10, 2015; ऑप्टिमाइजेशन; सिद्धांत और अभियांत्रिकी अभ्यास में डिजाइन और मॉडलिंग में ऑप्टिमाइजेशन अनुप्रयोगों पर लघु काल का प्रशिक्षण कार्यक्रम, विश्वकर्मा राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अहमदाबाद, दिसम्बर 16, 2015।

» ***प्रा. चिण्मय घोरोई*** ने गीले पर्यावरण स्थिति के अंतर्गत महीन चूर्ण के बहाव पर एक व्याख्यान, 6वां एशियन अणु प्रौद्योगिकी संगोष्ठी, सितम्बर 15–18, 2015, सियोल, कोरियाय एवं महीन कणों के सतह की अभियांत्रिकीरू कोहेसिव पर्टिकुलेट ठोस की बेहतर प्रसंस्करण, पदार्थों, प्रतिक्रियाओं और विभाजन प्रसंस्करणों में उन्नति पर 3री भारत–जर्मन कार्यशाला, फरवरी 23–26, 2016, भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी।

» ***प्रा. शरद गुप्ता*** ने 5वीं भारतीय पेपटाइड संगोष्ठी में लघु एमाइलोडोजेनिक पेपटाइड्स पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, जवाहरलाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, सितम्बर 24–25, 2015।

» ***प्रा. हरी बी हबलानी*** ने अंतरिक्षयान परम नौचालन एवं वैश्विक नौचालन उपग्रह प्रणाली के साथ आपेक्षिक नौचालन पर एक छः–दिवसीय पाठ्यक्रम लिया, आई.एस.आर.ओ. देवनहल्ली, बेंगलोर, जुलाई 22–27, 2015। उन्होंने डिफ्रेंशियल जी.पी.एस. पर एक 3–दिवसीय पाठ्यक्रम आई.एस.आर.ओ. अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद में, एशिया और पेसिफिक के अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षण केंद्र के सानिध्य में लिया, सितम्बर 24–20, 2015, यह केंद्र संयुक्त राष्ट्र से मान्यता प्राप्त है। प्रा हबलानी ने उपग्रह–आधारित वायुयानों के नौचालन पर एक प्रमुख व्याख्यान दिया, आई. एस.आर.ओ. अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद, फरवरी 29, 2016य तथा वायुमंडलीय अंतरिक्ष वायुयानों और पनडुब्बियों के उपग्रह–आधारित बहु–सेंसर युक्त नौचालन पर आई.एस.आर.ओ. इनर्शियल प्रणाली इकाई, थिरूवनंथपुरम, केरला, अप्रैल 22, 2016।

» ***प्रा. रवि हेगड़े*** ने ऑप्टिकल नेनोएनटीना ऐरेज के डिजाइन पर वार्ता की, भा.प्रौ.सं. मुंबई, फरवरी 11, 2016।

» ***प्रा. सुधीर कु जैन*** ने भारत में भूकंप सुरक्षा; सफलता, चुनौतियां, और अवसर पर 15वां मेल्ल्ट–मिलेन व्याख्यान दिया, लंडन, मई 26, 2015(एवं 26वां डा. एल एस चंद्रकांत स्मारक व्याख्यान, 8वां आई.एस.टी.ई कर्नाटक राज्यस्तरीय वार्षिक सम्मेलन, बेंगलोर, नवम्बर 6–7, 2015। प्रा. जैन अदानी गैस लि. के वार्षिक गैस दिवस पर एक वक्ता रहे, अहमदाबाद, दिसम्बर 18, 2015।

» ***प्रा. विक्रांत जैन*** ने पश्चिमी भारत; कुछ महत्वपूर्ण जियोमोर्फिक शोध सवाल? पर एक व्याख्यान दिया। एमओ.ई.एस. द्वारा प्रायोजित पश्चिमी भारत के क्वाटेरनेरी भूविज्ञान; वर्तमान परिस्थिति और भविष्य के परिप्रेक्ष्य पर एक सत्र, कच्छ विवि, भुज, जनवरी, 2016।

» ***प्रा. कबीर जसूजा*** ने कृषि, ऊर्जा और औषधि पर राष्ट्रीय सभा में ऊर्जा संचय में ग्राफीन एनेलोगस सूक्ष्मपदार्थ पर एक वार्ता की, सूक्ष्म विज्ञान केंद्र और विश्वविद्यालय उद्योग इंटरफेस प्रकोष्ठ, केंद्रीय गुजरात विवि, गांधीनगर, मार्च 11–12, 2016।

» ***प्रा. मोहन सी जोशी*** उन्नत स्तरीय कार्यशाला पर

नियंत्रण सिद्धांत पर एक व्याख्यान श्रंखला ली, जो राष्ट्रीय डिफ्रेंशियल समीकरण कार्यक्रम के अधीन है, डी.एस.टी., बी.आई.टी.एस. गोवा, जून 8–13, 2015; फेज 2 में गणित के अनुप्रयोग, मूल अभियांत्रिकी विषयों का ग्रीष्मकालीन विद्यालय, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, जून 22, 2015; समकालीन समीकरण– घुलनशीलता विश्लेषण, डिफ्रेंशियल समीकरण के राष्ट्रीय कार्यक्रम पर उन्नत स्तरीय कार्यशाला में लीनियर समाकलित समीकरण का मूल सिद्धांत, डी.एस.टी., जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विवि, एच. पी., अक्टूबर 19–25, 2015; विभिन्न असमानता और पी.डी.ई. की उन्नत स्तरीय कार्यशाला में मोनोटोन ऑपरेटर, घुलनशीलता और विभिन्न विश्लेषण, डिफ्रेंशियल समीकरण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, शारदा विवि में डी.एस.टी., नॉयडा, जनवरी 24–26, 2016।

» ***प्रा. आलोक कुमार कानूनगो*** ने एथनोपुरातत्व; उसके लाभ और मानवविज्ञान विभाग में उसकी सीमाएं, पर एक व्याख्यान दिया, सावित्रीबाई फुले पुणे विवि, सितम्बर 10–12, 2015। उन्होंने नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में नागा घाटियों में जर्मन मानवविज्ञान शास्त्री नामक एक पत्र प्रस्तुत किया, कोहिमा, नागालेंड, सितम्बर 29–30, 2015; मौखिक परंपराओं; निरंतरता और उत्तरपूर्वी भारत के बदलावों तथा दक्षिण पूर्वी एशिया में संग्रहालय संकलन और मौखिक परंपरा संदर्भ; नागा, शिलोंग, मेघालय, आई.एन.टी.ए.सी.एच., अम्बेडकर विवि. एवं लेडी कीन विद्यालय (शिलोंग), फरवरी 1–4, 2016।

» ***प्रा. नितिन खन्ना*** टी.ई.क्यू.आई.पी. द्वारा प्रायोजित एप्लाइड डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण नामक लघु पाठ्यक्रम में बहु–दर सिग्नल प्रसंस्करण, 2डी बदलाव और डिजिटल चित्र फोरेंसिक्स पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, दिसम्बर 8–12, 2015।

» ***प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण*** ने डी.एन.ए. क्षति/सुधार के रास्तों को केंद्रित करना: केंसर के अनोखे थेरेपिटिक के रास्ते, पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, सितम्बर 29, 2015; रोगों की रासायनिक जैविकविज्ञान, डी. ई.बी.ई.एल., बेंगलोर डी.आर.डी.ओ. मुख्यालय, दिसम्बर 22, 2015; तथा डी.एन.ए. क्षति/सुधार के रास्ते; केंसर थेरेपी को केंद्रित करना, रसायन विज्ञान और जैविकी की 22वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, उका तारसाडिया विवि, सूरत, फरवरी 8, 2016। प्रा. किरुबाकरण ने 3रे राष्ट्रीय संगोष्ठी में एच पिलोरी: एक कार्सिनोजेन या पेथोजेन पर एक प्लेनरी व्याख्यान दिया, फार्मेसी संस्थान, मार्च 28, 2016।

» ***प्रा. रीता कोठारी*** को विभाजन: एक लंबी छाया के पेनल वार्ता में आमंत्रित किया गया, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, अक्टूबर 9, 2015। उन्होंने भाषा और अल्पसंख्यक सभा में विभाजन के बाद: भाषा, प्रदेश और दक्षिण एशिया पर वार्ता की, हैदराबाद केंद्रीय विवि, अक्टूबर 15–17, 2015; एवं भाषाओं का मिश्रण (प्रा. जोनाथन गिल हैरिस और प्रा. प्रोबल दासगुप्ता के साथ बातचीत), वरली स्टूडियो, मुंबई, जनवरी 28, 2016। मुख्य वक्ता के रूप में पवित्रता के साथ जूझने पर सम्मेलन में पवित्रता की भाषाएं पर व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. मद्रास, जनवरी 18, 2016। प्रा. कोठारी जयपुर साहित्य मेला 2016 में अलग शब्दों में पढने के पेनेलिस्ट में से एक थीं। वे जयुपर साहित्य मेला में एक संसाधन व्यक्ति और वक्ता के रूप में कई सत्रों में रहीं, जनवरी 24, 2016। उन्होंने साहित्य मेला में कई सत्रों का संचालन किया जैसे शाह अब्दुल लतीफ का कलाम और पाकिस्तान के मंदिर।

» ***प्रा. सुरजीत कौर*** ने शिव नादर विवि में पॉलीनोमियल बीजगणित के टेंसर उत्पाद पर सरल स्रोत, पर एक वार्ता दी, नवम्बर 9, 2015।

» ***डा टी एस कुम्बार***, पुस्तकाल्याध्यक्ष ने आइ. एन.डी.ई.एस.टी.–ए.आई.सी.टी.ई संघ और आई.आई.एस.ई.आर मोहाली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई 11वीं वार्षिक बैठक और कार्यशाल में ई–संसाधन पर बातचीत; एक जीती हुई परिस्थिति पर वार्ती की, आई. आई.एस.ई.आर मोहाली, अप्रैल 29–30, 2015; आई.एन.एफ.एल.आई.बी.एन.ई.टी. केंद्र द्वारा आयोजित ई–संसाधन प्रबंधन पर ई–संसाधन का जीवन–चक्र, लाइसेंस और ई–संसाधनों पर बातचीत नामक तीन–दिवसीय प्रशिक्षण, अगस्त 12, 14, 2015; आई.एन.एफ.एल.आई.बी.एन.ई. टी. केंद्र द्वारा आयोजित आई.सी.टी. अनुप्रयोगों का पुस्तकालय पर आई.पी.आर. एवं संस्थान के संग्रह के प्रबंधन और निर्माण के कॉपीराइट मुद्दे नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम, गांधीनगर, सितम्बर 7–27, 2015; आई.एन.एफ.एल.आई.बी.एन.ई.टी. केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन का पुस्तकालयाध्याक्षों की संचार कुशलताओं को प्रभावशाली बनाने नामक क्षमता निर्माण कार्यक्रम, गांधीनगर, दिसम्बर 14–18, 2015; भा.प्र.सं. अहमदाबाद और भारतीय व्यापार महाविद्यालय, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उभरते हुए उद्योग पुस्तकालयाध्यक्षों के ट्रेंड पर संसाधन सूत्र; पुस्तकालय संसाधनों से उपभोक्ताओं को जोड़ना नामक एक वैश्विक सम्मेलन, अहमदाबाद, दिसम्बर 2–4, 2015; सह–प्रदर्शक वीरल असजोला और मनु टी आर, यह प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

» ***प्रा. एन आर लाधवाला*** ने सिल्वर ओक

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में डिफ्रेंशिएशन; मीन मूल्य सिद्धांत पर एक व्याख्यान दिया, अहमदाबाद, फरवरी 11, 2016।

- ***प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार*** ने 8वीं युवा जांच बैठक में ट्रांसपोजेज का विकास: क्यूं कुछ जीन्स उछलते हैं?, भारत जीवविज्ञान द्वारा आयोजित, एन.सी.बी.एस. गुड़गांव, फरवरी 27–मार्च 2, 2016।
- ***प्रा. एंगस मेकब्लेन*** ने शोध पत्र लेखन की राष्ट्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रकाशन: गुणवत्ता, चोरी, उद्धरण, संपादन, ख्याति पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, गणपत विश्वविद्यालय, जनवरी 29–30, 2016।
- ***प्रा. मोना जी मेहता*** स्मार्ट शहर: शहरी काल्पनिक आदर्श या भविष्य के शहर? पर एक कार्यशाला में आमंत्रित थे, नियोजन संकाय, सी.ई.पी.टी. विश्वविद्यालय, मई 8, 2015; गरीबी के आयाम, असमानता और भारतीय शहरों में हिंसा: समाकित नीतियों और नियोजन की ओर, शहरी समानता केंद्र, सी.ई.पी.टी विवि, अक्टूबर 17, 2015। प्रा. मेहता ने अहमदाबाद; एक मध्यमवर्गीय बड़ा शहर पर एक वार्ता दी, एस.आई.टी. विदेश में अध्ययन, 21वीं शताप्दी में आई.एच.पी.–शहर, लोग, नियोजन और राजनीति, अहमदाबाद, नवम्बर 6, 2015 और जनवरी 26, 2016: प्रकाशन प्रक्रिया, एक व्यक्तिगत यात्रा, और निर्वचनात्मक तरीकों की कला, प्रबंधन फेलो के कार्यक्रम में, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, फरवरी 12 और फरवरी 15, 2016।
- ***प्रा. जॉयसी मेकी*** ने वी.एल.एस.आई. डिजाइन पर वार्ता की, पारुल संस्थान, वडोदरा, मई 13, 2015; एसिनक्रोनस सर्किट डिजाइन का परिदृश्य, और चिप वास्तुकला में नेटवर्क, वी.एल.एस.आई. और चित्र प्रसंस्करण के हालही का एस.टी.टी.पी. विकास, वी.जी.ई.सी. गांधीनगर, मई 5, 2015; महिला अभियांत्रिकी और व्यवसाय पर वार्तालाप की पेनल सदस्य, विशेष डब्लू.आई.ई. ट्रेक, वी.एल.एस.आई. डिजाइन और परीक्षण की आई.ई.ई.ई. संगोष्ठी, जून 27, 2015; मल्टी–कोर वास्तुकला में शोध परिदृश्य, टी.ई.क्यू.आई.पी. विद्यालयों के शोध विद्वानों की मुलाकात, आई.पी.आर., नवम्बर 5, 2015; एवं ए.एस.एस.ओ.सी.; एसिनक्रोनस–सिनक्रोनस ऑन–चिप नेटवर्क, नेटवर्क ऑन चिप की अंतर्राष्ट्रीय परियोजना कार्यशाला, एम.एन.आई.टी. जयपुर, दिसम्बर 12, 2015।
- ***प्रा. नीलधारा मिश्रा*** ने खेल सिद्धांत और अनुकूलन कार्यशाला में कम्प्यूटेशनल सामाजिक विकल्प का परिचय व्याख्यान लिया, भा.वि.सं. बेंगलोर, जनवरी 12, 2016।
- ***प्रा. कृष्ण प्रसाद मियापुरम*** ने आर.एम.ए.आई. ग्रामीण मेले में उपभोक्ता निर्णयों के पीछे विज्ञान पर एक वार्ता की, नई दिल्ली, मई 8, 2015; तकनीकी शिक्षण में आई.सी.टी. का प्रयोग, राजकीय पॉलीटेकनीक, हिम्मतनगर, दिसम्बर 29, 2015; एन.एन.एम.सी.बी. कार्यशाला में न्यूरोचित्रण डाटा जांच के लिए कम्प्यूटेशनल पद्धतियां, एन.एन.एम.सी.बी. कार्यशाला, आई.आई.एस.ई.आर. कोलकता, जनवरी 10, 2016य तथा मशीन से सीखने में स्वरूप पहचान, निरमा विश्वविद्यालय, मार्च 30, 2016। वे कार्यात्मक न्यूरोचित्रण पद्धतियों के तरीकों पर कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति रहे, भा.प्रौ.सं. कानपुर, जुलाई 4, 2015।
- ***प्रा. प्रणब के मोहापात्र*** ने सूचना प्रौद्योगिकी आधारित जल विकास कार्यशाला में जल प्रबंधन में ऑटोमेशन और सिमुलेशन; हाइड्रॉलिक अभियांत्रिकी में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर ऐसे लक्ष्य की प्राप्ति सिविल अभियांत्रिकी महाविद्यालय, के.आई.आई.टी. विवि., बी.बी.एस.आर., दिसम्बर 19, 2015; तथा नदी के बहाव की अंतर्राष्ट्रीय सभा–2016 में टेढ़े–मेढ़े बहती नदी के मजबूत तल पर स्पर बांध के पार बहाव, सिविल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूरकेला, भारत, फरवरी 25, 2016।
- ***प्रा. रोजा मारिया पेरेज*** दक्षिणी एशियाई अध्ययन में 9वीं यूरोपियन पी.एचडी. कार्यशाला में पैनल विशेषज्ञ रहीं, एस.ए.एस.एन.ई.टी. –स्वीडिश दक्षिण एशियाई अध्ययन नेटवर्क, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन, मई 2015। उन्होंने 2रे कोनग्रेसो इंटरनेशनल डे इंटरलूकुकोइस कॉम ए एशिया में गायब हो चुका साम्राज्य; महिला आवाजों के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीयता और औपनिवेशीकरण के विरुद्ध पर एक वार्ता की, साओ पाउलो, ब्राजील, सितम्बर 2015; सीमाओं पर मानव विज्ञान; भारत में सामाजिक स्तरण, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के लिए यूरोपियन यूनियन–भारत मंच, भारतीय समाज विज्ञान शोध परिषद, नई दिल्ली, अक्टूबर 2015; भारतीय समाज तल में महिला शांति, महिला की आवाज, लिंग समानता और महिला सशक्तिकरण आयोग, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यू यॉर्क, मार्च 2016।
- ***प्रा. चेतन पहलजानी*** ने निरुद्देश्यता से व्याकुल हुए हेमिलटोनियन प्रणालियों के स्टोकेसटिक औसत पर एक वार्ता की, टी.आई.एफ.आर. मुंबई, जून 23, 2015; निरुद्देश्यता से व्याकुल हुए डीसी/डीसी परिवर्तक, भा.प्रौ.सं. मुंबई, दिसम्बर 21, 2015।
- ***प्रा. नारण एम पिंडोरिया*** उद्योगों और यूटिलिटीज में आधुनिक ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स के अनुप्रयोगों पर एक आई.एस.टी.ई – एस.टी.टी.पी. वार्ता की, प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, जून

15–27, 2015; टी.ई.क्यू.आई.पी. 2 एस.टी.टी.पी. में ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी में सिमुलेशन और मॉडलिंग, एस.वी.एन.आई.टी., सूरत, दिसम्बर 28, 2015–जनवरी 1, 2016।

- ***प्रा. पेड्रो मैनुअल सोब्रल पोम्बो*** ने 40 वर्षों बाद अंतर्राष्ट्रीय एलुटा कोंटिनुआ सम्मेलन में विनाश की गाथा: दक्षिणी मोजाम्बिकन जिले में इतिहास के बचे हुए परिवेश से लगाव। दक्षिणी अफ्रीका में साम्राज्यों के उलझे हुए इतिहास और उनकी गाथाएं, दक्षिण एफ्रीका का फ्रेंच संस्थान, विट्स सामाजिक और आर्थिक शोध संस्थान, जोहान्नसबर्ग, नवम्बर 5–6, 2015; एवं तुलनात्मक साहित्यिक केंद्र में अनुसंधान पद्धति की तरह एथनोग्राफी, मानविकी विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मार्च 5, 2016।
- ***प्रा. वी एन प्रभाकर*** ने पुरातत्व संस्थान के पी.जी. डी.सी.ए. छात्रों के संरचनात्मक संरक्षण केंप में ऐतिहासिक इमारतें, संरक्षण का इतिहास– एक वैश्विक परिदृश्य, और पीतलखोरा गुफाओं के संरक्षण मुद्दे पर एक व्याख्यान दिया, नई दिल्ली, कांगा किले में घटित, हिमाचल प्रदेश, जुलाई 17, 2015; तथा हड़प्पन सभ्यता को समझने के लिए हालही की प्रगति: वैज्ञानिक तकनीकें और विवेचनाएं, विज्ञान और प्राकृतिक धरोहर पर एक विशेष व्याख्यान श्रंखला के रूप में, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, अगस्त 9, 2015।
- ***प्रा. अमित प्रशांत*** ने इमारतों और संरचनाओं के भूकंप रोधी डिजाइन की चुनौतियों की संगोष्ठी पर मृदा तरलीकरण एवं भारत के ढांचों के डिजाइन पर वार्ता की, भारतीय संरचनात्मक अभियंता संघ, नई दिल्ली, सितम्बर 5, 2015; मृदा आयामों का परिचय, निरमा विवि, अक्टूबर 6, 2015; जियोतकनीकी जांच में जियोभौतिकी खोजें, एस.वी.एन.आई.टी. सूरत, अक्टूबर 17, 2015; तथा ढीली मृदा की नींव, ए.सी.सी.ई.आई., गोवा, नवम्बर 21, 2015।
- ***प्रा. तन्निष्ठा सामंत*** ने आंकड़ें के खेल: जनगणना और लोगों की गणना की राजनीति पर वार्ता की, जनगणना प्रसार कार्यशाला, केंद्रीय गुजरात विवि, सितम्बर 23, 2015; लिंग एवं आयु: भारत के परिप्रेक्ष्य में, अंतर्राष्ट्रीय जेरोंटोलॉजी एवं जेरियाट्रिक्स संगठन, एशियाध्ओशियानिया, चियांग माई, थाईलेंड, अक्टूबर 20, 2015।
- ***प्रा. आनंद सेनगुप्ता*** ने एल.एस.सी. बूट केंप आई. यू.सी.ए.ए. में पेगेसस वातावरण की मदद से उच्च थ्रूपुट कम्प्यूटिंग पर एक आमंत्रित वार्ता की, पुणे, मई 2, 2015; कॉस्मिक सिमफनी को सुनना: गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज पर एक प्लीनरी वार्ता की, भा.प्रौ.सं. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, जनवरी 10, 2016 जो जिज्ञासा 2016 का एक भाग था; गुरुत्वाकर्षण तरंगें – विश्व के लिए एक नई खिड़की पर एक व्याख्यान, चारुसेट विवि, जनवरी 17, 2016; एक व्याख्यान आई. ई.टी., अहमदाबाद विवि में, फरवरी 19, 2016। प्रा. सेनगुप्ता ने मिलते ब्लेकहोल से आइन्सटाइन के संदेशों की खोज पर एक बात की, एम. एस. विवि, बड़ोदा में विज्ञान दिवस के अवसर पर, फरवरी 29, 2016; उन्होंने एक विशेष व्याख्यान आइन्सटाइन की जयंती के दिन मिलते हुए बायनरी ब्लेकहोल से जी.डब्लू.150914 की खोज पर लिया, भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, मार्च 12, 2016।
- ***प्रा. संदीपन सेनगुप्ता*** ने क्षितिज के साथ बहुल अंतरिक्ष–समय: एक ब्लेक होल का विकल्प? एफ.टी.ए.जी. में, एस एन बोस राष्ट्रीय मौलिक विज्ञान केंद्र, कोलकता, फरवरी 22–26, 2016।
- ***प्रा. गौरव श्रीवास्तव*** ने अग्नि शोध पर भा. प्रौ.सं. गांधीनगर की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में संरचनात्मक अग्नि अभियांत्रिकी पर वार्ता की, भा.प्रौ.सं. मद्रास, फरवरी 5, 2016।
- ***प्रा. मालविका सुब्रमणियम*** ने गुजरात नॉलेज संघ में स्केलिंग के मापन पर एक आमंत्रित वार्ता दी, फरवरी 24, 2016।
- ***प्रा. प्राची थरेजा*** ने स्व–ऐसेम्बली और तरल क्रिस्टल में कोलॉइडल कणों की रियोलॉजी पर एक वार्ता की, कोंप एफ.अल.यू., आई.आई.एस.ई. आर. पुणे, जनवरी 2, 2016।
- ***प्रा. विजय थिरूवेण्कटम*** ने एक्स.आर.डी. एकल क्रिस्टल कार्यशाला में क्रिस्टल एक्स–रे विवर्तन के प्रयोग से ढांचे का विवरण और विश्लेषण पर एक व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, सितम्बर 28–29, 2015; तथा सुरक्षा जैवअभियांत्रिकी और विद्युतचिकित्सक प्रयोगशाला में जीवंत फार्मास्यूटिकल घटकों में पॉलीमोर्फिज्म, बेंगलोर, दिसम्बर 22, 2015।

अन्य संकाय गतिविधियां

- ***प्रा. रूपक बैनर्जी*** ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के विज्ञान दिवस समारोह 2016 में स्वेच्छा से कार्य किया।
- ***श्री मिशैल डैनीनो*** ने मा.सं.वि.मं. द्वारा आरंभ किये ईपीजी–पाठशाला में पांच शैक्षणिक मॉडूल में योगदान दिया। प्रत्येक मॉडूल एक ई–टेक्स्ट, आगे की सीख, स्वयं सीखना तथा पावरपॉइंट प्रदर्शन शामिल था।
- ***प्रा. अनिरबन दासगुप्ता*** एक कार्यक्रम समिति के सदस्य थे: कृत्रिम बुद्धिमता पर अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त सभा 2016; ज्ञान और डाटा की खोज सम्मेलन 2016य वर्ल्ड वाइड वेब सम्मेलन 2016; वेब खोज और डाटा माइनिंग 2016; सूचना और बुद्धि मता प्रबंधन सम्मेलन 2015।
- ***प्रा. प्रत्युष दयाल*** सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी

सुविधा के संयोजक थे; संस्थान प्रबंधन प्रणाली के प्रमुख; और बी.टेक. के संकाय सलाहकार (रसायन अभियांत्रिकी), 2016 की कक्षा।

- ***प्रा. अतुल दीक्षित*** स्नातक होने वाले छात्रों के रिकॉर्ड सत्यापन समिति के सदस्य थे; तथा पी. एचडी. प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्य।
- ***प्रा. अरनब दत्ता*** ने विज्ञान समारोह 2016 (सर्व शिक्षा अभियान के तहत) में स्वेच्छा से कार्य किया। वे फाउन्डेशन कार्यक्रम 2016 के संयोजक थे तथा सितम्बर 2016 से संस्थान औद्योगिक यात्रा के समन्वयक थे। वे रसायन विज्ञान के जनवरी 2016 से समन्वयक रहे हैं।
- ***प्रा. सुधीर कु जैन*** विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल के सदस्य चुने गए; और गुजरात राजकीय पेट्रोनेट लिमिटेड के मण्डल के स्वतंत्र निदेशक भी चुने गए हैं।
- ***प्रा. मोहन सी जोशी*** जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित समाकलित समीकरण– घुलनशीलता की जांच पर कार्यशाला के राष्ट्रीय समन्वयक थे, अक्टूबर 19–25, 2015; तथा शारदा विवि में विभिन्न असमानताएं और पी.डी.ई., जनवरी 24–28, 2016। प्रा. जोशी औद्योगिक समस्याओं पर सामूहिक अध्ययन बैठक के संसाधन व्यक्ति थे, एन.पी.डी.ई. द्वारा प्रायोजित, महाराज सयाजीराव विवि, बड़ोदा, मार्च 10–14,2016।
- ***प्रा. आलोक कुमार कानूनगो*** ने प्राचीन भारतीय प्रौद्योगिकी पर तीन मॉडूल वाला पाठ्यक्रम बनाया है तथा उनमें से प्रथम दो मॉडूल पढ़ा रहे हैं। अगस्त 10–14, 2015 के दौरान पत्थर के मनकों का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। प्रा. कानूनगो ने सौरथ हड़प्पन और भागत्रव की मध्यकालीन साइट का पुरातत्व सर्वेक्षण करवाया है, भारूच, गुजरात अप्रैल 8– मई 24, 2015।
- ***प्रा. नितिन खन्ना*** भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ग्रीन कार्यालय के सम्नवयक हैं।
- ***प्रा. हरीष पी एम*** भारतीय नियंत्रण सम्मेलन 2016 की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति के सदस्य थे, हैदराबाद, जनवरी 4–6, 2016। वे आई.ई.ई.ई. नियंत्रण प्रणालियों की संस्था के संपादक मण्डल सम्मेलन के सदस्य थे, 2015–2016।
- ***प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार*** जैवप्रौद्योगिकी के राजकीय केंद्र में 5वें रामलिंगास्वामी सम्मेलन में भाग लेने गए, दिसम्बर 18–20, 2015।
- ***प्रा. एंगस मेकब्लेन*** सीमाएं और सीमावर्ती इलाकों का सच और परिकल्पना में शामिल हुए, जर्मेनिक और रोमांस भाषा विभाग, दिल्ली विवि, जनवरी 11–15, 2016। उन्होंने आत्मइच्छा, विकल्प और बुद्धि की छायाएं पर एक लोक व्याख्यान दिया, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, फरवरी 18, 2016। प्रा. मेकब्लेन वैश्विक आवाजें पाठ्यक्रम में श्री अतुल सिंह के साथ सह–समन्वयक/सह–प्रशिक्षक थे, सं.रा. प्रतिष्ठान, फेयर ऑबजर्वर, और भा.प्रौ. सं. गांधीनगर, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, मार्च 19–20, 2016
- ***प्रा. चेतन पहलजानी*** ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता शोध कार्यक्रम 2015 के सह–समन्वयक थे।
- ***प्रा. रोजा मेरिया*** ने पेरेज गोवाः संस्कृति, भाषाएं और साहित्य की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की , गोवा अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, गोवा, जनवरी 2016।
- ***प्रा. पेड्रो मैनुअल*** सोब्राल पोम्बो आई.एस.सी. टी.ई.– आई.यू.एल. में ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता के चयन समिति के सदस्य थे, लिसबन, मार्च 2016; सर्कुलेशंसः दक्षिण अफ्रीका और उसकी सीमाओं का ना बनना अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की वैज्ञानिक समिति के सदस्य, जोहान्नसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका, नवम्बर 2016। प्रा. पोम्बो धरोहर प्रबंधन केंद्र में आयोजित कला, संस्कृति और धरोहरः एक प्रबंधन नजरिया में भागीदार रहे, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, फरवरी 1–6, 2016; तथा जीवंत अनुभव में अनुसंधानः एथनोग्राफी और उसके परे पर यू.जी.सी.–एस.ए.पी दूसरी राष्ट्रीय युवा अनुसंधान कार्यशाला, शोध विद्वान गोष्ठी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मार्च 4–5, 2016।
- ***प्रा. तन्निष्ठा सामंत*** बाह्य थीसिस परीक्षक के रूप में आमंत्रित थीं, पर्यावरण नियोजन और प्रौद्योगिकी केंद्र, अहमदाबाद, 2015–2016।
- ***प्रा. आनंद सेनगुप्ता*** ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में अनुसंधान और अवरस्नातक शिक्षण पर टी.ई.क्यू. आई.पी. की एक कार्यशाला आयोजित की, अगस्त 2015। वे भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के फुलब्राइट विशेषज्ञ कार्यक्रम के समन्वयक थे जिसमें प्रा. उमेश गर्ग आमंत्रित थे, अगस्त 3–20, 2015।
- ***प्रा. वीरूपक्षी सोप्पिना*** स्नातक छात्रों के रिकॉर्ड सत्यापन समिति के सदस्य हैं। वे भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के छात्रों के 2010, 2011, 2012 और 2015 बैच के जी.पी.एस. सलाहकार भी हैं।
- ***प्रा. बाबजी श्रीनिवासन*** विज्ञान समारोह 2016 में स्वयं सेवियों में से एक थे जो भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में आयोजित हुआ। वे नियंत्रण और गतिशीलता कार्यशाला के समन्वयकों में से एक थे जो भा.प्रौ. सं. गांधीनगर में जनवरी 2016 में आयोजित हुई।
- ***प्रा. दिलीप श्रीनिवास*** सुंदरम यांत्रिक अभियांत्रिकी कार्यक्रम समीक्षा और आउटरीच के समन्वयक थे जो जनवरी 30, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में उद्योग–शिक्षण संबंध मजबूत करने के लिए आयोजित की गई थी।
- ***प्रा. विनीत विशिष्ठ*** टेक लीप्स के संस्करण 1 और 2 के निर्णायक मण्डल के सदस्य थे. टेक लीप्स भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा लिया गया एक

ऐसा कदम है जो छात्रों के बीच तकनीकी संस्कृति और नवीनता के अवसर प्रदान करता है और उन्हें अपने नए विचारों से बनाए गए प्रोटोटाइप के विकास के लिए रु. 1 लाख लेने का मौका देता है। वे ग्रीष्मकालीन अनुसंधान छात्र अंतःशिक्षुता 2016 के संकाय समन्वयक भी थे।

» ***प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती*** ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में एक–सप्ताह तक चलने वाला पाठ्यक्रम सेंसिंग के लिए ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी – सिद्धांत और अनुप्रयोग आयोजित किया, 1–5 फरवरी, 2016, यह शिक्षण नेटवर्क के वैश्विक पहल (जी.आई.ए.एन.) के मा.सं.वि.मं. तंत्र के अंतर्गत है। इसके व्याख्यान स्ट्रेथक्लाइड विवि के प्रा. वॉल्टर जॉनस्टोन, ग्लासगो, यू.के. ने विदेशी विशेषज्ञ के तौर पर और प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती ने लिए। व्यवसायिओं, सरकारी प्रयोगशालाओं के अनुसंधान वैज्ञानिकों, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों के शिक्षाविदों और छात्रों में से कुल 21 प्रतिभागियों को चुना गया था। प्रतिभागी जिन संस्थानों से जुड़े हुए हैं वह इस प्रकार हैं डी.ई.बी.ई.एल.–डी.आर.डी.ओ. बेंगलोर, भा.प्रौ.सं. मद्रास, महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ोदा, एस.आर.एम. विवि, चेन्नई, राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गांधीनगर, अभियांत्रिकी और प्रबंधन विवि, कोलकता, अभियांत्रिकी महाविद्यालय गुंडी–अन्ना विवि, चेन्नई, अभियांत्रिकी और प्रबंधन विवि, जयपुर।

दाखिल किए गए एकस्व अधिकार

» एक कम–लागत का सूक्ष्मनियंत्रक–आधारित स्वास्थ्य जांचने का उपकरण जो बिना किसी परेशानी के मनोवृत्ति सूचकांक नापता है, उदाहरणतः, डायस्टोलिक और सिसटोलिक खून का दबाव, हेमोग्लोबिन, नब्ज की दर, इत्यादि, का विकास और उसका एकस्व अधिकार ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी*** और उनके छात्रों, धवल सोलंकी और पूजन ओझा द्वारा किया गया।

» एक और कम–लागत का घरेलू उपकरण स्मार्ट आई, दौरे से ग्रसित रोगियों के लिए निदान और लक्षण यंत्र का दृष्टि–आधारित उपकरण जो विजुओ–मोटर बैलेंस थेरेपी के लिए भी उपयोगी है, का विकास और उसका एकस्व अधिकार ***प्रा. उत्तमा लाहिड़ी*** और उनके सहभागियों, ***डा. अनिरबन दत्ता*** (आई.एन.आर.आई.ए., फ्रांस) और ***डा. अभिजीत दास*** (निदेशक, न्यूरोविज्ञान संस्थान, कोलकता) द्वारा दाखलि किया गया है।

प्रकाशन

पुस्तकें

» ***जैन, सुधीर कु***, ब्रेज्व, स्वेतलाना; भार्गव, एल ***के***, ***बासु, धीमन, घोष, इंद्रजीत*** और घासियास, कुणाल विनायक', ***सीमित चिनाई. आवासीय निर्माण*** के लिए। आई.एन. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर, 2015।

» ***कानूनगो, आलोक, भारत–पैसिफिक के सामने पापानाईदुपेट के मनकों का मानचित्रण***। नई दिल्ली, आई.एन. आर्यन अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक, 2015, आई.एस.बी.एन. 9788173055478।

» ***कोठारी, रीता*** (टीआर), ***फेंस*** (अरब मेहता, इला). नई दिल्ली, आई.एन. जुबान पुस्तकें, 2015, आई.एस.बी.एन. 9789383074877।

» ***कोठारी, रीता, भाषा के और उसके अंदर सवाल***। भारतीय विकास के परिप्रेक्ष्य, नई श्रंखला 47। नई दिल्ली, आई.एन. नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, 2015, आई.एस.बी.एन.9789383650637।

» सूर्यनारायण, नारसीपुर वी एवं ***दलवी, समीर वी, अभियांत्रिकी ताप और मास स्थानांतरण***। मुंबई, आई.एन- पेनराम अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 2015, आई.एस.बी.एन. 9788187972945।

» ***विनोद, वी, प्राचीन भारतीय सिक्कों की पुस्तिका.*** एक अध्ययन। केरला, आई.एन. उनमा प्रकाशन, आई.एस.बी.एन. 9788189415105।

संपादित पुस्तकें

» बर्न्ट, ब्रूस सी; ***दीक्षित, अतुल***, रियूटर, विक्टोरिया जेय जू, पिंग और युत्तनान, बूनरॉड एड, ***प्राथमिक स्तर पर रामानुजन. झलकियां, तिरुचिरापल्ली***, आई.एन. रामानुजन गणित संस्था, 2016।

» ज्यूसफेल्ड, मैनफ्रैड ए एवं ***केरलापालेम, कमलाकर***, एड., ***सैद्धांतिक मॉडलिंग में प्रगति***, केम, सी.एच. स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 2015, आई.एस.बी.एन. 978–3–319–25747–1

» कपूर, कपिल एवं ***डैनीनो, मिशैल***, एड., ***भारतीय ज्ञान परंपराएं और प्रथाएं***. 12वीं कक्षा की पुस्तिका, नई दिल्ली, आई.एन.; माध्यमिक शिक्षा केंद्रीय मण्डल, 2015।

» ***मंजली, जयसन ए*** और इंदुरख्या, बिपिन, एड., ***संज्ञानात्मकता, अनुभव और रचनात्मकता***, नई दिल्ली, आई.एन.; ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2015, आई.एस.बी.एन.; 9788125057314।

» ***मेहरोत्रा, सूर्य प्रताप*** एवं साह, प्रजापति प्रसाद, एड., ***चौथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान. भा.प्रौ.सं. कानपुर की कथा*** (1960–2010), हरियाण, आई.एन.; पेंगुइन पुस्तक भारत प्रा. लि., 2015, आई.एस.बी.एन.; 9780670088256।

पुस्तकों के अध्याय

» आदित्य, अरीफय हलीम, इश्कांदर एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "उत्पादन कड़ी की स्थिरता की गतिशीलता संवेदन आधारित समीक्षा", संगणक से सहायता प्राप्त रसायन अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.; 10.1016–978–0–444–63472–6.00015–x, एलजेवियर, 2015, पीपी 385–399।

» ***चावला, मनीषा*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी***, "दो विकल्पों वाले निर्णय लेने वाले कार्य में पहले विकल्प का प्रभाव", न्यूरल सूचना प्रसंस्करण में, डी.ओ.आई.; 10.1007/978–3–319–26535–3–53, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, नवम्बर 2015, पीपी 467–474।

» ***दास, बिरेस्वर***, एंडुरी, ***मुरली कृष्ण*** और ***रेड्डि, आई विनोद***, "बाउंडेड ट्री–विथ ग्राफ्स के लिए लॉगस्पेस एवं एफ.पी.टी. एलगोरिदम", डब्लू.ए.एल.सी.ओ.एम.; एलगोरिदम और कम्प्यूटेशन में, डी.ओ.आई.; 10.1007/978–3–319–15612–5–30, केम: स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 2015, पीपी 329–334, आई.एस.बी.एन.; 978–3–319–15611–8।

» जरीवाला, रुशीय पाटीदार, रोहन एवं जॉर्ज, नितिन वी, "कोएटिक प्रणाली पहचान के लिए एक लेवी आंतरिक सर्च एलगोरिदम", मेंडेल 2015: हाल ही के सॉफ्ट कम्प्यूटिंग की प्रगति, डी.ओ.आई.; 10.1007/978–3–319–19824–8–11, खंड 378, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, 2015, पीपी 137–147, आई.एस.बी.एन.; 9783319198231।

» ***किरुबाकरण, शिवप्रिया*** एवं ***थिरुवेण्कटम, विजय***, "जैविकचिकित्सा रसायन विज्ञान, और अभियांत्रिकी में सूक्ष्मप्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोग", जैविचिकित्सा, रसायन विज्ञान, और अभियांत्रिकी में सूक्ष्मप्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोगों पर शोध पुस्तिका, डी.ओ.आई.; 10.4018/978–1–4666–6363–3.बी001, आई.जी.आई. वैश्विक, 2015, आई.एस.बी.एन.; 9781466663633।

» ***कोठारी, रीता***, "नाम दूसरे लोगों की भाषा के लिए होते हैं: भारतीय भाषा और अनुवाद की पुन: यात्रा", पूर्वी ट्रांस्लेटोलॉजी में एजेन्सी और पेट्रोनेज, न्यूकेसल: कैमब्रिज विद्वान प्रकाशन, 2015, पीपी 111–126, आई.एस.बी.एन.; 9781443878777।

» ***मुखर्जी, सुमितवा***; ***मंजली, जयसन ए*** और ***कुमार, नीरज***, "रचनात्मक संज्ञान में धन की भूमिका", संज्ञान, अनुभव और रचनात्मकता में, नई दिल्ली, आई.एन.; ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2015, पीपी 231–243 आई.एस.बी.एन.; 9788125057314।

» ***रेड्डि, श्रीनिवास***, "तेलुगु में बनाओ: संरक्षक, लेखक और लेख को वैधता प्रदान करना", पूर्वी ट्रांसलेटोलॉजी में एजेन्सी और संरक्षक, न्यूकेसल: कैमब्रिज विद्वान प्रकाशन, 2015, पीपी 127–142, आई.एस.बी.एन.; 9781443878777।

» ***सिंह, उमेश***; पाटन, अमीर' और पधियार, नितिन, "नाइट्रोबेंजीन के एनीलीन में घट जाने में बीचेंप प्रक्रिया का काइनेटिक अध्ययन", रसायन और जैविकप्रक्रिया अभियांत्रिकी: रुझान और विकास, बोका रेटन: सी.आर.सी. प्रेस, 2015, पीपी 75–89, आई.एस.बी.एन.; 9781771880770।

» ***थॉमस, पूजा***", "एक रूपक की तरह संग्रहालयरू अहमदाबाद में एक काल्पनिक राजनीति", मीडिया और काल्पनिक आदर्श इतिहास, कल्पना और प्रौद्योगिकी, रूटलेज, 2015।

» ***वाकणकर, सिद्धार्थ वाई***, "प्राचीन भारतीय गनजिफा (मराठी में)", डा गौरी मधुलिकर के सम्मान में गौरी गौरावम/फेट्सक्रिप्ट, मुबई: मोहिनीराज उद्यम, अगस्त 2015, पीपी 482–493।

रिपोर्ट

» ***कुमार, मनीष***, व्हिटाकर, ए एस और कॉन्सटेनटीनो, एम सी, "स्लाइडिंग बीयरिंग्स की मदद से परमाणु ऊर्जा यंत्रों के सीसमिक आइसोलेशन", भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान का बहुविषयक केंद्र, बफैलो विवि और न्यू यॉर्क राजकीय विवि, सं.रा., तकनीकी रिपोर्ट एम.सी.ई.ई.आर.–15–0006, दिसम्बर 2015।

» ***सामंत, तन्निष्ठा, जोलड, शिवकुमार, गुंडी, मुक्ता*** और ***सुब्रमणियम, मालविका***, "जिला मानव विकास रिपोर्ट–अहमदाबाद – 2015", भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, जिला मजिस्ट्रेट, अहमदाबाद और गुजरात सामाजिक आधारभूत ढांचा विकास मण्डल, गुजरात सरकार, गांधीनगर, आई.एन., 2015।

पत्रिका पत्र

» ***आधी, ए****; वैइती, प्रवीन; चित्रभानु, पीय सल्ला, गांगी रेड्डि; प्रभाकर, शशि एवं सिंह, रवीन्द्र पी, "वेक्टर वोर्टेक्स तरंगों के नॉन–कोएक्सियल सुपरपोजीशन", एप्लाइड ऑप्टिक्स, डी.ओ.आई.; 10-1364/AO-55-001107, खंड 55, क्रम 5, फरवरी 2016।

» ***अग्निहोत्री, हर्ष****; ***परमशिवम, महालिंगवेलर***, मंडे, हेमंत; घलसासी, प्रसन्ना एवं कन्वाह, श्रीराम, "4–पाइरीडिलबूटाडीन्स से बदला गया अमीनोरू संश्लेषण और फ्लूरोसेंस जांच", डाइ और पिगमेंट्स, डी.ओ.आई.; 10-1016/j-dyepig-2015-08-018, खंड 123, पीपी 341–348, दिसम्बर 2015।

» ***अग्निहोत्री, हर्ष****; ***परमशिवम, महालिंगवेलर***, ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "ट्रास ऑर्थो–, मेटा–, पारा– नाइट्रो डाइरिलबूटाडीन में फोटोआइसोमेराइजेशन: एक रीजियोसिलेक्टिविटी मामला", फोटोसायन विज्ञान एवं फोटोजैविकी, डी.ओ.आई.; 10-1111/php-12504, खंड 91, क्रम 6, पीपी 1324–1331, नवम्बर/दिसम्बर 2015।

» ***अग्निहोत्री, हर्ष****; ***वासु, अनुजी के****; ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "न्यूट्रल और केटियोनिक पाइरिलबूटाडीन: सोडियम कोलेट के साथ सोलवेटोक्रोमिज्म और फ्लूरोसेंस की प्रक्रिया", फोटोरसायनिक और फोटोजैविकी विज्ञान, डी.ओ.आई.; 10-1039/C5PP00179J, खंड 14, क्रम 12, पीपी 2159–2167, अगस्त 2015।

» ***अग्रवाल, सिल्की****; ***जॉर्ज, नितिन वी*** और ***प्रशांत, अमित***, "कमजोर संवेदकों के बदले हुए एस–ट्रांसफोर्म की मदद से जी.पी.आर. डाटा जांच", जियोतकनीकी और भूगर्भीय अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.; 10-1007/s10706–015–9893–5, खंड 33, क्रम 5, पीपी 1167–1182, अक्टूबर 2015।

» ***अजमेरा, दर्शन**** और ***पाण्डा, एमिला***, "एएल–एमजी सम्मिश्रित / ातुओं पर अल्ट्रा–थिन ऑक्साइड के ओवरग्रोथ की थर्मोडायनामिक्स: इंटरफेस ऊर्जा की भूमिका", करोजन विज्ञान, डी.ओ.आई.; 10-1016/j-corsci-2015-10-035, खंड 102, पीपी 425–436, जनवरी 2016।

» आकर्श, ए एवं ***मिश्रा, विमल***, "भारत में भोजन सुरक्षा और जल प्रबंधन में उन्नति के लिए वनस्पतियों में खराबी का पूर्वानुमानरू भारत में एन.डी.वी.आई. पूर्वानुमान", जियोभौतिकी अनुसंधान पत्र, डी.ओ.आई.; 10-1002/2015GL063991, खंड 42, क्रम 13, पीपी 5290–5298, जुलाई 2015।

» एलेक्स, टी सी; कुमार, राकेश; रॉय, एस के एवं ***मेहरोत्रा, एस पी***, "एएल–ऑक्सीहाइड्रोऑक्साइड खनिज का यांत्रिक धातुकर्म– एक समीक्षा", खनिज प्रसंस्करण और एक्सट्रेक्टिव धातुकर्म रिवयू, डी.ओ.आई.; 10-1080/08827508-2015-1055626, खंड 37, क्रम 1, पीपी 1–26, फरवरी 2016।

» अली, अहमद फराग एवं ***मजुमदर, बरुन***, "दि इटरनल रेनबो यूनिवर्स", सैद्धांतिक भौतिकी की इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका, खंड 12, क्रम आई.वाई. एल.15–34, पीपी 173–182, दिसम्बर 2015।

» अली, अहमद फराग; फैजल, मीर; ***मजुमदर, बरुन*** एवं मिस्त्री, रवि, "गुरुत्वाकर्षण इंद्रधनुष में गुरुत्वाकर्षण गिरावट", आधुनिक भौतिक विज्ञान में ज्यामिती पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.; 10-1142/S0219887815500851, मई 2015।

» ***अमृत्य, संजय***, एवं दुबे, उमेश, "क्रोनेकर–मेकके मॉड्यूल और इक्वीवेरिएंट शीव्स के मॉड्यूलाई", गणित की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.; 10-1142/S0129167X15500925, खंड 26, क्रम 11, अक्टूबर 2015।

» ***अमृत्य, संजय***, "ऑन फाल्टिंग्स पेराबोलिक थीटा फंक्शन", आर्किव डेर मेथमेटिका, डी.ओ.आई.; 10-1007/s00013–016–0873–7, खंड 106, क्रम 3, पीपी 229–235, मार्च 2016।

» एंड्रू, जॉर्ज ई; ***दीक्षित, अतुल*** एवं यी, ए जा, "रामानुजनथ्योटसन मॉक थीटा फंक्शन से जुड़े हुए विभाजन", अंक सिद्धांत में शोध, डी.ओ.आई.; 10-1007/s40993–015–0020–8, खंड 1, क्रम 1, दिसम्बर 2015।

» ***अपूर्व चौतन्य, एन****; ***आधि, ए****; जबीर, एम वी एवं सामंत, गौतम के, "उच्च–ऊर्जा, बहुत तेज वॉर्टेक्स तरंगों की आवृत्ति–दोगुनी होने वाली विशिष्टता", ऑप्टिक्स पत्र, डी.ओ.आई.; 10-1364/OL-40-002614, खंड 40, क्रम 11, पीपी 2614–2617, जून 2015।

» ***अपूर्व चौतन्य, एन****; ***आधि, ए****; जबीर, एम वी एवं सामंत, गौतम के, "उच्च ऊर्जा, उच्च पुनरावृत्ति दर, वाईबी–फाइबर लेसर आधारित फेमटोसेकेन्ड स्रोत जो 355 एन.एम. में है", ऑप्टिक्स पत्र, डी.ओ.आई.; 10-1364/OL-40-004269, खंड 40, क्रम 18, सितम्बर 2015।

» अवाले, वैभव एवं ***हबलानी, हरी बी***, "स्वायत्त पानी के भीतर नौचालन के लिए अनावश्यक सहायता प्राप्त–इनर्शियल संवेदकों का विकेन्द्रीकृत कालमन फिल्टर", सुरक्षा विज्ञान पत्रिका, डी.ओ.आई.; 10-14429/dsj-65-8874, खंड 65, क्रम 6, पीपी 425–430, नवम्बर 2015।

» बम्भानिया, गुलाबय गोस्वामी, श्रुबाबाती; खान, सुब्रता; कोनार, पार्थ एवं ***मण्डल, तण्मय****, "विशाल हेड्रन कोलाइडर में पुन:निर्मित झूले के मॉडल के संकेतों का पता लगाना", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.; 10-1103/PhysRevD-91-075007, खंड 91, क्रम 7, अप्रैल 2015।

» बम्भानिया, गुलाब; खान, सुब्रत; कोणार, पार्थ एवं ***मण्डल, तण्मय****, "एल.एच.सी. में कासीडीजनरेट न्यूट्रीनोस एवं हस्ताक्षरों तक झूले वाले मॉडल की बाधाएं", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.; 10-1103/PhysRevD-91-095007, खंड 91, क्रम 9, मई 2015।

» बैनर्जी, नारायण एवं ***मजुमदर, बरुन***, "आइंसटाइन और जॉर्डन फ्रेम की समानताओं पर एक सवाल", भौतिक विज्ञान पत्र बी, डी.ओ.आई.; 10-1016/j-physletb-2016-01-022, खंड 754, पीपी 129–134, मार्च 2016।

» ***बारिक, सुवाकांत****; कुमार, आशुतोष; शबरी सरकार; यादव, संदीप; गौतम, वैभवय सिंह, अर्चिताय सिंह, शर्मिला एवं शंकर, आनंद के, "विविध वनस्पति प्रजाति में एमआई.आर.167एस और उनके लक्ष्यों की क्रमागत प्रगति पैटर्न और कार्यात्मक संरक्षण तथा विचलन", वैज्ञानिक रिपोर्ट, डी.ओ.आई.% 10-1038/srep14611, खंड 5, अक्टूबर 2015।

» ***बरुआ, रेनिका****; ***दीक्षित, मर्म****; ***बसरकर, प्रतीक****; ***पारिख, ध्रुपद**** एवं ***मार्गव, अतुल***, "इथेनॉल ऑटोथर्मल सुधार में प्रगति", नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-rser-2015-07-060, खंड 51, पीपी 1345–1353, नवम्बर 2015।

» बसक, तनुश्रीय मोहंती, सुमेन्द्र एवं ***तोमर, गौरव****, "डार्क लेफ्ट–राइट गॉज मॉडल में ए.एम.एस.–02 पोसीट्रॉन की अधिकता और मुओन नियमविरुद्ध चुंबकीय गति की व्याख्या", उच्च ऊर्जा भौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.% 10-1007/JHEP03(2016)062, खंड 3, क्रम 1, मार्च 2016।

» ***बासु, धीमन*** तथा गिरि, संदेश, "टॉर्शनल भूमि हलचल की वजह से बहुमंजिला इमारत में आकस्मिक विकेन्द्रता", भूकंप अभियांत्रिकी बुलेटिन, डी.ओ.आई.% 10-1007/s10518–015–9788–0, खंड 13, क्रम 12, पीपी 3779–3808, दिसम्बर 2015।

» ***बासु, धीमन***, व्हिटाकर, एंड्रू एस एवं कॉन्सटेनटीनो, माइकल सी, "सतही वितरण पद्धति और नमूनों के ढांचों की प्रतिक्रिया की मदद से भूकंप के घूमने वाले पुर्जों का विश्लेषण", अभियांत्रिकी संरचनाएं, डी.ओ.आई.% 10-1016/j-engstruct-2015-05-029, खंड 99, पीपी 685–707, सितम्बर 2015।

» बेकात्तिनी, एफय इंघीरामी, जीय रोलान्डो, वीय बेराउडो, एय डेल जेना, एलय डे पेस, एय नारडी, एमय पेगलियारा, जी एवं ***चंद्रा, विनोद***, "उच्च ऊर्जा परमाणु टकरावों में वोर्टिसिटी निर्माण का अध्ययन", यूरोपियन भौतिकी पत्रिका सी, डी.ओ.आई.% 10-1140/epjc/s10052–015–3624–1, खंड 75, क्रम 9, सितम्बर 2015।

» ***भाकुनि, रश्मि*** और ***मूथा, प्रतीक के***, "सामान्य आयु बढ़ने में बाईमेनुअल मोटर क्रम को सीखना", एजिंग न्यूरोसाइंस के फ्रंटियर्स, डी.ओ.आई.% 10-3389/fnagi-2015-00076, खंड 7, क्रम 76, अप्रैल 2015।

» ***मल्ला, पंकज**** और सिंह, नवीनदेर, "फंक्शन फोर्मेलिज्म की चेतना से सामान्यीकृत ड्रूड का बिखराव; शारापॉव–कार्बोट परिणाम की एक स्वतंत्र जांच", यूरोपियन भौतिक विज्ञान पत्रिका बी, डी.ओ.आई.% 10-1140/epjb/e2016–60799–9, खंड 89, क्रम 2, फरवरी 2016।

» ***भट्टाचार्जी, श्रीजित****; ***सरकार, सुदीप्ता*** एवं वॉल, आरोन सी, "वर्गाकार वक्रता गुरुत्व में होलोग्राफिक एंट्रॉपी", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.% 10-1103/PhysRevD-92.064006, खंड 91, क्रम 6, सितम्बर 2015।

» भट्टाचार्य, अमलवा; संदीप, किजूर; ***मिश्रा, संध्या****; शंकर, राजसेखरिया; वार्यिर, अनीश केय वेइजियान, झाउ और जूफेंग, लू, "दक्षिणी भारत में पिछले 3100 वर्षों में वनस्पति और मौसमी बदलावरू पॉलेन, चुंबकीय संवेदनशीलता और कणों के आकार के डाटा के प्रमाणों से", वातावरणी पृथ्वी विज्ञान, डी.ओ.आई.% 10-1007/s12665–015–4415–6, खंड 74, क्रम 4, पीपी 3559–3572, अप्रैल 2015।

» ***भवसार, पुनीतकुमार****; ***श्रीनिवासन, बाबजी*** और ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "असामान्य परिस्थितियों में मानव त्रुटि से बचने के लिए ऑपरेटर के संज्ञानात्मक कार्यभार के लिए पपीलोमीटरी आधारित निगरानी", औद्योगिक और अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान अनुसंधान, डी.ओ.आई.: 10-1021/acs-iecr-5b03685, खंड 55, क्रम 12, पीपी 3372-3382, मार्च 2016।

» ***बिष्ट, अनुज****; झांग, पेंगय शिवकुमारा, चिक्कादासप्पा और ***शर्मा,*** सुधांशु, "पीटी डाला गया और पीटी सहयोगप्राप्त La1&ÜSrÜCoO3: फॉर्मिक अम्ल में सीओ विशैलीकरण प्रभाव और पीटी धातु की तुलना में मीथेनॉल इलेक्ट्रो–ऑक्सीडेशन में पीटी4 की कम सक्रियता, भौतिक रसायन विज्ञान पत्रिका सी, डी.ओ.आई.% 10-1021/acs-jpcc-5b01241, खंड 119, क्रम 25, पीपी 14126–14134, मई 2015।

» चान, लाउ माई और ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "संगणनात्मक कुशल सिमुलेशन–ऑप्टिमाइजेशन के लिए एक हाइब्रिड सीपीयू– ग्राफिक्स प्रसंस्करण इकाई का दृष्टिकोण", संगणक और रसायन अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.% 10-1016/j-compchemeng-2016-01-001, खंड 87, पीपी 49–62, जनवरी 2016।

» ***चंद्रा, नवीन****; लाल, एसय वेण्कटरमणी, एसय पात्रा, पी के एवं शील, वी, "पश्चिमी भारत में अहमदाबाद में सीओ2 और सीओ की अस्थायी विभिन्नताएं", पर्यावरणीय रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान चर्चाएं, डी.ओ.आई.% 10-5194/acpd–15–32185–2015, खंड 15, क्रम 22, पीपी 32185–32238, नवम्बर 2015।

» ***चंद्रा, विनोद***, एवं श्रीकांत, वी, "चिपचिपे क्वार्क–ग्लूऑन प्लाज्मा

माध्यम और अभाव के जरिए डाइलेप्टन उत्पाद के क्वार्क और ग्लूऑन वितरण", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.% 10-1103/PhysRevD-92-094027, खंड 92, क्रम 9, नवम्बर 2015।

» ***चट्टोपाध्याय, टी***'; वाडवाले, एस वीय गोयल, एस केय एन पी एस, मिथुनय पटेल, ए आरय शुक्ला, आरय लदिया, टी; शनमुगम, एम; पटेल, वी आर एवं उबाले, जी पी, "एक कठोर एक्स–रे फोकल प्लेन कॉम्पटन पोलेरीमीटर का विकासः सिंटीलेटर्स और एसआई फोटोमल्टीप्लायर्स के संकुचित पोलेरीमेट्रिक विन्यास", प्रयोगात्मक खगोल शास्त्र, डी.ओ.आई.% 10-1007/s10686–015–9481–ल, खंड 41, क्रम 1–2, पीपी 197–214, फरवरी 2016।

» ***चिल्का, पल्लवी***'; फिलिप्स, सारा एवं ***दत्ता, भास्कर***, "टाइरोसीनेज गतिविधि के लिए डी.एन.ए. टेम्पलेट की मदद से अवरोध", जैविकी मेक्रोमोलीक्यूल्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.% 10-1016/j-ijbiomac-2015-04-039, खंड 79, पीपी 278–283, अगस्त 2015।

» कोर्डेरो–एरियास, एल; काबानास–पोलो, एस; गौडूरी, ओ एम; ***मिश्रा, सुपर्ब*** केय गिलाबर्ट, जे; वलसामी–जॉन्स, ई; सेंचेज, ई; विर्तनेन, एस एवं बोक्कासिन्नी, ए आर, "जीवाणुरोधी अनुप्रयोगों के लिए जेडएनओ/एल्गीनेट और जेडएनओ–बायोएक्टिव शीशे/एल्गीनेट कॉमपोजिट कोटिंग्स की इलेक्ट्रोफोरेटिक जमावृत्ति", पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी; सी, डी.ओ.आई.; 10-1016/j-msec-2015-05-034, खंड 55, पीपी 137–144, अक्टूबर 2015।

» ***दालवी, समीर वी*** एवं ***यादव, मनीषकुमार डी***', "तरल ना विलायक प्रेसीपिटेशन के दौरान न्यूक्लिएसन काइनेटिक्स पर अल्ट्रासाउन्ड और स्टेबलाइजर्स का प्रभाव", अल्ट्रासोनिक्स सोनोरसायन विज्ञान, डी.ओ. आई.: 10-1016/j-ultsonch-2014-11-016, खंड 24, पीपी 114–122, मई 2015।

» ***दामोदरण, मुरली*** एवं ***भंडारी, नीलेश***', "पम्प के निष्पादन की विशेषता के आंकलन के लिए उच्च विश्वस्तता संगणनात्मक पद्धति", पम्प्स, वॉल्व्स और प्रणालियां, खंड 6, क्रम 5, पीपी 296–310, मई 2015।

» ***दास, लया***'; ***श्रीनिवासन, बाबजी*** और रेंगास्वामी, रघुनाथन, "नियंत्रण लूप प्रदर्शन मूल्यांकन के साथ डाटा माइनिंग को एकीकृत करने के लिए एक अनोखा ढांचा", ए.आई.सीएच.ई पत्रिका, डी.ओ.आई.% 10-1002/aic-15042, खंड 62, क्रम 1, पीपी 146–165, जनवरी 2016।

» ***दास, लया***'; ***श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं रेंगास्वामी, रघुनाथन, "हर्स्ट एक्सपोनेंट और महालानोबिस दूरी के साथ बहुवेरिएट नियंत्रण लूप प्रदर्शन का मूल्यांकन", नियंत्रण प्रणाली प्रौद्योगिकी के आई.ई.ई.ई. पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1109/TCST-2015-2468087, क्रम 99, सितम्बर 2015।

» ***दास, सरोज कुमार***'; ***बेदर, अमिता***'; कन्नन, आदित्य और जसूजा, कबीर, "अल्ट्रासोनिकेसन से सहयोग प्राप्त एक्सफोलिएशन द्वारा कुछ–परत–मोटा रासायनिक बदलाव वाला मेगनीशियम डाइबोराइड नेनोशीट का जलीय फैलाव", वैज्ञानिक रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1038/srep10522, खंड 5, जून 2015।

» ***दास, सुदीप्ता*** और ***गुप्ता, इति***, "ट्राइफेनाइलोमीन से बदले गए डाईपेरीनेटो धातु जटिलताएंरू संश्लेषण, ऑप्टिकल और विद्युतरसायनिक अध्ययन", अजैवी रसायन विज्ञान संचार, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-inoche-2015-07-019, खंड 60, पीपी 54–60, अगस्त 2015।

» ***डेसांटिस, ऐमी एस***, कुजवा, क्रिस्टोफर डब्लू एवं ऐडम, ऐम्मा के, "फ्लैटर कोर्टिसोल लय की विकासात्मक उत्पत्तिः सामाजिक आर्थिक स्थिति और वयस्क की कोर्टिसोल गतिविधि", मानव जैविकी की अमेरिकन पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1002/ajhb-22668, खंड 27, क्रम 4, पीपी 458–467, जुलाई 2015।

» डे, पलाश; ***मिश्रा, नीलधारा*** और नरहारी, वाई, "चुनाव में सम्भावित विजेता और गठबंधन के हेरफेर की समस्याओं में कर्नेलाइजेशन की जटिलता", सैद्धांतिक संगणक विज्ञान, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-tcs-2015-12-023, खंड 616, पीपी 111–125, फरवरी 2016।

» धूरिया, मानसी; ***हती, चंदन***' और सरकार, उत्पल, "E6 प्रेरित छ मॉडल में सी.एम.एस. बढ़त, बेरियोजेनेसिस, और न्यूट्रीनो मासेस का वर्णन", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevD-93-015001, खंड 93, क्रम 1, जनवरी 2016।

» धूरिया, मानसी; ***हती, चंदन***'; रंगराजन, रागवन एवं सरकार, उत्पल, "एल.एच.सी. पर टी.ई.वी. स्केल डब्लू.आर्. के लिए फॉल्सीफाइंग लेप्टोजेनेसिस", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevD-92-031701, खंड 92, क्रम 3, अगस्त 2015।

» डाइटेरेले, जोहान्नेस; ब्रोच, केथेरीना; हिंडरहॉफर, ऐलेक्जेंडर; फ्रेंक, हीको; नोवाक, जिरि; गरलेक, एलेक्जेंडर; ब्लूयर, टोबियास; ***बैनर्जी, रूपक***; विटे, ग्रेगर और श्रीबर, फ्रेंक, "पीसेने–परफ्लूरोपेंटासीन एवं पीसेने–पेंटासीन ब्लेंड की संरचनात्मक विशेषताएं: सुपरलेटिस गठन बनाम सीमित इंटरमिक्सिंग", भौतिकरसायन विज्ञान पत्रिका सी, डी.ओ.आई.: 10-1021/acs-jpcc-5b08866, खंड 119, क्रम 47, पीपी 26339–26347, नवम्बर 2015।

» ***दीक्षित, अतुल***; रॉय, अरिंदम और जहारेसकू, ऐलेक्जेंड्रू, "रीज प्रकार का मानदंड और थीटा बदलाव का एनेलोग", आंकिक सिद्धांत पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jnt-2015-08-005, खंड 160, पीपी 385–408, मार्च 2016।

» ***दीक्षित, मर्म***'; ***मेनन, अपर्णा***'; ***बरुआ, रेनिका***'; ***भार्गव, अतुल*** और ***शर्मा, सुधांशु***, "लेंथेनम ऑक्साइड और निकल–लेंथेनम ऑक्साइड केटेलिस्ट्स की ऑक्सिडेटिव सक्रियता", प्रतिक्रिया काइनेटिक्स, क्रियाविधि और उत्प्रेरण, डी.ओ.आई.: 10-1007/s11144–015–0864–•, खंड 115, क्रम 2, पीपी 611–624, अगस्त 2015।

» दुहन, परदीप; ***गनेरीवाला, मोहित डी***'; राव, वी रामगोपाल एवं ***मोहापात्र, निहार रंजन***, "उच्च– के गेट धातु एनएम.ओ.एस. ट्रांजिस्टर में नियमविरुद्ध चौड़ाई पर निर्भरता", आई.ई.ई.ई. इलेक्ट्रॉन उपकरण पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1109/LED-2015-2440445, खंड 36, क्रम 8, पीपी 739–741, अगस्त 2015।

» दत्ता, अनिरबन; ***कुमार, दीपेश***'; ***लाहिड़ी, उत्तमा***; दास, अभिजीत और पदमा, एम वी, "एक अनुकूली बहु–स्तरीय इलेक्ट्रोथेरेपी के अंतर्गत आघात के पश्चात संतुलन का पुनर्वासनः चिकित्सीय परिकल्पना और संगणनात्मक ढांचा", न्यूरोविज्ञान और जैविकचिकित्सीय अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.: 10-2174/2213385203666150213231656, खंड 3, क्रम 2, अप्रैल 2015।

» ***दत्ता, अरनब***, जिनोव्सका, बोजना; राउगी, सिमोन; रॉबर्ट्स, जॉन ए एस एवं शॉ, वेंडी जे, "बाहरी समन्वयक गेंद की कार्यक्षमताओं के साथ एच2 ऑक्सीडेशन उत्प्रेरक के उपयोग के लिए नियंत्रण सीमाएं", डेल्टन पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1039/C6DT00280C, फरवरी 2016।

» ***दत्ता, अरनब***, लेंस, शेरीय रॉबर्ट्स, जॉन ए एसय हेल्म, मोन्टे एल एवं शॉ, वेंडी जे, "[Ni(PCy2NPyz2)2]2 की मदद से एच2 ऑक्सीडेशन पर विलायक और बाहरी समन्वयक की भूमिका", यूरोपियन अजैविकीरसायन विज्ञान पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1002/ejic-201500732, अक्टूबर 2015।

» ***द्विवेदी, गौरव*** और ***त्यागी, जगमोहन***, "बायहार्मोनिक ऑपरेटर्स के केस्सियोपोली असमानता पर एक टिप्पणी", गणित मेडिटेरेनियन पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1007/s00009–015–0620–5, जुलाई 2015।

» ***द्विवेदी, गौरव*** और ***त्यागी, जगमोहन***, "बायहार्मोनिक ऑपरेटर्स के लिए मात्रात्मक टिप्पणियां", गणित तायवानीज पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-11650/tjm-19-2015-5566, खंड 19, क्रम 6, पीपी 1743–1758, दिसम्बर 2015।

» फैजल, मीर एवं ***मजुमदेर, बरुन***, "लिफशीट्ज क्षेत्रीय सिद्धांतों में सामान्यीकृत अनिश्चितता सिद्धांत का समावेश", भौतिक विज्ञान की एन्नल्स, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-aop-2015-03-022, खंड 357, पीपी 49–58 जून 2015।

» ***फुलपगारे, योगेश***'; ***महामुनि, गौरव*** और ***भार्गव, अतुल***, "डाटा केंद्र प्रदर्शन में प्लीनम चेंबर बाधाओं का प्रभाव", एप्लाइड ऊष्ण अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-applthermaleng-2015A01-065, खंड 80, पीपी 187–195, अप्रैल 2015।

» गेब्रेब, सैमसन वाई; डाइज रूक्स, एना वी; ब्रेनर, एलीसन बी; हिकसन, डैमार्क ए; सिम्स, मारियो; ***सुब्रमणियम, मालविका***; ग्रिसवर्ल्ड, माइकल ई; वैट, शैरॉन बी एवं जेम्स, शरमन ए, "अफ्रीकन अमेरिकन लोगों में हृदय और रक्तवाहिकाओं के रोगों की घटनाओं में सामाजिकआर्थिक परिस्थितियों पर प्रभावः जैकसन हृदय अध्ययन", अमेरिकन हृदय संघ पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1161/JAHA-114-001553, खंड 4, क्रम 6, पीपी म001553–म001553, मई 2015।

» ***घोरोई, चिण्मय***, वेण्कटेश्वरण, डी. और सुरेश, अक्किहेब्बल के, "ठोस पदार्थों के प्रसंस्करण में थर्मोकाइनेटिक जांच की आलोचनाः सीमेंट उद्यम का अध्ययन", थर्मोकेमिका एक्टा, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-tca-2015-09-010, खंड 618, पीपी 56–66, अक्टूबर 2015।

» घोष, मोनोजीतय घोषाल, पोमिताय गोस्वामी, रूरुबाबातीय ***नाथ, न्यूटन*** और राउत, सुशांत के, "टी2के, एनओ.वी. ए और आई.सी.ए. एल. द्वारा न्यूट्रीनो ऑस्कीलेशन मापदंडों और उनके रेजोलूशन में न्यू लुक डीजेनेरेसी", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevD-93-013013, खंड 93, क्रम 1, जनवरी 2016।

» ***गोटमारे, अखिलेष***'; ***पाटीदार, रोहन***' और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "एक कुकू सर्च अनुकूलित हैमर्स्टीन मॉडल के सहायता से नॉनलीनियर प्रणाली की पहचान" विशेषज्ञ प्रणालियों के साथ अनुप्रयोग, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-eswa-2014-10-040, खंड 42, क्रम 5, पीपी 2538–2546, अप्रैल 2015।

» ***गुप्ता, इति; बालसुकुरी, नरेश***' और ***दास, सुदीप्ता***', "कार्बाजोल–कोरोले और कार्बाजोल–प्रोफाइरिन डायेडरू संश्लेषण, फ्लूरोसेंस और विद्युतरसायनिक अध्ययन" रसायन विज्ञान की नई पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1039/C4NJ01086H, खंड 39, क्रम 1, पीपी 482–491, 2015।

» ***गुप्ता, इति; मणि, वेदमलाय***; केदारिया, धवल; वसिता, राजेश एवं मोरी, शिगेकी, "बी.ओ.डी.आई.पी.वाई.–क्लिकेट्स आधारित Hg2 संवेदकों का डिजाइन और संश्लेषणः सिग्नल ट्रांस्लूडेशन पर Hg2 के साथ ट्रायजोल बाइंडिंग मोड का प्रभाव", डेल्टन रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5DT04042F, खंड 45, क्रम 6, पीपी 2700–2708, 2016।

» ***हदियनवाला, मुर्तजा*** और ***दत्ता, भास्कर***, "जिंक मेटेलोएंजाइम मॉडूलेटर्स की तरह सलफोनीलूरिया डेरीवेटिव्स का डिजाइन और

विकास", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA27341B, खंड 6, क्रम 11, पीपी 8923–8929, जनवरी 2016।

» हलीम, इस्कांदर; आदित्य, अरीफ और ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "अनेक उद्देश्यों से अनुकूलतम पानी का पुनरोपयोग का नेटवर्क संश्लेषण करने के लिये आनुवांशिक कलनविधि का एक अनोखा आवेदन ", रसायन अभियांत्रिकी शोध एवं डिजाइन, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-cherd-2015-05-015, खंड 100, पीपी 39–56, अगस्त 2015।

» हरि प्रकाश, एन; शर्मा, बोरनाली; ***गोपी, सुपिन*** एन शर्मा, अरुन, "एक डी.सी. चमक उपयोग करके पटसन की परत और नमी चरित्र निष्क्रिय गैस प्लाज्मा को रिहा करता है", उपकरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डी.ओ.आई.: 10-1080/10739149-2015-1075134, खंड 44, क्रम 1, पीपी 73–84, जनवरी 2016।

» ***हति, चंदन***; कुमार, गिरीश, और महाजन, नामित, "बी के कृत्रिम ए.एल.आर.एस.एम., डी के क्षय और डी0 डी0 मिश्रण में बी डी की अधिकता", उच्च ऊर्जा भौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1007/JHEP01(2016)117, क्रम 1, पीपी 1–20, जनवरी 2016।

» ***हेगड़े, रवि*** एस एवं खू, ई एच, "त्रिगुट पेड़ फ्रैक्टल प्लाजमोनिक नैनोएन्टीना के लिए ब्रॉडबैंड ऑप्टिकल प्रतिक्रिया", प्लासमोनिक्स, डी.ओ.आई.: 10-1007/s11468–015–0059–3, सितम्बर 2015।

» इस्साकसन, मायकल; डी'एम्ब्रोसिया, लीजा; ***सामंत, तन्निष्ठा*** और कूगलिन, जोसफ, "जीवन अवस्था और गतिशीलतारू भारत में अहमदाबाद की बहुपीढ़ी परिवारों में गतिशीलता का वर्णनात्मक जी.पी.एस. अध्ययन", आयु बढ़ना और सामाजिक नीति पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1080/08959420-2015-1058123, खंड 27, क्रम 4, पीपी 348–363, जुलाई 2015।

» जबीर, एम वी; ***अपूर्व चैतण्य, एन***'; ***आधि, ए***' और सामंत, गौतम के, "अस्थिर आकार का संपूर्ण बवंडर और इसका नीचे की ओर प्रभाव – परिवर्तित फोटॉन का कोणमय स्पेक्ट्रम में जनरेशन", वैज्ञानिक रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1038/srep21877,खंड 6, फरवरी 2016।

» ***जुवाले, कपिल*** और वीज, मायकल, "बी.सी.आर.पी./ए.बी.सी.जी2 के प्रावरोधक और डिजाइन", रसायन विज्ञान भविष्य की औषधि, डी.ओ.आई.: 10-4155/fmc-15-83, खंड 7, क्रम 12, पीपी 1521–1527, अगस्त 2015।

» ***कानूनगो, आलोक;*** त्रिवेदी, मुदित एवं ***मदन, एस***', "पत्थर के मनकों के इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर लघु पाठ्यक्रम और कार्यशाला (10.14 अगस्त 2015): एक रिपोर्ट", धरोहरः पुरातत्व विज्ञान में बहुविषयक अध्ययन पत्रिका, खंड 3, पीपी 770.783, 2015।

» ***कानूनगो, आलोक;*** त्रिवेदी, मुदित एवं ***मदन एस***', "पत्थर के मनकों के इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर लघु पाठ्यक्रम और कार्यशाला की रिपोर्ट 10–14 अगस्त 2015", मानव एवं पर्यावरण, खंड XL, क्रम 2, पीपी 107–108, 2015।

» ***करदे, विक्रम***' और ***घोरोई, चिण्मय,*** "सतह ऊर्जा के नजरिए से नम पर्यावरण की स्थिति के तहत महीन पाउडर प्रवाह", फार्मास्यूटिक्स अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-ijpharm-2015-03-021, खंड 485, क्रम 1–2, पीपी 192–201, मई 2015।

» ***करदे, विक्रम***'; पाण्डा, सिद्धांत और ***घोरोई, चिण्मय,*** "नमी शर्तों के अधीन पाउडर का ढेर व्यवहार सुधारने के लिये सतह का संशोधन", चूर्ण प्रौद्योगिकी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-powtec-2015-03-025, खंड 278, पीपी 181–188, जुलाई 2015।

» ***कावरिया, नरेन्द्र***'; ***पाटीदार, रोहन***' और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "लेवी शफल्ड फ्रॉग लीपिंग एलगोरिदम की मदद से एम.आई.एम.ओ. बाइलीनियर प्रणालियों के मानदंड", सॉफ्ट संगणना, डी.ओ.आई.: 10-1007/s00500–016–2035, जनवरी 2016।

» कोनेग्गर, थॉमस; ***पाटीदार, राजेश***' और बोर्डिया, राजेन्द्र के, "पॉलीकार्बोसिलेन और पॉलीसिलाजेन प्रीकर्सर से मुक्त–खड़े हुए छिद्रित नॉन–ऑक्साइड सेरामिक सहयोग के लिए एक अनोखा प्रसंस्करण", यूरोपियन सेरामिक संस्था पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jeurceramsoc-2015-03-009, खंड 35, क्रम 9, पीपी 2679–2683, सितम्बर 2015।

» ***कोठारी, रीता,*** "अनुवाद, भाषा, मानव विज्ञानरू क्षेत्रीय टिप्पणी", हस्तक्षेपः स्वतंत्रता पश्चात अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1080/1369801X-2015-1040434, खंड 18, क्रम 1, पीपी 43–59, जनवरी 2016।

» ***कुलकर्णी, सिद्धार्थ***' और ***थरेजा, प्राची,*** "ठोस सतहों पर सर्फेक्टेंट चालित नेमेटिक तरल क्रिस्टल एंकरिंग बदलावों का प्रयोगात्मक अध्ययनरू ठोस सतही ऊर्जा और एनिसोट्रॉपिक एन.एल.सी. – ठोस इंटरफेसियल ऊर्जा की भूमिका", जुड़ाव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1080/01694243-2016-1145784, खंड 30, क्रम 13, पीपी 1371–1390, मार्च 2016।

» ***कुलकर्णी, सिद्धार्थ***' और ***थरेजा, प्राची,*** "लायोट्रॉपिक हेक्सागोनल तरल क्रिस्टल्स की रियोलॉजीः अणु लादने, आकार और फेज बदलाव काइनेटिक्स की भूमिका", रियोलॉजिका एक्टा, डी.ओ.आई.: 10-1007/s00397–015–0896–1, खंड 55, क्रम 1, पीपी 23–36, जनवरी 2016।

» ***कुमार, दलीप***'; ***मैइती, सनत चंद्रा***' और ***घोरोई, चिण्मय,*** "नेनो–सिलिका की सूखी परत से CaCO3 के सड़ने की काइनेटिक्स", थर्मोकाइमेका एक्टा, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-tca-2015-11-019, खंड 624, पीपी 35–46, जनवरी 2016।

» ***कुमार, दीपेश***'; दत्ता, अनिरबनय दास, अभिजीत और ***लाहिड़ी, उत्तमा,*** "स्मार्टआई: ऑक्यूलोमोटर असामानताओं के मात्रात्मक आंकलन के लिए एक अनोखे आई ट्रेकिंग प्रणाली का विकास", न्यूरल प्रणाली और पुनर्वास अभियांत्रिकी की आई.ई.ई.ई. रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1109/TNSRE-2016-2518222, क्रम 99, जनवरी 2016।

» कुमार, देवाशीश; ***मिश्रा, विमल*** और गांगुली, अरूप आर, "सी.एम.आई. पी.5 मौसमी मॉडल में चरम वायु का आंकलन", मौसमी आयाम, डी.ओ.आई.: 10-1007/s00382–014–2306–2, खंड 45, क्रम 1–2, पीपी 441–453, जुलाई 2015।

» कुमार, गिरीश एवं ***महाजन, नामित***', "एक मानक मॉडल के तहत एंगुलर प्रत्यक्षों के शून्य", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.: 10.1103/PhysRevD-93-054041, खंड 93, क्रम 5, मार्च 2016।

» ***कुमार, नीरज*** एवं ***मूथा, प्रतीक के***, "अत्यधिक स्थायी संवेदक भविष्यवाणियों पर अनुकूलित भरोसा गतिशील उद्दीपक के बोधात्मक फीचर के सार को बेहतर बनाता है", न्यूरोफिजियोलॉजी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1152/jn-00850-2015, खंड 115, क्रम 3, पीपी 1654–1663, मार्च 2016।

» कुमार, विनोद; ***हबलानी, हरि बी***, पांडियान, आर, "भारतीय क्षेत्रीय नौचालन उपग्रह प्रत्यक्षों की मदद से भू–स्थिर उपग्रहों की कायनेटिक नौचालन", मार्गदर्शन, नियंत्रण और आयामों की पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-2514/1-G000864, खंड 38, क्रम 9, पीपी 1856–1864, जून 2015।

» ***कुमारय परदीप***'; ***श्रीनिवासनय बाबजी*** और ***मोहापात्र, निहार आर,*** "मॉडल के निर्माण विरोध में क्लस्टर जांच की मदद से तीव्र और शुद्ध लीथोग्राफी", माइक्रो/नेनोलीथोग्राफी पत्रिका, एम.ई.एम.एस, और एम.ओ.ई.एम.एस., डी.ओ.आई.: 10-1117/1-JMM-14-2-023506, खंड 14, क्रम 2, मई 2015।

» ***कुशवाहा, उपेन्द्र***'; जोशी, भुवनय वेरोनिग, ऐस्ट्रिड एम एवं मून, योंग–जे, "संचित फ्लक्स रोप विस्फोट से जुड़े एम 6.2 दमक के कोरोनल लूप के विभिन्न चरणों में विशाल–स्तरीय संकुचन और तत्पश्चात विघटन", एस्ट्रोभौतिकीपत्रिका, डी.ओ.आई.: 10.1088/0004–637X/807/1/101, खंड 807, क्रम 1, जुलाई 2015।

» ***लाहिड़ी, उत्तमा,*** बेकेले, एसूबाल्यू, डोहरमेन, एलीजाबेथ; वारेन, जेकरी एवं सरकार, निलंजन, "ऑटिज्म से ग्रसित रोगियों के लिए शारीरिक सूचना की आभासी वास्तविकता पर आधारित सामाजिक संचार प्रणाली", ऑटिज्म और विकासात्मक विकार पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10.1007/s10803–014–2240–5, खंड 45, क्रम 4, पीपी 919–931, अप्रैल 2015।

» लाल, एस; ***चंद्रा, नवीन***' और वेण्कटरमणी, एस, "पश्चिमी भारत में एक शहरी स्थल पर लेजर–आधारित तकनीक से CO_2 और संबंधित गैसों का अध्ययन", वर्तमान विज्ञान, खंड 109, क्रम 11, दिसम्बर 2015।

» लक्ष्मी, पी आरय मिधुन, एम' और रमेश, आर, "भारत और श्री लंका उपद्वीप के ऊपर मात्रा प्रभाव की स्थानिक विभिन्नतारू मौसमी भूमिकाः भारत और श्री लंका के ऊपर मात्रा प्रभाव", ज्याभौतिकी शोध पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1002/2015GL064517, खंड 42, क्रम 13, पीपी 5500–5507, जून 2015।

» लोर्च, सी; ***बैनर्जी, रूपक***; डायटरले, जे; हिंडरहोफर, ए; गरलेक, ए; डरनेक, जे एवं श्रीबर, एफ, "दाता–स्वीकारकर्ता जैविक थिन फिल्म में –सेक्सीथियोफीन के टेम्प्लेटिंग प्रभाव", भौतिक रसायन विज्ञान पत्रिका सी, डी.ओ.आई.: 10-1021/acs-jpcc-5b06064, खंड 119, क्रम 40, पीपी 23211–23220, सितम्बर 2015।

» लोर्च, सी; फ्रैंक, एच; ***बैनर्जी, रूपक***; हिंडरहोफर, ए; गरलेक, ए; ली डेस्ट्री; जी एवं श्रीबर, एफ, "जैविक सेमीकंडक्टर ब्लेंड्स के अनुकूलन के लिए चरण अलग करने के लंबाई–मापक का नियंत्रण", एप्लाइड भौतिक विज्ञान पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1063/1-4935545, खंड 107, क्रम 20, नवम्बर 2015।

» ***मधु, के.***'; ***श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "मानव त्रुटि के पूर्वमानुमान की ओरः नियंत्रण रूम ऑपरेटर्स द्वारा संज्ञानात्मक चरणों की पहचान के लिए दृष्टि की ताक की जांच", प्रसंस्करण उद्योग में क्षति बचाव की पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jlp-2015A07-001, जुलाई. 2015।

» ***महेश्वरी, ज्योति***' और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "छितरे हुए एडेप्टिव एलगोरिदम की मदद से अकूस्टिक पथों की मजबूत मॉडलिंग", एप्लाइड अकूस्टिक्स, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-apacoust-2015A08-013, खंड 101, पीपी 122–126, जनवरी 2016।

» मैयती, सनत चंद्र एवं ***घोरोई, चिण्मय,*** "चूर्ण प्रणाली में एनआई – एएल अंतरधातु चरण विकास में थर्मो–कायनेटिक जांचरू एक ठोस–ठोस प्रतिक्रिया का जटिल केस", ऊष्मा जांच और केलोरीमीट्री पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1007/s10973–015–5171–2, दिसम्बर 2015।

» ***मजुमदार, शर्मिष्ठा*** एवं रियो, डोनाल्ड सी, "ड्रोसोफिला और अन्य यूकेरियोटिक जीवों में पी ट्रांसपोजेबल तत्व", सूक्ष्मजैविकी स्पेक्ट्रम, डी.

ओ.आई.: 10-1128/microbiolspec-MDNA3–0004–2014, खंड 3, क्रम 2, अप्रैल 2015।

» ***मजुमदार, बरुण***, यागी, केंट एवं यून्स, निकोलस, "न्यूट्रोन स्टार तीन–बाल संबंधों में बेहतर सार्वभौमिकता", भौतिक विज्ञान समीक्षा डी, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevD-92-024020, खंड 92, क्रम 2, जुलाई 2015।

» माल्या, गणेशचंद्र; ***मिश्रा, विमल***; नियोगी, देव; त्रिपाठी, शिवम एवं गोविंदराजू, राव एस, "भारतीय मानसून क्षेत्र के ऊपर सूखे की प्रवृत्ति और विभिन्नता", मौसम और जलवायु की चरम सीमाएं, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-wace-2016A01-002, फरवरी 2016।

» ***माने, प्रसन्नजीत***, "विचारांचा विचार" कविता, आजाचा सुधारक, मई 2015।

» ***मेहरोत्रा, सूर्य प्रताप***; एलेक्स, टी सी; ग्रीफजू, जी एवं कुमार, राकेश, "गिबसाइट और बोहेमाइट का यांत्रिक सक्रियण: नई खोजें एवं उनके निहितार्थ", भारतीय धातु संस्थान की रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1007/s12666–015–0633–6, खंड 69, क्रम 1, पीपी 51–59, जनवरी 2016।

» ***मेहता, मोना जी*** एवं ***शरण, रघुबीर***, "भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय लोकतंत्र की परियोजिना", आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, खंड 51, क्रम 11, पीपी 12–14, मार्च 2016।

» ***मेहता, मोना जी***, "अहमदाबादः एक मध्यमवर्गीय विशाल शहर", दक्षिण एशियाई इतिहास और संस्कृति, डी.ओ.आई.: 10-1080/19472498.2016.1143668, खंड 7, क्रम 2, फरवरी 2016।

» ***मिधुन, एम*** और रमेश, आर, "बहु–जी.सी.एम. सिमुलेशन द्वारा मॉनसून वर्षा के पश्चात 18° की मान्यता", मॉनसून गतिशीलता, डी.ओ.आई.: 10-1007/s00382–015–2652–8, खंड 46, क्रम 5, पीपी 1371–1385, मार्च 2016।

» ***मिश्रा, अश्वनी कुमार***, "पीपी02-12 & 2719: भाषा मानदंड आंकलन त्रिवेन्द्रम के उपयोग करने वाले 0–3 वर्ष के बच्चों की भाषा और बोली का आंकलन जो बच्चों के अस्पताल में जाते हैं (एल.ई.एस.टी. 0-3)", यूरोपियन पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/S1090–3798(15)30115–X, खंड 19, नंच 1, पीपी S36, मई. 2015।

» ***मिश्रा, विमल***, "हिमालय के जल टावर्स में मौसमी अनिश्चिता", जियोभौतिकी शोध पत्रिका: वातावरण, डी.ओ.आई.: 10-1002/2014JD022650, खंड 120, क्रम 7, पीपी 2689–2705, अप्रैल 2015।

» ***मण्डल, तण्मय*** और बसक, तनुश्री, "गेलेक्टिक केंद्र से अधिकतम गामा–रे रौशनी में हिग्स–पोर्टल डार्क मैटर मॉडल की श्रेणी", भौतिक विज्ञान बी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-physletb-2015A03-055, खंड 744, पीपी 208–212, मई 2015।

» मूडी, डस्टिन; ***पॉल, सौराद्युति*** एवं स्मिथ–टोन, डेनियल, "तेज चौड़े पाइप हेश की इनडिफ्रैंशिएबिलिटी सुरक्षाः जन्मदिन अवरोध को तोड़ना", गणित क्रिप्टोलॉजी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1515/jmc–2014–0044, जनवरी 2016।

» मोरोजोवा, ओल्गा एय ***गुप्ता, शरद*** एवं कोल्बी, डेविड डब्लू, "एच. डी. मस्तिष्क के शक्तिशाली बीज एमायलॉइड निर्माण से अलग किया गया प्रिफिब्रीलर हंटिंगटिन ओलीगोमर्स", फेब्स पत्र, डी.ओ. आई.: 10-1016/j-febslet-2015A05-041, खंड 589, क्रम 15, पीपी 1897–1903, जुलाई 2015।

» ***मुखर्जी, पायल सी*** और ***रथ, अर्नपूर्णा***, "सर्वाधिक शहर में आधीरात के बच्चे: सलमान रशदी और सुकेतु मेहता के बॉम्बे में सर्वदेशीय पॉलीफोनी", दक्षिण एशियाई समीक्षा, 2015।

» ***मुखर्जी, पायल सी*** और ***रथ, अर्नपूर्णा***, "ज्ञान क्षेत्रों, शहरी इलाकों, और बाजारों में सर्वदेशी; अभ्यास", मानव मूल्य पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1177/0971685815594258, खंड 21, क्रम 2, पीपी 87–98, अक्टूबर 2015।

» ***मुखर्जी, पायल सी***; थारकरन, कोशी एवं ***रथ, अर्नपूर्णा***, "अगोरा, कुत्ता, संत और एक मित्र: हेल्लेनेस्टिक व्यवस्था में सर्वदेशीय वंश के निशान", अनिकांतः एक पॉलीसेमिक विचार पत्रिका,खंड 3, पीपी 71–80, 2015।

» ***मुखोपाध्याय, द्युतिमन***, "डॉक्यूफिक्शन फिल्मों की न्यूरोमनोवैज्ञानिक और दुहरी चरण की दोलन परिकल्पना", चेतना, साहित्य और कला, खंड 16, क्रम 1, अप्रैल 2015।

» नागराजू, सक्कानी; सत्यनारायण, नीली; पापलाल, बानोथ; ***वासु, अनुजी के***; ***कन्वाह, श्रीराम*** और काशीनाथ, धर्के, "जल, उत्प्रेरक मुक्त विनायलोगस हेनरी और 1,6–मायकल वृद्धि प्रतिक्रियाओं के जरिए फंक्शनेलाइज्ड आइसोएक्साजोल–ऑक्सिनडोल हाइब्रिड का संश्लेषण", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA14039K संशोधन डी.ओ. आई.: 10-1039/C5RA90105G, खंड 5, क्रम 100, पीपी 81768–81773, सितम्बर 2015।

» नागराजू, सक्कानीय सत्यनारायण, नीलीय पापलाल, बानोथ; ***वासु, अनुजी के***; ***कन्वाह, श्रीराम;*** श्रीधर, बालसुब्रमणियन; श्रीपदी, प्रभाकर और काशीनाथ, धुर्के, "नोवेनाजेल संक्षेपण और डॉमिनो सल्फा–1, 6–मायकलध्अंतरआणविक विनायलोगस हेनरी प्रतिक्रिया के जरिए फंक्शनेलाइज्ड आइसोएक्साजोल–थियोलेन मिश्रण की वन–पॉट संश्लेषण", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA16721C, खंड 5, क्रम 114, पीपी 94474–94478, अक्टूबर 2015।

» ***नंदी, डी के*** और ***साहू, बी के***, "स्टेलर और इंटरस्टेलर माध्यम के लिए एकल अणु के नोबल गैस परमाणु के मौलिक स्तर के ढांचे की निषिद्ध संक्रमण विशेषताएं", रॉयल सौरमंडली संस्था की मासिक सूचनाएं, डी.ओ.आई.: 10-1093/mnras/stv683, खंड 450, क्रम 1, पीपी 1012–1016, अप्रैल 2015।

» ***नंदी, डी के***; सिंह, सुखजीत और ***साहू, बी के***, "कुछ एफ– और सीएल– जैसी एलकाली और एलकेलाइन–भू धातु आयन की रेडिएटिव विशेषताएं", रॉयल सौरमंडली संस्था की मासिक सूचनाएं, डी.ओ.आई.: 10-1093/mnras/stv1479, खंड 452, क्रम 3, पीपी 2546–2552, सितम्बर 2015।

» ***नवरकर, अभिषेक***; अमीरूडीन, एस; मयूर, एम एवं देमेखिन, ई ए, "थिन फिल्म के दो–तरल डीसी इलेक्ट्रोऑस्मोटिक प्रणाली के लंबे–तरंगों वाली अंतराफलक अस्थिरता", मासिक माइक्रोफ्लूइडिक्स एवं नेनोफ्लूइडिक्स, डी.ओ.आई.: 10-1007/s10404–015–1606–0, खंड 19, क्रम 4, पीपी 813–827, अक्टूबर 2015।

» ***नवरकर, अभिषेक***; अमीरूडीन, साकिर एवं डेमेखिन, एवजेनी ए, "थिन फिल्म्स के लिए दो–तरलों का ए.सी. इलेक्ट्रोऑस्मोटिक प्रणाली", इलेक्ट्रोफोरेसिस, डी.ओ.आई.: 10-1002/elps-201500132, खंड 37, क्रम 5–6, पीपी 727–735, मार्च 2016।

» ***ओझा, अभिजीत***; ठाक्केर, मनीश; शाह, दिनेश ओ. एवं ***थरेजा, प्राची***, "नॉन–स्फेरिकल टाइटेनिया सूक्ष्मकणों की सुपरहाइड्रॉलिक थिन फिल्म्स में बहाव–निर्देशित एसेम्बली", पदार्थ विज्ञान फ्रंटियर्स, डी.ओ. आई.: 10-1007/s11706–016–0321–4, खंड 10, क्रम 1, पीपी 1–7, मार्च 2016।

» ***ओझा, अपूर्व***; चौहान, योगेश एस एवं मोहापात्र, निहार रंजन, "बिना एक्सल वाले एच.के.एम.जी. एनएम.ओ.एस ट्रांसिस्टर्स के प्रवेशद्व ार पूर्वानुमान का चौनल स्ट्रैस–प्रोफाइल आधारित संकुचित मॉडल", इलेक्ट्रॉन उपकरण संस्था की आई.ई.ई.ई. पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1109/JEDS-2016-2524536, खंड 4, क्रम 2, मार्च 2016।

» ***ऑलसन, नेथन एम***, "लेट्टिस बोल्ट्जमेन पद्धति में लिंक बाउंस–बैक परिधि अवस्था के लिए एक परिधि–समीप बदलाव", संगणनात्मक भौतिक विज्ञान पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jcp-2015-08-021, खंड 302, नवम्बर 2015।

» ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "कोलेस्ट्रॉल–टेथर्ड ए.आई.ई.ई. फ्लूरोजेनरू स्वतः जमा होने वाले सूक्ष्मसंरचनाओं का निर्माण", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA04417K, खंड 5, क्रम 42, पीपी 33049–33057, 2015।

» ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया***; ***वासु, अनुजी के***; ***थिरुवेण्कटम, विजय*** एवं ***कन्वाह, श्रीराम***, "एमफिफिलिक कम्पाउंड्स के लिए एक संवेदनशील ए.आई.ई.ई. जांच", रसायन विज्ञान की नई पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5NJ02398J, खंड 40, क्रम 5, पीपी 4588–4594, 2016।

» पापलाल, बानोथ; नागराजू, सक्कनी; ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया***; ***कन्वाह, श्रीराम***; कुमार, बी विजय एवं काशीनाथ, धुर्के, "जलीय माध्यम में क्षमतावान और पुनः उपयोगी होने वाले हेट्रोजीनियल उत्प्रेरक की तरह Bi2WO6 सूक्ष्मकणों का इस्तेमाल कर के फंक्शनेलाइज्ड 1, 2, 3–ट्रायजोल का संश्लेषण", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA09544 |, खंड 5, क्रम 71, पीपी 57842–57846, जून 2015।

» पारिख, मौलिक, एवं ***सरकार, सुदीप्ता***, "वॉल्ड एंट्रोपी से सामान्यीकरण आयन्सटाइन समीकरण", एंट्रोपी, डी.ओ.आई.: 10-3390/e18040119, खंड 18, क्रम 4, मार्च 2016।

» ***पटेल, विनल*** और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "स्प्लीन एडेप्टिव फिल्टर के उपयोग से फीड–फॉरवर्ड जीवंत नॉयस नियंत्रण प्रणाली में प्रतिकारी अकूस्टिक प्रतिक्रिया", सिग्नल प्रसंस्करण, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-sigpro-2015-10-003, खंड 120, पीपी 448–455, मार्च 2016।

» ***पटेल, विनल*** और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "स्प्लीन एडेप्टिव फिल्टर के उपयोग से नॉनलीनियर जीवंत नॉयस नियंत्रण", एप्लाइड अकूस्टिक्स, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-apacoust-2015-01-009, खंड 93, पीपी 38–43, जून 2015।

» ***पेरेज, रोजा, मारिया***, "सर्वदेशीय भारतः बॉलीवुड और दुनिया के नागरिक", ऐटेलियर्स डे'एंथ्रोपोलॉजी, डी.ओ.आई.: 10-4000/ateliers-9784, खंड 41, मई 2015।

» पेरुमंगट, चित्रभानूय सल्ला, गांगी रेड्डि; अनवर, ***अली; आधि, ए***'; ***प्रभाकर, शशि*** और सिंह, आर पी, "रौशनी के अलग ना होने वाली अवस्थाओं का छितराव", ऑप्टिक्स संचार, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-optcom-2015-06-066, खंड 355, पीपी 301–305, नवम्बर 2015।

» ***प्रभाकर, शशि***; सल्ला, गांगी रेड्डि; ***आधि, ए***'; पेरुमंगट, चित्रभानू; सामंत, गौतम के एवं सिंह, रवीन्द्र पी, "फेज–एकल किरण के लिए बेल की असमानता का उल्लंघन", भौतिक विज्ञान समीक्षा ए, डी. ओ.आई.: 10-1103/PhysRevA-92-023822, खंड 92, क्रम 2, अगस्त 2015।

» प्रजापत, कांत; रे–चौधरी, समित एवं ***कुमार, अश्विनी***, "ठोस

और छेद वाली प्लेट के इलास्टिक बकलिंग बर्ताव पर इन–प्लेन परिधि अवस्था का प्रभाव", थिन–वॉल्ड संरचनाएं, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-tws-2014-12-015, खंड 90, पीपी 171–181, मई 2015।

» ***प्रसीथा, ई केसवाना***; ***दास, सुदीप्ता***; लोन, मोहसिन वाई; झा, प्रकाश सी; मोरी, शिजेकी एवं ***गुप्ता, इति***, "ब्रिज्ड बीआइएस–बी.ओ.डी.आई.पी. वाईसः संश्लेषण, संरचना और विशिष्टता", डेल्टन रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5DT01925G, खंड 44, क्रम 39, पीपी 17209–17221, अगस्त 2015।

» ***राय, सिद्धार्थ शंकर***; राय, निलेश कुमार एवं राय, ए. के., "लेजर वाली ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा पुरातत्वसर्वेक्षण के पात्रों में दुर्लभ भूमि तत्वों की जांच", स्पेक्ट्रोस्कोपी पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1080/00387010-2015-1072094, खंड 49, क्रम 2, पीपी 57–62, फरवरी 2016।

» ***रालहन, क्रितिका***; ***गुरु कृष्ण कुमार, विश्वनाथन*** और ***गुप्ता, शरद***, "पाइपेराजीन एवं डी.बी.यू. ठोस चरण के पेपटाइड संश्लेषण में गतिवान और क्षमतावान एफ.एम.ओ.सी. डिप्रोटेक्शन का एक सुरक्षित विकल्प", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA23441G, खंड 15, क्रम 126, पीपी 104417–104425, नवम्बर 2015।

» रामानइया, एस; ***करदे, विक्रम***; वेण्कटेस्वरलु, पी एवं ***घोरोई, चिण्मय***, "गाबापेंटिन और प्रेगाबेलिन औषधि की सतह विहीन ऊर्जा और अम्ल–बेस विशिष्टता पर तापमान का प्रभाव & एक तुलनात्मक अध्ययन", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA03032C, खंड 5, क्रम 60, पीपी 48712–48719, जून 2015।

» ***रानी, शिवानी*** एवं ***प्रशांत, अमित***, "नॉनलीनियर मिट्टी में लेटरली लादा गया मोनोपाइल एम्बेडेड के लिए लीनियर स्प्रिंग कॉन्सटेंट का आंकलन", जियोतकनीकी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1061/(ASCE)GM-1943–5622.0000441, खंड 15, क्रम 6, दिसम्बर 2015।

» ***रथ, अर्नपूर्णा***, "प्रीति और मृत्यु के क्रोनोटॉप्स में ज्ञान और बदलावः प्रतिभा रे की यज्नसेनी पर एक भक्तिन दृष्टिकोण", एल.आई.टी.टी.सी. आर.आई.टी.,खंड 41, क्रम 79, पीपी14–26, जून 2015।

» र***थ, अर्नपूर्णा***, "कृष्ण" कविता, प्रोसोपीसियाः कविता और रचनात्मक लेखन की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड IX, क्रम 1, पीपी 29, 2016।

» ***रथ, अर्नपूर्णा***, "कृष्ण" कविता, प्रोसोपीसियाः कविता और रचनात्मक लेखन की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड IX, क्रम 1, पीपी 30, 2016।

» ***रथ, अर्नपूर्णा***, "श्याम" कविता, म्यूज इंडियाः एक साहित्यिक ईपत्रिका, क्रम 61, मई–जून 2015।

» ***रथ, अर्नपूर्णा***, "वे कांस्य की मूर्तियां" कविता, म्यूज इंडियाः एक साहित्यिक ईपत्रिका, क्रम 61, मई–जून 2015।

» ***रॉय, आकॉ***; एवं एंगम, डी, "कंडेनसेट मिश्रणों में चरण विभाजन का ऊष्ण दमन", भौतिक विज्ञान समीक्षा ए, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevA-92-011601, खंड 92, क्रम 1, जुलाई 2015।

» ***रॉय, आकॉ***; गौतम, एस एवं एंगम, डी, "बायनरी कंडेनसेट मिश्रण में गोल्डस्टोन मोड की उत्पत्ति", यूरोपियन भौतिक विज्ञान विशेष के विषय, डी.ओ.आई.: 10-1140/epjst/e2015–02388–8, खंड 224, क्रम 3, पीपी 571–575, अप्रैल 2015।

» सैनी, विनोद एवं ***हबलानी, हरी बी***, "गिंबल्ड राडार के लिए हवा–से–हवा जांचने वाली छल करने वाले लक्ष्य", मार्गदर्शन, नियंत्रण और गतिशीलता पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-2514/1-G001184, खंड 39, क्रम 2, पीपी 262–274, फरवरी 2016।

» सल्ला, गांगी रेड्डि; पेरुमंगद्दु, चित्रभानू; ***प्रभाकर, शशि***; अनवर, अली एवं सिंह, रवीन्द्र पी, "छितराव के बाद रौशनी की किरण की वोर्टिसिटी का उबरना", एप्लाइड भौतिक विज्ञान पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1063/1-4926913, खंड 107, क्रम 2, जुलाई 2015।

» ***सामंत, तन्निष्ठा***; केन, फइनियन एवं वेन्नेमेन, रीव, "भारत में उम्रदराज वयस्कों के आवासीय प्रबंध और स्वास्थ्य", जेरोंटोलॉजी श्रंखला बी पत्रिकारू मनोविज्ञान और सामाजिक विज्ञान, डी.ओ.आई.: 10-1093/geronb/gbu164, खंड 70, क्रम 6, पीपी 937–947, नवम्बर 2015।

» सारलेगना, फेब्रीस आर एवं ***मूथा, प्रतीक के***, "गति पर ऑनलाइन नियंत्रण के दृश्य लक्ष्य का प्रभाव", दृष्टि शोध, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-visres-2014-07-001, खंड 110, भाग बी, पीपी 144–154, मई 2015।

» ***सक्सेना, कृष्ण कुमार*** और ***मुखोपाध्याय, ज्योति***, "नॉन–लीनियर स्ट्रेन पाथ और फॉरमेबिलिटी उत्पत्ति की संतति की नए पंच का डिजाइन", रौशनी धातु आयु, पीपी 6–9, दिसम्बर 2015।

» ***सक्सेना, कृष्ण कुमार***; ***दास, इप्सिता मधुमिता*** और ***मुखोपाध्याय, ज्योति***, "व्यापक तापमान पर एल्यूमीनियम मिश्रधातु एए6014–टी4 और दो रूप इस्पात डीपी600 के मुड़ने की सीमा का क्रमागत विकास", पदार्थ विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1007/s12289–015–1271–6, अक्टूबर 2015।

» ***सक्सेना, कृष्ण कुमार***; सुमन श्रीवास्तव, आनंद एवं अग्रवाल, संजय, "प्रवाहकीय एसआईसी के सूक्ष्म ईडीएम विशिष्टता में प्रयोगात्मक जांच", सेरामिक्स अतंर्राष्ट्रीय, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-ceramint-2015-09-111, खंड 42, क्रम 1, पीपी 1597–1610, जनवरी 2016।

» सीताराम, टी आर; सीतारामु, के एन एवं ***शर्मा, जी के***, "समतल खड़ें सतहों से सुपरफीशियल तरलों के लिए ऊष्ण कोएफिशिएंट और वॉल–तापमानों के अंतर संबंध लेमिनार और टर्बुलेंट मुक्त कनवेक्शन", ऊष्ण प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 6, क्रम 1, पीपी 24–31, मार्च 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "उन्नत एल.आई.जी.ओ.", क्लासिकल और क्वांटम गुरुत्व, डी.ओ.आई.: 10-1088/0264&9381/32/7/074001, खंड 32, क्रम 7, अप्रैल 2015।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "बायनरी ब्लेक–होल मर्जर जी. डब्लू.150914 के एस्ट्रोभौतिकी निहितार्थ", एस्ट्रोभौतिक पत्रों की पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-3847/2041&8205/818/2/L22, खंड 818, क्रम 2, फरवरी 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "जी.डब्लू.150914: बायनरी ब्लेक–होल से स्टोकेस्टिक गुरुत्व–तरंगों के निहितार्थ", भौतिक विज्ञान समीक्षा पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevLett-116-131102, खंड 116, क्रम 13, मार्च 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "जी.डब्लू.150914: पहली खोजों के काल में उन्नत एल.आई.जी.ओ. डिटेक्टर्स", भौतिक विज्ञान समीक्षा पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevLett-116-131103, खंड 116, क्रम 13, मार्च 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "बायनरी ब्लेक–होल मर्जर के गुरुत्व तरंगों का अवलोकन", भौतिक विज्ञान समीक्षा पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevLett-116-061102, खंड 116, क्रम 6, फरवरी 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "नौ युवा सुपरनोवा अवशेषों के लिए निरंतर गुरुत्व तरंगों की खोजें", एस्ट्रोभौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1088/0004–637X/813/1/39, खंड 813, क्रम 1, नवम्बर 2015।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "उनके छठे विज्ञान दौड़ के दौरान एल.आई.जी.ओ. का निरूपण", क्लासिकल एवं क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, डी.ओ.आई.: 10-1088/0264–9381/32/11/115012, खंड 32, क्रम 11, जून 2015।

» शा, मेंग एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "साधक आधारित सिमुलेशन के उपयोग से रासायनिक आपूर्ति चेन में फ्लीट साइजिंग", संगणना एवं रसायन अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-compchemeng-2015A08-015, खंड 84, पीपी 180–198, जनवरी 2016।

» ***शाह, हर्ष एल*** और ***मिश्रा, विमल***, "भारत और उप–महाद्वीप घाटियों के ऊपर उपग्रह–आधारित तलक्षट अनुमान की अनिश्चितताः धाराप्रवाह सिमुलेशन और बाढ़ के अनुमान में वर्तमान–समय के निहितार्थ", हाइड्रोमेटीरोलॉजी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1175/JHM–D–15–0115.1, खंड 17, क्रम 2, पीपी 615–636, फरवरी 2016।

» ***शर्मा, चंद्रेश***; ***भवसार, पुनीत***; ***श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "नियंत्रण कक्ष ऑपरेटर्स का दृष्टि गतिशील अध्ययनः प्रसंस्करण सुरक्षा को बेहतर करने के लिए एक अनोखी पद्धति", संगणाक और रसायन अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-compchemeng-2015A09-012, खंड 85, पीपी 43–57, फरवरी 2016।

» ***शर्मा, सुधांशु***; मेडपेल्लि, दिनेश; केन, शाओजियांग और सियो, डोंग–क्यून, "जैविकी ईंधन उत्पादन के अत्यंत कुशल पुनःइस्तेमाल योग्य उत्प्रेरक की तरह कैल्शियम–संशोधित पदानुक्रम छिद्रित एल्युमीनोसिलिकेट जियोपॉलीमर", आर.एस.सी. प्रगति, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA01823D, खंड 5, क्रम 80, पीपी 65454–65461, जुलाई 2015।

» ***सिंह, चेतन***; ***पटेल, त्वरित*** और ***पाण्डा, एमिला***, "रेडियो आवृत्ति मेगनेट्रॉन स्पट्टरिंग द्वारा विभिन्न सबस्ट्रेट तापमान पर जमा हुए एल डोप्ड जेडएनओ फिल्म्स की सतह और इलेक्ट्रॉनिक विशिष्टता का संबंध", एप्लाइड भौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1063/1-4923224, खंड 117, क्रम 24, जून 2015।

» सिंह, मनु स्मृति; ***जुवाले, कपिल***; वीज, मायकल एवं लेम्फ्रेट, एल्फ, "सूक्ष्मकण निर्माण की तरह दो पी–जीपी–बी.सी.आर.पी. इनहिबिटर्स का विकास", फार्मासियूटिकल विज्ञान की यूरोपियन पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-ejps-2015-04-027, खंड 77, पीपी 1–8, सितम्बर 2015।

» सिंह, रतनदीप; गुप्ता, संदीप; ***रमण, शनमुगनाथन***, चक्रवर्ती, प्रोद्युत; शर्मा, पुनीत; शर्मा, राकेश कुमार; ब्राउन, लेरी सी; वी, जियाओहूआ एवं प्लेपली, आनंद, "अनुभवसिद्ध डाटा के साथ आयतन मॉडल की सहायता से ट्रीटमेंट वेटलेंड के हाइड्रोडायनामिक्स की तुलनात्मक समीक्षा", जल उपचार और अलवणीकरण, डी.ओ.आई.: 10-1080/19443994-2014-957957, खंड 55, क्रम 13, पीपी 3587–3612, सितम्बर 2015।

» ***सिंह, उमाशंकर*** एवं वेस्टरमार्क, बेंग्ट, "सी.जी.जी.बी.पी1 – सर्वव्यापक साइटोप्रोटेक्टिव फंक्शन के साथ एक अनिवार्य प्रोटीन", चिकित्सा विज्ञान की उपसला पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-3109/03009734-2015A1086451, खंड 120, क्रम 4, पीपी 219–232, अक्टूबर 2015।

» ***सिंह, उमाशंकर*** तथा अन्य, "बहु मायलोमा में पॉलीकोम्ब जीन निशाने की महत्ता और संभावित थिरेपिटिक लक्ष्य की तरह ई.जेड. एच.2 की मुख्य बातों में हिस्टोन एच3 लायसीन 27 और लायसीन 4 ट्रायमीथायलेशन की जीनोम–वाइड प्रोफाइलिंग", ऑनकेटोटार्गेट, डी.ओ.आई.: 10-18632/oncotarget-6843, खंड7, क्रम 6, पीपी 6809 –

6823, जनवरी 2016।

» ***शिवनरेश, सत्या एम***; दुहान, परदीप एवं मोहापात्र, निहार रंजन, "गेट–फर्स्ट एच.के.एम.जी. एनएम.ओ.एस. ट्रांजिस्टर्स के एनालोग प्रदर्शन के उपकरण आयामों और रूपरेखा की भूमिका", इलेक्ट्रॉन उपकरणों की आई.ई.ई.ई. रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1109/TED-2015A2477368, सितम्बर 2015।

» स्मिता, एस एवं ***सचान, अजंता***, "साबरमती के रेत की शियर शक्ति बर्ताव की वृद्धि के लिए अगर बायपॉलीमर का उपयोग", जियोतकनीकी अभियांत्रिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1080/19386362-2016A1152674, फरवरी 2016।

» ***श्रीधर, सुदीक्षा***'; ***पटेल, आयुषी***'; एवं ***दलवी, समीर वी***, "जलीय सूक्ष्मबुलबुलों के ससपेंशन्स के भंडारण स्थिरिता का आंकलन", कोलॉइड और सतहें ए: भौतिकरासायनिकी और अभियांत्रिकी पहलू, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-colsurfa-2015A10-044, खंड 489, पीपी 182–190, जनवरी 2016।

» ***श्रीनिवासन, बाबजी***; स्पिनर, टिम और रेंगास्वामी, रघुनाथन, "स्टिकशन खोजी तकनीकों की विश्वसनीयता का एक नया मापन", रसायन विज्ञान औद्योगिक और अभियांत्रिकी शोध, डी.ओ.आई.: 10-1021/acs-iecr-5b00939, खंड 54, क्रम 30, पीपी 7476–7488, जुलाई 2015।

» ***सुब्रमणियन, चंद्रसेकरन***' और ***रागवन, कनगराज***, "पहले से छांटे हुए सिनक्रोनस रिफरेंस फ्रेम पी.एल.एल. के उपयोग से ग्रिड वेरियेबल की शीघ्र ट्रेकिंग", उपकरण और नाप की आई.ई.ई.ई. रिपोर्ट, डी.ओ.आई.: 10-1109/TIM-2014-2366275, खंड 64, क्रम 7, जुलाई 2015।

» सुब्रमणियन, एस वी और ***सुब्रमणियम, मालविका ए***, "आर्थिक प्रगति की सीमाएंरू भारत में शिशु के कुपोशण से लड़ने के लिए क्यूं सीधा निवेश जरूरी है", कोरियन चिकित्सा विज्ञान पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-3346/jkms-2015A30-S2-S131, खंड 30, परिशिष्ट 2, पीपी 131–133, नवम्बर 2015।

» ***सुथर, कुलदीप***'; ***रॉय, आर्को***' और डी, एंगम, "ऑप्टिकल लेटीस में बायनरी कंडेनसेट की फ्लकचुएशन–चालित टोपोलॉजिकल ट्रांजीशन", भौतिक विज्ञान समीक्षा ए, डी.ओ.आई.: 10-1103/PhysRevA-91-043615, खंड 91, क्रम 4, अप्रैल 2015।

» ***थॉमस, पूजा***', "गांधी की महत्ताः अहमदाबाद के शहरी भविष्य की वैधता", एनेकांतः एक पॉलीसेमिक विचार की यात्रा,खंड 3, पीपी 35–42, 2015।

» ***तिवारी, सरोजनी***'; ***बेहेरा, चिट्टा रंजन***' और ***श्रीनिवासन, बाबजी***, "भारत के विशाल दुग्ध उद्योग में जल को इस्तेमाल और रीक्लेमेशन करने के लिए सिमुलेशन और प्रयोगात्मक अध्ययन", वातावरण पत्रिका रसायन अभियांत्रिकी, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jece-2015A12-001 खंड 4, क्रम 1, पीपी 605–616, मार्च 2016।

» ***तोमर, गौरव***'; मोहंती, सुभेन्द्र एवं पकवासा, संदीप, "आइस क्यूब न्यूट्रीनो इवेंट्स और लॉरेन्ट्ज इनवेरिएंस वॉयलेशन", उच्च ऊर्जा भौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1007/JHEP11(2015)022, खंड 11, क्रम 1, पीपी 1–16, नवम्बर 2015।

» ***उपाध्याय, अभिषेक***' और ***चक्रवर्ती, अरूप लाल***, "फेज क्वाड्रेचर वाले लेजर के साथ 2एफ आर.ए.एम नलिंग के केलिब्रेशन–मुक्त 2एफ डब्लू.एम.एस. के साथ इन सीटू वास्तविक समय में विशेषीकरण", ऑप्टिक्स पत्र, डी.ओ.आई.: 10-1364/OL-40-004086, खंड 40, क्रम 17, पीपी 4086–4089, सितम्बर 2015।

» ***उपाध्याय, अवनीश***' और ***दलवी, समीर वी***, "केप्सूल वाले बी.एस.ए. के सूक्ष्मबुलबुलों का संश्लेषण, विशेषीकरण और स्थिरता, डी.ओ.आई.: 10-1039/C5RA24304A, खंड 6, क्रम 18, पीपी 15016–15026, जनवरी 2016।

» वाडवाले, एस वी; ***चट्टोपाध्याय, टी***'; राव, ए आर; भट्टाचार्य, डीय भालेराव, वी बीय वेगशेट्टे, एनय पवार, पी एवं श्रीकुमार, एस, "एस्ट्रोसेट–सी.जेड.टी. आई के साथ कठोर एक्स–रे पोलेरीमीट्री", खगोलशास्त्र और खगोलभौतिकी, डी.ओ.आई.: 10.1051/0004–6361/201525686, खंड 578, जून 2015।

» ***वशिष्ट, विनीत***. खान, मोइज और अग्रवाल, सुनील के, "पेल्विस पर गेट युक्त बाह्य ऊर्जा के लिए ए–टी.पी.ए.डी. के उपयोग से चलने के कार्य को कम करने के लिए एक अनोखा दृष्टिकोण", ऑटोमेशन पत्र और आई.ई.ई.ई. रोबोटिक्स, डी.ओ.आई.: 10-1109/LRA-2016A2522083, क्रम 99, जनवरी 2016।

» ***वासु, अनुजी के***'; ***कातला, जगदीश कुमार***'; मालेक, नावेद आई और ***कन्वाह, श्रीराम***, "पुश–पुल डाइफेनाइलबूटाडीन्स के धक्के–खींचने के फ्लूरोसेंस पर इमिडाजोलियम आणविक तरलों का प्रभाव", रसायन विज्ञान फोटो और फोटोजैविकी पत्रिका ए: रसायन विज्ञान, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-jphotochem-2016A01-015, खंड 321, पीपी 55–62, जनवरी 2016।

» ***व्यास, दिति***', "भारतीय बच्चों के साहित्य में लिंग की चरणागत समीक्षारू गुजराती और अंग्रेजी में लिखे उपन्यासों की तुलना", भारतीय साहित्य में अंतर्राष्ट्रीय शोध, डी.ओ.आई.: 10-3366/ircl-2015A0165, खंड 8, क्रम 2, पीपी 156–168, दिसम्बर 2015।

» वू, एमिला एल; येफी; पार्क, सूहयुंग; ***मल्लाजोसयुला, साइराम एस***; मेककेरल जूनियर, एक्जेंडर डी; क्लौडा, जेफरी बी एवं इम, वॉनपिल, "जी.पी.आई.–एंकर्ड मानव प्रायन प्रोटीन की शुरुआती चरणों की एक झलक", जैविभौतिकी पत्रिका, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-bpj-2015A10-009, खंड 109, क्रम 10, पीपी 2090–2100, नवम्बर 2015।

» यादव, राम आर; मिश्रा, कृष्ण जी; यादव, अखिलेश के; कोटिला, बहादुर एस एवं ***मिश्रा, संध्या***", "पिछले 300 वर्षों के कुमाऊं हिमालय, भारत में पेड़ पर पड़े बाढ़ के धब्बों का अंतर और उनका कृषि उत्पादन से संबंध", क्वाटरनिरी विज्ञान समीक्षा, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-quascirev-2015A04-003, खंड 117, पीपी 113–123, जून 2015।

» झांग, युगांग; पाल, सुचेतन; ***श्रीनिवासन, बाबजी***; वो, थी; कुमार, सनत एवं गंग, ओलेग, "डी.एन.ए.–द्वारा चालित संवाद के रीप्रोग्रामिंग के माध्यम से सूक्ष्मअणु सुपरलेटीस का चयनात्मक बदलाव", प्रकृति पदार्थ, डी.ओ.आई.: 10-1038/nmat4296, खंड 14, क्रम 8, पीपी 840–847, मई 2015।

संपादन

» ***जैन, सुधीर के***, "भारत में भूकंप सुरक्षा की चुनौतियां", पुल और संरचनात्मक अभियंता, खंड 45, क्रम 1, मार्च 2015।

» क्रास्लॉस्की, अंद्रजेज; ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***; चेचूरियन, लियोनाइड एवं लेलेन, जीन–मार्क, "विशेष अंक – उन्नत डिजाइन और प्रणालीबद्ध अभियांत्रिकी की नवरचना", रसायन अभियांत्रिकी शोध और डिजाइन, डी.ओ.आई.: 10-1016/j-cherd-2015A11-004, खंड 103, पीपी 1–2, नवम्बर 2015।

ई–प्रिंट आर्काइव

» अग्रवाल, गरिमा और ***करलापलेम, कमलाकर***, "चेन कैच की तरह खेलते हुए पहियों वाले रोबॉटरू रणनीतियां और आंकलन", तंग्पअ, कॉर्नेल विवि पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1601-02374, फरवरी 2016।

» एंड्र्यूस, जॉर्ज ई; ***दीक्षित, अतुल***; शुल्ट्ज, डेनियल एवं यी, ए जा, "मॉक थीटा फंक्शन का ओवरपार्टिशन", तंग्पअ, कॉर्नेल विवि पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1603-04352, मार्च 2016।

» ***अपूर्व चैतन्य, एन***'; जबीर, एम वी तथा सामंत, गौतम के, "हरे के उच्च ऊर्जा, उच्च संदेश, बहुत तेज "परफेक्ट" वॉर्टिसेज का क्षमता वान नॉनलीनियर जनरेशन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1601-02374, जनवरी 2016।

» भट्ट, जितेश आर एवं ***पाण्डे, अरुन कुमार***', "चुंबकीय क्षेत्रों का प्रीमोर्डियल जनरेशन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-01795, जुलाई 2015।

» ***भट्टाचार्जी, श्रीजित***, भट्टाचार्य, अर्पण; ***सरकार, सुदीप्ता*** एवं सिन्हा, अनिंदा, "दूसरे नियम से एंट्रोपी फंक्शन और सी–थियोरेम", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1508-01658, जुलाई 2015।

» ***भट्टाचार्जी, श्रीजित***'; ***सरकार, सुदीप्ता*** और वॉल, आरोन सी, "क्वाड्रेटिक कर्वेचर गुरुत्व में होलोग्राफिक एंट्रोपी की बढ़त", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1504-04706, अप्रैल 2015।

» ***चंद्रा, विनोद*** एवं श्रीकांत, वी, "क्यूक्यू एन्निहिलेशन के माध्यम से एक जलीय क्वार्क–ग्लूऑन प्लाजमा माध्यम में क्वार्क और ग्लूऑन वितरण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-01208, नवम्बर 2015।

» ***चंद्रा, विनोद*** एवं दास, संतोष के, "क्यू.जी.पी. माध्यम में भारी क्वार्क आयामों पर गति–अंतरिक्ष एनिस्ट्रोपी का प्रभाव", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1506-07805, जून 2015।

» ***चंद्रा, विनोद*** एवं श्रीकांत, कांत वी, "क्वार्क–ग्लूऑन प्लाजमा माध्यम में टर्बुलेंट क्रोम–क्षेत्र और ऊष्ण कणों का उत्पादन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1602-07142, फरवरी 2016।

» ***चवन, रौशन ए***' और ***पालनथंडलम–मादापुसी, हरीश जे***, "धीमी रीकर्सिव स्थिति और इनपुट का पुनःनिर्मण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1509-06226, सितम्बर 2015।

» ***दास, बिरेस्वर, एंडुरी, मुरली कृष्ण***' और ***रेड्डि, आई विनोद*** "अधिकतर 3 क्लीक–चौड़ाई वाले ग्राफ्स के आइसोमोर्फिज्म के लिए पॉलीनोमियल–टाइम एलगोरिदम", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1506-01695, जून 2015।

» ***दासगुप्ता, अनिरबन***; लेंगी, केविनय रोडेज, ली एवं थालेर्क्स, जस्टिन, "स्ट्रीम एक्सप्रेशन कार्डिनेलिटीज के आंकलन का एक ढांचा", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1510-01455, अक्टूबर 2015।

» डेपिश, फ्रेंक एफ; ***हती, चंदन***'; पात्र, सुधनवाय प्रीतिमीता, प्रतिवा एवं सरकार, उत्पल, "दाएं–बाएं मॉडल और गॉज एकीकृत पर डाइफोटोन अधिकता का निहितार्थ", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.

ओ.आई.: arXiv:1601-00952, जनवरी 2016।

» डे, उज्जवल कुमार; मोहंती, सुभेंद्र और ***तोमर, गौरव***, "अंधेरे दाएं–बाएं मॉडल में 750 जीईवी", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1512-07212, दिसम्बर 2015।

» धूरिया, मानसी; ***हती, चंदन*** और सरकार, उत्पल, "E6 प्रेरित U(1) छ मॉडल में न्यूट्रीनो मास, सी.एम.एस. अधिकता और बेरियोजेनेसिस को व्यक्त करना", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-08297, जुलाई 2015।

» ***दीक्षित, मर्म***; ***बरुआ, रेनिका***; ***पारिख, ध्रुपद***; ***शर्मा, सुधांशु*** और ***भार्गव, अतुल***, "रोडियम उत्प्रेरक पर मीथेन की स्वऊष्ण रिफॉर्मिंग: मॉडल रिडक्शन के लिए माइक्रोकाइनेटिक समीक्षा", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1601-06627, जनवरी 2016।

» ***एंडुरी, मुरली कृष्ण***; ***रेड्डि, विनोद कुमार*** और ***जोलड, शिवकुमार***, "क्या पत्रों की विभिन्नता से उनकी साइटेशन पर प्रभाव पड़ता है? अमेरिकन भौतिकी संस्था पत्रिका का प्रमाण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1512-05057, दिसम्बर 2015।

» घोष, मनोजीत; घोशाल, पोमिता; गोस्वामी, स्रुबाबाति; ***नाथ, न्यूटन*** और राउत, सुशांत के, "वर्तमान प्रयोगों में न्यूट्रीनो घूर्णन मापन की डीजेनेरीस की पहचान और सुधार", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1504-06283, अप्रैल 2015।

» गोयल, नवीन एवं ***गुप्ता, मनोज***, "सड़ने योग्य चरणों में ग्रीडी बायनरी सर्च ट्री की बेहतर समीक्षा", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1604-06997, जनवरी 2016।

» ***हती, चंदन***; और सरकार, उत्पल, "टीईवी मापदंड के ट्रिपलेट्स के साथ न्यूट्रीनो डार्क ऊर्जा और लेप्टोजेनेसिस", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-02874, नवम्बर 2015।

» ***हती, चंदन***; कुमार, गिरीश और महाजन, नामित, "बी, डी क्षय और क0 – क–0 मिश्रण से ए.एल.आर.एस.एम. कोंसट्रेन्ड में B–D(*)TV– की अधिकता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-03290, नवम्बर 2015।

» जबीर, एम वी; ***अपूर्व चैतन्य एन***; आधि, ए और सामंत, गौतम के, "डाउन से बदले हुए फोटोन का एंगुलर स्पेक्ट्रम में सटीक वॉर्टेक्स का विभिन्न आकारों का विकास", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1601-03129, जनवरी 2016।

» ***जिंदल, ईशान*** और ***रमण, शनमुगनाथन***, "बिना संरचना का भीड़ के सीन के प्रभावशाली ऑब्जेक्ट ट्रेकिंग", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1510-00479, अक्टूबर 2015।

» कौल, रोमेश के एवं ***सेनगुप्ता, संदीपन***, "पहले पद के गुरुत्व की डीजनरेट स्पेसटाइम्स", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1602-04559, फरवरी 2016।

» ***कौर, सुरजीत*** और ***विशाखा***, "कुछ ऑटोमोर्फिज्म समूहों की समानता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1505-05622, मई 2015।

» कृष्णमूर्ति, शंकरजी; ***श्रीवास्तव, गौरव*** एवं ***मांध्यन, अमर***, "ट्रूसेज और गुस्सेट प्लेट्स की मात्रा और टोपोलॉजी अनुकूलन के लिए वेब अनुप्रयोग", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1512-02881, दिसम्बर 2015।

» ***कुमार, गिरीश*** और माहाजन, नामित, "इस के प्रत्यक्ष और विषमताओं", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-00935, नवम्बर 2015।

» ***कुमार, गिरीश***, "केयोन क्षेत्र से स्केलर लेप्टोक्वार्क बाधाएं", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1603-00346, फरवरी 2016।

» ***कुशवाहा, उपेन्द्र***; जोशी, भुवनय वेरोनिक, एस्ट्रिड एम एवं मून, योंग–जे, "संकुचित फ्लक्स रोप विस्फोट के साथ जुड़े एम6.2 चिंगारी की विभिन्न चरणों के दौरान विशाल–स्तरीय संकुचन और व्यवधान", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1504-01888, अप्रैल 2015।

» ***मजुमदर, बरुन***; यागी, केंट एवं यून्स, निकोलस, "न्यूट्रॉन स्टार तीन–हेयर के संबंध में वैश्विक स्तर पर सुधार", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1504-02506, अप्रैल 2015।

» ***मण्डल, तण्मय*** और बसक, तनुश्री, "गेलेक्टिक केंद्रीकरण गामा–रे की अधिकता और हिग्स–पोर्टल डार्क पदार्थ", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-01793, जुलाई 2015।

» ***मण्डल, तण्मय***; डे, उज्जवल कुमार और कोनार, पार्थ, "यूनिटेरिटी की निहितार्थ और दाएं–बाएं सिमेट्रिक मॉडल के चार्ज का मिनीमेन का विघटन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1508-04960, अगस्त 2015।

» ***नाथ, न्यूटन***, घोष, मोनोजीत और गोस्वामी, स्रुबाबाती, "ऑक्टेन अवनति का रेजोलूशन और डी.यू.एन.ई. में एंटीन्यूट्रीनोस की भौतिकी", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-07496, नवम्बर 2015।

» ***पहलजानी, चेतन डी***, "डी.सी./डी.सी. कनवर्टर के निरुद्देश्यता से व्यग्र स्विचिंग गतिशीलता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1601-00843, जनवरी 2016।

» ***रॉय, आर्को*** और एंगम, डी, "हार्मोनिक से टोरोईडाल ट्रेप से कोहन की पुनर्स्थापना", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-08655, नवम्बर 2015।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "शुरुआती एल.आइ.जी.ओ. के साथ लंबे–समय तक गुरुत्वाकर्षण तरंगों की आकाशीय खोज", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1511-04398v1, नवम्बर 2015।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "बायनरी ब्लेक–होल मर्जर जी. डब्लू.150914 की एस्ट्रोभौतिकी निहितार्थ", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1602-03846, फरवरी 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "गुरुत्व तरंगों के ट्रांसियेंट जी. डब्लू.150914 का स्थानीयकरण और ब्रॉडबेंड फॉलो–अप", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1602-08492, फरवरी 2016।

» ***सेनगुप्ता, आनंद*** और अन्य, "उन्नत एल.आई.जी.ओ. प्रत्यक्षों के घिराव से बायनरी ब्लेक होल मर्जर्स के निकलने की दर", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1602-03842, फरवरी 2016।

» ***सुथर, कुलदीप*** और डी, एंगो, "आभासी–2डी बायनरी कंडेनसेट और आभासीकणों के स्पेक्ट्रा का ऑप्टिकल लेटीस से प्रभावित बीजगणित", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1603-02455, मार्च 2016।

» ***तोमर, गौरव***, "एक गॉज्ड सतही सिमेट्रिक मॉडल में मुऑन चुंबकीय पलों का वर्णन और ए.एम.एस–02 पोसीट्रॉन की अधिकता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-01797, जुलाई 2015।

» ***तोमर, गौरव***; मोहंती, सुभेन्द्र और पकवासा, संदीप, "एक गॉज्ड सतही सिमेट्रिक मॉडल में मुऑन चुंबकीय पलों का वर्णन और ए.एम.एस–02 पोसीट्रॉन की अधिकता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-03193, जुलाई 2015।

» ***तोमर, गौरव***; मोहंती, सुभेन्द्र और पकवासा, संदीप, "लॉरिन्ज अपरिवर्तन में उल्लंघन और आइसक्यूब न्यूट्रीनो घटनाएं", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी.ओ.आई.: arXiv:1507-03193, जुलाई 2015।

सभाओं में प्रदर्शित पत्र

» ***ए एस., जरीन*** और ***चक्रवर्ती, अरूप लाल***, "एक 2004 एनएम खड़ी गुहा सतह से निकलती ट्यूनेबल डायोड लेजर के उपयोग से जीवाणु के CO2 उत्सर्जन का पूर्ण संकेद्रण मापन", हालही के फोटोनिक्स प्रगति की कार्यशाला 2015, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर, आई.एन., दिसम्बर 16–17, 2015।

» ***आधि, ए***; ***अपूर्व चैतन्य, एन***; सिंह, रवीन्द्र पी और सामंत, गौतम के, "ट्यूनेबल, निरंतर–तरंग, एकल–आवृत्ति, अल्ट्रावायलेट विकिरण के सारे समयबद्ध–पोल्ड क्रिस्टल्स आधारित स्त्रोत", सी.एल.ई.ओः अनुप्रयोग और प्रौद्योगिकी 2015, ओ.एस.ए. तकनीकी डाइजेस्ट, अमेरिकन ऑप्टिकल संस्था, सेन जोस, सं.रा., मई 10–15, 2015।

» ***आधि, ए***; वैइती, प्रवीण; ***अपूर्व चौतन्य, एन***; जबीर, एम वीय सिंह, रवीन्द्र पी और सामंत, गौतम के, "उच्च–ऊर्जा, सी.डब्लू. एयरी किरण ऑप्टिकल पेरामेट्रिक ऑस्किलेटर", सी.एल.ई.ओः अनुप्रयोग और प्रौद्योगिकी 2015, ओ.एस.ए. तकनीकी डाइजेस्ट, अमेरिकन ऑप्टिकल संस्था, सेन जोस, सं.रा., मई 10–15, 2015।

» ***आधि, ए***; वैइती, प्रवीण; ***अपूर्व चैतन्य, एन***; जबीर, एम वीय सिंह, रवीन्द्र पी और सामंत, गौतम के, "कोहेरेंट रेडिएशन 2–डी एयरी वितरण तीव्रता के उच्च–ऊर्जा, निरंतर–तरंग, स्रोत", ऑप्टिक्स/लेजर विज्ञान फ्रंटियर्स 2015, अमेरिकन ऑप्टिकल संस्था, सेन जोस, सं.रा., अक्टूबर 18–22, 2015।

» अभिलाश, एम; ***हबलानी, एच बी*** और सुकुमार, एस, "एकल–गिंबल नियंत्रण मोमेंट गायरोस के स्टीयरिंग नियमः एक तुलना", भारतीय नियंत्रण सभा, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, हैदराबाद, आई.एन., जनवरी 4–6, 2016।

» ***अभिनव, ऋषभ*** और ***पिंडोरिया, नारण एम***, "हवा की टर्बाइन और बैटरी की ऊर्जा के भण्डारण की प्रणाली के ग्रिड का एकीकरणः समीक्षा और मुख्य चुनौतियां", ऊर्जा प्रणालियों की 6वीं आई.ई.ई. ई. अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली, आई.एन., मार्च 4–6, 2016।

» ***अपूर्व चैतन्य, एन***; ***आधि, ए***; जसबीर, एम वी और सामंत, गौतम के, "355 एन.एम. के लिए फाइबर लेजर आधारित उच्च ऊर्जा और अल्ट्राफास्ट स्रोत", ओ.एस.ए. उन्नत ठोस स्थिति परतों की सभा और

झलकी 2015, बर्लिन, डी.ई., अक्टूबर 4–9, 2015।

» ***अपूर्व चैतन्य, एन'; आधि, ए'***; जसबीर, एम वीय पाठक, एम आर; शेख, एन यू और सामंत, गौतम के, "उच्च ऊर्जा और अधिक ऑर्डर के ऑप्टिकल वोर्टिसेज का विशेषीकरण और जनरेशन", ठोस स्थिति लेजर की सभा और कार्यशाला 2015, बर्लिन, डी.ई., अक्टूबर 4–9, 2015।

» बलियान, के एस; ***कौर, नवप्रीत'***; समीर; गणेश, एस और चंद्र, एस, "ए.जी.एन का ब्लेजार विभिन्नता को उपकरण की तरह इस्तेमाल कर के अध्ययन करना, सघन वस्तुओं के हाल ही के ट्रेंड और अध्ययनः सिद्धांत और अवलोकन, आर्यभट्ट ऑबजरवेशनल विज्ञान संस्थान, उत्तराखंड, आई.एन., मई 6 – 8, 2015।

» ***बालसुकुरी, नरेश'*** और ***गुप्ता, इति,*** "फेरोसिनाइल द्वारा बदला गया एजा–बी.ओ.डी.आई.पी.वाई. डाई", रसायन विज्ञान की 18वीं राष्ट्रीय सी.आर.एस.आई. संगोष्ठी, पंजाब विवि, चंडीगढ़, आई.एन., फरवरी 5–7, 2016।

» ***बालसुकुरी, नरेश'*** और ***गुप्ता, इति,*** "फेरोसीन एजा– बी.ओ.डी.आई. पी.वाई. का संश्लेषण और गुण", रासायनिक विज्ञान के हालही की प्रगित पर राष्ट्रीय सभा, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, आई.एन., अगस्त 21–23, 2015।

» बैनर्जी, संदीप; ***मिश्रा, नीलधारा*** और नंदी, सुभाष सी, "रंग बिखेरने वाली वस्तुएं – एलगोरिदम और कठोरता परिणाम", एलगोरिदम और डिसक्रीट एप्लाइड गणित की राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., फरवरी 8–10, 2016।

» ***बासु, धीमन,*** "घूमने वाले स्थल के सरल आंकलन के लिए विंडो आधारित दृष्टिकोण", भूकंप अभियांत्रिकी पर 5वीं टोंगी–यू.बी.सी. संगोष्ठी, टोंगी विवि शांघाई, सी.एन., मई 4–8, 2015।

» ***बच्चू, राजशेखर'*** और ***पिंडोरिया, नारण एम,*** "निवासियों द्वारा प्रतिक्रिया मांगने का एलगोरिदमरू स्टेट–ऑफ–दि–आर्ट, प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां", वायरलेस और उपग्रह प्रणालियों पर 7वीं ई.ए.आई. अंतर्राष्ट्रीय सभा डब्लूआई.एस.ए.टी.एस 2015, ब्रेडफोर्ड, यू.के., जुलाई 6–7, 2015।

» ***भवसार, पुनीतकुमार कनुभाई'; परमार, श्वेता'; श्रीनिवासन, बाबजी*** और ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "प्रसंस्करण नियंत्रण कक्षों में वास्तविक–समय पुपिलोमेट्री की ध्यान केंद्रित करने वाली प्रणाली", ए.आई.सीएच.ई. की वार्षिक बैठक, सॉल्ट लेक सिटी, सं.रा., नवम्बर 8–13, 2015।

» ***भवसार, पुनीतकुमार कनुभाई'; परमार, श्वेता'; श्रीनिवासन, बाबजी*** और ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "आंखों की नजर की समीक्षा के माध्यम से नियंत्रण कक्ष ऑपरेटरों के प्रदर्शन की निगरानी", सॉल्ट लेक सिटी, सं.रा., नवम्बर 8–13, 2015।

» ***चौहान, मार्गव'***; जियोंग, शुओ और ईडा, हीरायूकी, "खेलों में सुधार और यूटिलिटी–फन कार्य कार्ड खेलों में अनुप्रयोग", 20वीं खेल प्रोग्रामिंग कार्यशाला 2015, कारुईजावा, जे.पी., नवम्बर 6–8, 2015।

» ***चवण, रौशन ए'; राजीव, अभिजीत'*** और ***पालनथंडलम–मादापुसी,*** हरीष, "एक इनपुट पुनःनिर्माण दृष्टिकोण की सहायता से निर्देश को मानना", अमेरिकन नियंत्रण सम्मेलन 2015, शिकागो, सं.रा., जुलाई 1–3, 2015।

» ***चावला, मनीषा'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "मेटा–समीक्षा द्वारा निर्देश लेने की पहचान में सामान्य न्यूरल कोडिंग", संज्ञान, मस्तिष्क और कम्प्यूटेशन पर 3री अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., दिसम्बर 5–7, 2015।

» ***चावला, मनीषा'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "प्रतिफल प्रसंस्करण के न्यूरोलॉजिकल अध्ययन में मेटा–समीक्षा दृष्टिकोणों की तुलनारू एक अध्ययन", न्यूरल नेटवर्क्स पर अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त सभा, किल्लरने, आई.ई., जुलाई 12–17, 2015।

» ***चावला, मनीषा'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "दो–विकल्पों वाले निर्णय लेने के कार्य में पिछले चुनाव और फल का प्रभाव", न्यूरल सूचना प्रसंस्करण की 22वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, सियोल, के.आर., नवम्बर 9–12, 2015।

» ***चावला, मनीषा'***; मेसा, मौनिका और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "मस्तिष्क चित्रण अध्ययन के विशाल–माप वाले टेक्स्ट–माइनिंग के लिए ग्राफ क्लस्टरिंग", संगणना और इनफोर्मेटिक्स में महिलाओं पर 3री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, केरल, आई.एन., अगस्त 10–15, 2015।

» चीयरीचेट्टी, फ्लेवियो; दास, अभिमन्यु; ***दासगुप्ता, अनिरबन*** और कुमार, रवि, "अनुमानित प्रतिरूपकता", संगणना विज्ञान की बुनियाद पर आई.ई.ई.ई. की 56वीं वार्षिक संगोष्ठी 2015, बर्कले, सी.ए., अक्टूबर 17–20, 2015।

» ***चिल्का, पल्लवी'; रेड्डि पटलोल्ला, प्रताप'*** और ***दत्ता, भास्कर,*** "एक अनोखी सायनीन डाई द्वारा जी–क्वाड्रुपलेक्स पहचान", एलबेनी 2015, संरक्षण 19, रसायन विज्ञान और जैविकी विज्ञान विभाग, न्यू यॉर्क राजकीय विवि, ऐलीबेनी, आई.एन., जून 9–13, 2015।

» ***दास, लया'; श्रीनिवासन, बाबजी*** और रेंगास्वामी, रघुनाथन, "एक तेज ई.आई.एस. तरीके की मदद से पी.ई.एम. ईंधन प्रकोष्ठ का ऑन–लाइन प्रदर्शन निगरानी और नियंत्रण", अमेरिकन नियंत्रण सभा 2015, हिल्टन पालमर हाउस, शिकागो, सं.रा., जुलाई 1–3, 2015।

» ***दयाल, प्रत्युष; पालकर, वैभव'; श्रीवास्तव, गौरव;*** कुकसेंको, ओल्गा और बालाज, एन्ना सी, "स्थिरता विश्लेषण की मदद से स्वयं घूमने वाले पॉलीमर जेल के गतिशील बर्ताव का पूर्वानुमान", 3री सॉफ्ट पदार्थ युवा बैठक, पोन्डीचेरी, आई.एन., दिसम्बर 17–20, 2015।

» ***देवी, अनुस्मिता'*** और ***सामंत, तन्निष्ठा,*** "बूढ़ी महिलाओं के लिए कोई देश नहींरू लिंग, आयु और मीडिया", आयु और स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनरू स्वास्थ्य और समाज पर विभिन्न संस्कृतियों का परिप्रेक्ष्य, सामाजिक और आर्थिक बदलाव संस्थान, बेंगलोर, आई.एन., दिसम्बर 17–18, 2015।

» डे, पलाश; ***मिश्रा, नीलधारा*** और नराहारी, वाई, "चुनाव में मितव्ययी रिश्वतखोरी", कृत्रिम ज्ञान पर ए.ए.ए.आई. का 30वां सम्मेलन, फीनिक्स सभा केंद्र, एरीजोना, सं.रा., फरवरी 12–17, 2016।

» ***दीक्षित, दीपा'***; ***सीतालक्ष्मी, पी'*** और ***घोरोई, चिण्मय,*** "गुजरात की चिकनी मिट्टी की जल सोखने की शक्ति में प्रगति", खनिज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, टाटा परामर्श सेवाएं, पुणे, आई.एन., जनवरी 5–7, 2016।

» द्विवेदी, उत्कर्ष और ***दासगुप्ता, अनिरबन,*** "पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुपालन को शुरू करना", विकास के संगणना पर वार्षिक संगोष्ठी की कार्यवाही 2015, संगणना मशीनरी संघ, न्यू यॉर्क, सं.रा., दिसम्बर 1–2, 2015।

» ***एचेम्पेती, रघु,*** "यांत्रिक विधा के पाठ्यक्रम के आम उदाहरणों (दैनिक रूप से) से सीखना", 122वीं वार्षिक सम्मेलन और प्रदर्शनी, सियाटल, सं.रा., जून 14–17, 2015।

» ***एंडुरी, मुरली कृष्ण'; रेड्डि, विनोद कुमार'*** और ***जोलड, शिवकुमार,*** "क्या पत्रों की भिन्नता उनके उद्धरण पर प्रभाव डालती है? अमेरिकन भौतिकी विज्ञान संस्था की पत्रिकाओं से प्रमाण", जटिल नेटवर्क और उनके अनुप्रयोगों पर 4थी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, बेंगकॉक, टी.एच., नवम्बर 23–27, 2015।

» ***फुलपगारे, योगेश'*** और ***भार्गव, अतुल,*** "डाटा केंद्र का ऊष्ण पूर्वानुमान मॉडल", 23वीं राष्ट्रीय ऊष्मा और पदार्थ स्थानांतरण सभा तथा पहली अंतर्राष्ट्रीय आई.एस.एच.एम.टी–ए.एस.टी.एफ.ई. ऊष्मा और पदार्थ स्थानांतरण सभा, केरल, आई.एन., दिसम्बर 17–20, 2015।

» ***गहतराज, अभिषेक,*** और ***नायर, विपुल'***, "एंड्रॉयड आधारित रोगी सूचना उपकरण से रोगियों के रिश्तेदारों का भरोसा–बनाए रखना", कार्य और कार्य के वातावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2015, मुंबई, आई.एन., दिसम्बर 6–9, 2015।

» ***गांधी, वैभव आर'***; क्यू, यून आर. एवं प्रसन्ना, विक्टर के, "एफ.जी.पी.ए. पर उच्च–प्रवाह हैश आधारित ऑनलाइन वर्गीकरण इंजन", रीकॉनफिगरेबल संगणना और एफ.जी.पी.ए की अंतर्राष्ट्रीय सभा 2014, कैनकुन, एम.एक्स., दिसम्बर 8–10, 2015।

» ***गांधी, वैभव'***; ***हेडा, शशांक'; ए एस., जरीन'; उपाध्याय, अभिषेक'*** और ***चक्रवर्ती, अरूप लाल,*** "रेस्पबरी पाई–आधारित क्षेत्रीय–खेदजनक ट्यून करने वाला डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रणाली के इस्तेमाल से b2 का श्रीघ्र पता लगाना", माइक्रोवेव और फोटोनिक्स की अंतर्राष्ट्रीय सभा 2015, भारतीय खनिज विद्यापीठ, धनबाद, आई.एन., दिसम्बर 11–13, 2015।

» ***गंगोपाध्याय, आलोक'; पचोरी, शुभम'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "ऑटोमेटिक सिलहूटे फोटोग्राफी", संचार पर 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, आई.एन., मार्च 4–6, 2016।

» ***गंगोपाध्याय, जाग्रति'*** और ***सामंत, तन्निष्ठा,*** "परिवार जरूरी हैः शहरी अहमदाबाद, भारत में विभिन्न पीढ़ियों में सामाजिक अनुबंध", आयु बढ़ते परिवार, बदलते परिवाररू एक अतंर्राष्ट्रीय सभा, एजिंग अध्ययन संस्थान, सायराकूस विवि, सायराकूस, सं.रा., जून 3–6, 2015।

» ***गायत्री, पी'; जुवाले, कपिल'; किरुबाकरण, शिवप्रिया*** और ***थिरुवेण्कटम, विजय,*** "एमवाईओ–इनोसिटोल डेरीवेटिव का क्रिस्टल संरचनात्मक विश्लेषणः हाइड्रोजन बोंडिंग परिसंवाद की झलकियां", रसायन विज्ञान में 10वीं मध्य–वर्षीय सी.आर.एस.आई. संगोष्ठी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली, आई.एन., जुलाई 23–25, 2015।

» ***गोयल, अमीति'; कनोरिया, अक्षय ए'*** और ***दामोदरन, मुरली,*** "एन्नुलर पंख के अंदर प्रोपेलर के एयरोडायनामिक प्रभावों का आंकिक अध्ययन", अनुप्रयोग होने वाली एयरोडायनामिक और एयरोस्पेस यानों पर 7वीं संगोष्ठी, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतरपुरम, आई.एन., दिसम्बर 3–5, 2015।

» ***गोयल, श्रुति'; मियापुरम, के पी*** और ***लाहिड़ी, उत्तमा,*** "आंखों को ट्रेक करने के डाटा के इस्तेमाल से उपभोक्ता के बर्ताव का अनुमान लगाना", संगणना और मशीन ज्ञान पर दूसरा सम्मेलन 2015, हॉंग कॉंग, एच.के., नवम्बर 23–24, 2015।

» गुप्ता, हरि शंकर; ***मोहापात्र, सत्यजीत'; मोहापात्र, निहार आर*** और शर्मा, दिनेश के, "एक सिलीकॉन फोटोडिटेक्टर का अनोखा डिजाइन और उसका 4x4 सी.एम.ओ.एस. पिक्सल ऐरे के साथ सम्मिलित होना", गुणवान इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन का 17वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेंटा क्लारा सभा केंद्र, सेंटा क्लारा, सं.रा., मार्च 14–16, 2016।

» ***गुरुनानी, सागरकुमार वी'*** और ***दामोदरन, मुरली,*** "कागजी हवाईयान के गणनात्मक कम रेनॉल्ड्स आंकिक एयरोडायनामिक्स", एप्लाइड

एयरोडायनामिक्स और एयरोस्पेस यानों के डिजाइन पर 7वीं संगोष्ठी, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतरपुरम, आई.एन., दिसम्बर 3–5, 2015।

» ***हदियनवाला, मुर्तुजा एस'*** और ***दत्ता, भास्कर***, "जिंक मेटेलोएंजाइम मॉडूलेटर की तरह सल्फोनीलूरिया का विकास और डिजाइन", ई.एफ. एम.सी. युवा चिकित्सा केमिस्ट की 2री संगोष्ठी, एंटवर्प विवि, एंटवर्प, बी.ई., सितम्बर 17, 2015।

» ***हदियनवाला, मुर्तुजा एस'*** और ***दत्ता, भास्कर***, "जिंक मेटेलोएंजाइम मॉडूलेटर की तरह सल्फोनीलूरिया का विकास और डिजाइन", चिकित्सा रसायन विज्ञान फ्रंटियर 2015, एंटवर्प विवि, एंटवर्प, बी.ई., सितम्बर 14–16, 2015।

» ***जरीवाला, रुशि'; महेश्वरी, ज्योति'*** और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "छितरे हुए एडेप्टिव कक्ष इक्युएलाइजर के डिजाइन पर", बुद्धिमान सिग्नल प्रसंस्करण और संचार प्रणाली पर अतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2015, नीसा दुआ–बाली, आई.डी., नवम्बर 09–12, 2015।

» ***जरीवाला, रुशि'; पाटीदार, रौशन'*** और ***जॉर्ज, नितिन वी***, "अस्तव्यस्त प्रणाली की पहचान में एक लेवी आंतरिक खोजी एलगोरिदम", सॉफ्ट संगणना पर 21वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, बर्नो, सी.जेड, जून 23–25, 2015।

» ***जयप्रसाद, एन'*** और ***नारायण, विनोद***, "एक्सिमेट्रिक परिधि सतह की स्थिरता पर विस्कोसिटी स्ट्रेटीफिकेशन का प्रभाव", तरल गतिशीलता के ए.पी.एस. विभाग की 68वीं वार्षिक बैठक , मेसेशुसेट्स, स.रा., नवम्बर 22–24, 2015।

» ***जिंदल, ईशान*** एवं ***रमण, शनमुगनाथन***, "प्रतिनिधित्व करने वाले फ्रेम की मदद से एक वीडियो का सीमेंटिक वर्णन", संगणक दृष्टि, पैटर्न पहचान, चित्र प्रसंस्करण और ग्राफिक्स पर 5वीं राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, आई.एन., दिसम्बर 16–19, 2015।

» ***जोलड, शिवकुमार, एंडुरी, मुरली कृष्ण'*** और ***रेड्डि, विनोद कुमार'***, "उद्धरण पर भौतिकी के उप क्षेत्रों के प्रभाव में श्रेणीबद्ध ए.पी.एस.–पी.ए. सी.एस. वर्गीकरण की सहायता से विविधता और सम्बद्धता को नापना", ए.पी.एस. मार्च बैठक 2016, अमेरिकन भौतिक विज्ञान संस्था, बाल्टीमोर, एम.डी., मार्च 14–18, 2016।

» ***जोलड, शिवकुमार;*** रोमन, एहमदय शास्त्री, महेश सीय गाडगिल, मिहिर और बासु, अयानेन्द्रनाथ, "परिबद्ध विस्तार उपायों और सिग्नल पता लगाने में उनके अनुप्रयोग का एक नया परिवार", पैटर्न पहचान अनुप्रयोगों और पद्धतियों की 5वींअंतर्राष्ट्रीय सभा, रोम, आई.टी., फरवरी 24–26, 2016।

» ***जोशी, कल्पेश ए'*** और ***पिंडोरिया, नारण एम***, "केम वोल्टेज के बिना संतुलन वाले वितरण नेटवर्क में सर्वाधिक भार शेविंग और भार संतुलन के लिए बैटरी ऊर्जा एकत्रीकरण प्रणाली का एक दिन पहले का प्रेषण", आई.ई.ई.ई. ऊर्जा और शक्ति संस्था की सामान्य बैठक 2015, शेराटन डेनवर डाउनटाउन होटल, डेनवर, स.रा., जुलाई 26–30, 2015।

» ***जोशी, नुपुर'***, "ओवी पर वैश्वीकरण के प्रभाव", ज्ञान की अंतरविषयक दृष्टिकोणों पर 3री राष्ट्रीय संगोष्ठी, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विवि, गांधीनगर, आई.एन., जुलाई 30–31, 2015।

» ***जोशी, नुपुर'***, "महिलाओं की सुरक्षा और बचाव तथा स्वच्छता की कमीरू अहमदाबाद में बसे हुए लोगों का अध्ययन", दक्षिणी एशिया में शहरीकरण, अपवाद और बदलाव पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, लाहौर प्रबंधन विज्ञान संस्थान, लाहौर, पी.के., मार्च 4–6, 2016।

» ***जुवाले, कपिल'; गायत्री, पी'; थिरुवेण्कटम, विजय*** और ***किरुबाकरण, शिवप्रिया***, "हेलीकोबेक्टर पायलोरी संक्रमण पर केंद्रित उपचारू छोटे अणुओं के प्रावरोधकों का डिजाइन, संश्लेषण और आंकलन", निरमा फार्मेसी संस्थान की 3री अंतर्राष्ट्रीय सभा, निरमा फार्मेसी संस्थान, अहमदाबाद, आई.एन., जनवरी 21–23, 2016।

» कल्याणकृष्णन, शिवराम; ***मिश्रा, नीलधारा*** और गोपालन, "नीति इटरेक्शन में शुरुआत करने और स्विचिंग कार्रवाई की बेतरतीब प्रक्रियाएं", कृत्रिम बुद्धिमता पर ए.ए.ए.आई. की 30वां सम्मेलन, फीनिक्स सभा केंद्र, एरीजोना, सं.रा., फरवरी 12–17, 2016।

» ***कनोरिया, अक्षय ए'*** और चंदर, डोमिनिक, "ओवरसेट ग्रिड के साथ स्टेनफोर्ड विवि के बिना संरचना वाले कोड (एस.यू.2) को एकसाथ करना", एविएशन और एयरोनॉटिक्स फोरम तथा प्रदर्शनी, डालास, सं.रा., जून 22–26, 2015।

» ***कनोरिया, अक्षय ए'; पांचाल, कार्तिक, सी'; डोंगरे, रॉकी'*** और ***दामोदरन, मुरली***, "हवाईयानों के मनमाने ढंग से उड़ने की एयरोडायनामिक विशेषताओं की संगणनात्मक मॉडिलिंग", ए.आई.ए.ए. एविएशन और एयरोनॉटिक्स फोरम तथा प्रदर्शनी, डालास, सं.रा., जून 22–26, 2015।

» ***करदे, विक्रम'*** और ***घोरोई, चिण्मय***, "महीन चिपकने वाले चूर्ण में आद्रता पर आश्रित स्टिक–स्लिप बर्ताव", ए.आई.सीएच.ई की वार्षिक बैठक, सॉल्ट लेक सिटी, सं.रा., नवम्बर 8–13, 2015।

» ***कौरव, राजकुमारी'*** और ***मोहापात्र, प्रणब के***, "बांध के टूटने से सर्वाधिक आउटफ्लो का पूर्वानुमान", हाइड्रॉलिक्स, जल संसाधन और नदी अभियांत्रिकी की 20वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की, आई.एन., दिसम्बर 17–19, 2015।

» कृष्ण, अक्षयय चंद्र, साई शीतल; चन्नाप्पाया, सुमोहना एवं ***रमन, शनमुगनाथन***, "टोन–मैप्ड चित्रों के व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ गुणवत्ता का आंकलन", सिग्नल और सूचना प्रसंस्करण की 3री आई.ई.ई.ई. वैश्विक सभा– आम संगोष्ठी, फ्लोरिडा, सं.रा., दिसम्बर 14–16, 2015।

» कृष्णप्पा बाबू, ***प्रदीप राज*** एवं ***लाहिड़ी, उत्तमा***, "ऑटिज्म वाले व्यक्तियों के लिए एक आंखों की दृष्टि वाला आभासी वास्तविकता आधारित सामाजिक संचार के मंच का डिजाइन", बुद्धिमान प्रणाली, मॉडलिंग और सिमुलेशन पर आई.ई.ई.ई. की 7वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, बेंगकॉक, टी.एच., जनवरी 25–27, 2016।

» ***कुमार, दीपेश'***; अग्रवाल, गिरीश; सेहगल, ऋषभ; दास, अभिजीत; ***लिहिरी, उत्तमा*** एवं दत्ता, अनिरबन, " दौरा पड़ने के बाद संतुलन पुनर्वास के लिए एक वचनबद्धता–संवेदन परस्पर क्रिया वाला न्यूरोमस्कूलर विद्युतीय चिकित्सक प्रणाली– एक विचारात्मक अध्ययन", न्यूरल अभियांत्रिकी का 7वां आई.ई.ई.ई.–ई.एम.बी.एस. सम्मेलन, मोंटपेल्लियर, एफ.आर., अप्रैल 22–24, 2015।

» ***कुमार, मनीश*** एवं विटाकर, ए एस, "भूकंपीय दृष्टि से छोड़े गए परमाणु ढांचों में क्लीयरेंस से हार्ड स्टॉप की गणना", रिएक्टर प्रौद्योगिकी में संरचनात्मक यांत्रिकी की 23वीं सभा, मेंचेस्टर, सं.रा., अगस्त 10–14, 2015।

» ***कुमार, प्रभात'*** और ***मोहापात्र, प्रणब के***, "एकल पाइपलाइन में गैरअधीकृत शाखाओं का पता लगाने के लिए ट्रांसिएंट विश्लेषण", हाइड्रॉलिक्स, जल स्त्रोत और नदी अभियांत्रिकी पर 20वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, आई.एन., दिसम्बर 17–19, 2015।

» ***कुंबार, टी एस; असजोला, वीरल*** एवं ***मनु, टी आर***, "संसाधन का मार्गदर्शकः पुस्तकालय संसाधनों से उपभोक्ताओं को जोड़ना", औद्योगिक पुस्तकालय अध्यक्षता में उभरते हुए ट्रेंड पर वैश्विक सभा, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, आई.एन., दिसम्बर 2–4, 2015।

» ली, तिआनवू; ***एचेम्पती, रघु*** एवं फीडलर, रोगर, "प्लास्टिक रीसाइकलिंग मशीन के सिंक–फ्लोट–टैंक के संरचानत्मक दीवारों का विश्लेषण और पुनःडिजाइन बनाना", अभियांत्रिकी शिक्षा उत्तर केंद्रीय भाग के अमेरिकन संस्था की सभा, सिनसिनाटी विवि, सं.रा., अप्रैल 17–18, 2015।

» ***लोन, आसफ अली'***, "समकालीन प्रसंग में मुस्लिम पहचान की सीमाओं और उसके परिप्रेक्ष्य में 'स्वयं' को जानना", वास्तविकता और आभासी सीमाओं और सीमावर्ती इलाकोंस को खोजने के लिए अंतरविषयक शोध विद्वानों का प्रथम सम्मेलन, दिल्ली विवि, दिल्ली, आई.एन., जनवरी 11–15, 2016।

» ***लोन, आसफ अली'***, "लिंग का रूपण और निरूपण तथा इसका समकालीन मीडिया में प्रतिनिधित्व", यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित बुद्धिमता, प्रभाव और शक्ति पर राष्ट्रीय सभारू सामाजिक न्याय और अभ्यास में नारीवाद, अंग्रेजी विभाग, सेंट जेवियर्स विद्यालय, अहमदाबाद, आई.एन., सितम्बर 4–5, 2015।

» ***महेश्वरी, ज्योति'*** और ***दामोदरन, मुरली***, "एयरोइलास्टिक असंतुलित छोटी ऊर्जा के उत्पन्नता की गणनात्मक मॉडलिंग", एप्लाइड यांत्रिकी की 2री राष्ट्रीय सभा –2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, आई.एन., जुलाई 13–15, 2015।

» ***मैइती, सनत चंद्र'; राठोर, निशात'*** और ***घोरोई, चिण्मय***, " $Ca2SiO4$ निर्माण में सूखे नेनो–एडिटिव की परत का प्रभाव", सीमेंट और निर्माण सामग्री पर एन.सी.बी. की 14वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली, आई.एन., दिसम्बर 1–4, 2015।

» ***मणि, वेदमलाय*** एवं ***गुप्ता, इति***, "बायोसेंसिंग के लिए बी.ओ.डी.आई.पी.वाई. का संश्लेषण और डिजाइन", रसायन विज्ञान में सी.आर.एस. आई. की 18वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी, पंजाब विवि, चंडीगढ़, आई.एन., फरवरी 5–7, 2016।

» ***मणि, वेदमलाय***; वसिता, धवल, राजेश एवं ***गुप्ता, इति***, "पी.ई.टी. –सी.एच.ई.एफ. क्रियाविधि और उनकी जैविकचित्रण में अनुप्रयोगों के माध्यम से $Hg2+$ अणुओं का पता लगाने के लिए बी.ओ.डी.आई.पी. वाई. आधारित क्विलेक्ट्स", हालही के रसायन विज्ञान में प्रगति पर राष्ट्रीय सभा– 2015, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, आई.एन., अगस्त 21–23, 2015।

» ***मेहता, वेली'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी***, "भावनाएं और रंगरू न्यूरो चित्रण अध्ययन का एक मेटा–विश्लेषण", संज्ञान और मनोभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, सी.बी.सी.एस. इलाहाबाद, आई.एन., दिसम्बर 14–16, 2015।

» ***मिधुन, एम'***; रविशंकर, लेक्ष्मी पल्लीयिल एवं रेंगास्वामी, रमेश, "भारतीय ग्रीष्मकाल मॉनसून की वर्षा डेल्टा 180 में थोड़े समय की विभिन्नता", ई.जी.यू. सामान्य सभा 2015, विएना, औस्ट्रिया, अप्रैल 12–17, 2015।

» मिश्रा, ए के और ***मियापुरम, कृष्ण पी***, "भावात्मक निर्णय ना कि भावात्मक संतुष्ट प्रभाव निष्पादन कार्य देते हैं ", संज्ञानात्मक विज्ञान पर दूसरी वार्षिक सभा–2015, भा.प्रौ.सं. कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***मिश्रा, विमल*** और ***शाह, हर्ष एल'***, "भारतीय उप माहद्वीपों की नदी के

तलछट में उपलब्ध होने वाले सतही जल में देखे गए बदलाव", ए,जी. यू फॉल बैठक 2015, सेन फ्रांसिस्को, सं.रा., दिसम्बर 14–18, 2015।

» ***मोहापात्र, निहार आर; नरेश, सत्या शिवा'*** और दुहन, परदीप, "गेट–फर्स्ट एच.के.एम.जी. एन.एम.ओ.एस ट्रांजिस्टर का एनेलॉग प्रदर्शन– उपकरण आयामों और रूपरेखा की भूमिका", वी.एल.एस.आई. प्रौद्योगिकी, प्रणाली और अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, एम्बेसेडर होटल, शिंचू, टी.डब्लू., अप्रैल 27–29, 2015।

» ***मुखोपाध्याय, द्युतिमान'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "भारतीय दीवार पर चित्रकारी के चेहरों के नजदीकी दृष्टि स्कैन से उत्पन्न होने वाले नौ भावानात्मक अवस्थाओं (रास) का एक नेतृ–समझने वाला अध्ययन", संज्ञान और भावना पर अंतर्राष्ट्रीय सभा, सी.बी.सी.एस. इलाहाबाद, आई. एन., दिसम्बर 14–16, 2015।

» ***मुखोपाध्याय, द्युतिमान'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी,*** "खुशी और दुख वाले चेहरे की भावों के दृष्य जांच आधेभूभाग लेटरेलाइजेशन सिद्ध ांत और आंचिलक पसंदों का सहयोग करता है: एक दृष्टि–जांच का अध्ययन", संज्ञानात्मक विज्ञान पर दूसरी वार्षिक सभा–2015, भा.प्रौ.सं. कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» मुरलीधरण, मुरली गोपाल; ***सुंदरम, दिलीप एस*** एवं येन, विगोर, "एलूमीनिया सूक्ष्मअणुओं के जलीय निलंबनों में ऊष्मा का बहना", ए.आई.ए.ए. की 54वीं एयरोस्पेस विज्ञान बैठक–2016, केलिफोर्निया, सं.रा., जनवरी 4–8, 2016।

» ***नागर, राजेन्द्र'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "अनुकूली छवि अमूर्त द्वारा निर्देशित सेलीयेंसी", संगणक दृष्टि, पैटर्न पहचान, छवि प्रसंस्करण तथा ग्राफिक्स पर 5वीं राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, आई.एन., दिसम्बर 16–19, 2015।

» ***नारायण, विनोद*** और ***मोरनिया, रमेश एम',*** "एसिमेट्रिक परिधि सतहों के विकास में बिक्लोबल स्थिरता का विश्लेषण", तरल आयामों के ए.पी.एस. खण्ड का 68वीं वार्षिक बैठक, मेसेशुसेट्स, सं.रा., नवम्बर 22–24, 2015।

» ***ओझा, अपूर्व'; परिहार, नरेन्द्र'*** और ***मोहापात्र, निहार आर,*** "एच.के. एम.ओ.जी. एनएम.ओ.एस. ट्रांजिस्टर्स में परत द्वारा दिया गया वोल्टेज शिफ्ट के ऊपर दबाव का विश्लेषण और मॉडलिंग", वी.एल.एस.आई. डिजाइन की 29वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा– 2015, होटल आई.टी.सी. सोनार, कोलकता, आई.एन., जनवरी 4–8, 2016।

» ***पचोरी, शुभम'; सिंह, क्षितिज'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "कोर्नर खोजने के लिए बेतरतीब जंगलों की मदद से निकाला गया एक अनोखा तरीका", संगणक दृष्टि और छवि प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा –2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, आई.एन., फरवरी 26–28, 2016।

» ***पाण्डे, विजयलक्ष्मी'; दास, सुदीप्ता'*** और ***गुप्ता, इति,*** "दानदाता–स्वीकारकर्ता के A2B2 पोरफाइरिन", रसायन विज्ञान में सी.आर.एस.आई की 18वीं संगोष्ठी, पंजाब विवि, चंडीगढ़, आई.एन., फरवरी 5–7, 2016।

» ***पाण्ड्या, सलोनी प्रशांत'*** और ***सचान, अजंता,*** "असंपिंडित बिना बहायी हुयी परिस्थिति में सी.एच मृदा का बहुआयामी बर्ताव", भूकंप अभियांत्रिकी पर टोंगी–यू.बी.सी. की 5वीं संगोष्ठी, टोंगजी विवि शांघाई, सी.एन., मई 4–8, 2015।

» ***पटेल, दीप्तीबेन'; सोनाने, भूमिका'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "प्रोपागेटेड छवि फिल्टरिंग की मदद से बहु–आनावरण छवि संलयन", संगणक दृष्टि और छवि प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय सभा–2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, आई.एन., फरवरी 26–28, 2016।

» पटेल, नरेन्द्र; ***त्यागी, धीरज'*** और ***पधियार, नितिन,*** "फैड–बैच रिएक्टर में उत्पादन का बहु–उद्देश्य अनुकूलन", भारतीय रसायन अभियंता संस्थान का 68वां वार्षिक सत्र–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, आई.एन., दिसम्बर 27–30, 2015।

» ***पटेल, निकिता'; अभिनव, ऋषभ'; श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "स्मार्ट ग्रिड और प्रसंस्करण उद्योगों के बीच की संरचनात्मक समानताएं और अंतररू भारत का अध्ययन", पी.एस. ई.2015/ई.एस.सी.ए.पी.ई.25 सम्मेलन, कोपनहेगन, डी.के., मई 31–जून 4, 2015।

» ***पटेल, विनल'*** और ***जॉर्ज, नितिन वी,*** "सक्रिय नॉयस नियंत्रण के ईवन शीशे के नॉन–लीनियर फिल्टर का आंशिक अद्यतन", यूरोपियन सिगन्ल प्रसंस्करण का 23वां सम्मेलन, नाइस, एफ.आर., अगस्त 31 – सितम्बर 4, 2015।

» ***पाटिल, अक्षय गाडी'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "स्थानीय टेक्सचर और चमक के तरीकों की मदद से एच.डी.आर. छवियों का टोन रेखाचित्रण", संगणक दृष्टि और छवि प्रसंस्करण–2016 पर अंतर्राष्ट्रीय सभा–2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, आई.एन., फरवरी 26–28, 2016।

» ***पटनायाकुनि, रवि प्रकाश'*** और ***श्रीवास्तव, गौरव,*** " आर.सी.सी. ढांचों की ऊष्मा–यांत्रिकी जांच के लिए मेट्रिक्स पद्धति पर आधारित ढांचे का विकास", पी.आर.ओ.टी.ई.सी.टी–2015, मिशीगन राजकीय विवि, पूर्वी लेंसिंग, सं.रा., जून 28–30, 2015।

» फुरैलातपम, सी; राजपुरोहित, बी एस एवं ***पिंडोरिया, नारण,*** "माइक्रोग्रिड्स एमब्रेसिंगरू ग्रामीण और शहरी भारत के लिए अनुप्रयोग", भारतीय ऊर्जा सेक्टर–एनर्जी के साथ सिनर्जी पर 10वीं राष्ट्रीय सभा , अहमदाबाद, आई.एन., मई 5–6, 2015।

» पिंडोरिया, राजेश एम; ***पिंडोरिया, नारण*** और ***राजेन्द्रन, एस,*** "सौर पीवी उत्पन्न करने वाले डीसी नेनो–ग्रिड के लिए डीसीध्डीसी कनवर्टर का सिमुलेशन", आई.ई.ई.ई. इनोवेटिव स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी – एशिया, आई.एस.जी.टी एशिया 2015, सेन्ट्रल वर्ल्ड बेंगकॉक का सेंटेरा ग्रांड और बेंगकॉक सभा केंद्र, टी.एच., नवम्बर 3–6, 2015।

» पिंडोरिया, राजेश एम; ***राजेन्द्रन, एस*** और चौहान, पी जे., "क्षेत्रीय प्रोग्रामेबल गेट ऐसे आधारित बी.एल.डी.सी. मोटर का गति नियंत्रण", आई.ई.ई.ई. इनोवेटिव स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी – एशिया, आई.एस.जी.टी एशिया 2015, सेन्ट्रल वर्ल्ड बेंगकॉक का सेंटेरा ग्रांड और बेंगकॉक सभा केंद्र, टी.एच., नवम्बर 3–6, 2015।

» ***प्रभाकर, वी एन,*** "करनपुर, जिला हनुमानगढ़, राजस्थान की हालही की उत्खनन", दक्षिणी एशिया की 44वीं वार्षिक बैठक, दक्षिणी एशिया का केंद्र, विंसकॉसिन–मेडिसन विवि, स.रा., अक्टूबर 22–25, 2015।

» ***प्रभाकर, वी एन,*** "भारत में विज्ञान और मानव विज्ञानः चुनौतियां और परिणाम", दक्षिणी एशिया की 44वीं वार्षिक बैठक, दक्षिणी एशिया का केंद्र, विंसकॉसिन–मेडिसन विवि, सं.रा., अक्टूबर 22–25, 2015।

» ***प्रसाद, विगनेश'; थरेजा, प्राची*** और ***मेहरोत्रा, सूर्य प्रताप,*** "कोयले की फ्लाई राख स्लरीज की रियोलॉजी", पदार्थ में प्रगति, उत्पादन और अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सभा–2015, रा.प्रौ.सं. त्रिची, आई.एन., अप्रैल 9–11, 2015।

» ***प्रसीता, ई केसवन*** और ***गुप्ता, इति,*** "ब्रिज्ड बी.ओ.डी.आई.पी.वाईरू विश्लेषण और संगणनात्मक अध्ययन", रसायन विज्ञान पर सी.एस.आर. आई की 18वीं संगोष्ठी, पंजाब विवि, चंडीगढ़, आई.एन., फरवरी 5–7, 2016।

» ***प्रसीता, ई केसवन'*** और ***गुप्ता, इति,*** "डी.एस.एस.सी. के लिए एक संभावित डाई प्रतिभागी के रूप में मेसो–कार्बाजोल द्वारा बदला गया बोरोन डाइपाइरोमीथेन", रसायन विज्ञान में हालही के हुई प्रगति पर राष्ट्रीय सभा –2015, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, आई.एन., अगस्त 21–23, 2015।

» ***प्रशांत, अमित;*** गुंडलापल्ली, सरस्वती एवं ***भट्टाचार्य, देबायन',*** "ट्राएक्सियल परीक्षणों में बेंडर तत्वों की मदद से गंगा की रेत के छोटे–खिंचाव शियर मॉडूल पर खिंचाव–स्थिति निर्भरता और स्लिट कटेंट का प्रभाव", भूकंप अभियांत्रिकी पर 5वीं टोंगी–यू.बी.सी. संगोष्ठी, टोंगी विवि शंघाई, सी.एन., मई 4–8, 2015।

» ***पुचलापल्ली, संबाशिवइया'*** और ***पिंडोरिया, नारण,*** "आधुनिक घरेलू और व्यापारिक भार के लिए हार्मोनिक्स मूल्यांकनरू एक सर्वेक्षण", विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और सतत ऊर्जा प्रणालियों पर आई.ई.ई.ई. की अंतर्राष्ट्रीय सभा –16, कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तर प्रदेश, आई.एन., मार्च 11 –12, 2016।

» ***रेशेल, एनी सेम जॉर्ज'*** और ***रथ, अर्नपूर्णा,*** "17वीं शताप्दी के भारत में कृष्टपुराण और बाइबल की यात्रा", बाइबल अनुवाद पर 8वीं द्विवार्षिक सभा–2015, एप्लाईड लिंग्विस्टिक स्नातक संस्थान, डालास, सं.रा., अक्टूबर 16–20, 2015।

» ***रेशेल, एनी सेम जॉर्ज'*** और ***रथ, अर्नपूर्णा,*** "पवित्र का अनुवादः 'वैकुंठ' और महिमा तथा परम सुख का स्वर्ग", पवित्रता के जूझने और डीओ. एच.एस.एस. का शैक्षणिक सम्मेलन–2016, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, आई.एन., जनवरी 21–24, 2016।

» राजन, इरुद्या; ***देवी, अनुस्मिता'***; एस., सुनीता एवं ***सामंत, तन्निष्ठा,*** "केरल के अधिक उम्र के वयस्कों में वास्तुनिष्ठ सलामती के पुराने दिन", एशियन जनसंख्या संघ की 3री सभा, कुआला लुंपुर, एम.वाई., जुलाई 27–30, 2015।

» ***राजशेखर, बच्चू'*** और ***पिंडोरिया, नारण,*** "हेटेरोजीनियस आवासीय उपभोक्ताओं के एक समूह का विकेंद्रीयकरण", आई.ई.ई.ई. उन्नत स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी – एशिया, आई.एस.जी.टी. एशिया 2015, सेंटेरा ग्रांड और कंद्रीय विश्व बेंगकॉक का बेंगकॉक सभा केंद्र, टी.एच., नवम्बर 3–6, 2015।

» ***राजशेखर, बच्चू'*** और ***पिंडोरिया, नारण,*** "सौर पीवी और बैटरी ऊर्जा संचय के लिए एक बहु–आयामी समय निर्धारण – एक अध्ययन", आई. ई.ई.ई. उन्नत स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी – एशिया, आई.एस.जी.टी. एशिया 2015, सेंटेरा ग्रांड और कंद्रीय विश्व बेंगकॉक का बेंगकॉक सभा केंद्र, टी.एच., नवम्बर 3–6, 2015।

» ***रालहन, क्रितिका'; गुरू कृष्ण कुमार, विश्वनाथन'*** और ***गुप्ता, शरद,*** "एस.पी.पी.एस. में कुशल एफ.एम.ओ.सी. निष्कासन के लिए फेसाइल डीप्रोटेक्शन रणनीति", 7वीं पेप्टाइड अभियांत्रिकी बैठक, भारतीय विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान संस्थान, पुणे, आई.एन., दिसम्बर 5–7, 2015।

» ***रालहन, क्रितिका'; गुरू कृष्ण कुमार, विश्वनाथन'*** और ***गुप्ता, शरद,*** "टाउ कोर हेक्सापेप्टाइड फ्रेगमेंट पर आश्रित अवशेषरू एंटी–टाउ जमाव अवरोधकों की प्रगति की ओर", 5वीं भारतीय पेप्टाइड संगोष्ठी, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, आई.एन., सितम्बर 24–25, 2015।

» ***रथी, प्रीती'; भूमिरेड्डि, शनमुखा मनोज'***; नंडोला, नरेश एन.; हरजुनकोसकी, ईरो एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन,*** "विभाजन के वास्तविक–समय के जांच पर आधारित आंतरिक नियंत्रण और समय निर्धारण", पी.एस.ई.2015/ई.एस.सी.ए.पी.ई.25 सभा, कोपनहेगन, डी.के., मई 31– जून 4, 2015।

» ***रेड्डि पटलोल्ला, प्रताप'*** और ***दत्ता, भास्कर,*** "सायनीन डाई के नियंत्रित एकत्रीकरण के माध्यम से प्रोटीन एकत्रीकरण का डी–एकत्रीकरण मध्यस्थता वाली निगरानी", एलबेनी 2015, संवाद 19, रसायन विज्ञान और जैविक विज्ञान विभाग, न्यू यॉर्क राजकीय विवि, एलबेनी, जून 9–13, 2015।

» ***समानी, एकता यू'; गुप्ता, विकास आर'*** और ***रमण, शनमुगनाथन,*** "शब्दकोष से फ्लैशध्नो–शैलैश छवि विलय", 5जी संगणक दृष्टि, पैटर्न पहचान, छवि प्रसंस्करण और ग्राफिक्स पर 5वीं राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, आई.एन., दिसम्बर 16–19, 2015।

» ***सावदियावाला, विराग'*** और ***दामोदरन, मुरली,*** "संयुक्त सेवोईन एच–रोटर वर्टिकल एक्सिस वायु टर्बाइन का गणनात्मक प्रदर्शन वाला आंकलन", यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रगति पर यांत्रिक अभियंताओं की भारतीय संस्था की 17वीं सभा–2015, भा.प्रौ.सं. दिल्ली, आई.एन., अक्टूबर 3–4, 2015।

» ***सक्सेना, कृष्ण कुमार'; कुमार, दीनदयाल'*** और ***मुखोपाध्याय, ज्योति,*** "नॉन लीनियर स्ट्रेन पथ को देखते हुए सीमाओं के बनने की जांच करने के लिए एक अनोखा प्रयोगात्मक तरीका", अंतर्राष्ट्रीय डीप ड्रॉइंग शोध समूह सम्मेलन–2015, शांघाई, सी.एन., मई 31– जून 3, 2015।

» ***शाह, राज'; रेड्डि, संदीप'; पटेल, विनल'*** और ***जॉर्ज, नितिन वी,*** "फाइनाइट वर्ड लंबाई के नॉनलीनियर सक्रिय नॉयस नियंत्रण प्रणाली में संकुचन का सुधार", डिजिटल प्रसंस्करण पर आई.ई.ई.ई. की 20वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा–2015, सिंगापुर, एस.जी., जुलाई 21–24, 2015।

» ***शाह, व्रुतंगकुमार वी'***; गोयल, सचिन एवं ***पालनथंडलम–मादापुसी, हरीष जे,*** "पार्किनसन रोग के लिए गहरे मस्तिष्क के संवेदन में उच्च–आवृत्ति बहाव का एक परिप्रेक्ष्य", भारतीय नियंत्रण सभा–2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, आई.एन., जनवरी 4–5, 2016।

» ***शेख, अल्ताफ'; भाकुनी, रश्मि'; थिरुवेण्कटम, विजय*** एवं ***किरुबाकरण, शिवप्रिया,*** "केंसर के लिए ए.टी.आर. विशिष्ट अनोखी चिकित्सा", निरमा फार्मेसी संस्थान की 3री अंतर्राष्ट्रीय सभा–2016, निरमा फार्मेसी संस्थान, अहमदाबाद, आई.एन., जनवरी 21–23, 2016।

» ***शर्मा, हिमांशु'; हर्षे, सोहम'***; वेकारिया, सच्चितय सिंह, मिलन एवं ***दामोदरन, मुरली,*** "हवाई यान के एयरोडायनामिक विशेषताओं पर वर्षा के प्रभावों का गणनात्मक आंकलन", एविएशन और एयरोनॉटिक्स फोरम तथा प्रदर्शनी–2015, डालास, सं.रा., जून 22–26, 2015।

» शेखर, मिहिरय चिक्का, वीर राघवेन्द्रय थॉमस, लिनिय मंधन, सुनील एवं ***करलापलेम, कमलाकर,*** "विशिष्ट रोगों से संबंधित चिकित्सा की पहचान", डाटा माइनिंग श्रंखला की आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सभा –2015, बेल्ली एटलांटिक सिटी होटल, एटलांटिक सिटी, सं.रा., नवम्बर 14–17, 2015।

» ***शिरमते, प्रतीक सूर्यकांत'; फुलपगारे, योगेश'*** और ***मार्गव, अतुल,*** "सी.एफ.डी. एवं प्रयोगात्मक अध्ययन की मदद से डाटा उष्मा प्रदर्शन पर रैक रूपरेखा का प्रभाव", 23वीं राष्ट्रीय ऊष्मा तथा मास स्थानतांतरण सभा और प्रथम अंतर्राष्ट्रीय आई.एस.एच.एम.टी–ए.एस.टी. एफ.ई. ऊष्मा तथा मास स्थानांतरण सम्मेलन–2015, केरल, आई.एन., दिसम्बर 17–20, 2015।

» ***सिंह, चेतन'; पटेल, त्वरित'*** और ***पाण्डा, एमिला,*** "आर.एफ. मेगनेट्रॉन स्पटरिंग पर विभिन्न सबस्ट्रेट तापमान पर एल–डोप्ड जेडएनओ फिल्स के जमाव की संबंधित सतह और बल्क इलेक्ट्रॉनिक विशेषता", सिंगापुर की पदार्थ शोध संस्था के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के पदार्थ की 8वीं अंतर्राष्ट्रीय सभा– 2015, सनटेक, एस.जी., जून 28 – जुलाई 3, 2015।

» ***सिंह, निखिल'*** और ***राजेन्द्रन, एस,*** "पीजो–बांडेड टीमोशेंको किरण के सक्रिय मिटिगेशन के लिए उन्नत डिस्क्रीट समय की नियंत्रण रणनीति", स्मार्ट संरचनाएं और प्रणालियों पर आई.ई.ई.ई. की अंतर्राष्ट्रीय सभा–2016, सवीता अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सवीतानगर थंडलम श्रीपेरुम्बुदुर चेन्नई, तमिल नाडु, मार्च 23–24, 2016।

» ***सिन्हा, अंकिता'*** और ***मार्गव, अतुल,*** "गर्मी पर खाना का प्रतिदर्श के रेखागणित का प्रभाव और अधिकांश दर हस्तांतरण करते हैं और गहरी मोटी तलनेवाली प्रक्रिया के दौरान बार पकाता है", 23वीं राष्ट्रीय ऊष्मा तथा मास स्थानतांतरण सभा और प्रथम अतर्राष्ट्रीय आई.एस.एच. एम.टी–ए.एस.टी.एफ.ई. ऊष्मा तथा मास स्थानांतरण सम्मेलन–2015, केरल, आई.एन., दिसम्बर 17–20, 2015।

» सिनिथ, एम एसय थ्रिस्सूर, केरल एवं ***मूर्ती, के वी वी,*** "टी.एम.एस. 320सी.6713 की मदद से भारतीय संगीत में वास्तविक–समय में स्वर की पहचान करने की प्रणाली", संगणना, संचार और इंनफोर्मेटिक्स में प्रगति पर 4थी अंतर्राष्ट्रीय सभा, कोची, आई.एन., अगस्त 10–13, 2015।

» ***सोलंकी, धवल'; ओजा, पूजन'*** एवं ***लाहिड़ी, उत्तमा,*** "शारीरिक सूचकांक को मापने के लिए एक परेशान ना करने वाला कम–लागत का उपकरण बनाने की ओर", आई.ई.ई.ई. क्षेत्र 10 संगोष्ठी 2015, गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त टेक–सिटी कंपनी लि., गांधीनगर,आई.एन., मई 13–15, 2015।

» ***सोप्पिना, वीरूपक्षी,*** "सीनॉरहेबडाइटिस एलीगन एक्सोनल वाहन और कार्य में काइनेसिन–3 परिवार की विशिष्ट अनोखी मोटिलिटी आउटकम का निर्धारण और महत्व", पहली भारतीय सी.एलीगन्स की बैठक और कार्यशाला, टी.आई.एफ.आर.– मुबई एवं लोनावला, आई.एन., जनवरी 28 – फरवरी 2, 2016।

» ***श्रीजित, आर'; पिंडोरिया, नारण*** एवं ***श्रीनिवासन, बाबजी,*** "लोड क्षतिपूर्ति के लिए डी.एस.टी.ए.टी.सी.ओ.एम. आधारित एक अनोखा नियंत्रण एलगोरिदम", उन्नत नियंत्रण और डायगनोसिस पर 12वीं यूरोपियन कार्यशाला–2015, पश्चिमी बोहेमिया विवि, पिलसन, सी.जेड, नवम्बर 19–20, 2015।

» ***श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***तिवारी, सरोजिनी'***, "जल के दोबारा इस्तेमाल के लिए दुग्ध उद्योग में उपचार यंत्र की मॉडलिंग और अनुकूलन", डब्लू.ई.एफ.–ई.ई.एस.एस. एशिया–पैसिफिक, अपशिष्ट जल उपचार तथा पुनः इस्तेमाल पर सम्मेलन–2015, सिंगापुर, एस.जी., जून 28 – जुलाई 1, 2015।

» ***सुडानी, जय ए'; प्रसाद, रचित'*** और ***दामोदरन, मुरली,*** "वर्टिकल एक्सिस वायु टर्बाइन के प्रदर्शन का हाई–फिडेलिटी गणनात्मक आंकलन", एविएशन और एयरोनॉटिक्स फोरम और प्रदर्शनी–2015, डालास, सं.रा., जून 22–26, 2015।

» सुलोचना, श्रीजा एवं ***हबलानी, हरि बी,*** "2–डी में प्रिसीजन म्यूनीशन का मार्गदर्शन और लक्ष्य का आंकलन", ए.आई.ए.ए. मार्गदर्शन, नौचालन, तथा नियंत्रण की संस्था–2016, केलिफोर्निया, सं.रा., जनवरी 4–8, 2016।

» सुलोचना, श्रीजा एवं ***हबलानी, हरि बी,*** " प्रिसीजन म्यूनीशन का मार्गदर्शन और गतिवान लक्ष्य की स्थिति का आंकलन", ए.आई.ए.ए. मार्गदर्शन, नौचालन, तथा नियंत्रण की संस्था–2016, केलिफोर्निया, सं.रा., जनवरी 4–8, 2016।

» सुलोचना, श्रीजा एवं ***हबलानी, हरि बी*** एवं आर्य, हेमेन्द्र, "मार्गदर्शित मूनीशन जिसमें आई.आर. सेंसर और एमएमडब्लू राडार उपयोग हुआ है, उसके लक्ष्य की सूक्ष्मता", रौशनी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष – एस.पी. आई.ई. सुरक्षा–2015, सेंटर डे कांग्रेस पीयरे बैडीस, टुलोज , एफ.आर., सितम्बर 21–24, 2015।

» ***थरेजा, प्राची*** एवं ***कुलकर्णी, सिद्धार्थ',*** "सर्फैक्टेंट सोखने वाले ठोस कांच की सतहों के तरल क्रिस्टल उन्मुखीकरणः एक वेट्टेबिलिटी और ठोस सतह की ऊर्जा का अध्ययन", ए.सी.एस. कोलोइड सतह के विज्ञान की 89वीं संगोष्ठी, कार्नेजी मेलन विवि, पिट्सबर्ग, पी.ए., जून 15–17, 2015।

» ***थरेजा, प्राची*** एवं ***कुलकर्णी, सिद्धार्थ',*** "लायोट्रोपिक हेक्सागोनल तरल क्रिस्टल में अणुओं की स्वतःएसेम्बलीरू कणों की लोडिंग, आकार और चरण के ट्रांजीशन काइनेटिक का प्रभाव", ए.सी.एस. कोलोइड सतह के विज्ञान की 89वीं संगोष्ठी, कार्नेजी मेलन विवि, पिट्सबर्ग, पी.ए., जून 15–17, 2015।

» ***थॉमस, टोनी'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** "हाथ के प्रोक्सीमिटी प्रभावः स्थान, वस्तु और मुक्ति की भूमिका", छवि की अनुभूति का यूरोपियन सम्मेलन–2015, लीवरपूल विवि, यू.के., अगस्त 23–27, 2015।

» ***थॉमस, टोनी'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** "हाथों के नजदीक स्ट्रूप अवरोध और जगहों का प्रसंस्करण", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» टिन्ना, पल्लव एवं ***कारलापलेम, कमलाकर,*** "क्लास परिधि का आभास करने के लिए प्रभाव के क्षेत्रों का उपयोग करना", इलेक्ट्रॉनिक चित्रण पर आई.एस एवं टी की संगोष्ठी–2016, हिल्टन सेन फ्रांसिस्को यूनियन स्वायर, सेन फ्रांसिस्को, सां.रा., फरवरी 14–18, 2016।

» ***वर्गीश, सिनि'; सुब्रमणियम, मालविका ए,*** जोशी, मनीशा; ***पेरेज, रोजा मारिया*** एवं वोलमर, सेबेश्चियन, "बदलाव लाने वाले स्वयं सेवी सदस्यों का समूहरू ग्रामीण बिहार की महिलाओं में एजेन्सी, सशक्तीकरण और स्वास्थ्य के निर्णयों को समझना", जन स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सभाः मुद्दे, चुनौतियां, अवसर, बचाव, जागरुकता–2016, दिल्ली विवि, नई दिल्ली, आई.एन., जनवरी 15–16, 2016।

» ***वर्मा, सनी'; कुमावत, अनिमेश'; कुमार, दीपेश'***; दत्ता, अनिरबन एवं ***लाहिड़ी उत्तमा,*** "संतुलन पुनर्वास के लिए मानव और संगणक के बीच संवाद के लिए एक कदम आगे आना", मानव संगणक संवाद पर आई.ई.ई.ई.की दूसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा – 2016, सवीता विवि, चेन्नई, आई.एन., मार्च 10–11, 2016।

» यांग, यी एवं ***एचेम्पेती, रघु,*** "कक्षाओं में प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर का प्रयोग – सक्रिय और परियोजना आधारित शिक्षण", अभियंता शिक्षण उत्तर केंद्रीय प्रभाग की अमेरिकन संस्था का सम्मेलन, सिनसिनाती विवि, सं.रा., अप्रैल 17–18, 2015।

कार्यकारी पत्र

» ढोलकिया, हेम हा; ***मिश्रा, विमल*** एवं गर्ग, अमित, "शहरी भारत में मौसमी प्रभावों के कारण हृदय संबंधी मृत्युदर का अनुमान लगाना", आई.आई.एम.ए. का कार्यकारी पत्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, आई.एन., क्रम 2015–05–02, जून 2015।

प्रदर्शित पोस्टर

» ***अभिनव, ऋषभ'*** और ***पिंडोरिया, नारण एम***, "डी.एफ.आई.जी. आधारित वायु चक्की की क्रियाशील मॉडलिंग", पहली ऊर्जा अभियांत्रिकी में हालही के ट्रेंड की राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, आई.एन., दिसम्बर 29–30, 2015।

» ***अंगीरा, दीक्षी'*** और ***थिरुवेण्कटम, विजय***, "गामा सेक्रीटेस सक्रिय करने वाला प्रोटीनरू अलजाइमर रोग में प्रवीण लक्ष्य", 3री निरमा अंतर्राष्ट्रीय फार्मेसी संस्थान सभा में, निरमा फार्मेसी संस्थान, अहमदाबाद, आई.एन., जनवरी 21–23, 2016।

» ***बालसुकुरी, नरेश'***, "कोरोलेध्पोरफाइरिन–कार्बाजोले कोंजूगेट्स", रसायन विज्ञान में 10वीं मध्य–वर्ष की सी.आर.एस.आई. संगोष्ठी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तरुचिरापल्ली, आई.एन., जुलाई 23–25, 2015।

» ***जॉर्ज, नितिन'*** और ***मंजली, जयसन ए***, "घटना बांधने में अप्रत्याशी सुरागों की शुरुआत", संज्ञानात्मक विज्ञान की 2री सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***जॉर्ज, नितिन'*** और ***सनी, मीरा मेरी***, "चयनात्मक ध्यान में भूमिका का अनुमान", दृश्य अनुभूति की यूरोपियन सभा, लीवरपूल विवि, यू.के., अगस्त 23 – 27, 2015।

» ***घरपुरे, संपदा'; राव, निशांत*** एवं ***मूथा, प्रतीक***, "ऑनलाइन और ऑफलाइन बाईमेनुअल मोटर अनुक्रम सीख में सामान्य उम्र के प्रभाव", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***गोयल, श्रुति'*** और ***मियापुरम, कृष्णा पी***, "श्रंखलावार प्रतिक्रिया समय के कार्य में अधिगम पर प्रतिक्रिया संदीपन अवकाश के प्रभाव" संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***हुसैन, जवीना'; भदोरिया, रोहित'*** और ***किरुबाकरण, शिवप्रिया***, "संभावित आर.ए.एस. अवरोधकों का डिजाइन और विश्लेषण", औषधि खोज में हालही की प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी–2016 फार्मेसी विवि, निरमा विवि, गांधीनगर, आई.एन., मार्च 28 2016।

» ***जगिनी, किशोर कुमार'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी***, "दृष्टि द्वारा खोजी कार्य में प्रोबेबिलिस्टिक क्यूड ध्यान के साथ स्पेशियल कार्य करने वाली स्मृति बाधा नहीं डालती है", संज्ञानात्मक विज्ञान पर दूसरा वार्षिक सम्मेलन–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***जगिनी, किशोर कुमार'*** और ***सनी, मीरा मेरी***, "ध्यान खींचने में कार्य की भूमिका को समझना", संज्ञान, मस्तिष्क और कम्प्यूटेशन पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., दिसम्बर 5–6, 2015।

» ***करदे विक्रम'*** और ***घोरोई, चिण्मय***, "बहाव ऊर्जा पद्धति की मदद से फार्मास्यूटिकल चूर्णों के नमी सोखने वाले एग्लोमेरेशन और केकिंग बर्ताव की जांच", ए.ए.पी.एस. की वार्षिक बैठक और प्रदर्शनी, ऑरेंज काउंटी सभा केंद्र, ऑरलेंडो, एफ.एल., अक्टूबर 25–29, 2015।

» ***कातला, जगदीश'*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "पायरीन आधारित फ्लूरोसेंट जांच", रसायन विज्ञान के नए फ्रंटियर– मौलिक आधार से अनुप्रयोगों तक, बिरला प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान, गोवा, आई.एन., दिसम्बर 18–19, 2015।

» ***कुलकर्णी, सिद्धार्थ'*** और ***थरेजा, प्राची***, "हेक्सागोनल और नेमेटिक तरल क्रिस्टल्स में स्वतः–एसेम्बली और कोलोइडल कणों की रियोलॉजी", सूक्ष्मकणों की एसेम्बली – मौलिक आधार से अनुप्रयोगों तकरू फैरेडे परिचर्चा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, आई.एन., जनवरी 7–9, 2016।

» ***कुमार, दिनेश'*** और ***मूथा, प्रतीक***, "60 वर्षों का संज्ञानात्मक न्यूरोविज्ञान शोधः डाटा खनन के माध्यम से सुराग ढूंढना", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***कुमार, नीरज*** और ***मूथा, प्रतीक***, "अवधारणात्मक निर्णयों के सर्वाधिक स्थिर संवेदन का अनुमान लगाने पर एडेप्टिव विश्वसनीयता से सटीकता बढ़ती है", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***कुमार, परदीप'; श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***मोहापात्र, निहार रंजन***, "स्थानीय लीनियर एमबेडिंग की मदद से लीथोग्राफी प्रसंस्करण का मॉडल बनाना", एस.आई.एस.पी.ए.डी. 2015, मैरीलैंड विवि, वॉशिंगटन डी.सी., सं.रा., सितम्बर 9–11, 2015।

» ***कुमार, साकेत'*** और ***थरेजा, प्राची***, "शीयर, विद्युत क्षेत्र, और झूलते माध्यम पर फ्यूम्ड एलूमीना ससपेंशन का प्रभाव", जटिल तरल (कॉम्पफ्लू16), आई.आई.एस.ई.आर. पुणे, आई.एन., जनवरी 2–4, 2016।

» लेफुमत, हेन्ना जेड; ***मूथा, प्रतीक के***; मियाल, आर क्रिसय वर्चर, जीन–लूइस एवं सारलेगना, फेब्रिस आर, "क्या सेंसरीमोटर एडेप्टेशन अंतरअंगों की अदलाबदली में उन्हीं प्रक्रियाओं पर प्रभाव पड़ता है या जैसा मोटर स्मृतियों के एकीकृत होने पर होता है?", मोटर नियंत्रण एक्स में प्रगति पर सम्मेलन, बुडापेस्ट, एच.यू., जुलाई 21–25, 2015।

» ***मधु, के'; श्रीनिवासन, बाबजी*** एवं ***श्रीनिवासन, राजगोपालन***, "प्रसंस्करण ऑपरेशन में व्यवहार के लिए आँखों की नजर के डाटा की घटना चालित बहुआयामी जांच", एएल.सीएच.ई की वार्षिक बैठक, सॉल्ट लेक सिटी, सं.रा., नवम्बर 8–13, 2015।

» ***मजुमदार, शर्मिष्ठा***, "ट्रांसपोजेज का क्रमागत विकासरू क्यूं कुछ जींस छलांग लगाते हैं?", युवा खोजकर्ताओं की 8वीं बैठक 2016, भारत जैविकीविज्ञान, गुड़गावं में एन.सी.बी.एस., आई.एन., फरवरी 22 – मार्च 2, 2016।

» ***मेहता, रंजना'*** और ***सेनगुप्ता, इंद्रनाथ***, "बेट्टी के अंकों के घुमाव पर कोई सीमा नहींरू संगणक बीजगणित के माध्यम से एक पहल", सी.ओ.सी.ओ.ए. 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., फरवरी 22–26, 2016।

» ***मियापुरम, कृष्ण पी*** एवं ***चावला, मनीष'***, "स्पेशियल क्रम को सीखने पर असंगत श्रेणी की सूचना का प्रभाव", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***नायर, विपुल'*** और ***सनी, मीरा मेरी***, "छवि खोजी प्रयोगों में ओक्कूलस रिफ्ट उपकरण का अध्ययन", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***ओझा, अभिजीत'*** और ***थरेजा, प्राची***, "ग्राफीन ऑक्साइड के जलीय वितरण में सोल–जेल ट्राजीशन का रियोलॉजीकल अध्ययन", जटिल तरल (कॉम्पफ्लू16), आई.आई.एस.ई.आर. पुणे, आई.एन., जनवरी 2–4, 2016।

» ***पलकोल्लु, वीरभद्रइया'; वासु, अनुजी के'*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "सायनोस्टिलबीन का एकीकृत बढ़त वाला उत्सर्जनरू एमफीफिलिक कमपाउंड्स की जांच का एक उपकरण", शोध विद्वानों के आर.एस.सी. पश्चिमी भारत के प्रभाग की बैठक–2016, गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विवि, सेक्टर–09, गांधीनगर, आई.एन., मार्च 19, 2016।

» ***पमनानी, उज्जवल'*** और ***मियापुरम, कृष्ण पी***, "क्या लोग बायनरी कार्यों के विकल्पों में बदलाव की दर का समझ पाते हैं?", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***परब, अमोघ'; सेठ, क्षितीज'*** और ***सेनगुप्ता, इंद्रनाथ***, "रेशनल सामान्य कोणों के ग्रोबनर आधार", सी.ओ.सी.ओ.ए. 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., फरवरी 22–26, 2016।

» ***परमशिवम, महालिंगवेलर*** एवं ***कन्वाह, श्रीराम***, "सायनोस्टिलबीन आधारित सक्रिय फार–रेडध्एन.आई.आर. ए.आई.ई.ई. कूनारिन में ϖ–स्पेसर्स और एक्सेप्टर्स का प्रभावरू एक डी.एफ.टी. और प्रयोग का संयुक्त अध्ययन", रसायन विज्ञान में विकिरण पर 6वीं एशिया पैसिफिक और 13वीं डी.ए.ई–बी.आर.एन.एस. द्विवार्षिक संगोष्ठी–2016, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई, आई.एन., जनवरी 5–9, 2016।

» ***परमशिवम, महालिंगवेलर'; वासु, अनुजी के'*** और ***कन्वाह, श्रीराम***, "पानी में घुलनशील ए.आई.ई. लूमिनोजेनरू प्रोटीन बांधने की एक फ्लूरोसेंट जांच", रसायन विज्ञान में सी.आर.एस.आई.की 10वीं मध्य–वार्षिक संगोष्ठी–2015, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली, आई.एन., जुलाई 23–25, 2015।

» ***पटेल, नरेन्द्र माधवलाल'*** और ***पधियार, नितिन***, "बैच रिएक्टर के उपयुक्त नियंत्रण के लिए बॉक्स–सहयोग प्राप्त जेनेटिक एलगोरिदम", रसायन प्रक्रियाओं के उन्नत नियंत्रण की 9वीं संगोष्ठी– 2015, विसलर, ब्रिटिश कोलम्बिया, सी.ए., जून 7–10, 2015।

» ***पटेल, नरेन्द्र माधवलाल'*** और ***पधियार, नितिन***, "बहु–उद्देश्यों के अनुकूलन में तेज मेश–सोर्टिंग", रसायन प्रक्रियाओं के उन्नत नियंत्रण पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी–2015, विसलर, ब्रिटिश कोलम्बिया, सी.ए., जून 7–10, 2015।

» ***रथ, अर्नपूर्णा*** एवं रथ, सुरा पी., "फ्लोरा एनी स्टील, फ्रेंक पेनी, और एलिस पेरिन की कल्पना में कोलोनियल राजनीति और विनाशक घरेलू चरित्र", वार्षिक रॉकी माउंटेन एम.एल.ए. की 69वीं सभा, हिल्टन बुफ्फैलो थंडर रिजॉर्ट, सेंटा एफई, सं.रा., अक्टूबर 8–10, 2015।

» ***रेड्डि पटलोल्ला, प्रताप'*** और ***दत्ता, भास्कर***, "डाई के डी–एग्रीकेशन द्वारा कार्बोसायनीन डाई और फ्लूरोसेंस सेंसिंग का ट्यूनेबल टेम्पले–मुक्त एकत्रीकरण", स्वतःएसेम्बली और सुप्रामॉलीक्यूलर रसायन विज्ञान पर गोर्डन अनुसंधान सभा, रेनेसां टसकनी, लूका (बार्गा), आई.टी., मई 17–22, 2015।

» रॉय, अचिंत्या कुमार; त्रिपाठी, गौरव एवं ***सेनगुप्ता, इंद्रनाथ***, "अंकगणित श्रंखलाओं द्वारा मोनोमियल कोणों के लिए कम से कम ग्रेडेड मुक्त रेजोलूशन", सी.ओ.सी.ओ.ए. 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., फरवरी 22–26, 2016।

» ***साबू, सिमिली'; कुमार, नीरज*** और ***सनी, मीरा मेरी***, "टी1 पर

प्रतिउत्तर चुनाव द्वारा अटेंशन ब्लिंक मोडूलेट होते हैं", छवि अनुभूति पर यूरोपियन सभ–2015, लिवरपूल विवि, यू.के., अगस्त 23–27, 2015।

» साहा, जॉयदीपय त्रिपाठी, गौरब एवं ***सेनगुप्ता, इंद्रनाथ,*** "डिटरमिनेंटल आइडियल के जोड़ पर बेट्टी अंक", सी.ओ.सी.ओ.ए 2016, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., फरवरी 22–26, 2016।

» ***सांघवी, हीरल एम'; मल्लाजोयसुला, साइराम एस.*** एवं ***मजुमदार, शर्मिष्ठा,*** "मानव टी.एच.ए.पी. प्रोटीन के प्यूटेटिव डोमेन की जांच का गणनात्मक अध्ययन", कोषिका संगठन और गतिशीलता iiXXXIX अखिल भारतीय कोषिका जैविकी सभा, भारतीय विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान तिरुवनंतपुरम और राजीव गांधी जैविकप्रौद्योगिकी केंद्र, तिरुवनंतपुरम, आई.एन., दिसम्बर 6–8, 2015।

» ***सांघवी, हीरल एम'; मल्लाजोयसुला, साइराम एस.*** एवं ***मजुमदार, शर्मिष्ठा,*** "मानव के टी.एच.ए.पी. प्रोटीन के प्यूटेटिव डोमेन की जांच का गणनात्मक अध्ययन", गणितीय और संगणनात्मक जैविकी के राष्ट्रीय नेटवर्क की राष्ट्रीय बैठक 2015, भारतीय विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान पुणे एवं सी.एस.आई.आर.– राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे, आई.एन., दिसम्बर 27–30, 2015।

» ***सक्सेना, पंखुरी'; जॉर्ज, नितिन'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** "अनिश्चिता में ध्यान परिणाम", संज्ञान, मस्तिष्क और कम्प्यूटेशन पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सभा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, आई.एन., दिसम्बर 5–6, 2015।

» ***शाह, हर्ष एल'*** और ***मिश्रा, विमल,*** "भारतीय भूगर्भीय संभाग के लिए वास्तविक समय में नदी के बहाव की निगरानी प्रणाली का विकास", ए.जी.यू फॉल बैठक 2015, सेन फ्रेंसिस्को, सं.रा., दिसम्बर 14–18, 2015।

» ***शाह, हर्ष एल'*** और ***मिश्रा, विमल,*** "पूर्वानुमानित भविष्य के मौसम के अंतर्गत भारतीय नदी के भूभाग का जल–बजट", राष्ट्रीय मौसमी विज्ञान सभा, भारतीय विज्ञान सस्थान बेंगलोर, आई.एन., जुलाई 2–3, 2015।

» ***शर्मा, विकास ; मर्म, दीक्षित#*** एवं ***अतुल, भार्गव,*** "डीजल आधारित प्रणालियों के लिए बिना उत्प्रेरक का स्वतः गरम होने की मॉडलिंग", भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली, आई.एन., दिसम्बर 4–8, 2015।

» ***सिंह, चेतन'; पटेल, त्वरित'*** और ***पाण्डा, एमिला,*** "एल–डोप्ड जेडएनओ फिल्मस के सतही विद्युत हेटेरोजेनेसिटी की व्याख्या", सेमीकंडक्टर उपकरणों की भौतिकी पर 18वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला–2015, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर, आई.एन., दिसम्बर 7–18, 2015।

» ***सिंह, दिविता'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** "भावना से उत्पन्न अंधेपन में भावनाओं का कोई स्थान (नहीं) है "छवि अनुभूति पर यूरोपियन सम्मेलन–2015, लिवरपूल विवि, यू.के., अगस्त 23 – 27, 2015।

» ***सिंह, दिविता'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** "छवि खोजी टास्क में ध्यान खिड़की और अनुभूति के भार की भूमिका", संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक कार्यशाला–2015, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***सिंह, सुमित'*** और ***दामोदरन, मुरली,*** "क्वाड्रोटोर का संगण नात्मक एयरोयांत्रिकी एवं नियंत्रण", एयरोस्पेस यानों की एप्लाइड एयरोडायनामिक्स की 7वीं संगोष्ठी, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंथपुरम, आई.एन., दिसम्बर 3–5, 2015।

» ***सिंह, सुमित'***; कुमार, आर एवं ***दामोदरन, मुरली,*** "सिकुड़ते–फैलते नॉजल के निकास क्षेत्र में सुपरसोनिक बहाव में का संगणनात्मक अध्ययन", एयरोस्पेस यानों की एप्लाइड एयरोडायनामिक्स की 7वीं संगोष्ठी, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंथपुरम, आई.एन., दिसम्बर 3–5, 2015।

» ***सिंह, सुमित'***; कुमार, आर एवं ***दामोदरन, मुरली,*** "एक दो मंजिला इमारत में अग्नि आयामों और धुंए की संगणनात्मक मॉडलिंग", तरल यांत्रिक और तरल ऊर्जा की 42वीं सभा, रा.प्रौ.सं.के., सूरथकाल, आई.एन., दिसम्बर 14–16, 2015।

» ***सनी, मीरा मेरी; मंजली, जयसन ए.*** एवं ***कुमार, नीरज#,*** "पूर्वानुमान में त्रुटि के एक फंक्शन के तौर पर ध्यान बाधित करना", दृश्य बोध की यूरोपियन सभा में, लिवरपूल विवि, यू.के. अगस्त 23–27, 2015।

» ***वासु, अनुजी के'; कुमारी, बीना'*** और ***कन्वाह, श्रीराम,*** "एनियोनिक सर्फेक्टेंट के चुने हुए और संवेदनशील संवेदक", अनुसंधान विद्वानों की आ.एस.सी. पश्चिमी भारत के अनुभाग की बैठक–2016, गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, सेक्टर–09, गांधीनगर, आई.एन., मार्च 19, 2016।

» ***वासु, अनुजी के'; पलकोल्लू, वीरभद्रइया'*** और ***कन्वाह, श्रीराम,*** "ए–सायनोस्टिबीन के एकत्रीकरण–द्वारा प्रेरित उत्सर्जनः एम्फिफिलिक कम्पाउंड्स की जांच का एक उपकरण", रासायनिक विज्ञान में हालही की प्रगति पर राष्ट्रीय सभा, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, आई.एन., अगस्त 21 –23, 2015।

» ***यादव, गोल्डी'; कुमार, नीरज#; दूमर, रुशिक#*** एवं ***मूथा, प्रतीक,*** "टहला हुआ श्वसन अभ्यास मोटर चालित गुण का अवरोधन बेहतर बनाता है ",संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक सभा में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, आई.एन., जुलाई 5–8, 2015।

» ***जुबैर, हमजा मोहम्द'*** और ***सनी, मीरा मेरी,*** " समानता को समझनाः क्या विषम प्रभाव विषम है या यम है?" दृश्य बोध की यूरोपियन सभा में, लिवरपूल विवि, यू.के., अगस्त 23 – 27, 2015।

एकस्व अधिकार

» हेडस्ट्रोम, लिजबेथ के; कुनी, ग्रेगरी डी; गोलापल्ली, देवीप्रसाद आर; ***किरूबाकरण, शिवप्रिया,*** स्ट्रीपेन, बोरिस; गोरला, सुरेश कुमार; मौर्या, सुशील के; जॉनसन, कोरी रॉबर्ट; कविता, मंडापति और खान, जीहान, स्तनधारी के जठरांत्रिय जीवाणु संक्रमण की चिकित्सा के लिए कम्पाउंड्स और पद्धति", यूरोपियन एकस्व कार्यालय, एकस्व क्रमांकः EP2408753।

समीक्षाएं

» ***रेड्डि, श्रीनिवास,*** "काव्य साहित्य के इतिहास की ओर पुस्तक समीक्षाः नवीनीकरण और बदलाव का मोड़रू काव्य साहित्य के इतिहास की ओर, विगल ब्रोनर द्वारा संपादितय डेविड शुलमेन और गैरी टुब," ,यूज इंडियाः दि लिटररी ईजरनल, क्रम 63, सितम्बर–अक्टूबर 2015।

पत्रिका/समाचार पत्र लेख

» बोरुआ, बिजॉय एच एवं ***शरन, रघुबीर,*** "अभियांत्रिकी एवं लोकतंत्रः क्या अभियांत्रिकी अध्ययन को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता है?", हिन्दुस्तान टाइम्स, मई 27, 2015।

» ***डैनीनो, मिशैल,*** "अतीत से पूछो", फिनेंशियल क्रॉनिकल, जून 15, 2015।

» ***डैनीनो, मिशैल,*** "मृत्यु की चर्चा", फिनेंशियल क्रॉनिकल, सितम्बर 21, 2015।

» ***डैनीनो, मिशैल,*** "प्रकृति की डलिया", फिनेंशियल क्रॉनिकल, मई 11, 2015।

» ***डैनीनो, मिशैल,*** "राजनीति एवं इतिहास की पुस्तक लिखना", टीचर प्लस, पीपी 18–21, अगस्त 2015।

» ***डैनीनो, मिशैल,*** "भारतीय इतिहास की वास्तविक समस्याओं से लड़ना", डेली न्यूज और एनेलिसिस, मई 24, 2015।

» ***फुलपगारे, योगेश एस'*** एवं ***मार्गव, अतुल,*** "प्रत्येक बाइट के साथ ऊर्जा की बचतः डाटा केंद्रों के कुशल ऊष्मा प्रबंधन के लिए एक प्रयास", इलेक्ट्रॉनिक्स कूलिंग, नवम्बर 2015।

» ***इकबाल, मोहम्द उमैर',*** "एक नए सीख का पाठ", राइजिंग कश्मीर, अक्टूबर 19, 2015।

» ***जोलाड, शिवकुमार,*** "नई शिक्षा नीति के लिए पांच सुझाव", स्वराज्य, अगस्त 2015।

» ***मेहरा, अचल,*** "एक जेब में पाटीदार आंदोलन", डी.एन.ए. अहमदाबाद, पीपी 10, सितम्बर 11, 2015।

» ***मेहरोत्रा, सूर्य प्रताप*** एवं साह, प्रजापति प्रसाद, "कैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना हुई और उनका दर्शन कैसे स्थायित्व हुआ", स्क्रॉल.इन, जनवरी 10, 2016।

» ***मेहता, मोना जी*** एवं ***शरण, रघुबीर,*** "क्यूं अमृत्य सेन की 'कंट्री ऑफ फर्स्ट बॉयज' भारत में आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भूमिका को प्रकट करने में मदद करती है", भा.प्रौ.सं. गांधीनगर बाइट्स, खंड II, क्रम I, अक्टूबर 2015।

» ***मेहता, मोना जी,*** "कैसे प्रभावी पटेल समूह द्वारा गुजरात के लॉपसाइडेड विकास मॉडल को खोला", स्क्रॉल डॉट इन, अगस्त 27, 2015।

» ***मेहता, मोना जी,*** "सुजेन रुडॉल्फ (1930–2015): विश्व ने एक श्रेष्ठ भारतीय राजनीति विश्लेषक को खो दिया है", स्क्रॉल.इन, दिसम्बर 28, 2015।

अन्य

» ***दासगुप्ता, अनिरबन,*** लेंगी, केविन; रोहडेज, ली एवं थालेर्कस, जस्टिन, "ए फ्रेम फॉर एस्टिमेटिंग स्ट्रीम एक्सप्रेशन", डेटा स्केचस थीटा स्केच फ्रेमवर्क डॉक्यूमेन्टेशन के अंदर, 2015।

» ***कोठारी, रीता,*** "पटेलों का आंदोलन और अन्य पिछड़ा वर्ग अवस्था का विरोधाभास", काफिला डॉट ओआरजी, ब्लॉग, सितम्बर 17, 2015।

' छात्र
#कर्मचारी

छात्र गतिविधियां

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियां

परिसर नियुक्तियां 2015

परिसर नियुक्ति चाहने वाले 85 अवर स्नातकों में से 65 छात्रों को अपनी पसन्द की नियुक्ति सुनिश्चित करने में सफलता मिली है। 29 एम.टेक. छात्र जिन्होंने नियुक्तियों के लिए पंजीकरण कराया था, उनमें से 14 छात्रों को उनकी पसंद की नियुक्ति पाने में सफलता मिली। वे कंपनियां जिन्होंने 2015 के अवर–स्नातक बैच को परिसर नियुक्तियां प्रस्तावित की उनमें शामिल हैं अवंती, भारत फोर्ज, बोम्बार्डियर परिवहन भारत प्रा. लि., बी.पी.सी.एल., कॉग्नीजेंट प्रौद्योगिकी सर्विसेज, सी.क्यू.आर.ए., डी.आर.डी.ओ., ईक्लर्क्स सर्विसेज लि., फ्लिपकार्ट, फंडामेंटल एडवेंचर्स, फ्यूचर फर्स्ट इंफो सर्विसेज प्रा. लि., ग्रिडआंट्स जी.एस.एफ.सी. लि., हॉस्पिरा हेल्थकेयर, आई.टी.सी. इंफोटेक, काण्हा प्लास्टिक्स, लिंडे, महिन्द्रा एवं महिन्द्रा लि., मारुति सुजूकी लि., पारुल संस्थानों का समूह, आर. सिस्टम्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., टाटा मोटर्स लि., टाटा ऊर्जा लि., दि इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स लि. (आई.एस.डब्लू.पी.एल.), टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स, एवं टॉपर।

इस नियुक्ति का आकर्षण केन्द्र यह था कि सर्वाधिक पैकेज ग्रिडएंट्स ने दिया, एक कंपनी जो भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा शुरू की गई थी तथा प्रारंभ में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर उद्भवन केंद्र ने इसे सहयोग प्रदान किया था।

ग्रीष्मकाल अंतःशिक्षुता 2015

तकरीबन 200 भा.प्रौ.सं. गांधीनगर छात्रों ने 2015 के ग्रीष्मकाल के दौरान विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, तथा विभिन्न उद्योगों में अंतःशिक्षुता प्राप्त की है। इसमें से 116 छात्रों ने भारतीय शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान केंद्रों से अंतःशिक्षुता प्राप्त की जैसे ए2 नवीनीकरण एवं प्रशिक्षण संस्थान, अशोक विश्वविद्यालय, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, सामाजिक अध्ययन केंद्र (सूरत), सी.ई.पी.टी विश्वविद्यालय, गुजरात पर्यावरण प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, थिरुवनन्थपुरम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बी.एच.यू., भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, जोरहट, भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, रैपिड उत्पादन प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, शिव नादर विश्वविद्यालय।
57 छात्रों ने विदेशी विश्वविद्यालयों से अंतःशिक्षुता प्राप्त की है जैसे ए'स्टार सिंगापुर, केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान सं.रा.अ., केस पश्चिमी संसाधन विश्वविद्यालय सं.रा.अ., क्लेमसन विश्वविद्यालय सं.रा.अ., ड्यूक विवि सं.रा.अ., प्रयोगात्मक ऊर्जा ग्रिड प्रणाली, ए.एस.टी.ए.आर., सिंगापुर, ई.पी.आई.आर. प्रौद्योगिकी – बोलिंगब्रूक, आई.एल., सं.रा.अ., रसायन एवं अभियांत्रिकी विज्ञान संस्थान, जुरोंग आइलैंड, सिंगापुर, आई.एस.सी.टी.ई.–लिसबन विश्वविद्यालय, लिसबन, इंस्टिट्यूटो डी

सिंजा ए टेक्नोलोजी डेल'इन्फोर्मेजियोन "ऐ फेइडो", जापान उच्चतम विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी संस्थान, जापान, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर, औट्टो–वॉन–ग्वीरीक–यूनिवर्सिटेट मैगडेबर्ग, आर.डब्लू. टी.एच. आचेन, टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला, शिकागो, सं.रा.अ., ऐलबर्टा विश्वविद्यालय, ऐडमोंटोन, कनाडा, नॉट्रे डेम विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., दक्षिणी केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सं.रा.अ. टेक्सस दक्षिणपश्चिमी चिकित्सा केंद्र विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सं.रा.अ.।

29 छात्रों ने अपना ग्रीष्मकाल उद्योगों में व्यतीत किया जैसे अल्माशाइन्स, भारत हेवी इलेक्ट्रीकल लिमिटेड, सी.डी.–एडेप्को इंडिया प्रा. लि., बेंगलोर, डी.सी.एम. श्रीराम कॉनसोलिडेटेड लि., दिल्ली मेट्रो भारत, जी.ए.आई.एल. (भारत) लि., हीरो मोटोकॉर्प लि., भारतीय रेल, इंडियन रिवर ऐडवाइजर कॉर्पोरेशन, आई.टी.सी. लि., जिंदल इस्पात एवं ऊर्जा लि., जे–पी.ए.एल., जयपुर, केल्लर भूमि प्रौद्योगिकी, एल एंड टी, रानोली, महिन्द्रा एवं महिन्द्रा लि., मोहाली, माइक्रोसॉफ्ट, नीलसन, बेंगलोर, रक्षक फाउण्डेशन (एन.जी.ओ.) रण राइडर्स, दासदा, गुजरात, रिलायंस उद्योग लि., स्टील स्ट्रांग वॉल्व्स (भारत) प्रा. लि.।

अन्य–पाठ्यक्रम गतिविधियां

अमल्थिया

अमल्थिया, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के तकनीकी समारोह, का छठा संस्करण, अक्टूबर 24–25, 2015 को संपन्न हुआ। इस संस्करण का विषयः ***वस्तु भविष्य की ओर*** रही। ***श्री आर के शर्मा***, जलाशय अध्ययन संस्थान, ओ.एन.जी.सी. के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष ने इस समारोह का उद्घाटन किया। उनका उद्घाटन भाषण दूरदृष्टि और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सतत निर्माण विषय पर था। ऊर्जा और पर्यावरण–अनुकूली प्रौद्योगिकी पर एक प्रदर्शनी और जैविक–अभियांत्रिकी पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

जश्न

अंतर–विद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम, ***जश्न*** का पांचवा संस्करण नवम्बर 5–8, 2015 के दौरान आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम ने कई मनोरंजक और प्रतिभाशाली अवसर प्रदान किए, जिसमें एकल प्रतिभागियों में शूट ऑन साइट (फोटोग्राफी) तथा सामूहिक कार्यक्रमों में लेबिरिंथ (खजाने की खोज) जैसे कार्यक्रम थे। इसमें कई अनौपचारिक कार्यक्रम (लाइव एंग्री बर्ड्स, मिनट टू विन इट) थे और मंच प्रस्तुतीकरण, वादविवाद तथा कई प्रकार के खेल भी थे। मनोरंजक गतिविधियों की लंबी श्रंखला के साथ, जश्न में सभी के लिए कुछ न कुछ था।

उड़ानः विदाई रात्रि–भोज

स्नातक विद्यार्थियों के औपचारिक विदाई रात्रि–भोज अप्रैल 11, 2015 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों द्वारा भाषण और संगीतमय प्रदर्शन रखे गए। कुछ संकाय सदस्यों जैसे निदेशक ***प्रो. सुधीर कु जैन***, ***प्रो. अमित प्रशांत***, ***प्रो. एन रामकृष्णन***, ***प्रो. जयसन मंजली*** तथा ***प्रो. के रागवन*** ने अपने अनुभव स्नातक कक्षा के छात्रों के साथ बांटे। इस संध्या का समापन पूरे भा.प्रौ.सं. गांधीनगर परिवार के लिए एक शानदार रात्रिभोज से हुआ।

संजीवनी

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में फरवरी 6–7, 2016 के दौरान ***संजीवनी*** नामक एक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। यह ***न्यासा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की सामाजिक*** पहल और बॉस्टन–आधारित ***देसाई प्रतिष्ठान*** का एक संयुक्त उद्यम था। कैंप का उद्घाटन गुजरात स्वास्थ्य आयुक्त ***श्री जे पी गुप्ता*** द्वारा किया

गया। 1400 से भी अधिक पालज और बासन के ग्रामवासी, परिसर निर्माण कर्मचारी, गृह–व्यवस्था कर्मचारी तथा सुरक्षा कर्मियों ने इस कैंप में भाग लिया। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर से लगभग 30 विद्यार्थी स्वयंसेवक और संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम के नियोजन एवं कार्यान्वयन में योगदान किया।

अंतर–विद्यालय तात्कालिक प्रतियोगिता

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के साहित्यिक क्लब, पालनतीर ने जनवरी 17, 2016 को एक अंतर–विद्यालय तात्कालिक प्रतियोगिता ***स्पीक अप*** का आयोजन किया। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान क्रमश: अखिल पटनायक, सौरभ वैचल तथा मयंक खेवारिया को प्राप्त हुआ।

इगनाइट 2.0

मार्च 17, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के आंतरिक–संस्थान प्रौद्योगिकी समारोह ***इगनाइट 2.0*** के आयोजन में, छात्रों और संकाय द्वारा विकसित कई परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं। इन परियोजनाओं में मनोरंजन और खेल भरी गतिविधियां जैसे लेजर बंदूकों से निशानेबाजी, रोबोट कार स्पर्धा, जल पर निर्माण करने की प्रतियोगिता, से लेकर मूल विज्ञान संबंधी परियोजनाएं भी थीं जैसे खड़ी अक्षरेखा वायु चक्की की सी.एफ.डी. समीक्षा, डीजल से हाइड्रोजन का उत्पादन इत्यादि। कार्यक्रम का आयोजन ***अखिल पटनायक, अभिनव सिंह, दिनेश बोरसे*** तथा ***अजिंक्य तुपकर जैन*** ने किया।

ब्लिथक्रॉन 2016

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के अंतर–विद्यालय समारोह ***ब्लिथक्रॉन*** के आठवें संस्करण का आयोजन जनवरी 30–31, 2016 के दौरान किया गया। इसमें करीब दस हजार लोग आए। ब्लिथक्रॉन'16 में परिसर में दो प्रसिद्ध संगीतमय संध्याएं हुईं। समारोह में विभिन्न कार्यक्रम भी हुए जैसे अंतराग्नि (नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता), स्ट्रिंग थियोरी (बैंड्स की भिड़ंत), सिनक्रोनाइज (समूह नृत्य प्रतियोगिता), यूफोनी (एकल– गीत प्रतियोगिता), श्री एवं सुश्री ब्लिथक्रॉन (प्रतिभा प्रदर्शन), दि बटलर डिड इट (जहां आप जासूस बनते हैं), जॉबलेस (एक कृत्रिम साक्षात्कार) तथा पनाश (फैशन शो)।

शीतकाल लाली

जनवरी 23, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के छात्रों नें ***शीतकाल लाली 2016*** का आयोजन किया। यह एक वार्षिक परंपरा है जो भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के सदस्यों के बीच अनौपचारिक वार्ताओं पर केंद्रित होती है। इस वर्ष, समारोह पहली बार संस्थान के पालज परिसर में आयोजित किया गया। भारतीय सिल्वर स्क्रीन की विषय वस्तु को अपनाते हुए, शीतकाल लाली 2016 एक जीवंत संगीत, मजेदार भोजन तथा मनोरंजक कार्यक्रमों से भरी संध्या रही।

काइमेरा

जनवरी 22, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के ***चिमेयर छात्रावास*** ने काइमेरा नामक एक खुला मंच का प्रस्तुतीकरण किया। यह भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के किसी भी छात्रावास द्वारा आयोजित अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था। इसका उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को एकजुट करना था। यह कार्यक्रम छात्रों को मंच पर प्रदर्शन करने पर केंद्रित था। छात्रावासों के सामूहिक प्रदर्शन भी इस कार्यक्रम का एक हिस्सा थे।

विशेष अवसर

69वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

पालज परिसर में मनाए गए ***69वें स्वतंत्रता दिवस*** का प्रारंभ, ***प्रा. सुधीर कु. जैन*** द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। इस मौके पर ***डीन सूची 2014–15*** (सत्र 2) के 64 छात्र जिन्होंने एस.पी.आई. 8.5 या उससे अधिक प्राप्त किया था, उन्हें एक प्रशंसा पत्र व पुस्तक देकर सम्मानित किया गया (***इन दि लाइट ऑफ व्हाट वी नो***, लेखक जिया हैदर रहमान)। इसके पश्चात एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें संगीत प्रदर्शन, नृत्य, नाटक तथा कविता पाठ शामिल था। अभिनय, नाटक क्लब के द्वारा प्रदर्शित नाटक ***मुंबई छोड़ो*** को दर्शकों से भारी सराहना मिली।

हिन्दी दिवस 2015

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने सितम्बर 14, 2015 को अपने पालज परिसर में ***हिन्दी दिवस*** मनाया। दो घंटे लंबे चले इस आयोजन का शुभारंभ निदेशक, ***प्रा. सुधीर कु. जैन*** द्वारा किया गया तथा संस्थान के संकाय, स्टाफ व छात्रों ने इसमें प्रतिभागिता दी थी। समारोह में कविता पाठ, पहेलियां, और छात्रों द्वारा हीर–रांझा से प्रेरित एक लघुनाटक प्रस्तुत किया गया।

सद्भावना दिवस

अगस्त 20 को पूरे देश में प्रतिवर्ष ***सद्भावना दिवस*** को सभी धर्म, भाषा और क्षेत्र के लोगों में राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर, संस्थान के सभी संकाय और कर्मचारी सदस्यों द्वारा एकता और सद्भावना की शपथ ग्रहण की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने जून 21, 2015 को ***अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस*** मनाया। इस कार्यक्रम में भारी मात्रा में छात्र, संकाय और कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। अपने आरंभिक भाषण में, ***प्रा. सुधीर कु. जैन*** ने प्रधान मंत्री के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए संबोधन का उदाहरण देते हुए कहा कि पौराणिक योग परंपरा भारत द्वारा विश्व को दिया गया उपहार है तथा वर्तमान में इसकी महत्ता बढ़ गयी है। योग प्रशिक्षक, श्री हेमन्त शाह, ने विभिन्न आसनों को प्रदर्शित कर उनकी ऐतिहासिक महत्ता और विशेष लाभ बताए। आयुष मंत्रालय के वीडियो को भी प्रतिभागियों के समक्ष प्रदर्शित किया गया।

संविधान दिवस समारोह

संस्थान ने नवम्बर 26, 2015 को ***पहला*** संविधान ***दिवस*** मनाया। मौजूद सभी छात्रों, संकाय तथा कर्मचारियों ने भारतीय संविधान के प्रस्तावना को पढ़ा। प्रा. मोना मेहता ने संविधान मसौदे की महत्ता तथा प्रक्रिया को उजागर किया।

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने मातृभाषा दिवस मनाया

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर फरवरी 21, 2016 को भारत की भाषाई विविधता को मनाने के लिए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के छात्र, संकाय व कर्मचारी सदस्य एक–जुट हुए। भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्रों ने अपनी क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में गीत व कविताएं प्रस्तुत की थीं। संस्थान द्वारा एक पुस्तक स्टॉल भी सजाया गया जिसमें विभिन्न भाषाओं की पुस्तकें प्रदर्शित की गयीं जैसे संस्कृत, बंगाली, उर्दू, गुजराती तथा हिंदी।

गणतंत्र दिवस उत्सव

67वां गणतंत्र दिवस समारोह, जनवरी 26, 2016 को निदेशक, ***प्रा. सुधीर कु जैन*** द्वारा ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ, यह स्थाई परिसर में पहला गणतंत्र दिवस समारोह था। इसके पश्चात उन 90 छात्रों को सम्मानित किया गया जो 2015–16 शैक्षणिक वर्ष के सत्र 1 के प्रदर्शन के आधार पर डीन सूची में शामिल थे। छात्रों को एक प्रशंसा पत्र और पुस्तक दी गई। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ सम्पन्न हुआ।

पुरस्कार एवं मान्यताएं

- संज्ञानात्मक विज्ञान में एक अनुसंधान विद्वान, ***नीरज कुमार*** ने रु 1.41 करोड़ की एक ***वेलकम ट्रस्टध्डी.बी.टी. इंडिया एलायंस*** अध्येतावृत्ति जीती है। वह न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले लोग जैसे जिन्हें दौरा पड़ता है, पर एक नवीन पुनर्स्थापना पद्धति के डिजाइन से संबंधित शोध करेगा। वह 3 वर्ष भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में तथा दो वर्ष मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा और हस्किन प्रयोगशाला, येल विश्वविद्यालय, सं.रा.अ. में बिताएगा। वेलकम ट्रस्ट/ डी.बी.टी. इंडिया एलायंस एक जी.बी.पी. 80 लाख की पहल है जिसे यू.के. के वेलकम ट्रस्ट और भारत का जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इसका लक्ष्य बायोमेडिकल अभियांत्रिकी अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता तथा भावी वैज्ञानिकों को सहयोग प्रदान करना है।
- ***अल्पना थोरट*** को उनके पोस्टर, ***शीर्षक न्यूक्लिएशन – पदार्थों की सीधी एसेम्बली की संक्रमण स्थितिः फैरेडे परिचर्चा*** को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ जो लीड्स में रसायन विज्ञान की रॉयल सोसायटी, यू.के. द्वारा मार्च 30–अप्रैल 01, 2015 को आयोजित किया गया था।
- ***ऋषभ जैन*** को स्मार्ट ***गाँव. प्रौद्योगिकी साधनों*** पर प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ, यह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा ली गयी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता थी। 1300 योग्य प्रतिभागियों में से चुने गए कुल 5 उम्मीदवारों (भारत के पाँच क्षेत्रों के विजेता) की अंतिम चरण की परीक्षा अगस्त 31, 2015 को बेंगलोर में हुई। पुरस्कार समारोह में शामिल होने वालों में ***श्री एन.आर. नारायण मूर्ति***, अध्यक्ष, आई.ई.टी; ***डा गोपीचंद गत्रागड्डा***, सी.टी.ओ. टाटा संसय एवं ***श्री टी.वी. रामाचन्द्रन***, वोडाफोन के पूर्व निदेशक थे जिन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत किया।
- भा.प्रौ.सं. कानपुर में जुलाई 5–8, 2015 को घटित संज्ञानात्मक विज्ञान की दूसरी वार्षिक संगोष्ठी में ***गोल्डी यादव, नीरज कुमार, रुशिक ढूमर*** तथा ***प्रा. प्रतीक मूथा*** को उनके ***पोस्टर गतिशील श्वसन से मोटर कौशल बेहतर होता है*** को ***सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार*** प्राप्त हुआ।
- ***सुश्री अभीति गोयल***, एक एम.टेक. छात्रा ***2016–17 शेल भारत पी.एचडी. छात्रवृत्ति*** के लिए चुनी गयी है।
- ***अभीति गोयल*** और ***सुमित सिंह*** को दिसम्बर 5, 2015 को थिरुवनन्थपुरम में आयोजित एप्लाइड एयरोडायनामिक्स, एक वाहनों की प्रतिकल्पना (सरोद) के ***7वें परिसंवाद में क्रमशः प्रथम व द्वितीय सर्वश्रेष्ठ पत्र*** पुरस्कार मिला।
- ***अभिषेक उपाध्याय***, एक पी.एचडी. विद्वान को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर द्वारा ***ओवरसीज अनुसंधान अनुभव छात्रवृत्ति*** प्रदान की गयी जिसमें छात्र को अगस्त 15 से शुरू होकर 6 महीनों तक स्ट्राथक्लाइड विवि, ग्लासगो में शोध करना है।
- ***श्री फ्रैंकलिन क्रिस्टी*** द्वारा प्रस्तावित एक परियोजना, ***पुष्प ऊर्जा, सौर दीपक तथा ओवन बायोनिक–उडी–प्रिंटिंग चुनौती में***, प्रथम 3 विजेताओं में एक रही जिसे बायोनिक–नेट्जवर्क हेसेन और जर्मन औद्योगिक डिजानर्स ऐसोसिएशन ने प्रायोजित किया था।
- ***गौरव शर्मा***, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर बी.टेक. का प्रथम छात्र बना जिसने 7 सत्रों में स्नातक पूरा कर लिया। उसने सभी आवश्यकताएं पूरी कर लीं तथा उसे यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. डिग्री और प्रबंधन में माइनर प्रदान किया जाएगा। संस्थान ऐसा लचीलापन छात्रों को प्रदान करता है जिसमें वे 4 वर्षीय, बी.टेक., कार्यक्रम 3.5 वर्षों में पूरा कर सकते हैं। वर्तमान में गौरव भा.प्रौ.सं. गांधीनगर उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित क्रेटिफ नामक स्टार्टअप में कार्यरत है।
- पी.एचडी. छात्रा, ***दीक्षी अंगिरा*** को जनवरी 21–23, 2016 को निरमा फार्मेसी संस्थान, अहमदाबाद में आयोजित ***निरमा अंतर्राष्ट्रीय फर्मेसी संस्थान सम्मेलन*** में ***सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार*** प्राप्त हुआ। वह मार्च 19, 2016 को आयोजित शोध विद्वानों–2016 की आर.एस.सी. दक्षिण भारतीय भाग की बैठक, गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विवि, गांधीनगर में प्रदर्शित सर्वश्रेष्ठ 4 पोस्टरों में से एक की प्राप्तकर्ता भी थी।
- ***सनी वर्मा*** को सविता विवि, चेन्नई में मार्च 10–11, 2016 को आयोजित मानव कम्प्यूटर परस्पर संवाद पर दूसरे आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ***सर्वश्रेष्ठ पत्र प्रदर्शन*** पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार

निम्नलिखित 7 स्टाफ सदस्यों को वर्ष 2015 के लिए, उनकी कार्य के प्रति अतुलनीय निष्ठा के लिए स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया: ***सुश्री जसबीर कौर थडानी***, परामर्शदाता, ***श्री हरीष सिंह***, सहायक सुरक्षा अधिकारी, ***सुश्री पन्ना चौधरी***, वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना अधिकारी, ***श्री दर्शन पटेल***, कनिष्ठ सहायक, ***श्री जिगनेश पटेल***, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक, ***एवं श्री नयन वाघेला***, कार्यालय परिचारक।

अनुसंधान के लिए नकद पुरस्कार

मार्च 28, 2013 को घटित शासकीय मण्डल की 9वीं बैठक में अवरस्नातक एवं अधिस्नातक छात्रों को उनके द्वारा छापे गए पीयर द्वारा देखे गए जर्नल्स के लिए नकद पुरस्कार योजना को अनुमोदित किया गया जिससे कि उन्हें लाभ मिल सके। 2015–16 के दौरान निम्नलिखित विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार दिया गया:

छात्रों के नाम	*कार्यक्रम*	*राशि (रु में)*
पल्लवी चिल्का	पी.एचडी.	25,000
कृतिका रालहान	पी.एचडी.	12,500
रश्मि भाकुनि	पी.एचडी.	25,000
सनत चंद्र मैइती	पी.एचडी.	25,000
सरोज कुमार दास	पी.एचडी.	12,500
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	पी.एचडी.	25,000
अमिता बेदर	एम.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
आयुषि पटेल	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
सुदीक्षा श्रीधर	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
सुदीप्ता दास	पी.एचडी.	25,000
हर्ष अग्निहोत्री	पी.एचडी.	29,166
प्रसीथा ई के	पी.एचडी.	12,500
अनुज बिष्ट	पी.एचडी.	25,000
सिल्की अग्रवाल	एम.टेक. (पूर्व छात्र)	25,000
आकर्श ए	पी.एचडी.	25,000
सत्या शिवनरेश	पी.एचडी.	25,000
अभिषेक उपाध्याय	पी.एचडी.	25,000
परदीप कुमार	पी.एचडी.	25,000
विनल पटेल	पी.एचडी.	25,000
पुनीतकुमार भवसार	पी.एचडी.	25,000
मधु के	पी.एचडी.	25,000
लया	पी.एचडी.	50,000
कृपा शाह	पी.एचडी.	25,000
चंद्रेश शर्मा	एम.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
मोहित डी गनेरीवाला	एम.टेक.	25,000
ज्योति महेश्वरी	एम.टेक.	25,000
अपूर्व पटवर्धन	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
रोहन पाटीदार	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
पायल चट्टोपाध्याय मुखर्जी	पी.एचडी.	25,000
चेतन चंदन सिंह	पी.एचडी.	12,500
दर्शन अजमेरा	एम.टेक. (पूर्व छात्र)	25,000
कृष्ण कुमार सक्सेना	एम.टेक. (पूर्व छात्र)	12,500
अभिषेक नवरकर	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	25,000
राजेश पाटीदार	बी.टेक. (पूर्व छात्र)	25,000

खेल समाचार

फुटबॉल खिलाड़ियों का लीग

ब्लू फालकंस ने ***आदित्य गणेश*** के नेतृत्व में ***हैदर अली*** की कप्तानी में ***क्लब गेलेंटेस*** को हरा कर कप जीता। टक्कर के मुकाबले में फैसला पैनल्टी स्कोर 4–2 से किया गया जिसमें दोनों टीमों ने रेगुलेशन समय में एक–एक गोल कर के बराबरी हासिल की थी। कुल 4 टीमों ने अप्रैल 1–22, 2015 के दौरान नॉक–आउट मैच खेले थे। इस कार्यक्रम का संयोजन ***अंकित भांगे, वैभव जोशी*** तथा ***आदित्य गणेश*** ने किया। निम्न प्रकार के व्यक्तिगत पुरस्कारों का भी वितरण किया गया:

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी – ***ओजस जोशी***
सर्वाधिक स्कोर करने वाला खिलाड़ी– ***ओजस जोशी***
सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर – ***प्रथमेष बड़वे***
उभरता हुआ प्रतिभाशाली खिलाड़ी – ***अहमद नाजी***

क्रिकेट कॉमबेट लीग

जनवरी से अप्रैल 2015 के दौरान खेले गए अंतर–विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट में 10 टीमों ने भाग लिया। ***चिण्मय अजनाडकर*** की कप्तानी में दि रेड टाइटन्स ने अपने 48 रनों के स्कोर को ***राहुल खांडित*** की टीम गोल्डन ईगल्स से सफलतापूर्वक बचाया। 134 रन तथा 11 विकेट्स लेने वाले ***पवन कुमार*** को, सर्वश्रेष्ठ ओवरऑल खिलाड़ी जबकि ***निखिल शर्मा*** को 13 विकेट लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज 132 रन बनाने वाले ***हिमांशु बिकोनिया*** रहे। समारोह का आयोजन ***यश मेहता, विश्वेन्द्र सिंह, चिण्मय अजनाडकर*** तथा ***पवन कुमार*** ने किया था।

खेल महाकुंभ

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर बास्केटबॉल टीम ने बी.ए.पी.एस. विद्यालय गांधीनगर में आयोजित जिला स्तरीय ***खेल महाकुंभ*** टूर्नामेंट, में सीमा सुरक्षा बल की टीम को शिकस्त दी। रू48,000 के नकद पुरस्कार को प्राप्त करने के अतिरिक्त टीम को आगामी राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया है। ***निखिल शर्मा*** को जिला स्तरीय ***खेल महाकुंभ*** टूर्नामेंट के ***टेबल टेनिस*** में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

जस्टिस लीग

टेबल टेनिस टीम ने जनवरी 25, 2016 को गुजरात राष्ट्रीय कानून विवि, द्वारा आयोजित ***जस्टिस लीग*** में आई.आई.टी.आर.ए.एम. को 3–1 से पराजित कर ट्रॉफी जीती।

दिशा कप 2016

फरवरी 20–21, 2016 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के सहयोगी कर्मचारियों के प्रोत्साहन के लिए दिशा कप 2016 नामक एक क्रिकेट टूर्नामेंट रखा गया। 6 टीमों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया। ***श्री मोहनीष परमार,*** आई.पी.एल. नाइट राइडर्स टीम के तरफ से खेलने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के प्रमुख अतिथि रहे। टूर्नामेंट के विजेता के तौर पर ***भा.प्रौ.सं. गांधीनगर सुरक्षा टीम*** (सुरक्षा विभाग) उभर कर सामने आयी। ***भा.प्रौ.सं. गांधीनगर रखरखाव टीम*** (रखरखाव विभाग) दूसरे स्थान पर रही। ***भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ऊर्जा टीम*** (भोजनालय) को ***निष्पक्ष खेल*** पुरस्कार प्राप्त हुआ। ***श्री अमर चंद*** को टूर्मामेंट का ***सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी*** तथा ***मैन ऑफ दि मैच*** घोषित किया गया (अंतिम मैच में 62 नाबाद तथा पूरे टूर्नामेंट में 3 विकट लेकर 143 रन बनाए)

अन्य खेल समाचार

- ***निशा रावत*** ने भा.प्रौ.सं. मद्रास में अक्टूबर 1–4, 2015 को संपन्न ***31वां अंतर–भा.प्रौ.सं. ऐक्वेटिक मीट*** के ***50 मी. ब्रेस्ट–स्ट्रोक*** में स्वर्ण पदक हासिल किया।
- डी.ए.आई.आई.सी.टी., गांधीनगर में अक्टूबर 29 – नवम्बर 1, 2015 के दौरान आयोजित ***कॉनकोर्स कप*** टूर्नामेंट में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ***टेबल टेनिस (पुरुष) टीम*** ने डी.ए.आई.आई.सी.टी. को 3–1 जबकि ***वॉलीबॉल (महिला) टीम*** ने पी.डी.पी.यू. को 2–0 से हरा कर चेंपियन ट्राफी प्राप्त की है।
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ***शतरंज टीम*** ने भा.प्र.सं. अहमदाबाद में आयोजित शौर्य कप 2015 में डी. ए.आई.आई.सी.टी. को टाई–ब्रेकर में परास्त कर स्वर्ण पदक जीता।
- ***गौरव शर्मा*** ने ***रन गांधीनगर रन मैराथन*** की हाफ मैराथन (21 किमी) में भाग लेकर एक पदक हासिल किया, यह गांधीनगर रनर्स द्वारा आयोजित तथा गुजरात पर्यटन, गुजरात सरकार के सहयोग से जनवरी 31, 2016 को किया गया था। इस आयोजन में पूरे देश से 2500 से भी अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था।

अंतर–छात्रावास खेल टूर्नामेंट

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में पहली बार सितम्बर 1–13, 2015 के दिन एक ***अंतर–छात्रावास खेल टूर्नामेंट*** आयोजित किया गया। टूर्नामेंट का उद्देश्य छात्रों में अपने छात्रावास के प्रति भावना जगाना तथा संस्थान की विभिन्न टीमों के लिए खिलाड़ियों को पहचानना था। भारी मात्रा में इस टूर्नामेंट में प्रतिभागिता देखी गई। टूर्नामेंट के परिणाम इस प्रकार दिए गए हैं:

छात्रावास के नाम	*एथलेटिक्स*	*बास्केटबॉल*	*फुटबॉल*	*टेबल टेनिस*	*वॉलीबॉल*	*सर्वाधिक पंजीकरण का प्रतिशत*	*योग*
बियूकी	6	4	4	0	0	0	***14***
चिमेयर	10	10	6	6	4	4	***40***
एमियत	4	6	10	10	10	0	***40***
फिरपील	0	0	0	4	6	0	***10***

ओवरऑल चैंपियनशिप ट्राफी दो टीमों के बीच बांटी गई।

परिणामों की एक झलक:

एथलेटिक्स चैंपियनशिप : ***चिमेयर***
बास्केटबॉल चैंपियनशिप : ***चिमेयर***
फुटबॉल चैंपियनशिप : ***एमियत***
टेबल टेनिस चैंपियनशिप : ***एमियत***
वॉलीबॉल चैंपियनशिप : ***एमियत***
ओवरऑल चैंपियनशिप : ***चिमेयर*** व ***एमियत*** के बीच बांटी गयी।

बाह्य संबंध

अनुसंधान के लिए गठबंधन

ड्यूक विश्वविद्यालय का भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के साथ अनुसंधान के लिए गठबंधन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूएसएआइडी के बीच में सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की संयुक्त घोषणा को साकार रूप देने और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को सहयोग प्रदान करने के लिए, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को प्राथमिक सहयोगी के रूप में चिन्हित करते हुए भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में जनवरी 5–8, 2016 को ड्यूक विश्वविद्यालय और यूएसएआइडी की सहभागिता से एक चार दिवसीय कार्यक्रम रखा गया। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की विश्वस्तरीय संस्थान बनने की दूरदर्शिता, और ड्यूक विश्वविद्यालय के विशाल अनुभव के रहते (दि टाइम्स के वैश्विक विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा 2016 की तालिका के अनुसार पूरे विश्व में 20वें स्थान पर), दोनों विद्यालयों ने संयुक्त अनुसंधान, छात्र विनिमय तथा निजी क्षेत्रों में एक समान उद्देश्य खोजा है।

उनकी यात्रा के दौरान, ड्यूक और आरटीआई अतंर्राष्ट्रीय के एक 15 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के संकाय तथा कर्मचारियों के साथ नई अनुसंधान परियोजनाओं, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की क्षमता के महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा संभावित उद्योग सहभागिताओं पर चर्चा की है। सप्ताह भर चलने वाले इन कार्यक्रमों को दूसरे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए भी खोल दिया गया है, जिसमें भा.प्रौ.सं. के विस्तृत वीडियो नेटवर्क के माध्यम से साइमलकास्ट भी शामिल है। प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई ***प्रा. लैरी केरिन*** ने की थी जो ड्यूक में अनुसंधान के सह–अध्यक्ष हैं, तथा इसमें यूएसएआइडी की कार्यकारी मिशन निदेशक ***सुश्री कैथरीन स्टीवन्स***, यूएसएआइडी भारत की वरिष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी सलाहकार ***सुश्री शीला ई देसाई***, ग्लोबल कम्यूनिकेशंस की कार्यकारी निदेशक ***सुश्री लौरा ब्रिनय*** प्रैट प्रौद्योगिकी विद्यालय, ड्यूक विश्वविद्यालय के संचार एवं विपणन की निदेशक ***सुश्री मिनी ग्लिम्फ*** शामिल हुए।

वाइब्रैंट सौराष्ट्र में सहभागिता

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने जनवरी 8–10, 2016 को राजकोट में गुजरात सरकार द्वारा आयोजित वाइब्रैंट सौराष्ट्र एक्सपो एवं समिट 2016 में भाग लिया। वाइब्रैंट सौराष्ट्र 2016 का मुख्य उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों जैसे नवीनता, स्थायित्व, उद्योग, प्रौद्योगिकी, युवा एवं कुशलता विकास, ज्ञान बांटने एवं नेटवर्किंग में संपूर्ण विकास था। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर ने प्रौद्योगिकी, नवीनता एवं उद्यमशीलता का प्रदर्शन किया जो दर्शकों द्वारा भली पूर्वक सराहा गया।

बाहरी पहुंच

- निदेशक, ***प्रा. सुधीर कु जैन***, नीतिबद्ध नियोजन एवं विशेष पहलों की डीन, ***प्रा. अचल मेहरा***, शैक्षिक डीन, ***प्रा. अमित प्रशांत*** तथा भा.प्रौ. सं. गांधीनगर संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिष्ठान के कार्यकारी निदेशक, ***श्री रवि मिस्त्री*** के एक दल ने, भारत और संयुक्त राज्य के बीच उच्च शिक्षा में तकनीकी सहायता प्रदान करने के अनुबंध के तहत, यू.एस.ए.आइ.डी. की मदद से संभावित सहभागिता को खोजने के लिए मई 11–14, 2015 के बीच कई संयुक्त राज्य की संस्थाओं और विश्वविद्यालयों की यात्रा की। दल ने यूएसएआइडी, वॉशिंगटन डीसी मेट्रो में संयुक्त राज्य भारत व्यवसाय समिति और जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालयय बाबसन विद्यालय और ओलिन विद्यालय बॉस्टन मेंय ड्यूक विश्वविद्यालय, अनुसंधान ट्रायंगल अंतर्राष्ट्रीय, फर्स्ट फ्लाइट एवं पालमेटो बायोमेडिकल दुर्हम, उत्तरी केरोलीना मेंय तथा न्यू यॉर्क के दि न्यू स्कूल में दौरा किया। इस दल ने न्यू यॉर्क और न्यू जर्सी में मई 15 और 16, 2015 को भा.प्रौ.सं. गांधीनगर के शुभ–चिंतकों और दानदाताओं से भी मुलाकात की है। प्रा. जैन एवं श्री मिस्त्री वॉशिंगटन डीसी में मई 8–10, 2015 को आयोजित ***इंडिसपोरा फोरम 2015*** में उपस्थित रहे।
- निदेशक, ***प्रा. सुधीर कु जैन*** तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर प्रतिष्ठान के कार्यकारी निदेशक ***श्री रवि मिस्त्री*** ने जुलाई 21, 2015 को डालास संस्थान में मित्रों तथा शुभ–चिंतकों से मुलाकात की। डालास के कार्यक्रम का संयोजन ***सुश्री नीलिमा गोनुगंटला***, अध्यक्ष, सं.रा.अ.–भारत वाणिज्य मंडल, डालास फोर्ट वर्थ, टेक्सस ने किया जबकि हाउस्टन कार्यक्रम का संचालन ***श्री मिहिर*** एवं ***सुश्री वैशाली मोदी*** द्वारा किया गया।
- प्रा. जैन, श्री मिस्त्री एवं प्रा. मेहरा ने जुलाई 24–25, 2015 को ***भा.प्रौ.सं. विश्व नेतृत्व सम्मेलन***, सेन जोस, केलिफोर्निया में भा.प्रौ. सं. गांधीनगर का प्रधिनिधित्व किया। प्रा. जैन ने ***उच्च शिक्षा में नवीनता*** पर एक पैनल में हिस्सा लिया। प्रा. जैन तथा श्री मिस्त्री ने कई अधिकारियों, उद्यमियों तथा निवेशकों से मुलाकात की तथा भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की सं.रा.अ. में आधारित पूर्व–छात्रों की एक बैठक का जुलाई 23, 2015 को संचालन किया। प्रा. जैन ने केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान में भी जाकर छात्र विनिमय के लिए एक 3–वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। ***श्री प्रमोद कुंजू***, अध्यक्ष, प्रत्येक भा.प्रौ.सं. पूर्व छात्र संगठन, दक्षिणी केलिफोर्निया ने ***चाय पर चर्चा - अभियांत्रिकी शिक्षण में स्तर*** को बढ़ाना नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया जिस से कि प्रा. जैन संस्थान के शुभ–चिंतकों से भा.प्रौ.सं. गांधीनगर की कहानी साझा कर सकें।
- ***प्रा. हरीष जे पालनथंडलम मादापुसि*** और ***प्रा. प्रतीक मूथा*** ने बॉस्टन में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का ***युवा खोजकर्ता बैठक 2015*** में प्रतिनिधित्व किया जो अक्टूबर 10–12, 2015 को मेशेसुशेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान में हुई थी। यह बैठक युवा वैज्ञानिकों के लिए भारत में उभरते शैक्षणिक परिदृश्य को सीखने का मंच प्रदान करती है। इसी संबंध में प्रा. हरीष और प्रा. मूथा ने भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में रोचक अवसरों के विषय में बताया तथा यह भी गहरे तौर पर वार्ता की कि भारत में शैक्षणिक व्यवसाय के क्या पहलू हो सकते हैं।
- निदेशक ***प्रा. सुधीर कु जैन*** नवम्बर 4–6, 2015 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित ***आगंतुक सम्मेलन 2015*** में शामिल हुए। वे फरवरी 5–7, 2016 को ***हुब्बली में हुई विकास वार्ता और युवा सम्मेलन*** में भी उपस्थित थे। प्रा. जैन मार्च 21, 2016 को निर्माण पदार्थ एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन समिति (बीएमटीपीसी), भारत सरकार द्वारा आयोजित उभरते भवन पदार्थ एवं निर्माण प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी शामिल हुए।
- ***प्रा. अमित प्रशांत*** ने कोलम्बो, श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त से फरवरी 24–28, 2016 के दौरान मुलाकात की तथा स्थानीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में संस्थान के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए वार्तालाप की।

सहमति ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर विभिन्न संगठनों तथा व्यक्तियों के साथ भारत और विदेशों में निरंतर संबंध स्थापित करता रहा है जिससे कि संस्थान का विस्तार हो सके और उसकी विभिन्न गतिविधियों को सहयोग मिलता रहे। 2015–16 के दौरान निम्न सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गए।

अंतर्राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

संस्थान/ संगठन	*उद्देश्य*
केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (कैलटेक), संयुक्त राज्य अमेरिका	अवरस्नातक छात्र विनिमय कार्यक्रम
व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन इंक (डब्लूजीएफ), संयुक्त राज्य अमेरिका	भारत में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर तथा डब्लूजीएफ की क्षमताओं तथा संसाधन की मदद से ग्रामीण समुदायों में संपूर्ण रूप से सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव छोड़ना।
अतंर्राष्ट्रीय विकास का संयुक्त राज्य अभिकरण (संयुक्त राज्य अमेरिका आइडी) एवं करमेनी कनेक्ट	छात्रों को विकासशील व्यवसायिओं की तरह कार्य करने के लिए प्रेरित करना जिससे गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी क्षमता तथा अनुसंधान एवं उद्यमिता की विशेषज्ञता को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत विकास की दिशा में अग्रसर हो सके।

राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

संस्थान/ संगठन	*उद्देश्य*
भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण, नई दिल्ली	प्रलेखीकरण, प्रतिचयन, परीक्षण, तथा धोलावीरा के पुरातत्व नमूनों का विवरण प्रदान करना।
इंस्टिट्यूट फ्रेंकाइस इन इनडे, नई दिल्ली	फ्रेंच भाषा की कक्षाएं
केएचएस मशीनरी प्रा लि, अहमदाबाद	विश्व में प्रौद्योगिकी नवीनता के लिए अग्रणी उद्दमों के साथ अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
आधारभूत ढ़ांचा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद	पाठ्यक्रम तथा प्रयोगशाला विकास एवं संकाय नियुक्ति में सहयोग प्रदान करना।
अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, अहमदाबाद	आइआरएनएसएस नवचालन रिसीवर क्षेत्र के परीक्षण तथा आंकड़ों को इकट्ठा करना।

ग्रीष्मकाल एवं शीतकाल 2015 में अंतःशिक्षुता

विदेशी संस्थान

संचालक संस्थान	*छात्र के नाम*	*विभाग*
ए.एस.टी.ए.आर. स्टार - इंफोकॉम अनुसंधान, सिंगापुर	संचायनी बागडे	रसायन अभियांत्रिकी
	श्वेता परमार	रसायन अभियांत्रिकी
	वैभव पालकर	रसायन अभियांत्रिकी
	रितिका जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
	चिन्मय अजनादकर	विद्युत अभियांत्रिकी
	सुमित सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	संजित जना	यांत्रिक अभियांत्रिकी
केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (कैलटेक)	गौरव गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी
	पी वी एस अनुराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	निर्मल जयप्रसाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	ऋत्विक शुक्ला	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	समर्थ वैजनपुरकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	मरगज ओम विजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय	राज शेखर	विद्युत अभियांत्रिकी
क्लेमसन विश्वविद्यालय	दिव्यांश त्रिपाठी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ड्यूक विश्वविद्यालय	आलोक सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
ई.पी.आई.आर. प्रौद्योगिकी	रजत चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
	यश मेहता	विद्युत अभियांत्रिकी
आई.एस.सी.टीई., लिसबन संस्थान विश्वविद्यालय, पुर्तगाल	यश प्रताप सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	रतना भारती बी	एच.एस.एस.
	हबी कोशी मैथ्यू	संज्ञानात्मक विज्ञान
	पंखुरी सक्सेना	संज्ञानात्मक विज्ञान
इंस्टिट्यूटो डी साइंजा ए टेक्नोलॉजी डेल' इन्फोर्मेजियोन "ए. फेडो" (आइ.एस.टी.आइ.)	मालिरेड्डी श्री रघु	विद्युत अभियांत्रिकी
जापान उच्च शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जे.ए.आइ.एस.टी.)	अभिषेक आनंद	सिविल अभियांत्रिकी
	अनिकेश सतीश कामथ	विद्युत अभियांत्रिकी
	गुल्लापल्ली साई चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
	भार्गव बी चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	दर्शील चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	बुबना राकेश ऋषि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अक्षय गडी पाटिल	विद्युत अभियांत्रिकी
	भूमिका सोनाने	विद्युत अभियांत्रिकी
सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	दीपेन सोमानी	विद्युत अभियांत्रिकी
	सुभ्रमण्य तेजा	विद्युत अभियांत्रिकी
	रॉकी डोंगरे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	कोंडुरू वेंकट नागा साई रवि तेजा	यांत्रिक अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	*छात्र के नाम*	*विभाग*
ओट्टो–वोन–ग्यूरीसके–यूनिवर्सिटेट मेगडेबर्ग	शशांक निगम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
आर.डब्लू.टी.एच. आचेन	प्रांशुल सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय	अभिमण्यु सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
	पलक सदानी	रसायन अभियांत्रिकी
अंडर्राइटर्स प्रयोगशालाएं अमेरीका	मयंक खेवारिया	सिविल अभियांत्रिकी
	कपिल पाठक	विद्युत अभियांत्रिकी
	भोसले सूरजकुमार धनंजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अमित यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी
एलबर्टा विश्वविद्यालय, एडमॉण्टो, एलबर्टा, कनाडा	अनिमेश सिंह कुमावत	विद्युत अभियांत्रिकी
नॉट्रेडैम विश्वविद्यालय	नमन बंसल	विद्युत अभियांत्रिकी
	अखिलेश गोटमारे	विद्युत अभियांत्रिकी
दक्षिणी केलिफोर्निया विश्वविद्यालय	कुशल सलेचा	विद्युत अभियांत्रिकी
वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सियाटल	जतिनदीप सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	तुषार आर अंचन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	मिहिर एम भालेराव	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	रजत शिव चंद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	राधिका पाटिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
टेक्सस दक्षिणपश्चिमी स्वास्थ्य केंद्र विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	रवि श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान
वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुईस	सागर चावला	रसायन अभियांत्रिकी
	हेमा चौधरी	रसायन अभियांत्रिकी
	प्रशांत शेखर	रसायन अभियांत्रिकी
	निशित शेट्टी	रसायन अभियांत्रिकी

स्वदेशी संस्थान

संचालक संस्थान	*छात्रों के नाम*	*विभाग*
ए2 इनोवेशन एवं प्रशिक्षण संस्थान	रजनीकांत घाटे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
एलमशीन्स	नागरे अश्विनी तुकाराम	विद्युत अभियांत्रिकी
अशोक विश्वविद्यालय	सौम्या भंडारी	समाज एवं संस्कृति
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी)	वैश्वनी सुनील पाटिल	विद्युत अभियांत्रिकी
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड	शशांक मेहरा	विद्युत अभियांत्रिकी
सीडी–एडेप्को भारत प्रा लि, बेंगलोर	हर्ष चंद्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	शाह जुगल सौरिन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	मीत वडेरा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सामाजिक अध्ययन केंद्र (सूरत)	भार्गव ओजा	एच.एस.एस.
सीईपीटी विश्वविद्यालय	नुपुर जोशी	एच.एस.एस.
डीसीएम श्रीराम कोन्सोलिडेटेड लि.	कुशाग्र भार्गव	रसायन अभियांत्रिकी
	हर्ष खंडेलवाल	रसायन अभियांत्रिकी
दिल्ली मेट्रो भारत	लतिका मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
जीएआइएल (भारत) लि.	देवांशु मनोज जैन	रसायन अभियांत्रिकी
गुजरात पर्यावरण प्रबंधन संस्थान	रजत कुमार गुप्ता	रसायन अभियांत्रिकी
हीरो मोटोकॉर्प	अभिनव सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद	रौशन अग्रवाल	सिविल अभियांत्रिकी
भारतीय विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर), थिरुवनंतपुरम	दीपिका शार्मा	रसायन विज्ञान
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू	रामनिवास	रसायन अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई	जितिन प्रभा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर पालज, गुजरात	सरगम जैन	रसायन अभियांत्रिकी
	पुरुषोत्तम कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
	जैनिधि मौर्य	रसायन अभियांत्रिकी
	प्रियंका	रसायन अभियांत्रिकी
	निशा रावत	रसायन अभियांत्रिकी
	अरविंद रौशन एस	रसायन अभियांत्रिकी
	अभिषेक वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
	अक्षय अभिषेक वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
	प्रिंस अभिषेक वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
	विद्यानंद वाघ	रसायन अभियांत्रिकी
	शालीन छज्जर	सिविल अभियांत्रिकी
	अनुराग गोयल	सिविल अभियांत्रिकी
	मयंक जैन	सिविल अभियांत्रिकी
	धर्मेन्द्र अभिषेक	सिविल अभियांत्रिकी
	हेमंत अभिषेक	सिविल अभियांत्रिकी
	पुनीत अभिषेक	सिविल अभियांत्रिकी
	नरेन्द्र सारस्वत	सिविल अभियांत्रिकी
	मुहम्मद फैसल सेह	सिविल अभियांत्रिकी
	निखिल शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी
	प्रेरणा सिंह	सिविल अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	*छात्रों के नाम*	*विभाग*
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर पालज, गुजरात	विक्रम अलरिया	विद्युत अभियांत्रिकी
	ऋषभ आनंद	विद्युत अभियांत्रिकी
	अपर्णा आर्य	विद्युत अभियांत्रिकी
	अरविंद दमचरला	विद्युत अभियांत्रिकी
	प्रथम गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी
	पाटिल शुभम हनुमंत	विद्युत अभियांत्रिकी
	अजिंक्या तुपकर जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
	पब्बाथि अखिल अभिषेक	विद्युत अभियांत्रिकी
	पूजा अभिषेक	विद्युत अभियांत्रिकी
	निहारिका	विद्युत अभियांत्रिकी
	विपिन प्रजापति	विद्युत अभियांत्रिकी
	मानव राज	विद्युत अभियांत्रिकी
	अभिषेक रंजन	विद्युत अभियांत्रिकी
	चेंचला साइ रमण रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
	व्यास समीर	विद्युत अभियांत्रिकी
	नमन नागा सिंधु	विद्युत अभियांत्रिकी
	क्षितज सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	लोकेश सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	राजेन्द्र सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	आत्मन सी. वोरा	विद्युत अभियांत्रिकी
	भुवन व्यास	विद्युत अभियांत्रिकी
	साक्षी यादव	विद्युत अभियांत्रिकी
	कौस्तुभ शिरीश पणसे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
	आयुष्मान त्रिपाठी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
	भगत राजन बलिस्तर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	ठाकोर निलयसिंह भरतसिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	भोसले सूरज अभिषेक धनंजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	जितेन्द्र गेहलोत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अंबर कोठारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	पी अरुणा अभिषेकुदु	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	कौशिक मणि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	निशांत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	राहुल अभिषेक पाण्डे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	शशांक परेता	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	कर्म पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	पवन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	सिंगमपल्ली साई रोहित	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	श्रेय शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	कनक शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	*छात्रों के नाम*	*विभाग*
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर पालज, गुजरात	हर्षवर्धन सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	हैदरअली एम टी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	सौरभ एस वैचल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	तेकी विनय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अमित यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अरुण कृष्ण	समाज एवं संस्कृति
	आसफ अली लोन	समाज एवं संस्कृति
	सिनि वर्गिस	समाज एवं संस्कृति
	कंचन	रसायन विज्ञान
	अमित अभिषेक	रसायन विज्ञान
	पवनीश अभिषेक	रसायन विज्ञान
	रोहित	रसायन विज्ञान
	रवि श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान
	किशोर अभिषेक जागिनी	संज्ञानात्मक विज्ञान
	ध्रुवल ठक्कर	संज्ञानात्मक विज्ञान
	प्रीतम नंदा	भौतिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर एक्सेंचर अध्येतावृत्ति	वैभव जोशी	रसायन अभियांत्रिकी
	कश्यप पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी
	अंकित अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अनुराग अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	करण पालस्कर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	विश्वेन्द्र सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर खोजी अध्येतावृत्ति	लवदीप कौर	रसायन अभियांत्रिकी
	ऋशभ देसादला	रसायन अभियांत्रिकी
	पुष्पक के बविस्कर	सिविल अभियांत्रिकी
	प्रशांत अभिषेक	विद्युत अभियांत्रिकी
	सामर्थ कष्यप	विद्युत अभियांत्रिकी
	चिटनिस पराग जयंत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	नवीन अभिषेक	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	रोहित नानवती	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	अनरसे आशीष प्रहलाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, असम	अभिषेक गहतराज	संज्ञानात्मक विज्ञान
	विपुल नायर	संज्ञानात्मक विज्ञान
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद संगारेड्डी, तेलंगाना	वामसिधर रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर उत्तर प्रदेश	रामटेक्कर शशांक मनोहर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	शुभम पाटले	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय रेल (मुगलसराय रेल कार्यशाला), उत्तर प्रदेश	राकेश रंजन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय नदी सलाहकार निगम	संकेत शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	एम शौर्य	यांत्रिक अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	*छात्रों के नाम*	*विभाग*
प्लाजमा अनुसंधान संस्थान (आइपीआर), गांधीनगर, गुजरात	निशा	भौतिकी
आइटीसी लि., कोलकाता	आशीष अभिषेक गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी
जिंदल इस्पात एवं ऊर्जा लि., नई दिल्ली	तनय कनकने	यांत्रिक अभियांत्रिकी
जे–पीएएल, जयपुर, राजस्थान	आकृति गुप्ता	समाज एवं संस्कृति
केलर भूमि अभियांत्रिकी, कोडमबक्कम, चेन्नई, तमिल नाडु	मो उमैर इकबाल	रसायन अभियांत्रिकी
एल एवं टी, रानोली	दर्शक पारिख	यांत्रिक अभियांत्रिकी
महिन्द्रा एवं महिन्द्रा लि., स्वराज प्रभाग, मोहाली	अंकिता शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
माइक्रोसॉफ्ट	बुबना राकेश ऋषि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक	कार्थिकेयन पालनिसामि	संज्ञानात्मक विज्ञान
	राखी	संज्ञानात्मक विज्ञान
नीलसन, बेंगलोर	मिधुला चंद्रन	संज्ञानात्मक विज्ञान
	देवु महेसन	संज्ञानात्मक विज्ञान
उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.ई. आइ.एस.टी.) - (सी.एस.आइ.आर.), जोरहट, असम	नयन ज्योति बोरुआ	रसायन विज्ञान
भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.), नवरंगपुरा, अहमदाबाद, गुजरात	आकर्ष अभिषेक	भौतिकी
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान	मनीष	भौतिकी
रक्षक प्रतिष्ठान, नई दिल्ली	श्रीनिवास मुदावत	समाज एवं संस्कृति
	सुनील सहरा	रसायन अभियांत्रिकी
	सरावनन वेलिसामी	एच.एस.एस.
रण राइडर्स, दासदा, गुजरात	तुषार मेशराम	एच.एस.एस.
रैपिड उत्पादन प्रयोगशाला, भा.प्रौ.सं. मुंबई	अमित अभिषेक	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
रिलायंस उद्योग लि., नरिमन पॉइंट मुंबई, महाराष्ट्र	मुकेश अभिषेक	रसायन अभियांत्रिकी
	सुशील अभिषेक	रसायन अभियांत्रिकी
शिव नादर विश्वविद्यालय - ड्यूक टी.आइ.पी.	किशोर अभिषेक	रसायन अभियांत्रिकी
	ऋषभ जैन	सिविल अभियांत्रिकी
	अंकित मित्तल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	मुजम्मिल राउत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
स्टीलस्ट्रोंग वाल्व्स (भारत) प्रा. लि., चिन्नई, तमिल नाडु	राहुल गर्ग	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2015 के स्नातक जो विदेशों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

अवरस्नातक छात्र

नाम	*संस्थान*	*कार्यक्रम*	*भा.प्रौ.सं. में विभाग*
सुकृति गक्खर	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस, संयुक्त राज्य अमेरिका	पी.एचडी.	रसायन अभियांत्रिकी
शंमुखा मनोज	मैरिलैंड विश्वविद्यालय, मैरिलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	रसायन अभियांत्रिकी
शौर्य सेठ	उत्तरी केरोलीना राजकीय विश्वविद्यालय, एनसी, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	रसायन अभियांत्रिकी
तुष्टि शाह	टेक्सस विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टीएक्स, सं.रा.अ.	पी.एचडी.	रसायन अभियांत्रिकी
नंदन परेश वोरा	क्लेमसन विश्वविद्यालय, एससी, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	रसायन अभियांत्रिकी
वैभव गांधी	दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.ई.	विद्युत अभियांत्रिकी
किमाया उदय काले	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, जीए, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
रोहन पाटीदार	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, डब्लूए, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
अपूर्व पटवर्धन	कोलम्बिया विश्वविद्यालय, एनवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
पी संदीप रेड्डि	मैरिलैंड विश्वविद्यालय, मैरिलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
एल त्रिनाथ रेड्डि	टेक्सस ए एवं एम विश्वविद्यालय, टीएक्स, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
राज शाह	स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, सीए, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
ईशान उपाध्याय	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिलस, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	विद्युत अभियांत्रिकी
आश्रित कौंडिन्य	विसकॉनसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, डब्लूआइ, संयुक्त राज्य	पी.एचडी.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
गौरव महामुनि	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, डब्लूए, संयुक्त राज्य अमेरिका	पी.एचडी.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
बी मणसा	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, डब्लूए, संयुक्त राज्य अमेरिका	पी.एचडी.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रौनक मेहता	ड्यूक विश्वविद्यालय, एनसी, संयुक्त राज्य अमेरिका	एम.एस.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अभिषेक नावरकर	टोकियो विश्वविद्यालय, टोकियो, जापान	एम.ई.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अधिस्नातक छात्र (एम.टेक.)			
पुनीत अभिषेक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय	पी.एचडी.	सिविल अभियांत्रिकी
कृष्ण अभिषेक सक्सेना	ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यू जीलैंड	पी.एचडी.	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अधिस्नातक छात्र (एम.एस.सी)			
सिमिली साबू	केन्द्रीय यूरोपियन विश्वविद्यालय, हंगरी	पी.एचडी.	संज्ञानात्मक विज्ञान

2015 के स्नातक जो भारत में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

अवरस्नातक छात्र

नाम	*संस्थान*	*कार्यक्रम*	*भा.प्रौ.सं. में विभाग*
मिहिका शाह	होमी भाभा विज्ञान शिक्षण केंद्र, टी.आइ.एफ.आर., मुंबई	पी.एचडी.	रसायन अभियांत्रिकी
मिशिता जयसवाल	भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलोर	पीजीपी	विद्युत अभियांत्रिकी
सोहम हर्षे	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई	एम.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सच्चित वेकारिया	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई	एम.टेक.	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अधिस्नातक छात्र (एम.टेक.)			
गुंडा हरिणी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	रसायन अभियांत्रिकी
गनेरीवाला मोहित दिनेष अभिषेक	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	विद्युत अभियांत्रिकी
धवल शशिकांतभाई सोलंकी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर	पी.एचडी.	विद्युत अभियांत्रिकी
भोइर मंदर सुरेष स्मिता	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	विद्युत अभियांत्रिकी
विघनेष प्रसाद	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अधिस्नातक छात्र (एम.एस.सी)			
गोल्डी यादव	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	संज्ञानात्मक विज्ञान
पलाश जना	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	रसायन विज्ञान
अशोक अभिषेक	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर	पी.एचडी.	रसायन विज्ञान
अमरज्योति दास महापात्र	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर	पी.एचडी.	रसायन विज्ञान

संस्थान के लिए सहयोग

नए मुख्य दानदाता

श्री राज और ***श्रीमती पल्लवी शाह*** ने अपने माता–पिता ***श्रीमती ललिता जे शाह*** और ***श्री जयंतीलाल बी शाह*** के नाम पर अनेक अवरस्नातक छात्रवृत्तियां स्थापित कीं ।

श्री राज शाह ने भा.प्रौ.सं. मुंबई से बी.टेक. तथा विसकॉनसिन विश्वविद्यालय से अधिस्नातक डिग्री प्राप्त की है। श्री शाह अद्वितीय रूप से सृजनात्मक नेतृत्व, उद्दमी सफलता, प्रबंधन में अनुशासन, तथा विश्वस्तरीय अनुभव का मिश्रण लाए हैं। माइक्रोसॉफ्ट में उन्होंने ऑनलाइन प्रतिचित्रण सेवाओं को नई ऊर्जा प्रदान कीः यह ऑनलाइन प्रतिचित्रण सेवाएं बाद में उबेर ने जून 2015 में अधिगृहित की हैं। उन्होंने गूगल में वैश्विक मानचित्र के निर्माण का नेतृत्व किया जिसमें उन्होंने एक वैश्विक आधारभूत संरचना को स्थापित किया जो गूगल द्वारा विश्व के सभी देशों को जमीन से ऊपर तक प्रतिचित्रित करता है। स्वभाव से एक उद्दमी, श्री शाह सिलीकॉन घाटी की प्रौद्योगिकी संस्थाओं में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर रह चुके हैं।

दानदात सूची

नाम	*वर्ग*	*शहर*
रु 1 करोड़ से अधिक		
रीको कंपनी लि., जापान	शुभ–चिंतक	योकोहामा, जापान
रु 50,00,000 – रु 99,99,999		
नीलसन	शुभ–चिंतक	ओल्ड्समार, संयुक्त राज्य अमेरिका
गुमनाम दान	शुभ–चिंतक	संयुक्त राज्य अमेरिका
रु 5,00,000 – रु 49,99,000		
अतुल जैन	शुभ–चिंतक	विएना, संयुक्त राज्य अमेरिका
रुइंतन मेहता	शुभ–चिंतक	वॉरेन, संयुक्त राज्य अमेरिका
अवि नाश (इंदिरा प्रतिष्ठान)	शुभ–चिंतक	ग्रीनविच, संयुक्त राज्य अमेरिका
राजेन्द्र एवं पल्लवी शाह	शुभ–चिंतक	कुपरटीनो, संयुक्त राज्य अमेरिका
रु 1,00,000 – रु 4,99,999		
मुरली दामोदरन	संकाय'	गांधीनगर
सुधीर कु. जैन	संकाय	गांधीनगर
आर शरण	संकाय	गांधीनगर
चंद्रकांत देसाई	शुभ–चिंतक	टकसन, संयुक्त राज्य अमेरिका
देसाई प्रतिष्ठान	शुभ–चिंतक	बर्लिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
रु 25,000 – रु 99,000		
मनीष कुमार दिनेश यादव	पूर्व–छात्र	ठाणे
अतुल भार्गव	संकाय	गांधीनगर
एस पी मेहरोत्रा	संकाय	गांधीनगर
डी वी पाई	संकाय	गांधीनगर
डी पी रॉय	संकाय	गांधीनगर
मीरा मैरी सनी	संकाय	गांधीनगर
हर्ष भार्गव	शुभ–चिंतक	केंडल पार्क, संयुक्त राज्य अमेरिका
गुमनाम दान	शुभ–चिंतक	संयुक्त राज्य अमेरिका
प्रो वेस्ट कॉनसेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शुभ–चिंतक	बेंगलोर
सतवंत रिहाल	शुभ–चिंतक	सेन लुइस ओबिसपो, संयुक्त राज्य अमेरिका
धीरज सांघी	शुभ–चिंतक	कानपुर
श्याम सुंदर एवं मंजुला श्याम	शुभ–चिंतक	न्यू हैवन, संयुक्त राज्य अमेरिका
चंद्र एम श्रीवास्तव	शुभ–चिंतक	पूर्वी हेनोवर, संयुक्त राज्य अमेरिका
नीतिश ठाकोर	शुभ–चिंतक	क्लार्क्सविले, संयुक्त राज्य अमेरिका
रु 5000 – रु 24,999		
तन्मय बलवा	पूर्व छात्र	सेन फ्रेंसिस्को, संयुक्त राज्य अमेरिका

नाम	*वर्ग*	*शहर*
योगेश गोयल	पूर्व छात्र	प्रिंसटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
अदिति गुप्ता	पूर्व छात्र	मुंबई
लव गुप्ता	पूर्व छात्र	सेन मेटियो, संयुक्त राज्य अमेरिका
अंशुल गुप्ता	पूर्व छात्र	आगरा
प्रत्युल कपूर	पूर्व छात्र	जयपुर
किनले मेहरा	पूर्व छात्र	टोरिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
एकता प्रशनानी	पूर्व छात्र	गोलेटा, संयुक्त राज्य अमेरिका
सुदीक्षा श्रीधर	पूर्व छात्र	मुंबई
मोहित वर्मा	पूर्व छात्र	इंदौर
चंद्रकुमार अप्पायी	संकाय	गांधीनगर
अरुप लाल चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर
रमेश गांवकर	संकाय'	न्यू यॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका
इंद्रजीत घोष	संकाय	केलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका
श्रीराम गुंडीमेदा	संकाय	गांधीनगर
विक्रांत जैन	संकाय	गांधीनगर
शिव कुमार जोलाड	संकाय	गांधीनगर
शर्मिष्ठा मजुमदार	संकाय	गांधीनगर
निहार रंजन मोहापात्र	संकाय	गांधीनगर
एस एल नारायणमूर्ती	संकाय'	बेंगलोर
एन रामकृष्णन	संकाय	गांधीनगर
श्रीनिवास रेड्डी	संकाय	गांधीनगर
सुधांशु शर्मा	संकाय	गांधीनगर
सिद्धार्थ वाकणकर	संकाय'	गांधीनगर
यू ए याजनिक	संकाय'	मुंबई
प्रेम कुमार चोपड़ा	कार्मिक	गांधीनगर
मीना जोशी	कार्मिक	गांधीनगर
टी एस कुम्बार	कार्मिक	गांधीनगर
पिजूष मजुमदार	कार्मिक	गांधीनगर
सुनीता मेनन	कार्मिक	गांधीनगर
अरिका पटेल	कार्मिक	गांधीनगर
सी एस शर्मा	कार्मिक	गांधीनगर
श्री बाली एवं छाया बाली	शुभ–चिंतक	मनालापान, संयुक्त राज्य अमेरिका
अभय भूषण	शुभ–चिंतक	पालो ऑल्टो, संयुक्त राज्य अमेरिका
दीपन कुमार घोष	शुभ–चिंतक	मुंबई
लिटिल इंडिया	शुभ–चिंतक	टोरिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
कौशिक जयरमण	शुभ–चिंतक	जामनगर
मेहुल नटवरलाल खाकी	शुभ–चिंतक	अहमदाबाद
मिनेश किंखाबवाला	शुभ–चिंतक	पूर्वी ब्रुंसविक, संयुक्त राज्य अमेरिका
रेशेल कुसेरा मेहरा	शुभ–चिंतक	टोरिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
कमल नानावती	शुभ–चिंतक	मुंबई
समीर रायानी	शुभ–चिंतक	फ्रेमांट, सीए
अभिषेक सिंघल	शुभ–चिंतक	ऐलेक्जेंड्रिया, संयुक्त राज्य अमेरिका

दानदात सूची

नाम	*वर्ग*	*शहर*
बालकृष्ण बी सोनेजी	शुभ–चिंतक	अहमदाबाद
हरीष चंद्र वर्मा	शुभ–चिंतक	कानपुर
रु 4999 तक		
अभय सी ए	पूर्व छात्र	एर्नाकुलम
दर्शन अजमेरा	पूर्व छात्र	इंदौर
अमित	पूर्व छात्र	मोहिंदर गढ़
आर्यन	पूर्व छात्र	मुजफ्फरपुर
अक्षय	पूर्व छात्र	हरियाणा
दिलीप कुमार बडगुर्जर	पूर्व छात्र	टोंक
प्रज्ञ नंदन बंजारे	पूर्व छात्र	पेंद्रावान
रुजुता भट	पूर्व छात्र	नागपुर
मंदर सुरेश भोयर	पूर्व छात्र	रायगढ़
मोहित चंद	पूर्व छात्र	वाराणसी
यशोदीप चण्वाण	पूर्व छात्र	अहमद नगर
आयुश चौधरी	पूर्व छात्र	इंदौर
चेतन कुमार चौधरी	पूर्व छात्र	जयपुर
अजिंक्या दाहले	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
अजय देवेडवाल	पूर्व छात्र	जयपुर
शिवम धामा	पूर्व छात्र	बागपत
रेड्डी द्वारकानाथ	पूर्व छात्र	पूर्व गोदावरी
एकता	पूर्व छात्र	रेवाड़ी
मोहित गनेरीवाला	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
आलोक गंगोपाध्याय	पूर्व छात्र	मुंबई
अंचित गौरव	पूर्व छात्र	पटना
कुणाल घाइसास	पूर्व छात्र	पुणे
अक्षय गोयल	पूर्व छात्र	जिंद
पार्थ गुटका	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
गुंडा हरिणी	पूर्व छात्र	गुबटुर
राहुल हरनोतिया	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
सोहम हर्षे	पूर्व छात्र	ठाणे
निशा हसिजा	पूर्व छात्र	पलवल
शेख सिद्दीक हुसैन	पूर्व छात्र	नलगोंडा
मिशिता जयसवाल	पूर्व छात्र	जबलपुर
विनीत जोशी	पूर्व छात्र	जोधपुर
रौनक खंडेलवाल	पूर्व छात्र	रतलाम
श्यामल किशोर	पूर्व छात्र	संयुक्त राज्य अमेरिका
आश्रित कौंडिन्या	पूर्व छात्र	वारंगल
बजरंग लाल कुडी	पूर्व छात्र	जयपुर
आर्यन कुमार	पूर्व छात्र	मुजफ्फरपुर
प्रदीप कुमार	पूर्व छात्र	कोटा
रमेश कुमार	पूर्व छात्र	पटना
दीनदयाल कुमार	पूर्व छात्र	पटना

नाम	*वर्ग*	*शहर*
दलिप कुमार	पूर्व छात्र	हनुमानगढ़
पियूश महाजन	पूर्व छात्र	कोठरुड
गौरव महामुनि	पूर्व छात्र	पुणे
गंधम महेंद्रनाध	पूर्व छात्र	काकिनाद
अश्विनी कुमार मलिक	पूर्व छात्र	शामली
मोहित मालु	पूर्व छात्र	निजामाबाद
अमर मंध्यान	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
शंमुखा मनोज	पूर्व छात्र	अनंतपुर
वैभव माथुर	पूर्व छात्र	जोधपुर
प्रेम प्रकाश मीणा	पूर्व छात्र	सवाई माधोपुर
रौनक मेहता	पूर्व छात्र	जोधपुर
सुश्रुत प्रमोद मेशराम	पूर्व छात्र	नागपुर
अश्विनी कुमार मिश्रा	पूर्व छात्र	लखनऊ
उत्सव मिस्त्री	पूर्व छात्र	सूरत
लक्ष्मी नरसिम्हन जी एन	पूर्व छात्र	चेन्नई
श्रेयांश नाहर	पूर्व छात्र	खालापुर
पाथे तिलक नरेन्द्र	पूर्व छात्र	भुसावल
अभिशेक नवरकर	पूर्व छात्र	कल्याण
प्रसित पाल	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
चंद्र कांथ पामार्थी	पूर्व छात्र	गुंटुर
विजवल पमनानी	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
ध्रुव पंचोली	पूर्व छात्र	सूरत
अंकित पंडोले	पूर्व छात्र	भोपाल
राजेश पाटीदार	पूर्व छात्र	रतलाम
रोहन पाटीदार	पूर्व छात्र	नीमच
अपूर्व पटवर्धन	पूर्व छात्र	पुणे
ललित प्रजापत	पूर्व छात्र	चुरु
शिशोदे सुशीलकुमार राजेन्द्र	पूर्व छात्र	जलगांव
दवे ऊजश रामेश्वर	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
अक्षय रांदेड	पूर्व छात्र	बीड
किरण रंगवानी	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
निशांत राव	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
पी संदीप रेड्डी	पूर्व छात्र	नलगोंडा
ख्याती रेल्हान	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
आदित्य सामंत	पूर्व छात्र	नवी मुंबई
अभिषेक संचेती	पूर्व छात्र	भीलवाड़ा
पार्थ साने	पूर्व छात्र	मुंबई
कृष्ण कुमार सक्सेना	पूर्व छात्र	आगरा
ध्येय शाह	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
प्रीत शाह	पूर्व छात्र	मुंबई
राज शाह	पूर्व छात्र	मुंबई
तुष्टि शाह	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
मयंक शेखर	पूर्व छात्र	मुजफ्फरपुर

दानदात सूची

नाम	*वर्ग*	*शहर*
दुर्वेश शिंडे	पूर्व छात्र	ठाणे
प्रतीक शिरभते	पूर्व छात्र	यवात्मा
अभिशेक सिंह	पूर्व छात्र	उन्नाव
आकाश केशव सिंह	पूर्व छात्र	लक्ष्मीगंज
मिलन सिंह	पूर्व छात्र	मेरठ
फातिमा सिनिन	पूर्व छात्र	कैलिकट
एस स्मिता	पूर्व छात्र	पलक्कड़
धवल सोलंकी	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
अभिषेक सोनी	पूर्व छात्र	पटना
गुंदीप कौर सुदन	पूर्व छात्र	जम्मू
जय अरविंदभाई सुदानी	पूर्व छात्र	सूरत
सुकृति गक्खड़	पूर्व छात्र	हिसार
मदन जनार्दन तालदेवकर	पूर्व छात्र	खोपट
साई तेजा	पूर्व छात्र	कुकटपल्ली
ईप्सित तिवारी	पूर्व छात्र	जबलपुर
सरोजनी तिवारी	पूर्व छात्र	नैहाजी
चंद्रशेखर तुंगा	पूर्व छात्र	कडापा
श्यामल किशोर	शुभ–चिंतक	संयुक्त राज्य अमेरिका
ईशान उपाध्याय	पूर्व छात्र	मुंबई
संचित वेकारिया	पूर्व छात्र	बलदिया
प्रशांत वर्मा	पूर्व छात्र	बीकानेर
विशाखा	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
नंदन परेश वोरा	पूर्व छात्र	अहमदाबाद
विशाल यादव	पूर्व छात्र	कोटा
गोल्डी यादव	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
तरुणा यादव	पूर्व छात्र	नई दिल्ली
हमजा मोहम्मद जुबैर	पूर्व छात्र	अलीगढ़
नितिन वी जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
हरीष पी एम	संकाय	गांधीनगर
सुपर्ब मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
मौली केथीनीडी	कार्मिक	गांधीनगर
जय मेहता	कार्मिक	गांधीनगर
संजीव पाण्डे	कार्मिक	गांधीनगर
संतोष राउत	कार्मिक	गांधीनगर
कोमल तरुनकुमार संगतानी	कार्मिक	गांधीनगर
गौरव शुक्ला	कार्मिक	गांधीनगर
मेत अयल्प	शुभ–चिंतक	बरनेबी, कनाडा
राजुल गज्जर	शुभ–चिंतक	अहमदाबाद
एस आर शर्मा	शुभ–चिंतक	नई दिल्ली

संगठन

शासकीय मण्डल

सभापति
डा. बलदेव राज
अध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान
अकादमी अंतर्राष्ट्रीय परिषद तथा
निदेशक, राष्ट्रीय आधुनिक अध्ययन संस्थान
बेंगलोर

सदस्य
प्रा. एस पी सुखात्मे
पूर्व निदेशक, भा.प्रौ.सं. मुंबई व पूर्व सभापति
परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद
मुंबई

प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद
पूर्व निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
नई दिल्ली

प्रा. दीपक बी फाटक
सुबरो एम नीलेकनी चेयर प्राध्यापक
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
भा.प्रौ.सं. मुंबई, मुंबई

श्री कमल नानावटी
अध्यक्ष, नीतिबद्ध विकास
रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड
नवी मुंबई

श्री जी आर अलोरिया, भा.प्र.से.
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री जे पी अग्रवाल, डीएएनआइसीएस
विशेष सचिव व निदेशक (शिक्षा)
दमन एवं दीव (यूटी)
मोती दमन

प्रा. सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
गांधीनगर

प्रा. एस पी मेहरोत्रा
प्राध्यापक प्रभारी, (अनुसंधान एवं विकास तथा
बाह्य मामले)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

सचिव
श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
गांधीनगर

वित्तीय समिति

सभापति
डा. बलदेव राज
अध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान अकादमी
अंतर्राष्ट्रीय परिषद तथा
निदेशक, राष्ट्रीय आधुनिक अध्ययन संस्थान
बेंगलोर

सदस्य
प्रा. सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
गांधीनगर

श्री आर सुब्रमणियम, भा.प्र.से.
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, भा.प्र.से.
संयुक्त सचिव (आंतरिक वित्त ब्यूरो) एवं
वित्तीय सलाहकार
समाकलित वित्तीय ब्यूरो
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

प्रा. एस सी सहस्त्रबुधे
पूर्व निदेशक
धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान
गांधीनगर

प्रा. डी पी रॉय
प्राध्यापक–प्रभारी (सामान्य प्रशासन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, गांधीनगर

सचिव
श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
गांधीनगर

भवन व निर्माण समिति

अध्यक्ष
प्रा. सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

सदस्य
प्रा. एन छाया
पूर्व डीन, वास्तुकला संकाय
सी ई पी टी विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

डा. प्रभात कुमार
विशिष्ट वैज्ञानिक एवं पूर्व अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि, कलपक्कम
तमिलनाडु

श्री के एस वाघ
मुख्य सलाहकार (सिविल आधारभूत ढांचा)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई
पवई, मुंबई

श्री ए के जैन
पूर्व विशेष महानिदेशक
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली

श्री एल पी श्रीवास्तव
पूर्व अपर महानिदेशक
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग व
सलाहकार (कार्य)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

प्रा. हरीष पी एम
सह–डीन (परिसर विकास),
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

सचिव
श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

अभिषद सभा

अध्यक्ष
प्रा. सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर

सदस्य
प्रा. अश्विनी कुमार
प्रा. डी वी पाई
प्रा. डी पी रॉय
प्रा. जी के शर्मा
प्रा. एस पी मेहरोत्रा
प्रा. के वी वी मूर्ति
प्रा. एन रामकृष्णन
प्रा. आर शरण
प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय
प्रा. मोहन जोशी
प्रा. आर आर पुरी
प्रा. एच बी हबलानी
प्रा. स्वेतलाना ब्रेज्व
प्रा. आर एन सिंह
प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
प्रा. कमलाकर करलापालेम
प्रा. प्रणब कुमार मोहापात्र
प्रा. नीलकंठ छाया
प्रा. राघवन रंगराजन
प्रा. नागेश राव
प्रा. अमित प्रशांत
प्रा. रीता कोठारी
प्रा. विक्रांत जैन
प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
डा. टी एस कुंबर
प्रा. विनोद नारायणन
प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रा. समीर वी दलवी
प्रा. भास्कर दत्ता
प्रा. अतुल भार्गव
प्रा. अभिजीत मिश्रा
प्रा. मीरा मेरी सनी
प्रा. शरद गुप्ता
प्रा. जयसन मंजली
प्रा. सुधांशु शर्मा
प्रा. आनंद सेनगुप्ता
प्रा. प्रत्युष दयाल
प्रा. हरीष पी एम
प्रा. प्रतीक मूथा
प्रा. नितिन वी जॉर्ज

सचिव
श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव

आमंत्रित छात्र
विश्वेन्द्र सिंह
अजिंक्य तुपकर जैन
नितिन जॉर्ज
चिण्मय अजनादकर

अभिषद सभा की स्थाई समितियां

अभिषद सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)
प्रा. डी वी पाई, संयोजक
प्रा. अमित प्रशांत, डीन (शैक्षिक मामले)
प्रा. अभिजीत मिश्रा
प्रा. कबीर जसूजा
प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रा. नितिन वी जॉर्ज
प्रा. वीरूपक्षी सोप्पिना

अभिषद सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)
प्रा. अमित प्रशांत, अध्यक्ष, डीन (शैक्षिक मामले)
प्रा. अभिजीत मिश्रा
प्रा. नितिन वी जॉर्ज
प्रा. भास्कर दत्ता
प्रा. समीर दलवी
प्रा. प्रणब मोहापात्रा
प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रा. अतुल भार्गव
प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रा. जयसन ए मंजली
प्रा. मीरा एम सनी
प्रा. आनंद सेनगुप्ता
प्रा. कमलाकर करलापालेम
प्रा. शरद गुप्ता
श्री अखिलेश गोटमारे, छात्र नामिती
श्री सरवनन वी, छात्र नामिती

अभिषद सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

प्रा. जयसन ए मंजली, अध्यक्ष, डीन (छात्र मामले)
प्रा. अतुल भार्गव
प्रा. कबीर जसूजा
प्रा. शर्मिता लाहिड़ी

अभिषद सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)

प्रा. जयसन ए मंजली, अध्यक्ष, डीन (छात्र मामले)
प्रा. नितिन वी जॉर्ज
प्रा. आनंद सेनगुप्ता
प्रा. अतुल भार्गव
प्रा. सुरजीत कौर
प्रा. अनिर्बन दासगुप्ता
श्री विश्वेन्द्र सिंह, महासचिव, छात्र अभिषद सभा
श्री अजिंक्या तुपकर जैन, संयोजक, छात्र अभिषद सभा
श्री तुषार मेशराम, छात्र नामिती
श्री चक्रेश के सिंह, छात्र नामिती

अभिषद सभा पुस्तकालय समिति (एसएलसी)

प्रा. आर शरण, अध्यक्ष
डा. टी एस कुंबर
प्रा. कृष्ण पी मियापुरम
प्रा. सुदीप्ता सरकार
प्रा. शंमुगनाथन रमण
प्रा. धीमन बसु
श्री धर्मेन्द्र कुमार, छात्र नामिती
श्री ऋषभ जैन, छात्र नामिती

शैक्षिक पदाधिकारी

प्रा. सुधीर कु जैन
निदेशक

प्रा. अमित प्रशांत
डीन, शैक्षिक मामले

» प्रा. नितिन वी जॉर्ज
सह–डीन, अधिस्नातक अध्ययन

» प्रा. अभिजीत मिश्रा
सह डीन, अवरस्नातक अध्ययन

प्रा. जयसन ए मंजली
डीन, छात्र मामले

» प्रा. अतुल भार्गव
सह डीन, छात्र कल्याण

» प्रा. गौरव श्रीवास्तव
प्रमुख, कैरियर विकास सेवाएं, एवं समन्वयक, नियुक्ति और अंतःशिक्षुता

» प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
समन्वयक, उच्च शिक्षा एवं कैरियर परामर्श

» प्रा. अभय राज सिंह गौतम
समन्वयक, उद्योग यात्राएं

» प्रा. कबीर जसूजा
प्रमुख, विद्यार्थी परामर्श सेवाएं

» प्रा. रूपक बैनर्जी
सलाहकार, खेल–कूद

» प्रा. सुपर्ब मिश्रा
सलाहकार, तकनीकी गतिविधियां

» प्रा. मनीष कुमार
सलाहकार, बाह्य छात्रवृत्ति

» प्रा. अमित अरोड़ा
समन्वयक, अधिस्नातक और डाक्टोरल विद्यार्थी

» श्री सी एस शर्मा
समन्वयक, संचार एवं जीवन कौशल कार्यक्रम

» प्रा. सुधांशु शर्मा
वार्डन, डुवेन, एमियत और फिरपील, एवं
सलाहकार, सांस्कृतिक कार्यक्रम

» प्रा. केतकी शर्मा
वार्डन, आइबान, बियूकी और चिमेयर

» प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
वार्डन, छात्रावास भोजनालय सुविधा

प्रा. जी के शर्मा
प्राध्यापक–प्रभारी, संकाय मामले

» प्रा. समीर दलवी
सह–डीन, संकाय संबंध

» प्रा. प्रतीक मूथा
अध्यक्ष, संकाय खोज समिति, एवं सह–डीन
संकाय नियुक्ति

प्रा. एस पी मेहरोत्रा
प्राध्यापक–प्रभारी, बाह्य संबंध, एवं प्राध्यापक–प्रभारी,
अनुसंधान एवं विकास

» श्री निर्मल झा
सलाहकार, उद्योग भागीदारी

» प्रा. रविकुमार भास्करण
मानद सलाहकार, बाह्य संबंध

» प्रा. विक्रांत जैन
सह–डीन, बाह्य परियोजनाएं

प्रा. डी पी रॉय
प्राध्यापक–प्रभारी, सामान्य प्रशासन, और
प्राध्यापक–प्रभारी, अभियांत्रिकी विभाग

प्रा. डी वी पाई
प्राध्यापक–प्रभारी, मानविकी एवं विज्ञान विभाग

प्रा. हरीष पी एम
सह–डीन, परिसर विकास

छात्र नेतृत्व

निम्नलिखित छात्र शैक्षिक वर्ष 2016 – 17 के लिए पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित घोषित किए गए:

महासचिव	शुभम पाटिल
सांस्कृतिक सचिव	निशांत नायक
शैक्षिक सचिव	अनुराग सिंघानिया
खेलकूद सचिव	अहमद नाजी
तकनीकी सचिव	अखिल पटनायक
छात्र कल्याण सचिव	ऋषभ जैन

संकाय

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री विशेषज्ञता*	
पुरातत्व विज्ञान			
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	डेक्कन विद्यालय, 2003	शीशे की उत्पत्ति एवं इतिहास
वी एन प्रभाकर	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2013	हड़प्पन पुरातत्व विज्ञान जिसमें पुरातत्व में विज्ञान के अनुप्रयोगों पर ज़्यादा जोर दिया गया है
जैविक अभियांत्रिकी			
शरद गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2009	अलजाइमर और हंटिंगटन रोगों में प्रोटीन मिसफोल्डिंग
शिवप्रिया किरुबाकरण	सहायक प्राध्यापक	आइ.आइ.एस.सी. बेंगलोर, 2007	औषधि रसायन विज्ञान एवं औषध खोज
शर्मिष्ठा मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2006	ट्रांसपोसेस और ट्रांसपोसेस होमोलोग्स की प्रौटियोनिक और जियोमिक जांच
प्रतीक मूथा	सहायक प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	सेंसोरीमोटर नियंत्रण एवं सीख

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
उमाशंकर सिंह	सहायक प्राध्यापक	उप्पासला विश्वविद्यालय, उप्पासला, स्वीडन, 2006	क्रिप्टोप्रोटेक्शन
वीरूपक्षी सोप्पिना	सहायक प्राध्यापक	गुलबर्ग विश्वविद्यालय, गुलबर्ग, 2006	काइनेसिंस एवं अंतरकोशिका परिवहन
रसायन अभियांत्रिकी			
समीर वी दलवी	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2007	सुपरक्रिटिकल तरल प्रसंसकरण
प्रत्युष दयाल	सहायक प्राध्यापक	आकरोन विश्वविद्यालय, 2007	स्व–कम्पन–पॉलीमर जैल
चिण्मय घोरोई	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2007	कण अभियांत्रिकी एवं चूर्ण प्रसंस्करण
कबीर जसूजा	सहायक प्राध्यापक	केंसस राजकीय विश्वविद्यालय, 2011	दो–आयामी सूक्ष्मपदार्थों का संश्लेषण
नितिन यू पधियार	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2008	प्रक्रिया संतुलन और नियंत्रण
बाबजी श्रीनिवासन	सहायक प्राध्यापक	टेक्सस टेक विश्वविद्यालय, 2011	जटिल प्रणाली का मानव को बीच में रख कर उसका आकार, नियंत्रण एवं अनुवीक्षण करना
आर श्रीनिवासन	प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, पश्चिमी लाफायते, 1998	गणनात्मक जैविकी प्रणाली
प्राची थरेजा	सहायक प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2008	क्रिस्टेलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट की इन–सिटू रियोलॉजी
रसायन विज्ञान			
चंद्रकुमार अप्पायी	सहायक प्राध्यापक	भा.वि.सं., बेंगलोर 2008	एसिमेट्रिक केटालिसिस
भास्कर दत्ता	सहायक प्राध्यापक	कार्नेजी मेलन विश्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लीक अम्ल आधारित रसायन जैविकी
अर्णब दत्ता	सहायक प्राध्यापक	एरिजोना राजकीय विश्वविद्यालय, 2012	जैविक–इनऑर्गेनिक रसायनविज्ञान
श्रीराम वी गुंडीमेदा	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2001	जैविकी रसायन शास्त्र
इति गुप्ता	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2005	मेक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स एवं विस्तरित पोरफाइरीनॉइड्स
सौम्यकांति खटुआ	सहायक प्राध्यापक	राइस विश्वविद्यालय, 2011	प्लासमोनिक्स
साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युल्ला	सहायक प्राध्यापक	जे.एम.सी.ए.एस.आर., बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट–प्रोटीन वार्ताएं
सुधांशु शर्मा	सहायक प्राध्यापक	भा.वि.सं., बेंगलोर, 2009	पदार्थ, विद्युतरसायनशास्त्र
सिविल अभियांत्रिकी			
धीमन बसु	सहायक प्राध्यापक	सनी, बुफैलो, 2012	चक्रानुक्रम सीसमोलॉजी, जटिल ढांचे
स्वेतलाना ब्रेज्व	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 1994	विकासशील देशों में भूकंप के खतरों का शमन करना
गौरव	सहायक प्राध्यापक	मिनेसोटा विश्वविद्यालय, 2011	अनिश्चितता को परिमाणित करना

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
सुधीर कु जैन	निदेशक, प्राध्यापक	कैलटेक, 1983	भूकंप अभियांत्रिकी, ढांचों के आयाम
मनीष कुमार	सहायक प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विश्वविद्यालय, बुफैलो, 2015	प्रदर्शन आधारित भूकंप अभियांत्रिकी
अश्विनी कुमार	अभ्यागत प्राध्यापक	वॉटरलू विश्वविद्यालय, 1974	स्थिरता एवं विशाल ढांचों के आकार की विकृति
विमल मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 2010	सतही जल की हाइड्रोलॉजी
प्रणब मोहापात्र	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1999	हाइड्रॉलिक्स एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी
अमित प्रशांत	प्राध्यापक	टेनेस्सि विश्वविद्यालय, 2004	ग्रेनुलर पदार्थों के निर्माण की मॉडलिंग
अजंता सचान	सहायक प्राध्यापक	टेनेस्सि विश्वविद्यालय, 2005	पदार्थों का विशेषीकरण
केतकी शर्मा	सहायक प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	जल उपचारण
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
बिरेस्वर दास	सहायक प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010	गणनात्मक जटिलता सिद्धांत एवं एलगोरिदम
अनिर्बन दासगुप्ता	सह–प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2005	विशाल डेटा के एलगोरिदम
मनोज गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2013	गत्यात्मक आलेख के एलगोरिदम
कमलाकर करलापलेम	प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 1992	डेटाबेस प्रणालियां
नीलधारा मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012	एलगोरिदम की रूपरेखा तथा विश्लेषण
सौराद्युति पॉल	सहायक प्राध्यापक	केथोलीके लियूवेन यूनिवर्सिटेट, बेल्जियम, 2006	सूचना सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी, सैद्धांतिक संगणक विज्ञान
डिजाइन			
अमित शेठ	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई	रास्ता खोजने की रूपरेखा
भू विज्ञान			
विक्रांत जैन	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2001	धरती की सतही प्रक्रियाएँ
आर एन सिंह	अभ्यागत प्राध्यापक	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1969	सतह के नजदीक जियोभौतिकी एवं पर्यावरणीय प्रक्रियाएं
प्रदीप श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीपल्स फ्रेंडशिप विश्वविद्यालय, मॉस्को, रशिया, 1983	सैद्धांतिक यांत्रिकी एवं नियंत्रण प्रणालियां
विद्युत अभियांत्रिकी			

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
अरूप लाल चक्रवर्ती	सह–प्राध्यापक	स्ट्राथक्लाइड विश्वविद्यालय, 2010	गैस मापन के लिए ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
सौरिंद्रा एम चौधरी	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	प्रिंसटन विश्वविद्यालय, 2015	सीएडी प्रौद्योगिकी की सहायता से फिनएफईटी के अंतर्गत डिजिटल वी.एल.एस.आइ. अभिकल्पना और ईडीए पद्धतियां
रमेष गाँवकर'	अभ्यागत प्राध्यापक	साइराकूस विश्वविद्यालय, 1975	अंतर–विभागीय पाठ्यक्रम अभिकल्पन और मूल्यांकन
नितिन जॉर्ज	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, 2012	जीवंत कोलाहल नियंत्रण, अनुकूली संकेत प्रसंसकरण
रवि एस हेगड़े	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2008	सूक्ष्मढांचों का ऑप्टिकल गुणधर्म
रागवन के	सह–प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2006	ट्रांसफोर्म डायग्नोस्टिक
नितिन खन्ना	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., 2009	मल्टीमीडिया सुरक्षाः सेंसर फोरेंसिक
उत्तमा लाहिड़ी	सह–प्राध्यापक	वॉण्डरबिल्ट विश्वविद्यालय, 2011	प्रभावी कंप्यूटिंग में आभासी वास्तविकता आधारित मानव का पारस्परिक संवाद
जॉयसी मेकी	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2009	वी.एल.एस.आई. डिजाइन
निहार रंजन मोहापात्र	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2003	सेमीकंडक्टर यंत्र एवं प्रौद्योगिकी
के वी वी मूर्ति	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 1977	विद्युत नेटवर्क सिद्धांत
नारण एम पिंडोरिया	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2009	ऊर्जा प्रणाली का पुनर्निर्माण – तकनीकी एवं व्यापक मसले
एस राजेन्द्रन	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मद्रास (एमटेक), 1988	उच्च गति पैकेजिंग मशीन– वी. एफ.एफ.एस. एवं एच.एफ.एफ.एस. प्रौद्योगिकी
शंमुगनाथन रमण	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2011	गणनात्मक फोटोग्राफी
आर शरण	अभ्यागत प्राध्यापक	वॉटरलू विश्वविद्यालय, 1968	प्रौद्योगिकी उन्नति एवं मानव मूल्य
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान			
गुओ फे	अभ्यागत संकाय	सिचुआन विश्वविद्यालय, 2007	चानी भाषा के शिक्षक
राजमोहन गांधी	अभ्यागत प्राध्यापक	कैलेग्री विश्वविद्यालय, कनाडा, 1997	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं उसके नेता, भारत–पाकिस्तान संबंध, मानवाधिकार एवं उसके विभेदन
रीता कोठारी	प्राध्यापक	गुजरात विश्वविद्यालय, 2000	हिंगलिश, बन्नी (कच्छ) के समुदाय, सिंध एवं गुजरात का इतिहास
शर्मिता लाहिड़ी	सहायक प्राध्यापक	हाउस्टन विश्वविद्यालय, 2008	स्वतंत्रता के पश्चात का साहित्य एवं उसकी रचना

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
जयसन ए मंजली	सह–प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	अनुभव, ज्ञान एवं तर्कसंगति
एंगस मेकब्लेन	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	कार्डिफ विश्वविद्यालय, 2014	सांस्कृतिक सिद्धांत, एंबोडिमेंट, पर्यावरणीय मानविकी
अचल मेहरा'	प्राध्यापक	दक्षिणी इलीनॉइस विश्वविद्यालय, कार्बोनडेल, 1985	ऑनलाइन मीडिया, मीडिया प्रबंधन
मोना मेहता	सहायक प्राध्यापक	शिकागो विश्वविद्यालय, 2010	लोकतंत्र, संजातीय टकराव, सिविल सोसाइटी, राष्ट्रवाद एवं भारत की पहचान वाली राजनीति
कृष्ण पी मियापुरम	सहायक प्राध्यापक	कैंब्रिज विश्वविद्यालय, संरा, 2008	ब्रेन इमेजिंग (एफएमआरआइ) एवं संज्ञानात्मक विज्ञान
रोजा मारिया पेरेज'	अभ्यागत प्राध्यापक	आइ.एस.सी.टी.ई., लिसबन, 1992	सामाजिक संरचनाएं, सामाजिक अलगाव
पेड्रो मैन्युल एस पॉम्बो	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	आइ.एस.सी.टी.ई.–आइयूएल, लिसबोआ, 2015	सजाति एवं सांस्कृतिक पहचान
अर्नपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2010	दक्षिण–एशियाई साहित्य, आलोचनात्मक सिद्धांत, भक्तिन अध्ययन, रचनात्मक लेखन
श्रीनिवास रेड्डी	सहायक प्राध्यापक	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, 2011	संस्कृत, तमिल एवं तेलगु साहित्यिक परंपराएं
तन्निष्ठा सामंत	सहायक प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, 2012	सामाजिक जनसांख्यिकी, विकासशील देशों में उम्र बढ़ना
मधुमिता सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	18वीं और 20वीं शताब्दी पूर्व के मध्य औपनिवेशिक भारत तथा असाम का समाजिक–राजनीतिक इतिहास
मालविका सुब्रमणियम	सहायक प्राध्यापक	हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 2009	सामाजिक आर्थिक संदर्भ में तथा पोषण और मधुमेह पर पड़ोसी देश
मीरा मेरी सनी	सहायक प्राध्यापक	वॉरविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य के प्रति आकर्षण, आकर्षण कैद करना
सिद्धार्थ वाकणकर'	सहायक प्राध्यापक	बड़ौदा एम एस विश्वविद्यालय, 1995	संस्कृत साहित्य के खेल और मनुस्मृतियां
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
अमित अरोड़ा	सहायक प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2011	फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग, ऊष्मा स्थानांतरण और विस्को–प्लास्टिक का बहाव
अभय राज सिंह गौतम	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009	अंतरफेस संरचनाएं तथा गतिशीलता
एस पी मेहरोत्रा	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण तथा मेटलर्जी प्रक्रिया

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
सुपर्ब मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	लंदन इंपीरियल विद्यालय, संरा, 2007	जैविकपदार्थ एवं टिशू अभियांत्रिकी
अभिजीत मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अरबाना–शेम्पेन, 2010	एक्स–रे विवर्तन, झिल्ली के गुणधर्म
ज्योति मुखोपाध्याय	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 1982	ढांचे – लक्षणों का आपसी संबंध
एमिला पाण्डा	सहायक प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक संस्थान, जर्मनी, 2009	थिन फिल्मों तथा सूक्ष्मसंरचनात्मक पदार्थों की जांच
गणित			
संजयकुमार एच अमृत्य	सहायक प्राध्यापक	हरीष–चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 2012	तंकियन सामूहिक योजनाएं, मोडुलाई स्पेसेज, वेक्टर बंडल
अतुल अभय दीक्षित	सहायक प्राध्यापक	इलीनॉयस विश्वविद्यालय, अरबाना–शेमपेन, 2012	विश्लेषणात्मक अंक सिद्धांत
मोहन जोशी	अभ्यागत प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, सं.रा.अ., 1973	नॉनलीनियर जांच
सुरजीत कौर	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2013	सुगम डेरिवेशन
एन आर लाधवाला	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 1976	हार्मोनिक जांच
चेतन डी पहलजानी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अरबाना–शेमपेन, 2007	संभावना सिद्धांत एवं स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं
डी वी पाई	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 1972	कार्यात्मक जांच, सन्निकटन सिद्धांत
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	सह–प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2001	विनिमय बीजगणित, बीजगणितीय रेखागणित
जगमोहन त्यागी	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2008	साधारण अंतर संबंधी समीकरण, एलिप्टिक आंशिक अंतर संबंधी समीकरण
यांत्रिक अभियांत्रिकी			
सुदर्शन बेहल'	अभ्यागत प्राध्यापक	मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, (एम.फिल.)	ठोस स्थिति की भौतिकी
अतुल भार्गव	सहायक प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, विद्यालय पार्क, 2010	ईंधन कोषिका प्रणाली, अनुकल्पन एवं अनुकरण
के चेलवा कुमार	अभ्यागत प्राध्यापक	कैलटेक, 1985	स्वास्थ्य सेवा वित्त एवं अभियांत्रिकी यांत्रिकी
मुरली दामोदरन'	प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 1987	एयरोस्पेस अभियांत्रिकी: एयरोडायनामिक्स, फ्लाइट यांत्रिकी एवं एयरोइलास्टिसिटी
एच बी हबलानी	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 1972	फ्लाइट यान का नौचालन, मार्गदर्शन और नियंत्रण

विभाग	*पदनाम*	*पीएच.डी./अंतिम डिग्री*	*विशेषज्ञता*
हरीष जे पी मादापुसी	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आरबर, 2007	प्रणाली और नियंत्रण सिद्धांत, प्रणालियों की पहचान (डाटा आधारित मॉडलिंग)
विनोद नारायण	सहायक प्राध्यापक	जे.एन.सी.ए.एस.आर., 2006	तरल यांत्रिकी
एन रामकृष्णन	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 1980	उत्पादन, ऑटोमेशन एवं कॉम्पोजिट पदार्थ
डी पी रॉय	अभ्यागत प्राध्यापक	टेक विश्वविद्यालय, आचेन, 1976	तरल आयाम एवं तरल का यंत्र समूह
जी के शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	मॉस्को ऊर्जा अभियांत्रिकी संस्थान, 1974	ऊष्मा अभियांत्रिकी
दिलीप श्रीनिवास सुंदरम	सहायक प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ऊष्मातरल विज्ञान, दहन और ऊर्जावान पदार्थ
विनीत वशिष्ट	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015	यांत्रिकी प्रणालियों का डिजाइन एवं नियंत्रण
भौतिकी			
रूपक बैनर्जी	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा परमाणु भौतिकी संस्थान), 2012	सतह भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान
विनोद चंद्र	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2009	क्वार्क–ग्लूओन–प्लाजमा और संबंधित भारी आयनों का टकराव
भारद्वाज कोलप्पा	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	सामान्य प्रतिमान के आगे– नए स्वरूपों के प्रतिमान बनाना एवं एलएचसी घटनाएं
शिवकुमार जोलाड	सहायक प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2010	नेटवर्क – जटिल प्रणालियां, सूचना सिद्धांत
बरुन मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2008 (एबीडी)	प्रमात्रा ब्रह्मांड विज्ञान
आर आर पुरी	अभ्यागत प्राध्यापक	मुंबई विश्वविद्यालय, 1981	प्रमात्रा व्यवस्थाओं की सैद्धांतिक प्रमात्रा ऑप्टिक्स, अनियमित मैट्रिक्स सिद्धांत, छेदों में ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण की परस्पर क्रिया
सुदीप्ता सरकार	सहायक प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय, आइ.यू.सी.ए.ए., 2009	सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल ऊष्मप्रवैगिकी
आनंद सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	आइ.यू.सी.ए.ए. पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सीएमबी डाटा जांच के आयाम
संदीपन सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	आइ.एम.एस.सी. चेन्नई, 2011	शास्त्रीय तथा प्रमात्रा गुरुत्वाकर्षण
वी थीरुवेण्कटम	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	जीवाजी विश्वविद्यायल, 2009	छोटे अणुओं की एक्स–रे क्रिस्टेलोग्राफी

* वर्ष के कुछ भाग के लिए

विशिष्ट मानद प्राध्यापक

नाम	*मान्यताएं*
प्रा. जे बी जोशी	डीएई होमी भाभा मानद विशिष्ट चेयर प्राध्यापक
प्रा. हरिनारायण कोटा	डा. डी एस कोठारी एडीए की डीआरडीओ चेयर, बेंगलोर
प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद	भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व निदेशक
प्रा. वी राजारमण	पूर्व अध्यक्ष, सुपरकम्प्यूटर शिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
प्रा. वी एस राजू	भा.प्रौ.सं. दिल्ली के पूर्व निदेशक
प्रा. एस पी सुखात्मे	प्राध्यापक ऐमेरिटस, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं. मुंबई
प्रा. नीतिश ठाकुर	प्राध्यापक, बायोमेडिकल अभियांत्रिकी, औषधि का जॉन हॉपकिंस विद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका

निवासी विद्वान

नाम	*मान्यताएं*
डा. फ्रैडरिक एल कूलिज	प्राध्यापक, कोलोरेडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
डा. मारजोरी ग्रीन	विशेष परियोजना प्रबंधक, भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान
डा. रुबीना जसानी	व्याख्याता, एच.सी.आर.आई., मैनचेस्टर विश्वविद्यालय
डा. शुंगो कावानीशी	प्राध्यापक/राष्ट्रपति सलाहकार, जापान उच्च विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
डा. जोनाथन मार्क केनोअर	प्राध्यापक, विस्कॉनसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन
डा. मैन्युल रामोस	सह–प्राध्यापक, आइ.एस.सी.टी.ई., लिसबन विश्वविद्यालय संस्थान
डा. निशांत शाह	डिजिटल मीडिया की संस्कृति एवं सौदर्यशास्त्र संस्थान, लियूफेमा विश्वविद्यालय, ल्यूनबर्ग
डा. अतुल सिंह	संस्थापक, प्र.का.अ. एवं फेयर ऑबजर्वर के प्रधान संपादक

फुलब्राइट विशेषज्ञ

नाम	*मान्यताएं*
प्राध्यापक उमेश गर्ग	प्राध्यापक, नॉट्रे डैम विश्वविद्यालय

अतिथि प्राध्यापक

नाम	*मान्यताएं*
डा. ए वी अनिलकुमार	प्राध्यापक, वॉन्डरविल्ट अभियांत्रिकी विद्यालय
प्रा. निखिल बलराम	अध्यक्ष एवं मुकाअ, रीको इन्नोवेशन इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका
डा. अचिंत्य के भौमिक	प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, पर्सेप्चुअल कम्प्यूटिंग ग्रूप, इंटेल कॉर्पोरेशन, सीए, संयुक्त राज्य अमेरिका
डा. आर एस बिष्ट	संयुक्त महानिदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
डा. राजेन्द्र बोर्डिया	प्राध्यापक एवं चेयर, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, क्लेमसन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
प्रा. बिजॉय बोरुआ	प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज शास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
डा. स्वेतलाना ब्रेज्व	प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, निर्माण एवं पर्यावरण विद्यालय, ब्रिटिश कोलंबिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कनाडा
प्रा. आर पी छाबड़	प्राध्यापक, रसायन अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

नाम	*मान्यताएं*
श्री मिशैल डैनीनो	भारतीय सभ्यता के स्वतंत्र विद्वान
प्रा. प्रवीणराय गांधी	कॉर्पोरेट अनुसंधान निदेशक, अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंक संयुक्त राज्य अमेरिका
प्रा. दीपन घोष	प्राध्यापक (सेवानिवृत्त) भौतिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. मुंबई
डा. बिपिन इंदुरख्य	संज्ञानात्मक विज्ञान कार्यक्रम, इंस्टिट्यटूट फिलोजोफी यूजे, पोलैंड
श्री सुबोध कुमार जैन	अभियंता सदस्य (सेवानिवृत्त), रेल मंडल, नई दिल्ली
डा. राजेन जसवा	प्र.का.अ. एवं अध्यक्ष, डायनो
डा. कुमार नीरज झा	प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
प्रा. लीलावती कृष्णन	प्राध्यापक (सेवानिवृत्त) एच.एस.एस. विभाग, भा.प्रौ.सं. कानपुर
डा. दिनेश कांत कुमार	बायोमेडिकल अभियांत्रिकी कार्यक्रम के निदेशक, विद्युत एवं संगणक प्रणाली अभियांत्रिकी विद्यालय, विज्ञान अभियांत्रिकी एवं स्वास्थ्य विद्यालय, आरएमआइटी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
डा. के चेलवा कुमार	वरिष्ठ कार्यकारी एवं शासकीय नेता, नेपरविले, संयुक्त राज्य अमेरिका
प्रा. सुचित्रा माथुर	सह–प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज शास्त्र (अंग्रेजी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
प्रा. अचल मेहरा	पत्रकार, प्रकाशक, शिक्षाविद्
प्रा. अशोक मित्तल	पूर्व में भा.प्रौ.सं. कानपुर तथा केलॉक्स प्रबंधन विद्यालय, दक्षिणपश्चिमी विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
प्रा. एस एल नारायणमूर्ति	पूर्व डीन, शैक्षणिक मामले, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर
प्रा. संदीप पाण्डेय	समाज सेवी, लखनऊ एवं सह–संस्थापक, शिक्षा के लिए आशा
डा. डी सी राय	प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
डा. एम बी रजनी	सहायक प्राध्यापक, मानविकी विद्यालय, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
डा. टी आर रामचंद्रन	अभ्यागत प्राध्यापक, नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, हैदराबाद
प्रा. ए रामनाथन	प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज शास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई
प्रा. मैथिली रामास्वामी	प्राध्यापक, गणित विभाग, टाटा आधारभूत अनुसंधान केंद्र संस्थान, बेंगलोर
डा. डी वेण्कट राव	पूर्व में भा.प्रौ.सं. दिल्ली के साथ
प्रा. धीरज सांघी	प्राध्यापक, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
डा. शिलादित्य सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक, हार्वर्ड मेडिकल विद्यालय ब्रिघम एवं महिला अस्पताल
डा. कोशी थारकन	सह–प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग, गोवा विश्वविद्यालय
डा. हैरी युक्लिया	अनुसंधान प्राध्यापक, टेकनियन इजरायलय अभ्यागत प्राध्यापक, ओआरटी विश्वविद्यालय, उरूगे, एवं सैन एंड्रियास विश्वविद्यालय, अर्जेनटीना

नियमित पदों पर गैर शैक्षणिक स्टाफ

कर्मचारियों के नाम	*पदनाम*
एम. अरमुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुगन्या अरुमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
वीरल जे असजोला	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना अधिकारी
बबलू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
रामसिंम्हा बी*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
पलक आर बगिया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
सुदीप नारायण बैनर्जी	प्रणाली विश्लेषकध्वैज्ञानिक बी
सुवाकान्त बारिक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तिमिर यकुंज बेरावला	कनिष्ठ सहायक
मनू प्रताप सिंह भदौरिया	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
राम बाबू भगत	सहायक कुलसचिव
राहुलेन्द्र भास्कर	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तुषार एच ब्रम्हभट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
के सी चंद्रजीत	कनिष्ठ अधीक्षक
पन्नाबेन पी चौधरी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना अधिकारी
जी सी चौधरी	अधीक्षक अभियंता
रोहितकुमार बी चौधरी	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
मयूर एन चौहान*	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
क्रुपेशकुमार पी चौहान	कनिष्ठ लेखापाल
यशवंत कुमार के चौहान	सहायक अभियंता
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव
बालकृष्ण जे दारजी*	वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
तपस कुमार दास	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना अधिकारी
सोनाली एस दावड़ा	कनिष्ठ सहायक
दिनेष बी देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुपिन गोपी	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
मेमो गुप्ता	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
तेज बहादुर गुरुंग	कनिष्ठ सहायक
लक्ष्मी पी हीरानी	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
योगेष दत्तात्रया जड़े	कनिष्ठ अधीक्षक
मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
अश्विन आर के	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
जितेश वी के	कनिष्ठ अधीक्षक
संजयकुमार कर्शणभाई कछिया*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
नवदीवाला अंकुर कंचनलाल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
धर्मेशकुमार वी कपाड़िया	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
हनी एम खमर	कनिष्ठ सहायक
राम निवास कुमावत	अधिशासी अभियंता
टी एस कुंबर	पुस्तकालय अध्यक्ष
पिजूष मजुमदार	सहायक कुलसचिव
प्रशांत जी मकवाना	कनिष्ठ सहायक
सौम्या मालवीय	कनिष्ठ सहायक

कर्मचारियों के नाम	*पदनाम*
जय मेहता	कनिष्ठ लेखापाल
श्रीजित बी मेनन	कनिष्ठ अधीक्षक
तन्हा मोदी	कनिष्ठ सहायक
धर्मेन्द्रकुमार एस पंचाल	कनिष्ठ अभियंता
संजीव कुमार पाण्डेय	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
प्रगनेश डी पारिख	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
दिनेश एच परमार	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
दर्शन सी पटेल	कनिष्ठ सहायक
संकेतकुमार जे पटेल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
अरिका के पटेल	कनिष्ठ लेखापाल
कामिनी ए पटेल	कनिष्ठ सहायक
संजय कुमार टी पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
भीकाभाई आर पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
जिगनेश एस पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
ट्विंकल पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
हर्षद कुमार जे पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
आकाश महेन्द्र कुमार पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक
रामनंद एल प्रजापति	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
नरेन्द्र जे राबड़िया	कनिष्ठ सहायक
संतोष राउत	कनिष्ठ अधीक्षक
शशिन ए रावल	सहायक कुलसचिव
पवित्र कुमार राउत	कनिष्ठ लेखापाल
कोमल संगतानि	कनिष्ठ सहायक
सूजित कुमार शाह	कनिष्ठ सहायक
वीरल वाई शाह	कनिष्ठ अधीक्षक
जिगर शाह	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
मुकेश शर्मा	स्टाफ नर्स
गौरव शुक्ला	कनिष्ठ अधीक्षक
नितिन शुक्ला	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
गौरव कुमार सिंह	कनिष्ठ सहायक
नरेन्द्रकुमार एम सोलंकी	कनिष्ठ लेखापाल
म्रुगेश आर सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
टेनिल्स विलसनभाई सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
रोहित प्रणव सोमभाई	सहायक कुलसचिव
निलेशकुमार बी सोनी	कनिष्ठ अभियंता
ऊना सूजित	कनिष्ठ अधीक्षक
सचिन एस तावड़े	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
प्रभुजी ठाकोर	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुप्रेश थालेश्वरी	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सनी थॉमस	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
हीरेन पी वाधवाना	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
दीपेन महेन्द्रभाई वाघवानी	कनिष्ठ सहायक
राजेन्द्र वैष्णव	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
पियूषभाई पी वाणकर	कनिष्ठ सहायक
नंद लाल विश्वकर्मा	कनिष्ठ अधीक्षक
राहुल वाधवाणी	कनिष्ठ लेखापाल

* वर्ष के कुछ भाग के लिए

पी.एचडी. विद्वान

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/ कार्यक्रम सलाहकार*
विचित्रा बेहेल	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शिवप्रिया के
रश्मि भाकुनी	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
पल्लवी चिल्का	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. भास्कर दत्ता
गीतांजलि सावित्री दक्षिणमूर्ति	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. सुपर्ब मिश्रा एवं प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार
विवेक दिगंबरराव फरकड़े	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शरद गुप्ता
जोशना धर्मेन्द्रभाई गाढवी	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शरद गुप्ता
सांघवी हीरल मनोजकुमार	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार
संजय कुमार	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. भास्कर दत्ता
पटेल मंथन महेशभाई	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. उमाशंकर सिंह
नलिनी नटराजन	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. विजय थिरुवेण्कटम
अभिजीत ओझा	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
गायित्री पी	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. विजय थिरुवेण्कटम
पूनम पाण्डे	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युला
दिव्येशकुमार अमृतभाई पटेल	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. उमाशंकर सिंह
निशाबेन पटेल	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. वीरूपक्षी सोप्पिना
कृतिका रालहान	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शरद गुप्ता
इंदुमति एस	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
सिद्धांत भोइर	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
वसुधा शर्मा	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शर्मिष्ठा मजुमदार
गुरु कृष्णकुमार विश्वनाथन	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा. शरद गुप्ता
शीतल अरुनभाई अमीन	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन पधियार प्रा. प्रत्युष दयाल
निधि आनंद	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्रत्युष दयाल
सरोज कुमार दास	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. कबीर जसूजा
दीपा दीक्षित	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
गुंडा हरिणी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. कबीर जसूजा
आशा लीसा जेम्स	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. कबीर जसूजा
विक्रम अशोक करदे	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
डी जय प्रसन्न कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्रत्युष दयाल
साकेत कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
पटेल नरेन्द्र माधवलाल	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन पधियार
सनत चंद्र मैइती	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
प्रियंका कामेश्वरी मणि नेमानी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
हरिहरण पी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. जे बी जोशी एवं प्रा. शरद गुप्ता
कोमल उपेन्द्र पाण्डे	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी
विगनेश प्रसाद	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
रूपांजलि गुरुप्रसाद प्रसाद	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी
पाटिल पराग शंकर	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
अवनीश कुमार उपाध्याय	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
सोफिया वर्गीष	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
नीतू वरुण	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
अफसर अली	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
दीक्षी अंगिरा	रसायन विज्ञान	प्रा. विजय थिरुवेण्कटम एवं प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
नरेश बालसुकुरी	रसायन विज्ञान	प्रा. इति गुप्ता
पलकोल्लु वीर भद्रइया	रसायन विज्ञान	प्रा. श्रीराम कन्वाह गुंडीमेदा
अनुज बिष्ट	रसायन विज्ञान	प्रा. सुधांशु शर्मा
सुदीप्ता दास	रसायन विज्ञान	प्रा. इति गुप्ता
वेण्कट मणि पद्मजा दुप्पलापुदि	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
प्रसीथा ई के	रसायन विज्ञान	प्रा. इति गुप्ता
भानु प्रताप सिंह गंगवार	रसायन विज्ञान	प्रा. सुधांशु शर्मा
पलाश जना	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
जवीना	रसायन विज्ञान	प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
शिखा खंडेलवाल	रसायन विज्ञान	प्रा. अर्णब दत्ता
कतला जगदीश कुमार	रसायन विज्ञान	प्रा. श्रीराम कन्वाह गुंडीमेदा
कुमारी बीना कुमारी	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
महेश कुतवल	रसायन विज्ञान	प्रा. चंद्रकुमार अप्पायी
सरकले अभिजीत मधुकर	रसायन विज्ञान	प्रा. चंद्रकुमार अप्पायी
अमरज्योति दास महापात्र	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
नेहा मानव	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
विद्यासागर मौर्य	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
विजयलक्ष्मी पाण्डे	रसायन विज्ञान	प्रा इति गुप्ता
प्रताप रेड्डि पटलोला	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
श्रीमाधवी आर	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
वर्षा थंबी	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
लता रानी	रसायन विज्ञान	प्रा. साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युला
हदियनवाला मुर्तजा शब्बीरअली	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
अल्ताफ शेख	रसायन विज्ञान	प्रा. शिवप्रिया किरुबाकरण
अंजू त्यागी	रसायन विज्ञान	प्रा. भास्कर दत्ता
अनुजी के वी	रसायन विज्ञान	प्रा. श्रीराम कन्वाह गुंडीमेदा
दिव्या व्यास	रसायन विज्ञान	प्रा. सुधांशु शर्मा
सरन आधार	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
हैदर अली	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
नाकरानी धर्मित अश्विन	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
अभिग्ना संदीपकुमार भट्ट	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव
देबायन भट्टाचार्य	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
पवन कुमार चामलिंग	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
मजीद हुसैन	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान
प्रजक्ता रमेश जाधव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
राजकुमारी कौरव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब कुमार मोहापात्र
नसर अहमद खान	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव
प्रभात कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब कुमार मोहापात्र
राहुल कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब कुमार मोहापात्र
सीतालक्ष्मी पी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
सलोनी प्रशांत पाण्ड्या	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान
पटनायाकुनि रवि प्रकाश	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव
गोपाल कृष्ण रोड्डा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
साबू अनिरुद्ध सतीशकुमार	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
रीपल दिनेश शाह	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
हर्ष लवकुमार शाह	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
शशांक शेखर	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब कुमार मोहापात्र
सुंदा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. केतकी शर्मा
कलिंग ताकी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान
अमर दीप तिवारी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
नितिन जॉर्ज	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. मीरा मेरी सनी
अन्विता गोपाल	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. मीरा मेरी सनी
श्रुति गोयल	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. कृष्ण मियापुरम
विशाव ज्योति	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. मीरा मेरी सनी
प्रदीप राज के बी	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
कृष्नेश शांतिलाल मेहता	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. जयसन मंजली
वेली मिलिंद मेहता	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. जयसन मंजली
दिनेशकुमार एस	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. प्रतीक मूथा
अभिषेक सहाय	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. जयसन मंजली
टोनी थॉमस	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. मीरा मेरी सनी
गोल्डी यादव	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा. प्रतीक मूथा
रचित छाया	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. कमलाकर करलापलेम
मुरली कृष्ण इंदुरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. बिरेस्वर दास प्रा. शिवकुमार जोलाड
सुयश कंडले	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सौराद्युति पॉल
इंद्र दीप मस्तान	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सौराद्युति पॉल
सुधाकर कुमावत	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सौराद्युति पॉल
प्रिद्योति प्रधान	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अनिर्बन दासगुप्ता एवं प्रा. शिवकुमार जोलाड
आइ विनोद कुमार रेड्डि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. बिरेस्वर दास
शिव दत्त शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. बिरेस्वर दास
सुप्रतिम शित	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अनिर्बन दासगुप्ता
अनन्या श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सौराद्युति पॉल
सुजाता सिन्हा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. कृष्ण प्रसाद
चौधरी जयेश तुलसीदास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अनिर्बन दासगुप्ता
आकर्श ए	भू विज्ञान	प्रा. विमल मिश्रा
शांतामोय गुहा	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
राहुल कुमार कौशल	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन
रिचा मारवाह	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन एवं प्रा. प्रदीप श्रीवास्तव
रवि कान्त प्रसाद	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन एवं प्रा. सुनील कुमार सिंह (पी.आर.एल.)
रमेन्द्र साहू	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन
सोनम	भू विज्ञान	प्रा. विक्रांत जैन
ऋषभ अभिनव	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण पिंडोरिया
बालगणेश बी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण पिंडोरिया
पटेल निकिता भरतभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन एवं प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
संखा सुभ्रा भट्टाचार्जी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन जॉर्ज
पुनीतकुमार कनुभाई भावसार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन एवं प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
अद्याशा दाश	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
कदम सुजय दिलीप	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
गनेरीवाला मोहित दिनेशकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
नवीन कुमार इंडला	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रागवन के
पियू घोष	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
चंदन कुमार झा (15350004)	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
चंदन कुमार झा (15350009)	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
कल्पेश कुमार अरविंदभाई जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण पिंडोरिया
शरद जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
गगन कनोजिया	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
प्रदीप कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र एवं प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
दीपेश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
सेल्विया कुरियाकोसे	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
सत्या सिवनरेश एम	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
सत्यजीत मोहापात्र	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
राजेन्द्र नागर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
अपूर्व ओझा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
विनल पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन वी जॉर्ज
दीप्तिबेन पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
बाल साई किरण पटनम	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
मधु के	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन एवं प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
मंजु भाषिणी आर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रागवन के एवं प्रा. नारण एम पिंडोरिया
बच्चू राजशेखर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण पिंडोरिया
गुप्ता विकास राजकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
लया दास	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
द्वाइपायन राय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन वी जॉर्ज
अनिर्बन रॉय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
जरीन ए एस	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
भौइर मंदर सुरेष स्मिता	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
धवल शशिकांतभाई सोलंकी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
नीलम सुराना	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
अभिषेक उपाध्याय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
नवीन दीपक वी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रागवन के
विशाल वशिष्ठ	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रवि हेगड़े
स्नेहा नितिन वेद	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
विनय वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन खन्ना
द्योतना बैनर्जी	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मोना मेहता
जाहनू भारद्वाज	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मधुमिता सेनगुप्ता
मनीषा चावला	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. कृष्ण प्रसाद
अनुश्मिता देवी	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. तन्निष्ठा सामंत
जाग्रति गंगोपाध्याय	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. तन्निष्ठा सामंत
ऐनी रेशल सेम जॉर्ज	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. अर्नपूर्णा रथ
मुक्ता गुंडी	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मालविका सुब्रमणियम
प्रकाश गुप्ता	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मालविका सुब्रमणियम
वासुदेव नायडू के	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. श्रीनिवास रेड्डी
संचित खारवाल	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. जयसन मंजली
इंगोले प्रशांत रामप्रसाद	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मोना मेहता एवं प्रा. रीता कोठारी
नागिरेड्डि नीलकण्टेश्वर रेड्डि	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. जयसन मंजली
वेण्कटेश्वरन एस	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मधुमिता सेनगुप्ता
अंकिता रमेशकुमार शाह	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मालविका सुब्रमणियम
कृपा शाह	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. रीता कोठारी
दिविता सिंह	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. मीरा मेरी सनी
विजय रामकरण त्रिपाठी	मानविकी एवं समाज शास्त्र	प्रा. रामनाथन
अंकिता अरोड़ा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभिजीत मिश्रा
नरेन्द्र बंडारू	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
सिंह चेतन चंदन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
नीलभ दिश	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभय राज सिंह गौतम
दीपक द्विवेदी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
पल्लवी गुप्ता	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सुपर्ब मिश्रा
सस्मिता माझी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभिजीत मिश्रा
कृष्ण मानवानी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
रोहित मिश्रा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एस पी मेहरोत्रा
गरिकापति नागसर्वरि	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
शीतल रमेशचंद्र पाण्ड्या	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अमित अरोड़ा
पंकज	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अमित अरोड़ा
अर्चिनी परुथि	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सुपर्ब मिश्रा
त्वरित अशोकभाई पटेल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
पूनम रात्रे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभिजीत मिश्रा

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
महेश वी पी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अमित अरोड़ा
गौरव द्विवेदी	गणित	प्रा. जगमोहन त्यागी
धर्मेन्द्र कुमार	गणित	प्रा. जगमोहन त्यागी
राहुल कुमार	गणित	प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
रंजना मेहता	गणित	प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
मधु गुप्ता	गणित	प्रा. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
राम बरन वर्मा	गणित	प्रा. जगमोहन त्यागी
अल्ताफ ए	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. एच बी हबलानी
जीशान अहमद	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
सरोदे अजिंक्या अशोक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
रेनिका बरुआ	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
रमेशकुमार एम भोरनिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण
रौशन आनंदराव छवन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
रंजिता दाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
योगेश शांताराम फुलपगारे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
रवि कान्त	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण
आदर्श कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रतीक मूथा
ऋषभ माथुर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
वृतंगकुमार विनोदकुमार शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
विवेक कुमार सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अंकिता सिन्हा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
फैरूस सी	भौतिकी	प्रा. सुदीप्ता सरकार
शर्मिष्ठा चटर्जी	भौतिकी	प्रा. आनंद सेनगुप्ता
मोहम्मद यूसुफ जमाल	भौतिकी	प्रा. विनोद चंद्र
अमित रेजा	भौतिकी	प्रा. आनंद सेनगुप्ता
सौमिन रॉय	भौतिकी	प्रा. आनंद सेनगुप्ता
चक्रेश सिंह	भौतिकी	प्रा. शिवकुमार जोलाड
अबिनाश स्वैन	भौतिकी	प्रा. आनंद सेनगुप्ता
ऋचा त्रिपाठी	भौतिकी	प्रा. शिवकुमार जोलाड

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर–पी.आर.एल. के मध्य सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत पीएच.डी. विद्वान

छात्रों के नाम	*विभाग*
हर्ष ओझा	भू विज्ञान
हर्ष राज	भू विज्ञान
नमन दीप सिंह	भू विज्ञान
अमन अभिषेक	भौतिकी
ऋचा आर्य	भौतिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
आशीष	भौतिकी
रुकमणि बाई	भौतिकी
सौमिक बंदोपाध्याय	भौतिकी
पंकज भल्ला	भौतिकी
अकांक्षा भारद्वाज	भौतिकी
भारती	भौतिकी
राजू कुमार बिस्वास	भौतिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
निजिल लाल सीके	भौतिकी
कौस्तुव चक्रबर्ती	भौतिकी
तन्मय चट्टोपाध्याय	भौतिकी
आरती ई	भौतिकी
मनु जॉर्ज	भौतिकी
शिवांगी गुप्ता	भौतिकी
चंदन हती	भौतिकी
तन्मय मण्डल	भौतिकी
चौहान भावेश जयकुमार	भौतिकी
विष्णुदथ केएन	भौतिकी
दीपक के करण	भौतिकी
नवप्रीत कौर	भौतिकी
गिरीश कुमार	भौतिकी
प्रदीप कुमार	भौतिकी
प्रशांत कुमार	भौतिकी
सुबीर मण्डल	भौतिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
अरविंद मिश्रा	भौतिकी
अपूर्व चैतन्य एन	भौतिकी
न्यूटन नाथ	भौतिकी
अरुण कुमार पाण्डे	भौतिकी
अर्चित राय	भौतिकी
पाण्डे कुलदीप रामबाबू	भौतिकी
कुमार वेण्कटरमणी	भौतिकी
रनदीप सरकार	भौतिकी
वरुण शर्मा	भौतिकी
बलबीर सिंह	भौतिकी
कुलदीप सूथर	भौतिकी
आलोक रंजन तिवारी	भौतिकी
गौरव कुमार तोमर	भौतिकी
निधि त्रिपाठी	भौतिकी
शेफाली उत्तम	भौतिकी

एम.टेक. छात्र

2015 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
जयदीप पाल	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
भावना पंजवानी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
गरिमा पटेल	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
मण्डले स्नेहल धार्मिक प्रमिला	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
धुरि सागर सुरेश	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर दलवी
अमजेथ बशीर	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत एवं प्रा. अजंता सचान
कौस्तुभ देशपाण्डे	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. मनीष कुमार
प्रकाश गौतम	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
राजदीप घोष	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. मनीष कुमार
कनिका गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान एवं प्रा. केतकी शर्मा
परिवीक्षा जोशी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
रिम्पी खोखर	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. सुधीर कु जैन एवं प्रा. मनीष कुमार
कोली मोहन कृष्ण	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत एवं प्रा. धीमन बसु
ऋषभ मिश्रा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
आलोक नारायण	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. मनीष कुमार
बोतलापति श्री साहित	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अश्विनी कुमार
शुभम सोनी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
लंभाते हर्षल संदेश सुष्मा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव श्रीवास्तव
कुशवाहा अमरकुमार अयोध्यासिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
देशपाण्डे अमेया दिलीप दीपा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
शाह हेमल गौतमकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/ कार्यक्रम सलाहकार*
के श्रवण कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
नेहा कुमारी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
लक्ष्मी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
राजारापु नागाराजु	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
गुप्ता आकाश नंदलाल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
नीरज	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
सोमपुरा जय नीलेशभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
साक्षी पाण्डे	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
पटेल वलय परेश	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
नीतेश कुमार शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
अनुराग सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
आशीष सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
हेमंत कुमार वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
राकेश बेहेरा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभिजीत मिश्रा
प्रतीक गोयल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अभिजीत मिश्रा
साहिल भारती	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अनुराग आर चंदनानी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
देविन्दर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
रोनित डे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
निखिल जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
प्रगति प्रदीप जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
मयूरी कुशारे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अमलनाथ एम	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अनिकेत मजुमदर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
कोरट चिराग मुकेशभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
बैशाली पाण्डा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अखिल पटनायक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
दीपजीत पॉल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
पिंजरी नेहाकौसर शेख रामजन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
सिद्धार्थ रथ	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
नक्का सूर्यसत्यसंजीवी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
कमल तिवारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
चिमाने प्रतीक तुलसीराम	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव

2014 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/ कार्यक्रम सलाहकार*
चट्टे अमृत भारत	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी
श्रेया बंक	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
कृतिका दीक्षित	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
जडे अनीता देनयन्बा	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन पधियार
मोहम्मद उमैर इकबाल	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन
मान्कड जैविक कार्तिक	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन पधियार
आकाश कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
अराबले रेशमा मल्लिनाथ	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
स्वस्ति मेधा	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. कबीर जसूजा
राहुल पतसारिया	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी
मोदक श्रीकांत रामराव	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
मल्लवारापु दीपिका रानी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
देवीना रत्नम	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. कबीर जसूजा
एकता शर्मा	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. चिण्मय घोरोई
निखिल शर्मा	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्रत्युष दयाल
कुमारी सुष्मिता	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. अरणब सरकार
धीरज त्यागी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन पधियार
राजपूत वन्दना	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्रत्युष दयाल
अंकिता वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. प्राची थरेजा
सइयद अजहर अली	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
असीम बशीर	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
अहमद जाकी घफारी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
विकल्प कमल	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
कीर्ति प्रिया कस्तूरी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
घुमडे अतीक किशोरराव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव श्रीवास्तव
पवन कुशवाहा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. गौरव श्रीवास्तव
रोजन मैथ्यू	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
मनस चंदन मिश्रा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अजंता सचान
हर्षित नेमा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
निकिता रंकावत	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. सुधीर कु जैन एवं प्रा. स्वेतलाना ब्रेज्व
नंदिता जे एस	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. विमल मिश्रा
बिधान कुमार साहू	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र एवं प्रा. केतकी शर्मा
अंक्ति श्रीवास्तव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
मोहम्मद मोहसिन ठाकुर	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. अमित प्रशांत
पुजारी ओमकार अभय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
ऊमप अभिजीत	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार रंजन मोहापात्र
रचिता अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार मोहापात्र
रोहित कुमार दंग	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार मोहापात्र
कुमार गौरव	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. बाबजी श्रीनिवासन
रितिका जैन	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
राठौड मिलनभाई जयंतीभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन वी जॉर्ज
रमिंदर कौर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
ऐपथी साई किरन	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रागवन के
निखिल चेरियन कूरियन	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन वी जॉर्ज
आदर्श एम	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. जॉयसी मेकी
ज्योति महेश्वरी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नितिन वी जॉर्ज
वोरा आदित्य नरेन्द्रभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
अक्षय गडी पाटिल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
गुंडाबाथिनी राकेश	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण एम पिंडोरिया
सरिपल्ली वेण्कट रामकृष्ण	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार मोहापात्र
भाजीपाले जयश्री सदाशिव	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार मोहापात्र

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/ कार्यक्रम सलाहकार*
राहुल साधवानी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. रागवन के
पुचलापल्ली संबासिवाइया	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. नारण पिंडोरिया
निखिल सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. एस राजेन्द्रन
भूमिका सोनाने	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. शंमुगनाथन रमण
चक्रवर्ती प्रीती श्रीधर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती
पटेल मेघ वसंतकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
सनी वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. उत्तमा लाहिड़ी
मनीष कुमार विश्वकर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा. निहार मोहापात्र
सरकार आदित्य अंजन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय
इप्सिता मधु मिता दास	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय
अमित कुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय
निलाद्री नस्कर	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय
सीमा नेगी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. सुपर्ब मिश्रा
अमित कुमार सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. अमित अरोड़ा
दिलजीत वी जे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा. एमिला पाण्डा
पारिख दर्शक अनंतकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. एन रामकृष्णन
मोहित गर्ग	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
रजनीकांत अतुल घाटे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
अभीति गोयल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. मुरली दामोदरण
विष्णु कुमार गुप्ता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
आयुश जैन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
झावेरी अंशल जयेशभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
अभिषेक जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण
ब्रिजेश कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
आदित्य कुमार महाराणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हबलानी
शाह उत्सव मिनेशभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम
वच्छानी मिलनकुमार नीतेशभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण
बेहरे सिद्धार्थ रवीन्द्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. मुरली दामोदरण
सिंह सुमित सुभाष रीता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
विकास शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. अतुल भार्गव
सत्या श्रीवास्तव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. शंकरजी कृष्णमूर्ति
निखिल सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. शंकरजी कृष्णमूर्ति
स्वपनिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण
टिबिन एम थॉमस	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. विनोद नारायण एवं प्रा. जी के शर्मा
गुरनानि सागरकुमार विजयकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
सावदियावाला चिराग योगशकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र

2013 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/ कार्यक्रम सलाहकार*
प्रफुल्ल मणि त्रिपाठी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा. समीर वी दलवी

छात्रों के नाम	*विभाग*	*निरीक्षक/कार्यक्रम सलाहकार*
रवि वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा. धीमन बसु
दिव्यप्रकाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. प्रणब मोहापात्र
संदीप कुमार मिश्रा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा. हरीष पी एम

एम.एससी. छात्र

2015 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
ज्योतिर्बन डे	रसायन विज्ञान
मोहम्मद हस्सन	रसायन विज्ञान
उमेश कुमार	रसायन विज्ञान
विवेक नागायच	रसायन विज्ञान
सचिन	रसायन विज्ञान
ज्योत्सना सैनी	रसायन विज्ञान
हिमान्शु कुमार सिंह	रसायन विज्ञान
मृदुपावन सोनोवाल	रसायन विज्ञान
कोठा श्रीनु	रसायन विज्ञान
आयुषी त्यागी	रसायन विज्ञान
वाणी वर्मा	रसायन विज्ञान
वामाक्षी यादव	रसायन विज्ञान
पस्ताकिया तरोनीश अस्तद	संज्ञानात्मक विज्ञान
सोह्हम बंदोपाध्याय	संज्ञानात्मक विज्ञान
एस ग्रेस तिन्नुनेम हओकीप	संज्ञानात्मक विज्ञान
नर्मदा एन	संज्ञानात्मक विज्ञान
लक्ष्मी पिल्लई	संज्ञानात्मक विज्ञान
रिचर्ड शल्लम	संज्ञानात्मक विज्ञान
भर्तेश रयप्पा शिरागुपी	संज्ञानात्मक विज्ञान
कुलकर्णी प्रांजली श्रीकांत	संज्ञानात्मक विज्ञान
संध्या सिंह	संज्ञानात्मक विज्ञान
सुनत अर्चित विलास	संज्ञानात्मक विज्ञान
मानसी वालि	संज्ञानात्मक विज्ञान
बबिता	गणित
प्रथु वाजपाई	गणित
राज कुमार दादरावाल	गणित
शालिनी डुंगडुंग	गणित
तृप्ति गुप्ता	गणित
चारु गुप्ता	गणित
अभिषेक कुमार	गणित
परवीन कुमार	गणित
खुशी राम मीणा	गणित
सोनाली अभय पारिख	गणित
विकाश पटेल	गणित
राहुल	गणित
बालु राम	गणित
प्रियंका राणा	गणित
सुधांशु शेखर रे	गणित
संजीत	गणित
ऋशभ तिवारी	गणित
अश्विनी त्रिपाठी	गणित
शास्त्री राहुल किशोरभाई	भौतिकी
श्याम कुमार	भौतिकी
अनिर्बन मण्डल	भौतिकी
सोउमोदीप मित्रा	भौतिकी
लीमा साइकिया	भौतिकी
हरविंदर सिंह	भौतिकी

2014 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
पायल अरोड़ा	रसायन विज्ञान
नयन ज्योति बोरुआ	रसायन विज्ञान
कंचन	रसायन विज्ञान
अमित कुमार	रसायन विज्ञान
पवनीश कुमार	रसायन विज्ञान
रोहित	रसायन विज्ञान
दीपिका शर्मा	रसायन विज्ञान
रवि श्रीवास्तव	रसायन विज्ञान
मिधुला चंद्रन	संज्ञानात्मक विज्ञान
अभिषेक गहतराज	संज्ञानात्मक विज्ञान
किशोर कुमार जागिनी	संज्ञानात्मक विज्ञान
देवु महेसन	संज्ञानात्मक विज्ञान
हबी कोशी मैथ्यू	संज्ञानात्मक विज्ञान
विपुल नायर	संज्ञानात्मक विज्ञान
कार्तिकेयन पलनिसामी	संज्ञानात्मक विज्ञान
राखी	संज्ञानात्मक विज्ञान
पंखुरी सक्सेना	संज्ञानात्मक विज्ञान
ध्रुवल ठक्कर	संज्ञानात्मक विज्ञान
आरती बंसल	गणित
सरिता बुगालिया	गणित
अमन गुप्ता	गणित
कार्तिक कुमार	गणित
नितेश कुमार	गणित
विपिन कुमार	गणित
भरत लाल मीणा	गणित

छात्रों के नाम	*विभाग*
श्याम प्रकाश	गणित
आकाश कुमार	भौतिकी
हरीश मधोक	भौतिकी
मनीष	भौतिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
आकाश कुमार मिश्रा	भौतिकी
प्रीतम नंदा	भौतिकी
निशा	भौतिकी
सलमान सुहैल	भौतिकी

समाज एवं संस्कृति में एम.ए.

2015 बैच

छात्रों के नाम
रोहित रेवि ए वी
शिंडे आशका अमर
मुजीबु रहमान के सी
रागिनी नाथ
खोबरागड़े प्रतीक पवनकुमार
मदन एस

छात्रों के नाम
सौम्या भंडारी
आकृति गुप्ता
नुपुर जोशी
अरुण कृष्ण
आसिफ अली लोन
तुषार मेशराम
श्रीनिवास मुदावत
भार्गव ओजा
राजन वर्गीष
सिनी वर्गीष
सरवनन वेलुसामि

2014 बैच

छात्रों के नाम
रतना भारती बी

पी.जी.डी.आई.आई.टी. छात्र

2015 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
अनूभा अग्रवाल	रसायन अभियांत्रिकी
रीतम चौटर्जी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निशांत कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2014 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
ध्रुविल मुकेश शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2013 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
प्रिद्दोति प्रधान	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
ऋतुराज चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी

बी.टेक. छात्र

2015 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
अविनाश जॉय बारा	रसायन अभियांत्रिकी
पुरुशोत्तम गर्ग	रसायन अभियांत्रिकी
दीप्ति गौतम	रसायन अभियांत्रिकी
रजत गोयल	रसायन अभियांत्रिकी
प्रियांशु रंजन गुप्ता	रसायन अभियांत्रिकी
हर्ष	रसायन अभियांत्रिकी
कवीश कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
शिव कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
सुरेश कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
अनूषा कामथ एम	रसायन अभियांत्रिकी
राजीव कुमार महतो	रसायन अभियांत्रिकी
अंशु राजेन्द्र मालिनी	रसायन अभियांत्रिकी
अखिल मर्कम	रसायन अभियांत्रिकी
विजेन्द्र मौर्य	रसायन अभियांत्रिकी
तेजस मेहता	रसायन अभियांत्रिकी
यशस्वि मोदी	रसायन अभियांत्रिकी
आकाश पल्लथ	रसायन अभियांत्रिकी
प्रियंका	रसायन अभियांत्रिकी
कोरिपल्ली रोहित	रसायन अभियांत्रिकी
मिहिर हितेन्द्र सलोत	रसायन अभियांत्रिकी
सरीम संदीद	रसायन अभियांत्रिकी
तनिकेला श्री सवया	रसायन अभियांत्रिकी
रुशाली अतुल प्रकाश सक्सेना	रसायन अभियांत्रिकी
शाह आत्मिन शीतलभाई	रसायन अभियांत्रिकी
अंकुर सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
कुणाल सिंहमार	रसायन अभियांत्रिकी
अपर्णा एन तुमकर	रसायन अभियांत्रिकी
प्रतीक वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
अंकुर यादव	रसायन अभियांत्रिकी
अनंत अग्रवाल	सिविल अभियांत्रिकी
कुशल अग्रवाल	सिविल अभियांत्रिकी
अनुराग धेबाना	सिविल अभियांत्रिकी
अंकित घनघास	सिविल अभियांत्रिकी
सिद्धांत गुलेचा	सिविल अभियांत्रिकी
अनुराग कुमार गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी
नमन जैन	सिविल अभियांत्रिकी
चौधरी दिव्य जीवराज	सिविल अभियांत्रिकी
अनिल कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
माया कुमारी	सिविल अभियांत्रिकी
पुरुषोत्तम कुंड्रा	सिविल अभियांत्रिकी
रवी मीना	सिविल अभियांत्रिकी
सचिन कुमार मीणा	सिविल अभियांत्रिकी
सार्थक मित्तल	सिविल अभियांत्रिकी
शिप्रा मोहन	सिविल अभियांत्रिकी
बन्नेली नरेश	सिविल अभियांत्रिकी
रोहन न्यायधीश	सिविल अभियांत्रिकी
ऐश्वरी ओमकार	सिविल अभियांत्रिकी
निकेश पनवर	सिविल अभियांत्रिकी
भट्टाड वरुण राजकुमार	सिविल अभियांत्रिकी
राहुल कुमार सैनी	सिविल अभियांत्रिकी
तरुण शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी
सक्षम सिंघल	सिविल अभियांत्रिकी
गोपाल सिंह	सिविल अभियांत्रिकी
पुलकित सिंघल	सिविल अभियांत्रिकी
अवनाश सिंह सोडा	सिविल अभियांत्रिकी
चौधरी सौरभ सुनील	सिविल अभियांत्रिकी
पुनीत स्वामी	सिविल अभियांत्रिकी
अंशुल यादव	सिविल अभियांत्रिकी
शिवांग अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी
आदित्य आनंद	विद्युत अभियांत्रिकी
चौहान आनंद	विद्युत अभियांत्रिकी
मोरे ऋषिकेश बाबू	विद्युत अभियांत्रिकी
सोभान कुमार भोई	विद्युत अभियांत्रिकी
आयोन बिसवास	विद्युत अभियांत्रिकी
बट्टू दीपक	विद्युत अभियांत्रिकी
स्वाति एस जी	विद्युत अभियांत्रिकी
हरदीप	विद्युत अभियांत्रिकी
रवि जांगीर	विद्युत अभियांत्रिकी
अंश जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी
पनसेत्ति कार्तिक	विद्युत अभियांत्रिकी
समर्थ कथल	विद्युत अभियांत्रिकी
गौरव सिंह खातान	विद्युत अभियांत्रिकी
बानोथ उदय किरण	विद्युत अभियांत्रिकी
नवीन कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
पंकज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
रितेश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
एल मधुलिका	विद्युत अभियांत्रिकी
मंडलेम मणिकांत	विद्युत अभियांत्रिकी
अरिक पमनानि	विद्युत अभियांत्रिकी
अमित परिहार	विद्युत अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
चित्ता साइ पवन	विद्युत अभियांत्रिकी
वीरमल्लु गिरिधर साई	विद्युत अभियांत्रिकी
शिवदत्त शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी
रवि श्रीमल	विद्युत अभियांत्रिकी
अदिति सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
आनंद यादव	विद्युत अभियांत्रिकी
लवलेश कुमार वाजपेई	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
निखिल चंद्र	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
पटेल पार्थ गिरीशभाई	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
आयुश गुप्ता	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
शाह हर्षिल कल्पेशकुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
जम्मू तरुन कुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
सुजीत सिंह माथुर	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
ज्ञान चंद मौर्य	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अभिरूप मिश्रा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
एम नवीन	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अक्षत पचौरी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
विकेश कुणाल प्रजापति	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रयांग प्रियदर्शी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अक्षत सांधालिया	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
एस संतोश	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
आगम राजीव शाह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अदिति शर्मा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
जयशंकर शर्मा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
शुभम	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अमन कमलेश सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अंकित सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
कुलदीप सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
हनी कुमार सिंगला	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
तुलसी नरेन्द्र दास त्रिपुराना	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
हिमानी वर्मा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
ऋषभ वर्मा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
सइयद आमेर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
गांधी मीत बंकिम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राहुल भारती	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ऋषभ भट्टाचार्य	यांत्रिक अभियांत्रिकी
श्रीनिधि दिलीप भिड़े	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अर्शदीप सिंह ब्रार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
डिसूजा एब्रिक सिरिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
जगमोहन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अमित जांगिड	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अयाज लखानी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
विकल्प लांजेवार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अनिलराज मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राहुल मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शुभम मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वैभव मित्तल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सौरव नागर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
पटेल दर्शनकुमार परसोत्तमभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तुषार पारीक	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यश पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शिखर राजपूत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रजत रंजन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
लाहने योगेश रत्नाकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तुक्कानि संदीप रेड्डि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रोहित कुमार सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शशि मोहन सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अनुपम स्वर्णकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
संदीप कुमार यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2014 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
रॉय निखिल आदित्य	रसायन अभियांत्रिकी
पारश अग्रवाल	रसायन अभियांत्रिकी
पोत्तुरु अपूर्व	रसायन अभियांत्रिकी
पवार भूषण	रसायन अभियांत्रिकी
हिमांशु जसवंत सिंह चौहान	रसायन अभियांत्रिकी
आशीष गहलोत	रसायन अभियांत्रिकी
मोरे मयूरेश हीरेन	रसायन अभियांत्रिकी
सिद्धार्थ शेशाद्री के	रसायन अभियांत्रिकी
आयुष माथुर	रसायन अभियांत्रिकी
बद्री विशाल मीणा	रसायन अभियांत्रिकी
लक्ष्मी नारायण मीणा	रसायन अभियांत्रिकी
अरुल मोजी देवन पी	रसायन अभियांत्रिकी
मृदुला पारीक	रसायन अभियांत्रिकी
नवदीप प्रकाश	रसायन अभियांत्रिकी
कोंडे मंदर पुरुषोत्तम	रसायन अभियांत्रिकी
जानि पूर्विल राहुलभाई	रसायन अभियांत्रिकी
अभिनय राणा	रसायन अभियांत्रिकी
रवीना	रसायन अभियांत्रिकी
भास्कर ज्योति साइकिया	रसायन अभियांत्रिकी
आशय सांदांसिंग	रसायन अभियांत्रिकी
नवप्रीत सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
आदित्य सुंदरम	रसायन अभियांत्रिकी
सेत्ती सत्या साई वेण्कट रवि तेजा	रसायन अभियांत्रिकी
मुकुल त्यागी	रसायन अभियांत्रिकी
बोरसे दिनेश अनिल	सिविल अभियांत्रिकी
वी अविनाश	सिविल अभियांत्रिकी
गरिमा चौधरी	सिविल अभियांत्रिकी
कमलेश चौधरी	सिविल अभियांत्रिकी
देवआनंद	सिविल अभियांत्रिकी
वीरावल्ली साई गणेश	सिविल अभियांत्रिकी
अनुशा गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी
प्रणव कुमार गुप्ता	सिविल अभियांत्रिकी
कुणाल जैन	सिविल अभियांत्रिकी
प्राकृत कंसारा	सिविल अभियांत्रिकी
आर यंशवंत कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
सुशांत कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
रोहित कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
पुश्पेन्द्र कुमार कुंतल	सिविल अभियांत्रिकी
कार्तिक मांडेलकर	सिविल अभियांत्रिकी
सतीश कुमार मीणा	सिविल अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
होमित सिंह पाल	सिविल अभियांत्रिकी
हीत वासुदेवभाई पटेल	सिविल अभियांत्रिकी
सत्य प्रकाश	सिविल अभियांत्रिकी
अनमोल किशोर रैना	सिविल अभियांत्रिकी
सोलंकी विधि रसिक	सिविल अभियांत्रिकी
शेरु अरविंद रेड्डि	सिविल अभियांत्रिकी
प्रणवकुमार एस	सिविल अभियांत्रिकी
अजय सिंह शेखावत	सिविल अभियांत्रिकी
खुशदीप सिंह	सिविल अभियांत्रिकी
विशाल कुमार सिन्हा	सिविल अभियांत्रिकी
अभय वार्षणे	सिविल अभियांत्रिकी
बी प्रणव चक्रवर्ती	सिविल अभियांत्रिकी
भोगे शशांक विलास	सिविल अभियांत्रिकी
विकास यादव	सिविल अभियांत्रिकी
वरुण अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी
अजय	विद्युत अभियांत्रिकी
अकेती साई अपर्णा	विद्युत अभियांत्रिकी
पटेल पर्व अपूर्व	विद्युत अभियांत्रिकी
गोहिल वासुदेव अरविदंकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
राहुल राज भारती	विद्युत अभियांत्रिकी
वराड़े अमित भास्कर	विद्युत अभियांत्रिकी
अमित भोंगडे	विद्युत अभियांत्रिकी
जगदीश चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
शिरपुरकर चिण्मय दीपक	विद्युत अभियांत्रिकी
अनमोल गौर	विद्युत अभियांत्रिकी
आदित्य गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी
हिमांशु गोस्वामी	विद्युत अभियांत्रिकी
रचित गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी
भव्या जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
अशिम राज कोनवर	विद्युत अभियांत्रिकी
गोट्टुमुकला साई राम कृष्ण	विद्युत अभियांत्रिकी
कोडा दिनेश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
विकास कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
हिमांशु पाल	विद्युत अभियांत्रिकी
वैष्णवी सुनील पाटिल	विद्युत अभियांत्रिकी
दुथाडे संकेत राजेश	विद्युत अभियांत्रिकी
सर्वेपल्ली नागासाई वर्धान राव	विद्युत अभियांत्रिकी
अरविंद रौशन एस	विद्युत अभियांत्रिकी
क्षितिज जितेश शेठ	विद्युत अभियांत्रिकी
आयुश श्रोते	विद्युत अभियांत्रिकी
आयुष्मान त्रिपाठी	विद्युत अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
नागरे अश्विनी तुकाराम	विद्युत अभियांत्रिकी
पी आर वैद्यनाथन	विद्युत अभियांत्रिकी
मयूर माधव विशे	विद्युत अभियांत्रिकी
रुशिल शमाकांत विसपुते	विद्युत अभियांत्रिकी
यशोवर्धन	विद्युत अभियांत्रिकी
जोशी अंकिता अभय	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
दीपक धरीवाल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
सिसरा प्रतीककुमार धीरूभाई	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
दूधत कुणाल हंसराज	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
एम बारथ कन्ना	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
आदित्य कुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
भूपेन्द्र कुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
सुशील कुमार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अंतिमा मीणा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
जुगल मेहता	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
तण्डले मोहित मुकुंदराज	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
कौस्तुभ शिरीश पणसे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
पटेल जैनब शब्बार	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
दिलीप सिंह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
कोटमसेट्टि रवि तेजा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
अखिलेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रथमेश बडवे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यश बोहरे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वखारिया विस्मय दिलीपकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हर्षद ग्वाली	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सोल्लेति गौतम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मोदी हर्ष जसवंतभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी
जंगा साई किरण	यांत्रिक अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
पटेल पिनांक किशोरभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राहुल कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सुभोध कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
विवेक कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
दाभी पार्थ ललितकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सोनार चिण्मय नरेन्द्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तुषार निर्मल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
गोहिल करण नितिनभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वैभव एस पाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निशांत पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रसन्ना	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रगदीश आर आर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
विनोद रामकृष्णन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
नितिन रमेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निनामा रिशिलकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सिंगमपल्ली साई रोहित	यांत्रिक अभियांत्रिकी
पन्ना लाल सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
त्रिवेदी जलधीर संजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अहमद नाजी शाहम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कपिल शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
लक्ष्मी गायत्री सिवलेंका	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कृष्ण कुमार सोनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
दवे सोविल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रेलान उदित सुरेन्द्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी
परब अमोघ विश्राम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मित्ता वेण्कट साई विश्वनाथ	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2013 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
कुशाग्र भार्गव	रसायन अभियांत्रिकी
लाख चंद	रसायन अभियांत्रिकी
ऋषभ देसादला	रसायन अभियांत्रिकी
रामचंद्र गवस	रसायन अभियांत्रिकी
रजत कुमार गुप्ता	रसायन अभियांत्रिकी
देवांशु मनोज जैन	रसायन अभियांत्रिकी
सरगम जैन	रसायन अभियांत्रिकी
वैभव जोशी	रसायन अभियांत्रिकी
केसाना कल्याणी	रसायन अभियांत्रिकी
भव्या कंजरिया	रसायन अभियांत्रिकी
पटेल कृष्णकुमार कौशिकभाई	रसायन अभियांत्रिकी
हर्ष खंडेलवाल	रसायन अभियांत्रिकी
पुरुषोत्तम कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
सुमन कुमारी	रसायन अभियांत्रिकी
जैनिधि मौर्य	रसायन अभियांत्रिकी
प्रियंका	रसायन अभियांत्रिकी
रामनिवास	रसायन अभियांत्रिकी
देवांश रस्तोगी	रसायन अभियांत्रिकी
निशा रावत	रसायन अभियांत्रिकी
अनुराग सिंहानिया	रसायन अभियांत्रिकी
सौरभ सोनी	रसायन अभियांत्रिकी
साहिलकुमार तबियाद	रसायन अभियांत्रिकी
अक्षय कुमार वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
प्रिंस कुमार वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
श्रीनिवासन ए	सिविल अभियांत्रिकी
रौशन अग्रवाल	सिविल अभियांत्रिकी
अभिषेक आनंद	सिविल अभियांत्रिकी
पुष्पक के बविस्कर	सिविल अभियांत्रिकी
मनु चौधरी	सिविल अभियांत्रिकी
राम प्रणव अगस्त्य पुरोहित चावले	सिविल अभियांत्रिकी
शालीन छज्जर	सिविल अभियांत्रिकी
सक्कारी आकाश गौड़	सिविल अभियांत्रिकी
अनुराग गोयल	सिविल अभियांत्रिकी
मयंक जैन	सिविल अभियांत्रिकी
ऋषभ जैन	सिविल अभियांत्रिकी
योगेन्द्र जयसवाल	सिविल अभियांत्रिकी
मयंक खेवारिया	सिविल अभियांत्रिकी
साई किरण	सिविल अभियांत्रिकी
आशीष कोसे	सिविल अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
बुलाबाई श्रीधर गोपी कृष्ण	सिविल अभियांत्रिकी
धर्मेन्द्र कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
हेमन्त कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
पुनीत कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
राहुल कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
सचिन कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
शैलेन्द्र कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
ऑस्कर	सिविल अभियांत्रिकी
प्रवीण पाण्डे	सिविल अभियांत्रिकी
पोमराज प्रजापत	सिविल अभियांत्रिकी
नरेन्द्र सारस्वत	सिविल अभियांत्रिकी
मोहम्मद फैसल सेह	सिविल अभियांत्रिकी
निखिल शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी
प्रेरणा सिंह	सिविल अभियांत्रिकी
वाद्दिनेनी श्रीजा	सिविल अभियांत्रिकी
अजमीरा वेण्कन्ना	सिविल अभियांत्रिकी
ऋषभ आनंद	विद्युत अभियांत्रिकी
अपर्णा आर्य	विद्युत अभियांत्रिकी
अंकित प्रीतम भांगे	विद्युत अभियांत्रिकी
अरविंद दमचरला	विद्युत अभियांत्रिकी
आदित्य गणेश	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रथम गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी
पाटिल शुभम हनुमंत	विद्युत अभियांत्रिकी
दोशी दर्शील हितेशभाई	विद्युत अभियांत्रिकी
रुशी जरीवाला	विद्युत अभियांत्रिकी
अनिकेश सतीश कामथ	विद्युत अभियांत्रिकी
सामर्थ कश्यप	विद्युत अभियांत्रिकी
जितेन्द्र कुलदीप	विद्युत अभियांत्रिकी
पब्बाथी अखिल कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
पूजा कुमारी	विद्युत अभियांत्रिकी
सियाराम मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
सुमित कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
शशांक मेहरा	विद्युत अभियांत्रिकी
निहारिका	विद्युत अभियांत्रिकी
कश्यप पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी
कपिल पाठक	विद्युत अभियांत्रिकी
विपिन प्रजापति	विद्युत अभियांत्रिकी
मानव राज	विद्युत अभियांत्रिकी
चेंचला साई रमन रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
वूतला कृष्ण साई	विद्युत अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
एकता उमेश समानी	विद्युत अभियांत्रिकी
व्यास समीर	विद्युत अभियांत्रिकी
आर संजना	विद्युत अभियांत्रिकी
आदित्य शाह	विद्युत अभियांत्रिकी
नमन नाग सिंधु	विद्युत अभियांत्रिकी
क्षितिज सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
लोकेश सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
राजेन्द्र सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
निखिल टेंक	विद्युत अभियांत्रिकी
अमित तिवारी	विद्युत अभियांत्रिकी
दिनेद्र प्रताप सिंह तोमर	विद्युत अभियांत्रिकी
आत्मन सी वोरा	विद्युत अभियांत्रिकी
भुवन व्यास	विद्युत अभियांत्रिकी
साक्षी यादव	विद्युत अभियांत्रिकी
अंकित अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वेणु अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अनुराग अग्रवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भगत राजन बलिस्तर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ठाकोर निलयसिन्ह भरतसिन्ह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
डेविड नॉयल बिरादला	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रत्युशा चल्ला	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हर्ष चंद्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मंजीत चौधरी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भार्गव बी चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी
दर्शील चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भोसले सूरजकुमार धनंजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
जितेन्द्र गेहलोत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वैभव गुप्ता	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ओजस यशवंत जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तनय कणकणे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अंबर कोठारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सुमित कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मुंडरु हेमंत सूर्य माधव	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सूर्यकुमार माने	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रामटेक्कर शशांक मनोहर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अंकित मित्तल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रोहित नानावती	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निशांत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शुभम पाटले	यांत्रिक अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
पवन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वल्लेति साई मणि पृथ्वि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अभिषेक राउत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
बुबना राकेश ऋषि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शाह जुगल सौरिन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कणक शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सरबजीत सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
गुगुलोथ श्रीनिवास	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शरद कुमार तिवारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सोमिरेड्डि उदयकुमाररेड्डि	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तेकि विनय	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अमित यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2012 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
के अभिषेक	रसायन अभियांत्रिकी
आश्रय अदप्पा	रसायन अभियांत्रिकी
संचायनी बागड़े	रसायन अभियांत्रिकी
सुरेन्द्र बेनिवाल	रसायन अभियांत्रिकी
हिमांशि बिकोनिया	रसायन अभियांत्रिकी
कुणाल चौधरी	रसायन अभियांत्रिकी
सागर चावला	रसायन अभियांत्रिकी
हेमा चौधरी	रसायन अभियांत्रिकी
प्रदीप दिवाकर	रसायन अभियांत्रिकी
किशोर कुमार जे	रसायन अभियांत्रिकी
लवदीप कौर	रसायन अभियांत्रिकी
मुकेश कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
सुशील कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
मंगी लाल	रसायन अभियांत्रिकी
विवेक मैदा	रसायन अभियांत्रिकी
कनक कुमार नायक	रसायन अभियांत्रिकी
वैभव पालकर	रसायन अभियांत्रिकी
वीरेन्द्र सिंह पनवार	रसायन अभियांत्रिकी
स्वेता परमार	रसायन अभियांत्रिकी
पलक सदानी	रसायन अभियांत्रिकी
सुनील सहरा	रसायन अभियांत्रिकी
प्रशांत शेखर	रसायन अभियांत्रिकी
निशीत शेट्टी	रसायन अभियांत्रिकी
अभिमन्यु सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
मंजोत सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
सुमन कुमार सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
अभिषेक वर्मा	रसायन अभियांत्रिकी
विद्यानंद वाघ	रसायन अभियांत्रिकी
चिण्मय अजनादकर	विद्युत अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
विक्रम अलरिया	विद्युत अभियांत्रिकी
देव्यम अविनाश	विद्युत अभियांत्रिकी
नमन बंसल	विद्युत अभियांत्रिकी
रजत चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
गुल्लापल्ली साई चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
शशांक गौतम	विद्युत अभियांत्रिकी
आशीष कुमार गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी
गौरव गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी
अजिंक्या तुपकर जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
रजत सिंह जेरिया	विद्युत अभियांत्रिकी
मुहम्मद यासीन के	विद्युत अभियांत्रिकी
नरेन्द्र कावरिया	विद्युत अभियांत्रिकी
चित्रांशु कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रशांत कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
अनिमेष सिंह कुमावत	विद्युत अभियांत्रिकी
नवीन कुमार कुंडल	विद्युत अभियांत्रिकी
वीरबद्र लोकेश	विद्युत अभियांत्रिकी
लतिका मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
राजेश कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
संजय कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
यश मेहता	विद्युत अभियांत्रिकी
शुभम पचोरी	विद्युत अभियांत्रिकी
श्रीकांत पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी
मालिरेड्डि श्री रघु	विद्युत अभियांत्रिकी
अखिलेष गोटमारे	विद्युत अभियांत्रिकी
अभिषेक रंजन	विद्युत अभियांत्रिकी
मुदित राठौर	विद्युत अभियांत्रिकी
एम.सिद्धार्थ रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
वामसिधर रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
बी वी विजय भारत रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी
कुशल सलेचा	विद्युत अभियांत्रिकी
निखिल सामरिया	विद्युत अभियांत्रिकी
राज शेखर	विद्युत अभियांत्रिकी
आलोक सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
जतिनदीप सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
नमन सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
प्रिंस सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
दीपेन सोमानी	विद्युत अभियांत्रिकी
मनीष सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी
सुब्रमण्य तेजा	विद्युत अभियांत्रिकी
गुडाराम साई वैभव	विद्युत अभियांत्रिकी
तुषार आर अंचन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मिहिर एम भालेराव	यांत्रिक अभियांत्रिकी

छात्रों के नाम	*विभाग*
रजत शिव चंद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कुणाल देवेदवल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रॉकी डोंगरे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राहुल गर्ग	यांत्रिक अभियांत्रिकी
चिटनिस पराग जयंत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निर्मल जयप्रसाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
संजीत जेना	यांत्रिक अभियांत्रिकी
नवीन कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
पी अरुण कुमारुदु	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कौशिक मणी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
देवेन्द्र मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शशांक निगम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
करण पालस्कर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राहुल कुमार पाण्डे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
शशांक परेता	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कर्म पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राधिका पाटिल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
निकिता पट्टा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
परदीप फुल्ले	यांत्रिक अभियांत्रिकी
जितिन प्रभा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
माणे प्रसन्नजीत प्रदीप	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अनरसे आशीष प्रलहाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
पी वी एस अनुराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राकेश रंजन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मुजम्मिल राउत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रांशुल सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
संकेत शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
श्रेय शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अंकिता शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ऋत्विक शुक्ला	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हर्षवर्धन सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अभिनव सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
विश्वेन्द्र सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यश प्रताप सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यश सुल्तानिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी
एम सूर्या	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हैदरअली एम टी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कोंडुरू वेण्कट नागा साई रवि तेजा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
दिव्यांश त्रिपाठी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मीत वडेरा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सौरभ एस. वैचल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सामर्थ वैजनापुरकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मरगज ओम विजय	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2011 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
यशोदीप पी चौहान	रसायन अभियांत्रिकी
मणसा जंगला	रसायन अभियांत्रिकी
बानोथ सूर्य किरण	रसायन अभियांत्रिकी
गुब्बाला पवन कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
अंकित पंडोले	रसायन अभियांत्रिकी
पराग प्रदीपकुमार रामटेके	रसायन अभियांत्रिकी
संतोष	रसायन अभियांत्रिकी
अश्विन दलवी	विद्युत अभियांत्रिकी
दीप राहुल	विद्युत अभियांत्रिकी
लोकेश्वर नाइक के	विद्युत अभियांत्रिकी
रवि कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
हीरालाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी

2010 बैच

छात्रों के नाम	*विभाग*
पुनीत रावत	रसायन अभियांत्रिकी

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएं

- मूल विशेषताएं
- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरुप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- शोध परिवेश
- संकाय और छात्रों की प्रकृति:
  - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
  - छात्रों का चयन सख्ती के साथ अंकतालिका के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं– प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय सुविधाओं के समकक्ष बनाने के लिए उदार निधि।
- प्रशासन– भा.प्रौ.सं.गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
  - निदेशक को प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसरः
  - छात्रों और संकाय के मध्य करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल–मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
  - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
  - सदैव शिक्षा का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- प्रतिभा
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता का प्रोत्साहन एवं समारोह
- नए विचारों का स्वागत और भूल होने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

ध्येय

भाप्रौसं गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रूप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्दमिओं के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा.प्रौ.सं.गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले एसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जदिगी को बेहतर बनाएगी।

लक्ष्य

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व शोध में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ–निर्धारक शोध के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान–प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा–कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

दृष्टि

- भाप्रौसं गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रूप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्दमी, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहां से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

पालज, गांधीनगर, गुजरात – 382355